



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 22] नई दिल्ली, शनिवार, जून 2—जून 8, 2018 (ज्येष्ठ 12, 1940)
 No. 22] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 2—JUNE 8, 2018 (JYAISTHA 12, 1940)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
 (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ सं.	विषय-सूची	पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	295	छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं..... *
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	339	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)..... *
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	9	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश..... *
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	725	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं..... 927
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस..... *
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं..... *
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*	भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं..... 1915
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस..... 1095
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को		भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्ण..... *

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	295	by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	339	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	9	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	725	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	927
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1915
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	1095
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1**[PART I—SECTION 1]**

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, 26 जनवरी, 2018

संख्या 43-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2018 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक प्रदान करते हैं:-

1. श्री शेख मोहम्मद इकबाल, पुलिस महानिरीक्षक, दक्षिण जोन, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश 500001
2. श्री जंगारेड्डी कोटेश्वरा राव, कमांडेंट, एपीएसपी बटालियन, काकीनाडा, आंध्र प्रदेश, 533001
3. श्री कमल कांत व्यास, अपर पुलिस आयुक्त, लाइसेंसिंग शाखा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110049
4. श्री सुरेन्द्र कुमार दहिया, सहायक पुलिस आयुक्त, पंजाबी बाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली 110026
5. डॉ० अरुण सिंह, पुलिस अधीक्षक, जींद, हरियाणा, 126102
6. श्री लखविन्दर कुमार, निरीक्षक, सीआईडी, पंचकुला, हरियाणा, 134109
7. श्री जोगिन्दर पॉल सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
8. श्री बशीर अहमद खान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एपीसी हुमहामा, जम्मू और कश्मीर, 119002
9. डॉ० बी.ए. महेश, उप पुलिस महानिरीक्षक, आर एंड टी बेंगलुरु, कर्नाटक, 560001
10. श्री टी.आर. सुरेश, पुलिस आयुक्त, मंगलुरु शहर, कर्नाटक, 575001
11. श्री जी.ए. जगदीश, सहायक पुलिस आयुक्त, बेंगलुरु, कर्नाटक, 560030
12. श्री संजीव देशपांडे, उप कमांडेंट, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
13. श्री निरंजन सिंह राजपूत, प्लाटून कमांडर, एसएएफ सागर, मध्य प्रदेश, 468002
14. श्री गाजी राम मीणा, अपर पुलिस महानिदेशक कारागार, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
15. श्री एस जगन्नाथन, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण और विशेष यूनिट मुंबई, महाराष्ट्र, 400001
16. श्री बाजीराव राजाराम भोसले, सहायक पुलिस आयुक्त, वागले एस्टेट थाणे शहर, महाराष्ट्र, 400601
17. श्री विनायक उमटा राजपूत, पुलिस उपनिरीक्षक, रीडर शाखा पुलिस अधीक्षक कार्यालय नंदुरबार, महाराष्ट्र, 425412
18. श्री थंखनलाल गुईट, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय मणिपुर, मणिपुर, 795001
19. श्री चाउएनलई संगमा, सहायक कमांडेंट, एसएफ-10 गोलफिंग शिलांग, मेघालय, 793001
20. श्री पी.सी. अलछुअनावमा, कमांडेंट, 1 बटालियन एमएपी, आईजोल जिला, मिजोरम, 796008
21. श्री जोसेफ हिस्सो, पुलिस अधीक्षक, डीईएफ कोहिमा, नागालैंड, 797001
22. श्री मनदीप सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, संगरूर, पंजाब, 148001
23. श्री राम सिंह, उप निरीक्षक, एसटीएफ, आसूचना मुख्यालय, एसएस नगर, पंजाब, 160062

24. श्री दलपत सिंह राजपूत, हेड कांस्टेबल, जोधपुर, राजस्थान, 342026
25. श्री राजीव कुमार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, कल्याण, चेन्नई, तमिलनाडु, 600004
26. श्री एस. मनोहरन, संयुक्त पुलिस आयुक्त, पूर्वी जोन, ग्रेटर चेन्नई पुलिस, एगमोर, चेन्नई, तमिलनाडु, 600008
27. श्री जितेन्द्र, अपर पुलिस महानिदेशक एवं निदेशक (आरबीवीआरआर), हैदराबाद, तेलंगाना, 500091
28. श्री नरेन्द्र नारायण राव चुंगी, उप पुलिस अधीक्षक, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004
29. श्री राकेश चंद्र साहू, उप पुलिस महानिरीक्षक, बस्ती, उत्तर प्रदेश, 272001
30. श्री जवाहर, उप पुलिस महानिरीक्षक, झांसी, उत्तर प्रदेश, 284001
31. श्री शांति स्वरूप, हेड कांस्टेबल, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 201001
32. श्री रमाकांत पाण्डेय, उप निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, 211001
33. श्री नरेश पाल सिंह, हेड कांस्टेबल, बरेली, उत्तर प्रदेश, 243001
34. श्री स्वतेन्द्र प्रकाश सिंह, हेड कांस्टेबल, गाजीपुर, उत्तर प्रदेश, 233001
35. श्री बसंती लाल मधवाल, उप पुलिस अधीक्षक, जिला ऊधमसिंहनगर, उत्तराखंड, 263153
36. डॉ० देवाशीष राँय, अपर पुलिस महानिदेशक, दूरसंचार, पश्चिम बंगाल, 3 एमबी सरणी टालीगंज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700040
37. श्री सुनील हाजरा, उप पुलिस आयुक्त, 7वीं बटालियन कोलकाता ऑर्म्ड पुलिस अलीपुर, पश्चिम बंगाल, 700027
38. श्री भास्करन सैगल, उप पुलिस अधीक्षक सीआईडी, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, 744101
39. डॉ० बी.जे. चंद्रन, बरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अपराध और आसूचना पुडुचेरी, पुडुचेरी, 605001
40. श्री पान सिंह, सूबेदार (जीडी), चीस्वेमा/नागालैंड, असम राइफल्स, 797001
41. श्री परविन्दर सिंह बैस, महानिरीक्षक, एसटीसी बीएसएफ खाड़का, सीमा सुरक्षा बल, 146001
42. श्री इंद्रद्युम्न शर्मा, महानिरीक्षक, बल मुख्यालय बीएसएफ नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल, 110003
43. श्री अजमल सिंह कठात, उप महानिरीक्षक, फ्रंटियर मुख्यालय बीएसएफ दक्षिण बंगाल, सीमा सुरक्षा बल, 700071
44. श्री लखविन्दर सिंह बल, उप महानिरीक्षक, बल मुख्यालय बीएसएफ नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल, 110003
45. श्री नरेन्द्र पाल सिंह, उप कमांडेंट, सेक्टर मुख्यालय बीएसएफ गोकुलनगर, सीमा सुरक्षा बल, 799102
46. श्री नंद गोपाल गुप्ता, उप महानिरीक्षक, सीआईएसएफ आरटीसी भिलाई, सीआईएसएफ, 490001
47. श्री यशवंत सिंह, कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट भेल हैदराबाद, सीआईएसएफ, 502032
48. श्री कमल कांत शर्मा, महानिरीक्षक, भुवनेश्वर, सीआरपीएफ, 751011
49. श्री विक्रम सहगल, महानिरीक्षक, इम्फाल मणिपुर, सीआरपीएफ, 795113
50. श्री जी.बी.एच. गिरि प्रसाद, महानिरीक्षक, बेंगलुरु, सीआरपीएफ, 560064
51. श्रीमती गीतम्मा एस., सहायक कमांडेंट, भद्राचलम तेलंगाना, सीआरपीएफ, 507111
52. श्री सलाहुद्दीन, उप निरीक्षक (जीडी), श्रीनगर जम्मू कश्मीर, सीआरपीएफ, 191121
53. श्री सुशांत कुमार बारिक, उप निरीक्षक (जीडी), दुर्गापुर पश्चिम बंगाल, सीआरपीएफ, 713214
54. श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, कमांडेंट (जीडी), परिवहन बटालियन आईटीबीपी एयरपोर्ट चंडीगढ़ यूटी, आईटीबीपी, 160003
55. श्री गोविन्द सिंह नेगी, निरीक्षक (जीडी), 43 बटालियन आईटीबीपी, शालाबाग सराहन, हिमाचल प्रदेश, आईटीबीपी, 172034
56. श्री कालेंगडा मुथन्ना करियप्पा, पब्लिसिटी अधिकारी, बल मुख्यालय एसएसबी, आर.के. पुरम, नई दिल्ली, एसएसबी, 110066
57. श्री अशित कुमार दास, उप महानिरीक्षक, फ्रंटियर मुख्यालय, एसएसबी, सिलीगुड़ी, रानीडंगा पश्चिम बंगाल, एसएसबी, 734012
58. श्री प्रदीप कुमार पालीवाल, संयुक्त निदेशक, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

59. श्री प्रकाश चंद्रा, संयुक्त उप निदेशक, एसआईबी दिल्ली, गृह मंत्रालय
60. श्री परविन्दर पाल सिंह, सहायक निदेशक, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
61. श्री अलबेन कन्नोथ पुरुषोत्तमन कुमार, सहायक निदेशक, एसआईबी मुम्बई, गृह मंत्रालय
62. श्री कन्नन रमेश, सहायक निदेशक, एसआईबी चेन्नई, गृह मंत्रालय
63. श्री राजेश शुक्ला, सहायक निदेशक, एसआईबी चंडीगढ़, गृह मंत्रालय
64. श्री शंकरनकुट्टी नारायणन तईमाट्टु, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी II/कार्य, एसआईबी त्रिवेन्द्रम, गृह मंत्रालय
65. श्री देव कांत झा, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी II/तकनीकी, एसआईबी गुवाहाटी, गृह मंत्रालय
66. श्री जोएल सुनील इमैनुएल, अपर पुलिस अधीक्षक, सीबीआई अकादमी गाजियाबाद, सीबीआई, 201002
67. श्री रोहित श्रीवास्तवा, अपर पुलिस अधीक्षक, सीबीआई एसी-I।। नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
68. श्री रोशन लाल यादव, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई एसी-I। नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
69. श्री वी. कविदास, सहायक उप निरीक्षक, सीबीआई मुख्यालय नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
70. श्री रघुवेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल, सीबीआई, आईपीसीसी, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
71. श्री हरपाल सिंह विर्क, हेड कांस्टेबल, सीबीआई एसीबी नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
72. श्री सौमित्र धर, पुलिस अधीक्षक, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली, 110003
73. श्री सत्यवीर सिंह, उप निरीक्षक, सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद, एसवीपी एनपीए, 500052
74. श्री सुधीर कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक, एनडीआरएफ, सीजीओ काम्प्लेक्स, नई दिल्ली, एनडीआरएफ, 110003
75. श्री राजेन्द्र कुमार मलिक, महानिरीक्षक-सह-मुख्य सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ, जबलपुर, रेल मंत्रालय, 482001

2. ये पुरस्कार, विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक की मंजूरी को विनियमित करने वाले नियमों के नियम 4(ii) के तहत प्रदान किए जाते हैं।

पी.प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

संख्या 44-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2018 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

1. श्री मीसाला रवि प्रकाश, पुलिस अधीक्षक, पश्चिम गोदावरी, झूलू, आंध्र प्रदेश, 534001
2. श्री पी. मुरलीधर, उप पुलिस अधीक्षक, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश, 532001
3. श्री एम. वेंकटादरी, उप पुलिस अधीक्षक, महिला पुलिस स्टेशन, कुरनूल, आंध्र प्रदेश, 518001
4. श्री नैनाला शिव प्रसाद, असाल्ट कमांडर ग्रे हाउंडस, मंगलागिरि, आंध्र प्रदेश, 522503
5. श्री सैरिगापु मोहन राव, सहायक कमांडेंट, अंबापेट हैदराबाद, आंध्र प्रदेश, 500013
6. श्री मेदारामेटला हनुमंथा राव, पुलिस निरीक्षक, पिडुगुराल्ला, आंध्र प्रदेश, 522431
7. श्री पोचाना रविन्द्रनाथ रेड्डी, पुलिस निरीक्षक सीआई सैल, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, 521001
8. श्री के.वी.वी.एस.वी. प्रसाद, रिजर्व निरीक्षक आईएसडब्ल्यू, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, 521001
9. श्री तंगिल्लापल्ली वेंकट राव, उप निरीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, 521001
10. श्री सानाबोद्दना रामाकृष्णा, पुलिस उप निरीक्षक, मंगलागिरि, आंध्र प्रदेश, 522503

11. श्रीमती यालाला पद्मावती, सहायक उप निरीक्षक, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, 531001
12. श्री माडुला वेंकटेश्वर राव, सहायक रिजर्व उप निरीक्षक, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, 521001
13. श्री पी. ईश्वर राव, सहायक रिजर्व उप निरीक्षक, काकीनाडा, आंध्र प्रदेश, 533001
14. श्री वी. कृष्णा, पुलिस कांस्टेबल, राजामहेन्द्रवर्मा, आंध्र प्रदेश, 533101
15. श्री राम पुकार सिंह, उप पुलिस अधीक्षक (रेल), कटिहार, बिहार, 854105
16. श्री नंद कुमार सिंह, हवलदार, बीएमपी-10 फुलवारी शरीफ पटना, बिहार, 800014
17. श्री शिव पूजन यादव, हवलदार, बीएमपी-10 पटना, बिहार, 800014
18. श्री साहिब राम उराँव, हवलदार, पटना, बिहार, 800014
19. श्री मोहम्मद इब्रार खान, हवलदार, बीएमपी-14 पटना, बिहार, 800014
20. श्री सुनिल कुमार, हवलदार, बीएमपी-14 पटना, बिहार, 800014
21. श्री नंदजी यादव, हवलदार, बीएमपी-14 पटना, बिहार, 800014
22. श्री रविन्द्र कुमार सिंह, हवलदार, बीएमपी-14 पटना, बिहार, 800014
23. श्री नरेन्द्र नाथ तिवारी, हवलदार, बीएमपी-14 पटना, बिहार, 800014
24. श्री रामाश्रय उपाध्याय, हवलदार, बीएमपी-14 पटना, बिहार, 800014
25. श्री रामजान अंसारी, हवलदार, बीएमपी-14 पटना, बिहार, 800014
26. श्री अनिल कुमार, पुलिस अधीक्षक सर्तकता, अन्वेषण ब्यूरो पटना, बिहार, 800001
27. श्री ललित विजय तिवारी, पुलिस निरीक्षक, विशेष सर्तकता यूनिट पटना, बिहार, 800001
28. श्री संजीव कुमार, निरीक्षक, सर्तकता अन्वेषण ब्यूरो, पटना, बिहार, 800001
29. श्री विजय कुमार, निरीक्षक, सर्तकता अन्वेषण ब्यूरो, पटना, बिहार, 800001
30. श्री पिंटू कुमार, सहायक उप निरीक्षक, सर्तकता अन्वेषण ब्यूरो, पटना, बिहार, 800001
31. श्री शत्रुघ्न प्रसाद सिंह, सहायक उप निरीक्षक, सर्तकता अन्वेषण ब्यूरो, पटना, बिहार, 800001
32. श्री शंकर लाल बाघेल, कमांडेंट, 9वीं बटालियन सीएएफ दांतेवाड़ा, छत्तीसगढ़, 494441
33. श्री अजय कुमार लाकड़ा, निरीक्षक, एरिया अधिकारी विशेष शाखा रायपुर, छत्तीसगढ़, 492006
34. श्री ईश्वर प्रसाद मिश्रा, प्लाटून कमांडर, 02 बटालियन छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495003
35. श्री फागु राम लहरे, सहायक उप निरीक्षक, पुलिस स्टेशन भंसी दांतेवाड़ा, छत्तीसगढ़, 494551
36. श्री प्रदीप कुमार कश्यप, सेक्शन कमांडर, 10वीं बटालियन सीएएफ सरगुजा, छत्तीसगढ़, 497002
37. श्री मैक्सिमिलियानुस टिकी, सहायक प्लाटून कमांडर, 12वीं बटालियन सीएएफ रामानुजगंज बलरामपुर, छत्तीसगढ़, 497220
38. श्री राधेलाल कोराम, हेड कांस्टेबल, पुलिस स्टेशन दरभा, बस्तर, छत्तीसगढ़, 424115
39. श्री विजय कुमार चौबे, हेड कांस्टेबल, वीआईपी सुरक्षा बटालियन माना रायपुर, छत्तीसगढ़, 492015
40. श्री सत्यनारायण शर्मा, हेड कांस्टेबल, पुलिस स्टेशन दुर्ग, छत्तीसगढ़, 491001
41. श्री रामअवतार सिंह राजपूत, हेड कांस्टेबल, पुलिस लाइन धामतारी, छत्तीसगढ़, 493776
42. श्री शेष नारायण देवांगन, हेड कांस्टेबल, ट्रैफिक जिला राजनंदगांव, छत्तीसगढ़, 491441

43. श्री राजवीर सिंह चौहान, उप पुलिस आयुक्त, प्रथम बटालियन डीएपी, नया पुलिस लाइन किंगजवे कैप, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110009
44. श्री आसिफ मोहम्मद अली, उप पुलिस आयुक्त (लाईसेंसिंग), पुलिस स्टेशन डिफेंस कॉलोनी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110024
45. श्री संजय भाटिया, उप पुलिस आयुक्त, इंदिरा गांधी एयरपोर्ट, पुलिस स्टेशन इंदिरा गांधी एयरपोर्ट, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110037
46. श्री दिनेश कुमार गुप्ता, उप पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक आउटर रेंज), सेक्टर 15 रोहिणी, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110085
47. श्रीमती वर्षा शर्मा, अतिरिक्त पुलिस उप आयुक्त, आर्थिक अपराध शाखा, मंदिर मार्ग, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110001
48. श्री सोम नाथ परूथि, निरीक्षक (कार्यकारी), पुलिस आयुक्त का कार्यालय दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110002
49. श्रीमति शशि बाला, एसीपी (एलए), महिलाओं के प्रति अपराध नई दिल्ली जिला, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110001
50. श्री संदीप मल्होत्रा, निरीक्षक, साइबर सेल अपराध शाखा, पुलिस स्टेशन दरियागंज, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110002
51. श्री राज कुमार, निरीक्षक, रूप नगर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110007
52. श्री कृष्ण प्रकाश, निरीक्षक, गोपनीय शाखा (पुलिस मुख्यालय), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110002
53. श्री सुरेश मस्कीन, निरीक्षक, मैपिंग सेक्शन ट्रैफिक मुख्यालय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110012
54. श्री जितेन्द्र डोगरा, हेड कांस्टेबल, पुलिस स्टेशन सब्जी मंडी अपराध शाखा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110009
55. श्री किशन चंद, कांस्टेबल, ट्रैफिक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110012
56. श्री देव कुमार, हेड कांस्टेबल, सम्मेलन कक्ष पुलिस मुख्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110002
57. श्री सुभाष कुमार, हेड कांस्टेबल, पुलिस मुख्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110002
58. श्री रणवीर सिंह, कांस्टेबल, अपराध शाखा कश्मीरी गेट मेट्रो, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110006
59. श्री सतीश कुमार, कांस्टेबल, 03 बटालियन डीएपी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110018
60. श्री जुबेर मोमिन, कांस्टेबल, गोवा, गोवा, 403001
61. श्री सागरदान कलुभा गढवी, पुलिस उप निरीक्षक, अपर पुलिस आयुक्त ट्रैफिक अहमदाबाद शहर, गुजरात, 380004
62. श्री रामदेवसिंह जोरुभा राना, पुलिस संचार उप निरीक्षक, पुलिस अधीक्षक का कार्यालय भावनगर, गुजरात, 364002
63. श्री रमेशचन्द्र दुर्लभभाई पटेल, सहायक उप निरीक्षक, अपराध निवारक शाखा सुरत शहर, गुजरात, 395003
64. श्री दिलीपसिंह चमनसिंह वाघेला, सहायक उप निरीक्षक, एसआरपीएफ 15 ओएनजीसी मेहसाना, गुजरात, 384003
65. श्री मनोजसिंह साहेबसिंह राजपूत, अनआर्म्ड हेड कांस्टेबल, सूरत, गुजरात, 395003
66. श्री गोपाल भगवानस्वरूप शर्मा, अनआर्म्ड हेड कांस्टेबल, अहमदाबाद, गुजरात, 380061
67. श्री ईश्वरभाई सोमाभाई रबारी, अनआर्म्ड पुलिस हेड कांस्टेबल, अहमदाबाद, गुजरात, 380001
68. श्री जयरामसिंह बलवंतसिंह जाडेजा, सहायक आसूचना अधिकारी, गांधीनगर, गुजरात, 382009
69. श्री वसंतकुमार कल्याणदास परमार, सहायक आसूचना अधिकारी एआईओ, गांधीनगर, गुजरात, 382009
70. श्री सौरभ सिंह, पुलिस महानिरीक्षक (अपराध), पंचकुला, हरियाणा, 134106
71. श्रीमती भारती अरोड़ा, पुलिस महानिरीक्षक (एसवीवी), गुरुग्राम, हरियाणा, 122001
72. श्री बलवान सिंह, पुलिस अधीक्षक एचवीपीएनएल, गुरुग्राम, हरियाणा, 122018

73. श्री राज कुमार, पुलिस अधीक्षक सीआईडी, नई दिल्ली, हरियाणा, 121004
74. श्री सुमेर सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त, गुरुग्राम, हरियाणा, 122001
75. श्री राजीव कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, गुरुग्राम, हरियाणा, 122001
76. श्री बलजीत सिंह, निरीक्षक (एचएचआरसी), चंडीगढ़, हरियाणा, 160020
77. श्री सत्य देव, उप निरीक्षक, फरीदाबाद, हरियाणा, 121001
78. श्री राम किशन, उप निरीक्षक, गुरुग्राम, हरियाणा, 122035
79. श्री अरविन्द कुमार, उप निरीक्षक, गुरुग्राम, हरियाणा, 122001
80. श्री अशोक कुमार, सहायक उप निरीक्षक, पंचकुला, हरियाणा, 134109
81. श्री सुनील दत्त नेगी, उप पुलिस अधीक्षक सीआईडी, शिमला, हिमाचल प्रदेश, 171009
82. श्रीमती रंजना, महिला हेड कांस्टेबल, शिमला, हिमाचल प्रदेश, 171001
83. श्री पन्ना लाल, एचएचसी, सीआईडी मुख्यालय, हिमाचल प्रदेश, 171009
84. श्री अब्दुल कयूम ठाकूर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, कश्मीर, जम्मू और कश्मीर, 190001
85. श्री महमूद अहमद, प्रधानाचार्य सीटीसी, कश्मीर, जम्मू और कश्मीर, 192122
86. श्री जोगिन्दर सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
87. श्री इम्तियाज हुसैन मीर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बारामुला, जम्मू और कश्मीर, 193101
88. श्री रमेश कुमार अन्ग्राल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
89. श्री जगदेव सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
90. श्री जाहिद सैफ बानी, उप पुलिस अधीक्षक, सांबा, जम्मू और कश्मीर, 184121
91. श्री फेरोज अहमद कादरी, उप पुलिस अधीक्षक, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, 190001
92. श्री लाइक अहमद डार, प्रमुख अभियोजन अधिकारी, जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
93. श्री अक्षय खजूरिया, निरीक्षक, जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
94. श्री जगदीप सिंह, निरीक्षक, जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
95. श्री अशोक सिंह जसरोटिया, निरीक्षक, जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
96. कुमारी सीमा बक्शी, उप निरीक्षक, जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
97. श्री बगदाद हुसैन शाह, उप निरीक्षक, पुंछ, जम्मू और कश्मीर, 185211
98. श्री बलबीर सिंह, सहायक उप निरीक्षक, जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
99. श्री सरफराज हुसैन, सहायक उप निरीक्षक, राजौरी, जम्मू और कश्मीर, 185131
100. श्री सुनीत सिंह, हेड कांस्टेबल, रियासी, जम्मू और कश्मीर, 182311
101. श्री आलोक, पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा झारखंड रांची, झारखंड, 834004
102. श्री रमेश भगत, आरमोरर उप निरीक्षक, जेएपी 3 धनबाद, झारखंड, 828109
103. श्री मन्तुष्ट महतो, सहायक उप निरीक्षक पलामू, झारखंड, 822101
104. श्री बिनोद कुमार जयसवाल, हवलदार, जेएपी 6 जमशेदपुर, झारखंड, 831009

105. श्री रामलाल राम, हवलदार, आईआरबी 3 चतरा, झारखंड, 829201
106. श्री संजय थापा, हवलदार, जेएपी 1 रांची, झारखंड, 834002
107. श्री धनेश सिंह, हवलदार, गढ़वा, झारखंड, 822114
108. श्री राजेश्वर प्रसाद, हवलदार, गढ़वा, झारखंड, 822114
109. श्री अब्दुल खैर, हवलदार, गरहवा, झारखंड, 822114
110. श्री रवि कुमार एच नाईक, पुलिस अधीक्षक, केलए बेलागावि, कर्नाटक, 590001
111. श्री हमजा हुसैन, पुलिस अधीक्षक, सर्तकता बेंगलूरु, कर्नाटक, 560001
112. श्री के.पी. रविकुमार, एसीपी, बनासवाडी सब डिवीजन बेंगलूरु शहर, कर्नाटक, 560043
113. श्री यू शारानप्पा, उप पुलिस अधीक्षक, चिंचोली, कर्नाटक, 583305
114. श्री सी. संपत कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, सोमवारपेट, कर्नाटक, 571236
115. श्री निनगाप्पा बी साकरी, सहायक पुलिस आयुक्त, हुबली, कर्नाटक, 580020
116. श्री के. सत्यनारायण, पुलिस निरीक्षक, चिकमगलूरु जिला, कर्नाटक, 577548
117. श्रीमती वी. एन. गुनावथि, पुलिस सहायक उप निरीक्षक, एससीआरबी बेंगलूरु, कर्नाटक, 560001
118. श्रीमती के. आर. विनुथा, सहायक उप निरीक्षक, एससीआरबी बेंगलूरु, कर्नाटक, 560001
119. श्री जी. श्रीनिवास शेट्टी, हेड कांस्टेबल, बेंगलूरु शहर, कर्नाटक, 560009
120. श्री बी.एच. हेमकुमार, हेड कांस्टेबल, बेंगलूरु शहर, कर्नाटक, 560009
121. श्री बी.एन. महबूब, सिविल हेड कांस्टेबल, कोलार, कर्नाटक, 563101
122. श्री लाछीराम प्रसाद पाठक, सिविल हेड कांस्टेबल, हुबली ग्रामीण पुलिस स्टेशन हुबली, कर्नाटक, 580020
123. श्री माल्लिकार्जुन हेगडे, सिविल हेड कांस्टेबल, बेंगलूरु शहर, कर्नाटक, 560001
124. श्री जगन्नाथन, विशेष सहायक रिजर्व उप निरीक्षक, बेंगलूरु शहर, कर्नाटक, 560034
125. श्री कमलाकशा के, हेड कांस्टेबल, मंगलूरु, कर्नाटक, 575001
126. श्री के.एस. नागराजा, उप पुलिस अधीक्षक, तुमाकुरु, कर्नाटक, 572102
127. श्री बी बालाराजू, उप पुलिस अधीक्षक, बेंगलूरु शहर, कर्नाटक, 560001
128. श्री कृष्णोजी राव एम, आर्मड हेड कांस्टेबल, मैसूर, कर्नाटक, 570004
129. श्री पी. विजॉय, पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय, केरल, 695010
130. श्री ज्योतिष कुमार एस. आर., उप अधीक्षक, सीबीसीआईडी तिरुवनंतपुरम, केरल, 695010
131. श्री के. इ. बैजू, सहायक आयुक्त, छावनी तिरुवनंतपुरम, केरल, 695001
132. श्री सी. सनातन कुमार, उप निरीक्षक, एसबीसीआईडी तिरुवनंतपुरम, केरल, 695014
133. श्री वी. कृष्णकुमार, सहायक उप निरीक्षक, एसबीसीआईडी थ्रिसूर, केरल, 680001
134. श्री अजन सी, सहायक उप निरीक्षक, तिरुवनंतपुरम, केरल, 695033
135. श्रीमती हिमानी खन्ना, कमांडेंट, 2 बटालियन एसएएफ ग्वालियर, मध्य प्रदेश, 475001
136. श्री मुकेश कुमार श्रीवास्तव, कमांडेंट, 5वीं बटालियन एसएएफ मोरेना, मध्य प्रदेश, 476001

137. श्री राजेश सिंह चंदेल, पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462001
138. श्री रजी अब्राहम, उप निरीक्षक, एटीएस मुख्यालय पुलिस मुख्यालय भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
139. श्री श्योराज सिंह, सहायक उप निरीक्षक, 7वीं बटालियन एसएएफ भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
140. श्री वृज भूषण कोल, हेड कांस्टेबल, रीवा, मध्य प्रदेश, 486001
141. श्री वाल्टर हेनरी एक्का, हेड कांस्टेबल, हॉक बल मुख्यालय भोपाल, मध्य प्रदेश, 462003
142. श्री राज लोचन प्रसाद दुबे, कांस्टेबल, 9वीं बटालियन एसएएफ रीवा, मध्य प्रदेश, 486001
143. श्री तान सिंह मरावी, कांस्टेबल, अनूपपुर, मध्य प्रदेश, 484224
144. श्री उदयन श्रीवास्तव, निरीक्षक (एम), उप महानिरीक्षक कार्यालय भोपाल, मध्य प्रदेश, 462001
145. श्री ऋतु कांत सिन्हा, सूबेदार (एम), एससीआरबी पुलिस मुख्यालय भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
146. श्री बसंत कटारे, हेड कांस्टेबल, तुलसी नगर भोपाल, मध्य प्रदेश, 462003
147. श्री राम चरित तिवारी, हेड कांस्टेबल, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462001
148. श्री सीमाराम अहिरवार, कांस्टेबल, जबलपुर, मध्य प्रदेश, 452001
149. श्री ज्ञानेश्वर सादाशिव चौहान, पुलिस उप कमांडर, जोन-II दक्षिणी क्षेत्र मुंबई, महाराष्ट्र, 400008
150. श्री महेश उदाजी पाटिल, पुलिस अधीक्षक, ठाणे ग्रामीण, महाराष्ट्र, 400601
151. श्री रविन्द्र कुसाजी वाडेकर, सहायक पुलिस आयुक्त, डोमबिवाली डिवीजन ठाणे शहर, महाराष्ट्र, 421201
152. श्री शांताराम तुकाराम अवसरे, सहायक पुलिस आयुक्त, ईओडब्ल्यू अपराध शाखा ठाणे शहर, महाराष्ट्र, 421201
153. श्री विश्वेश्वर प्रभाकर नांदेडकर, उप पुलिस अधीक्षक, नांदेड, महाराष्ट्र, 431602
154. श्री जनार्दन जगन्नाथ घाडगे, सहायक कमांडेंट, एसआरपीएफ जालना जीआर.3, महाराष्ट्र, 431203
155. श्री संजीव कुमार विश्वासराव पाटिल, उप पुलिस अधीक्षक, कोल्हापुर महाराष्ट्र, 416003
156. श्री नेहरू दशरथ बंडगर, ऑर्म पुलिस निरीक्षक, प्रधानाचार्य एसआरपीएफ टीआरजी डाउंड, महाराष्ट्र, 413801
157. श्री बालासाहेब रामचन्द्र घाडगे, निरीक्षक, उत्तरी पुलिस कंट्रोल मुंबई शहर, महाराष्ट्र, 400101
158. श्री भीम वामन छापछाडे, पुलिस निरीक्षक बेतार, पुलिस निदेशक बेतार एमएस पुणे, महाराष्ट्र, 411008
159. श्री प्रकाश कचरू साहाने, पुलिस निरीक्षक, डीएसबी विशेष शाखा बुलधाना, महाराष्ट्र
160. श्री प्रकाश नागप्पा बिराजडार, पुलिस निरीक्षक, वासाई पालघर, महाराष्ट्र, 401201
161. श्री संजय रामराव देशमुख, पुलिस निरीक्षक, स्थानीय अपराध शाखा यावतमाल, महाराष्ट्र, 445001
162. श्री शाम सखाराम शिंदे, पुलिस निरीक्षक, कोलाबा मुंबई शहर, महाराष्ट्र, 400005
163. श्री पांडुरंग नारायाण शिंदे, पुलिस निरीक्षक, मुंबई शहर, महाराष्ट्र, 400007
164. श्री सुधीर प्रभाकर अस्पत, पुलिस निरीक्षक, एचएसपी पुणे, महाराष्ट्र, 411003
165. श्री सायरस बोमन ईरानी, पुलिस निरीक्षक, मुंबई शहर, महाराष्ट्र, 400001
166. श्री अविनाश लक्ष्मीनारायण आघव, पुलिस निरीक्षक, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, 431009
167. श्री सुनिल दशरथ महाडीक, पुलिस निरीक्षक, नागपुर शहर, महाराष्ट्र, 440027
168. श्री ज्ञानेश्वर रायभान वाघ, पुलिस निरीक्षक, विशेष शाखा, मुंबई शहर, महाराष्ट्र, 400001

169. श्री सुनिल विष्णुपंत लोखांडे, मुख्य आसूचना अधिकारी, नागपुर, महाराष्ट्र, 440001
170. श्री चंदन शंकर राव शिंदे, पुलिस उप निरीक्षक, डीसीबी सीआईडी मुंबई शहर, महाराष्ट्र, 400001
171. श्री लवू परशुराम कुवारे, पुलिस उप निरीक्षक, आतंकवाद-रोधी दस्ता मुंबई, महाराष्ट्र, 400008
172. श्री अब्दुलगफूर गफ्फार खान, पुलिस उप निरीक्षक, एसआरपीएफ जीआर 14 औरंगाबाद, महाराष्ट्र, 431010
173. श्री शिवमूर्ति अप्पय्या हुक्केरी, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, ट्राम्बे पुलिस स्टेशन मुंबई शहर, महाराष्ट्र, 400088
174. श्री युवराज मोतीराम पाटिल, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, डीसीबी जलगांव, महाराष्ट्र, 425001
175. श्री विक्रम निवरुत्ती काले, सहायक उप निरीक्षक, पुणे शहर, महाराष्ट्र, 411001
176. श्री जयसिंगराव खाशाबा संकपाल यादव, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, पुणे शहर, महाराष्ट्र, 411001
177. श्री दिलिप पुडलिक पाटिल, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, एसआरपीएफ जीआर6 धुले, महाराष्ट्र, 424001
178. श्री माताप्रसाद रामपाल पांडे, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, नागपुर शहर, महाराष्ट्र, 440002
179. श्री सुरेश गुनाजी वारंग, सहायक उप निरीक्षक, सिंधुदुर्ग, महाराष्ट्र, 416606
180. श्री विलास दगडु जगताप, सहायक उप निरीक्षक, सातारा, महाराष्ट्र, 415001
181. श्री चतुर दगा चित्ते, सहायक उप निरीक्षक, नंदुरबार, महाराष्ट्र, 425412
182. श्री प्रदीप काशीराम पाटिल, सहायक उप निरीक्षक, धुले, महाराष्ट्र, 424001
183. श्री सोमनाथ रामचंद्र पवार, सहायक उप निरीक्षक, पुणे शहर, महाराष्ट्र, 411001
184. श्री राशिद उस्मान शेख, सहायक उप निरीक्षक सांगली महाराष्ट्र, 416415
185. श्री दिलीप वासुदेव वाघमारे, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, अमरावती शहर, महाराष्ट्र, 444602
186. श्री दिलीप कुमार बाबूवान सावणे, सहायक उप निरीक्षक, सोलापुर ग्रामीण, महाराष्ट्र, 413001
187. श्री नंदकिशोर काशीनाथ सावखेडकर, हेड कांस्टेबल, पीसीआर नासिक, महाराष्ट्र, 425001
188. श्री के अजीतकुमार शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक (औप्स), जिरीबाम, मणिपुर, 795116
189. श्री सोरोखैबाम रुद्र नारायण सिंह, निरीक्षक सीआईडी (एसबी), मणिपुर, 795001
190. श्री एलंबम भुवनेश्वर सिंह, पुलिस निरीक्षक, सीआईडी सीबी पुलिस मुख्यालय मणिपुर, 795001
191. श्री यामबेम एंडरसन सिंह, सूबेदार, एमपीटीसी, पांगेलईस्ट मणिपुर, 795114
192. श्री पेवाम इनाओबा सिंह, हवलदार, 2 आईआरबी, मणिपुर, 795126
193. श्री खोमडराम इंद्रकुमार सिंह, हवलदार, एमपीआर खाबेसोई, मणिपुर, 795010
194. श्री केएच. सुरांजोय सिंह, हवलदार, एमपीटीसी पानगेल, मणिपुर, 795114
195. श्रीमति जुबी जी मोमिन, एआईजी, शिलांग, मेघालय, 793001
196. श्री जैरी फिसकर के. माराक, कमांडिंग अधिकारी, शिलांग, मेघालय, 793001
197. श्रीमती जानिस के. माराक, पुलिस निरीक्षक, पश्चिम गारो हिल्स, मेघालय, 794002
198. श्री रोदिंगलिआना चौडथू, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सीआईडी (एसबी), आईजोल, मिजोरम, 796005
199. श्री लालसांगलुरा, पुलिस अधीक्षक, लांगटलाई जिला, मिजोरम, मिजोरम, 796891
200. श्री लालदब्बिनलआना, पुलिस निरीक्षक, आई/सी एल एंड ओ सेल, आईजोल डिफेंस, मिजोरम, 796001

201. श्री बी दुर्गाप्रसाद राव, सहायक उप निरीक्षक, भुवनेश्वर, ओडिशा, 751001
202. श्री शेख अनवर, सहायक उप निरीक्षक, भुवनेश्वर, ओडिशा, 751001
203. श्री सुधांशु मोहन देहरी, हवलदार, कोरापुट, ओडिशा, 764021
204. श्री शत्रुघ्न बराल, कांस्टेबल, सर्तकता निदेशालय कटुक, ओडिशा, 753001
205. श्री नरेन्द्र पाल, कांस्टेबल, यूपीडी बीबीएसआर, ओडिशा, 751022
206. श्री बी नागेश्वर राव, कांस्टेबल, आर ओ कटक यूपीडी, ओडिशा, 753001
207. श्री संजय कुमार राय, सिपाही, ओएसएपी बटालियन बीबीएसआर, ओडिशा, 751017
208. श्री हरबाज सिंह, अपर महानिरीक्षक, ट्रैफिक पंजाब चंडीगढ़, पंजाब, 160009
209. श्री सुरिंदर पाल सिंह, पुलिस अधीक्षक (सी एंड आर), मुख्यालय, बरनाला, पंजाब, 148101
210. श्री नवजोत सिंह माहल, पुलिस अधीक्षक, खन्ना, पंजाब, 141401
211. श्री तुलसी दास, उप पुलिस अधीक्षक (सी एंड आर), 3 कमांड बटालियन मोहाली, पंजाब, 160062
212. श्री बलविन्दर इकबाल सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, जालंधर ग्रामीण, पंजाब, 144401
213. श्री सुखदेव सिंह, उप निरीक्षक, उपमहानिरीक्षक प्रशा. के रीडर पीएपी जालंधर, पंजाब, 144006
214. श्री मुख्तार राज, उप निरीक्षक, अपर पुलिस महानिदेशक कमांडो बहादुरगढ़ पटियाला का कार्यालय, पंजाब, 147021
215. श्री सरबजीत सिंह, उप निरीक्षक, सुरक्षा विंग चंडीगढ़, पंजाब, 160009
216. श्री सुखदेव सिंह, निरीक्षक, सीआईडी मुख्यालय, मोहाली, पंजाब, 160062
217. श्री रविन्दरजीत सिंह, उप निरीक्षक, सीआईडी मुख्यालय मोहाली, पंजाब, 160077
218. श्री केवल सिंह, सहायक उप निरीक्षक, आरटीसी पीएपी जालंधर, पंजाब, 144006
219. श्री सुखजीत सिंह, सहायक उप निरीक्षक (एलआर), पुलिस महानिरीक्षक का कार्यालय, आसूचना, मोहाली, पंजाब, 160055
220. श्री नरिंदरजीत सिंह, सहायक उप निरीक्षक (सी एंड आर), 80वीं बटालियन, पीएपी, जालंधर, पंजाब, 144006
221. श्री जसवंत सिंह, हेड कांस्टेबल, डीपीओ संगरूर, पंजाब, 148001
222. श्री हेमंत कुमार शर्मा, पुलिस अधीक्षक, जयपुर, राजस्थान, 302015
223. श्री समीर कुमार सिंह, उप पुलिस आयुक्त, जोधपुर पश्चिम, जोधपुर, राजस्थान, 342008
224. श्री ज्योति स्वरूप शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक, पाली, राजस्थान, 306401
225. श्री कमलेश कुमार वर्मा, पुलिस निरीक्षक, एससीआरबी जयपुर, राजस्थान, 302016
226. श्री राम निवास चेजारा, पुलिस निरीक्षक, जयपुर, राजस्थान, 302006
227. श्री किशोरी लाल सैनी, पुलिस निरीक्षक, जयपुर, राजस्थान, 302006
228. श्री दीप सिंह, प्लाटून कमांडर, 1 बटालियन आरएसी जोधपुर, राजस्थान, 342026
229. श्री राम सिंह, उप निरीक्षक, सीआईडी सीबी जयपुर, राजस्थान, 342015
230. श्री पवन कुमार जाट, सहायक उप निरीक्षक, गंगानगर, राजस्थान, 335001
231. श्री मोहम्मद परवेज, सहायक उप निरीक्षक, प्रतापगढ़, राजस्थान, 327023
232. श्री गणेशी लाल ब्राह्मण, हेड कांस्टेबल, 8वीं बटालियन आरएसी गाजीपुर दिल्ली, राजस्थान, 110096

233. श्री तनसुख, हेड कांस्टेबल, जोधपुर, राजस्थान, 342001
234. श्री श्यामा राम, हेड कांस्टेबल, जोधपुर, राजस्थान, 342001
235. श्री रूप चंद सोनी, हेड कांस्टेबल, जयपुर, राजस्थान, 302001
236. श्री वंशीर खान, कांस्टेबल, 01 बटालियन आरएसी जोधपुर, राजस्थान, 342026
237. श्री संदीप कुमार बीठू, कांस्टेबल, नायासहर पुलिस स्टेशन बीकानेर, राजस्थान, 334001
238. श्री प्रवीन गुरुंग, कमांडेंट, पिपाले, सिक्किम, 737121
239. श्री दुपजांग भूटिया, उप निरीक्षक, सिक्किम ऑर्ड पुलिस, पांगथांग, सिक्किम, 737103
240. श्रीमती ए. राधिका, पुलिस अधीक्षक, सतर्कता और भ्रष्टाचार-रोधी, पश्चिम रेंज, चेन्नई, तमिलनाडु, 600016
241. श्रीमती आर. ललिता लक्ष्मी, पुलिस अधीक्षक, आर्थिक अपराध विंग 2, चेन्नई, तमिलनाडु, 600032
242. श्रीमति एस. मल्लिका, उप पुलिस आयुक्त, केंद्रीय अपराध शाखा II, ग्रेटर चेन्नई पुलिस, तमिलनाडु, 600007
243. श्रीमति बी. शामुंडेश्वरी, पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु पुलिस अकादमी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600127
244. श्रीमति एस. लक्ष्मी, उप पुलिस आयुक्त, कानून तथा व्यवस्था, कोयम्बटूर शहर, तमिलनाडु, 641018
245. श्री एस इलांगो, अपर पुलिस अधीक्षक, सतर्कता और भ्रष्टाचार-रोधी, सीएसयू 3, चेन्नई, तमिलनाडु, 600016
246. श्री एन. मोहनराज, अपर पुलिस अधीक्षक, पुलिस भर्ती स्कूल, अवदी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600083
247. श्री के. राजेन्द्रन, अपर पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा सीआईडी, मुख्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु, 600004
248. श्री ए. पी. सेल्वन, सहायक पुलिस आयुक्त, टी. नगर, ग्रेटर चेन्नई पुलिस, चेन्नई, तमिलनाडु, 600017
249. श्री ए. सुब्रायन, सहायक पुलिस आयुक्त, तारमणि रेंज, ग्रेटर चेन्नई पुलिस, तमिलनाडु, 600041
250. श्री जी. हेक्टर धर्मराज, उप पुलिस अधीक्षक, सतर्कता और भ्रष्टाचार-रोधी, नागरकोइल, तमिलनाडु, 629001
251. श्री एम.ई. रामचंद्रमूर्ति, पुलिस निरीक्षक, सतर्कता और भ्रष्टाचार-रोधी एसआईसी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600016
252. श्री ए. अरूलारासु जस्टिन, पुलिस निरीक्षक, विशेष शाखा सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600004
253. श्री ए. कुमारवेलु, पुलिस निरीक्षक, सतर्कता और भ्रष्टाचार-रोधी एसआईसी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600016
254. श्री वी. भास्करण, पुलिस निरीक्षक, सीएसयू 3, सतर्कता और भ्रष्टाचार-रोधी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600016
255. श्री के. मोहनकुमार, पुलिस उप निरीक्षक, कोर सेल सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600028
256. श्री एस. वेनुकुमारन, विशेष पुलिस उप निरीक्षक, पुलिस कंप्यूटर विंग, एससीआरबी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600028
257. श्री पी सेल्वराजू, विशेष पुलिस उप निरीक्षक, सतर्कता और भ्रष्टाचार-रोधी, कोयम्बटूर, तमिलनाडु, 641012
258. श्री के. रवि, विशेष पुलिस उप निरीक्षक, एएलजीएससी, नीलगिरी जिला, तमिलनाडु, 643001
259. श्री एस.एम. मतिवेन्थन, विशेष पुलिस उप निरीक्षक, सतर्कता और भ्रष्टाचार-रोधी एसआईसी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600016
260. श्री एन. वेंकट सरवनन, हेड कांस्टेबल, जे8 नीलांकाराई पुलिस स्टेशन, ग्रेटर चेन्नई पुलिस, तमिलनाडु, 600041
261. श्री मास्तीपुरम रमेश, ग्रुप कमांडर ग्रेहाउंड्स, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004
262. श्री डी. शिवप्रसाद रेड्डी, सहायक सीएमटी टीएसएसपी, रंगा रेड्डी, तेलंगाना, 501506
263. श्री पी. वीरा नारायण स्वामी, सहायक कमांडेंट, 01 बटालियन टीएसएसपी हैदराबाद, तेलंगाना, 500045
264. श्री एस. रंगा राव, एसपी, हैदराबाद, तेलंगाना, 500003

265. श्री तुलजाराम नरेन्द्र सिंह, डीएसपी, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004
266. श्रीमति चेतलुरू श्रीनिवास शांति, पुलिस निरीक्षक, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004
267. श्री गेड्डिपाल्ली रणवीर रेड्डी, निरीक्षक, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004
268. श्री पाल्ले शंकर रेड्डी, उप निरीक्षक, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004
269. श्री मोहम्मद फयाज अहमद शरीफ, एआर उप निरीक्षक, हैदराबाद, तेलंगाना, 500013
270. श्री वेमुरी शिवनंदा राव, हेड कांस्टेबल, हैदराबाद, तेलंगाना, 500001
271. श्री राठौड़ रोहिदास नायक, सहायक असाल्ट कमांडर/हेड कांस्टेबल, हैदराबाद, तेलंगाना, 500089
272. श्री पी. श्रीनिवास, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल, हैदराबाद, तेलंगाना, 500089
273. श्री एम. सिद्दैया, हेड कांस्टेबल, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004
274. श्री रतन कुमार दास, एसडीपीओ, बेलोनिया, त्रिपुरा, 799155
275. श्री खारदा कुमार जमातिया, हवलदार, अमरपुर, त्रिपुरा, 799101
276. श्री कुरियन जार्ज, सूबेदार, खोवाई, त्रिपुरा, 799207
277. श्री गमनजॉय रियांग, उप पुलिस अधीक्षक, कंचनपुर, त्रिपुरा, 799270
278. श्री संतोष कुमार सिंह, कमांडेंट, गोंडा, उत्तर प्रदेश, 271001
279. श्री राजेश कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, के6एससीओ कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश, 226003
280. श्री राजेन्द्र कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, सतर्कता स्थापना लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
281. श्री कुलदीप नारायण, अपर पुलिस अधीक्षक, झांसी, उत्तर प्रदेश, 226001
282. श्री अशोक कुमार वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश, 226001
283. श्री आदेश कुमार त्यागी, उप पुलिस अधीक्षक, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, 226001
284. श्री बांके लाल आर्या, उप पुलिस अधीक्षक, 09वीं बटालियन पीएसी मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, 226001
285. श्री उमेश कुमार सिंह, निरीक्षक, सुरक्षा मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226007
286. श्रीमती मिथलेश सेंगर, निरीक्षक, आगरा, उत्तर प्रदेश, 282001
287. श्री धमेन्द्र सिंह चौहान, निरीक्षक, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, 202001
288. श्री अमरनाथ सिंह, निरीक्षक, आसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226003
289. श्री राजकुमार उपाध्याय, कंपनी कमांडर, पुलिस महानिदेशक मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226003
290. श्री राम सजीवन शुक्ला, कंपनी कमांडर, 32वीं बटालियन पीएसी लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226003
291. श्री प्रदीप कुमार, निरीक्षक सीपी, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, 244001
292. श्री सैयद सज्जात हुसैन नकवी, निरीक्षक, ईओडब्ल्यू लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226003
293. श्री संतोष कुमार यादव, निरीक्षक, पुलिस भर्ती बोर्ड लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226003
294. श्री सैयद वकील अहमद, निरीक्षक, सतर्कता लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226010
295. श्री सुरेश चंद्र श्रीवास्तव, निरीक्षक, आसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226003
296. श्री ललित मोहन उपरेती, निरीक्षक, आसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226003

297. श्री कमलेश्वर सिंह, निरीक्षक, सोनभद्र, उत्तर प्रदेश, 231206
298. श्री सुभाष चन्द्र दुबे, उप निरीक्षक, रेडियो मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226006
299. श्री सोहन पाल सिंह, प्लाटून कमांडर, 23वीं बटालियन पीएसी मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, 244001
300. श्री शंभुनाथ तिवारी, उप निरीक्षक, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश, 208001
301. श्री सिद्धनाथ शुक्ला, प्लाटून कमांडर, 10वीं बटालियन पीएसी बारबंकी, उत्तर प्रदेश, 225001
302. श्री रामवीर सिंह, प्लाटून कमांडर, 47वीं बटालियन पीएसी गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 201013
303. श्री हवलदार उपाध्याय, प्लाटून कमांडर, 36वीं बटालियन पीएसी वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 221008
304. श्री छोटे लाल पटेल, उप निरीक्षक, जिला बांदा, उत्तर प्रदेश, 210001
305. श्री भागवत सिंह, उप निरीक्षक, जिला बागपत, उत्तर प्रदेश, 250611
306. श्री अंजनी कुमार चौबे, उप निरीक्षक, जिला मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश, 231001
307. श्री मुन्ना लाल, उप निरीक्षक, जिला हाथरस, उत्तर प्रदेश, 204101
308. श्री संजय कुमार लाल, उप निरीक्षक, जिला वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 221002
309. श्री बिंद्रा प्रसाद, उप निरीक्षक, उन्नाव, उत्तर प्रदेश, 209801
310. श्री हरि बाबू, उप निरीक्षक, आसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
311. श्री श्रीराम सरोज, हेड कांस्टेबल, सीबीसीआईडी लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
312. श्री राम सिंह, हेड कांस्टेबल, जिला झांसी, उत्तर प्रदेश, 284001
313. श्री सुरेन्द्र नाथ राय, हेड कांस्टेबल, एसीओ लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001
314. श्री राम औतार, हेड कांस्टेबल, सतर्कता लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226010
315. श्री तीरथ पाल सिंह, हेड कांस्टेबल, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 201001
316. श्री सतीश कुमार श्रीवास्तव, हेड ऑपरेटर, रेडियो मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226006
317. श्री सत्य प्रकाश शर्मा, हेड कांस्टेबल, जिला गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश, 201301
318. श्री दुष्यंत कुमार मिश्रा, हेड ऑपरेटर, रेडियो मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226006
319. श्री धर्मपाल सिंह, हेड कांस्टेबल, जिला मेरठ, उत्तर प्रदेश, 250001
320. श्री जगराम सिंह, हेड कांस्टेबल आरमोरर, 28वीं बटालियन पीएसी इटावा, उत्तर प्रदेश, 206001
321. श्री उपेन्द्र प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल, जिला फैजाबाद, उत्तर प्रदेश, 224001
322. श्री बलराम किशोर द्विवेदी, हेड कांस्टेबल, जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226003
323. श्री अवधेश कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल, जिला फैजाबाद, उत्तर प्रदेश, 224001
324. श्री कमल किशोर यादव, हेड कांस्टेबल, जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226003
325. श्री उधम सिंह, हेड कांस्टेबल, 08वीं बटालियन पीएसी बरेली, उत्तर प्रदेश, 243003
326. श्री निर्मल कुमार, हेड कांस्टेबल, 35वीं बटालियन पीएसी लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226006
327. श्री उमेद सिंह, हेड कांस्टेबल एपी, जीआरपी, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, 221001
328. श्री रघुनाथ यादव, हेड कांस्टेबल, जिला वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 221002

329. श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल, 26वीं बटालियन पीएसी गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, 273014
330. श्री रवेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश, 208001
331. श्री विशम्भर दयाल, हेड कांस्टेबल, फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश, 283203
332. श्री नरेन्द्र पाल सिंह, हेड कांस्टेबल, जीआरपी झांसी, उत्तर प्रदेश, 284001
333. श्री राधे श्याम राय, हेड कांस्टेबल, 11वीं बटालियन पीएसी सीतापुर, उत्तर प्रदेश, 261001
334. श्री काशीनाथ सिंह यादव, हेड कांस्टेबल, मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश, 231001
335. श्री गिरवर सिंह, हेड कांस्टेबल, इटावा, उत्तर प्रदेश, 211019
336. श्री अमला सिंह यादव, हेड कांस्टेबल, 36वीं बटालियन पीएसी वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 221008
337. श्री विनोद कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, 244001
338. श्री गोपाल प्रसाद, हेड कांस्टेबल, बदायूं, उत्तर प्रदेश, 243601
339. श्री जुबैर अली खान, हेड कांस्टेबल, 48वीं बटालियन पीएसी सोनभद्र, उत्तर प्रदेश, 231216
340. श्री अवधेश कुमार, हेड कांस्टेबल, हरदोई, उत्तर प्रदेश, 241001
341. श्री उदय राम तिवारी, हेड कांस्टेबल, मऊ, उत्तर प्रदेश, 275101
342. श्री ब्रिजेश कुमार, उप निरीक्षक वीएस, आईएनटी मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226003
343. श्री प्रेमपाल, हेड कांस्टेबल, आईएनटी मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226003
344. श्री राजकुमार, हेड कांस्टेबल, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश, 251001
345. श्री शोभनाथ मिश्रा, हेड कांस्टेबल पी, आईएनटी मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226006
346. श्री दहून राम, उप निरीक्षक (लिपिक), मऊ, उत्तर प्रदेश, 275101
347. श्री रमेश कुमार सिंह, निरीक्षक (गोपनीय), एटीएस लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226003
348. श्री कांति बल्लभ पांडे, उप पुलिस अधीक्षक/उप कमांडेंट, 46वीं बटालियन पीएसी रूद्रपुर, उत्तराखंड, 263150
349. श्री गोपाल सिंह दसौनी, निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय देहरादून, उत्तराखंड, 248001
350. श्री सुन्दर सिंह, प्लाटून कमांडर विशेष श्रेणी, 46वीं बटालियन पीएसी रूद्रपुर, उत्तराखंड, 263153
351. श्री महेश कुमार जोशी, उप निरीक्षक विशेष श्रेणी, पुलिस मुख्यालय देहरादून, उत्तराखंड, 248001
352. श्री चंद्रपाल, हेड कांस्टेबल, 46वीं बटालियन पीएसी रूद्रपुर, उत्तराखंड, 263153
353. श्री जयंत कुमार पाल, उप पुलिस महानिरीक्षक, उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल, 733123
354. श्री कौस्तव चक्रवर्ती, उप पुलिस आयुक्त III, ट्रैफिक विभाग लालबाजार कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700001
355. श्री अचिंत्या गुप्ता, सहायक पुलिस आयुक्त, सिलीगुडी पुलिस आयुक्त का कार्यालय, पश्चिम बंगाल, 734003
356. श्री सुदीप्ता नाग, सहायक पुलिस आयुक्त, पूर्वी सबअर्बन डिवीजन कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700010
357. श्री अमलान कुमार चक्रवर्ती, पुलिस निरीक्षक, हावड़ा पुलिस आयुक्त का कार्यालय, पश्चिम बंगाल, 711102
358. श्री कृष्णेंद्र घोष, पुलिस निरीक्षक, सीआईडी पश्चिम बंगाल अलीपुर कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700027
359. श्री सालिल कुमार राय, पुलिस निरीक्षक, दक्षिणी डिवीजन कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700016
360. श्री विश्वदेव दत्ता, पुलिस निरीक्षक, विशेष शाखा कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700071

361. श्री अयान भौमिक, पुलिस निरीक्षक, केंद्रीय डिवीजन कोलकाता, 700012
362. श्री नीलेश चौधरी, पुलिस निरीक्षक, ट्रैफिक विभाग लालबाजार कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700001
363. श्री पंकज थापा, उप निरीक्षक, बीरपाडा अलीपुरद्वार, पश्चिम बंगाल, 735204
364. श्रीमती सुशीला दास, महिला पुलिस सहायक उप निरीक्षक, सुरक्षा निदेशालय, पश्चिम बंगाल, 700071
365. श्री सुदीप राय, सहायक उप निरीक्षक, बैरकपुर पुलिस आयुक्त का कार्यालय, पश्चिम बंगाल, 700120
366. श्री सुजीत कुमार चक्रवर्ती, पुलिस सहायक उप निरीक्षक, बारूईपुर पुलिस जिला, पश्चिम बंगाल, 700144
367. श्री जीबन कुमार बर्मन, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल, 733130
368. श्री तपन कुमार मैती, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, ब्रिगेड मुख्यालय कोलकाता आर्म्ड पुलिस, पश्चिम बंगाल, 700027
369. श्री राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस चालक, सुरक्षा निदेशालय, पश्चिम बंगाल, 700071
370. श्री देवाशीष चक्रवर्ती, आरमोरर कांस्टेबल, राज्य आर्म्ड पुलिस 04 बटालियन, उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल, 733123
371. श्री आर विनोद कुमार, उप निरीक्षक (जीडी) आईआरबीएन, पोर्ट माउंट, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, 744103
372. श्री रविन्द्र कुमार शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक, दमण, दमण एवं दीव, 396210
373. श्रीमती पी मोली, हेड कांस्टेबल, एसबी यूनिट, बेयपोर, कालीकट, लक्षद्वीप, 673015
374. श्री राजीव रंजन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुडुचेरी, पुडुचेरी, 605005
375. श्री आर. नारायणने, एस जी. सहायक उप निरीक्षक, ओडियनसलाई पुलिस स्टेशन, पुडुचेरी, 605001
376. श्री अशोक कुमार लिंगू, सूबेदार (जीडी), जुनहेवोटो/नागालैंड, असम राइफल्स, 932005
377. श्री जयपाल सिंह, सूबेदार (जीडी), घासपानी/नागालैंड, असम राइफल्स, 932041
378. श्री जग्गा राम, सूबेदार (जीडी), नोने/मणिपुर, असम राइफल्स, 932008
379. श्री जय प्रकाश भट्ट, सूबेदार (जीडी), चंदेल/मणिपुर, असम राइफल्स, 932018
380. श्री हरनाम सिंह, सूबेदार मेजर (जीडी), साजिक टामपाक/मणिपुर, असम राइफल्स, 932021
381. श्री मूर्ति सिंह, कमांडेंट, आइजोल/मिजोरम, असम राइफल्स, 932423
382. श्री मिलन थापा, नायब सूबेदार (जीडी), कदमताला/मणिपुर, असम राइफल्स, 932037
383. श्री यार बहादुर गुरंग, सूबेदार (जीडी), चांगलांग/अरुणाचल प्रदेश, असम राइफल्स, 932014
384. श्री धनेश्वर कुमार शर्मा, उपमहानिरीक्षक, बल मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल, 110003
385. श्री सरोज कुमार सिंह, कमांडेंट, 42वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, सुभाषनगर (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल, 736133
386. श्री प्रीतपाल सिंह भट्टी, कमांडेंट, सैक्टर मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल अमृतसर, पंजाब, सीमा सुरक्षा बल, 143106
387. श्री परमजीत सिंह, कमांडेंट, सैक्टर मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल गुरदासपुर, पंजाब, सीमा सुरक्षा बल, 143521
388. श्री हरिन्दरपाल सिंह सोही, कमांडेंट, 02 बटालियन सीमा सुरक्षा बल, जलालाबाद, पंजाब, सीमा सुरक्षा बल, 152024
389. श्री योगेन्द्र सिंह राठौड़, कमांडेंट, बल मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल, 110003
390. श्री विक्रम कुंवर, कमांडेंट, 101वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल रूपनगर (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल, 736179
391. श्री भानु प्रताप सिंह चौहान, कमांडेंट, कार्मिक निदेशालय, बल मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल, 110003
392. श्री कृष्ण मोहन प्रसाद, कमांडेंट, सैक्टर मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल कृष्णानगर, पश्चिम बंगाल, सीमा सुरक्षा बल, 741101

393. श्री श्याम लाल नेगी, कमांडेंट, विशेष महानिदेशक सीमा सुरक्षा बल मुख्यालय (पश्चिमी कमांड), सीमा सुरक्षा बल, 160003
394. श्री अजय लूथरा, कमांडेंट, 22वीं बटालियन नया रायपुर छत्तीसगढ़, सीमा सुरक्षा बल, 492101
395. श्री ललित मोहन शर्मा, कमांडेंट, 62वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल पालौरा जम्मू, सीमा सुरक्षा बल, 181124
396. श्री मनोज कार्की, कमांडेंट, सामान्य निदेशालय, बल मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल, 110003
397. श्री विदुर भारद्वाज, कमांडेंट, सामान्य निदेशालय, बल मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल, 110003
398. डा० श्रीमती मनीषी दुबे, कमांडेंट चिकित्सक, फ्रंटियर मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल मेघालय, सीमा सुरक्षा बल, 793006
399. श्री सुरिन्दर सिंह सामन्त्याल, द्वितीय कमान अधिकारी, 126वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल सुन्दरबनी (जम्मू एवं कश्मीर), सीमा सुरक्षा बल, 185153
400. श्री धर्म पाल सिमक, उप कमांडेंट, 164वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, डेरा बाबा नानक पंजाब, सीमा सुरक्षा बल, 143605
401. श्री कंवर साहिब अंसल, उप कमांडेंट, 169वीं बटालियन सीमा सुरक्षा फाजिल्का पंजाब, सीमा सुरक्षा बल, 152123
402. श्री श्यो राम कपिल, उप कमांडेंट, 59वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, पंथाचौक (जम्मू एवं कश्मीर), सीमा सुरक्षा बल, 191101
403. श्री सुगड मड़की, उप कमांडेंट, 98वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, ताल्लिगुडी (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल, 736156
404. श्री यशपाल सिंह चौहान, उप कमांडेंट, 133वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, करीमगंज, असम, सीमा सुरक्षा बल, 788025
405. श्री सुशील कुमार उपाध्याय, उप कमांडेंट, सामान्य निदेशालय, बल मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल, 110003
406. श्री नारायण दास शर्मा, उप कमांडेंट, 10वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, महारानी चेरा त्रिपुरा, सीमा सुरक्षा बल, 799013
407. श्री प्रताप भानु भाकर, उप कमांडेंट, 47वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल बागमा, त्रिपुरा, सीमा सुरक्षा बल, 799114
408. श्री अजय सहाय, उप कमांडेंट, 81वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल सीमानगर (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल, 741166
409. श्री पी.जी. मधुसूदनन, उप कमांडेंट, 162वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, त्रिशुरू, केरल, सीमा सुरक्षा बल, 680751
410. श्री रण विजय चंद, उप कमांडेंट, आर्टिलरी मुख्यालय फरीदकोट, सीमा सुरक्षा बल, 151201
411. श्री रमेश कुमार, सहायक कमांडेंट (म.), फ्रंटियर मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल एम एवं सी, सीमा सुरक्षा बल, 788002
412. श्री राम बिनोद सिंह, निरीक्षक (जीडी), 11वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल मावपट शिलांग, सीमा सुरक्षा बल, 793012
413. श्री हरेन्द्र सिंह, निरीक्षक (जीडी), 30वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, शिलांग, मेघालय, सीमा सुरक्षा बल, 793006
414. श्री श्रवण कुमार, निरीक्षक (जीडी), 89वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल अखनूर (जम्मू एवं कश्मीर), सीमा सुरक्षा बल, 181201
415. श्री महेन्द्र सिंह, निरीक्षक (जीडी), 1044 सीमा सुरक्षा बल आर्टिलरी रेजिमेंट, बीकानेर राजस्थान, सीमा सुरक्षा बल, 334001
416. श्री शत्रुघन सिंह तोमर, निरीक्षक (जीडी), 99वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, सीमानगर (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल, 741166
417. श्री सनवत खान, निरीक्षक (जीडी), 129वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, बांदीपुर (जम्मू एवं कश्मीर), सीमा सुरक्षा बल, 193502
418. श्री अभय सिंह, निरीक्षक (जीडी), 12वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, शिकर, पंजाब, सीमा सुरक्षा बल, 143605
419. श्री नंद किशोर थपलीयाल, निरीक्षक (जीडी), 82वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, नारायणपुर (पश्चिम बंगाल), सीमा सुरक्षा बल, 732141
420. श्री मोहन लाल, निरीक्षक (जीडी), 27वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, नालकाटा त्रिपुरा, सीमा सुरक्षा बल, 799264
421. श्री एम. रवि, निरीक्षक (जीडी), 19वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, मावपाट, मेघालय, सीमा सुरक्षा बल, 793012
422. श्री हरवंश लाल, उप निरीक्षक (जीडी), मुख्यालय विशेष महानिदेशक (पश्चिमी कमांड) चंडीगढ़, सीमा सुरक्षा बल, 160003

423. श्री बलवीर सिंह, उप निरीक्षक (जीडी), 10वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, महारानी चेरा त्रिपुरा, सीमा सुरक्षा बल, 799013
424. श्री अहिब्रन सिंह पाल, उप निरीक्षक (जीडी), 148वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, जोटलांग, मिजोरम, सीमा सुरक्षा बल, 796691
425. श्री पदम सिंह, उप निरीक्षक (जीडी), 90वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, अबोहर, पंजाब, सीमा सुरक्षा बल, 152116
426. श्री सुरेश कुमार शर्मा, उप निरीक्षक (जीडी), 11वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, मावपाट, मेघालय, सीमा सुरक्षा बल, 793012
427. श्री सूबे सिंह, उप निरीक्षक (जीडी), 123वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल, मावपाट, मेघालय, सीमा सुरक्षा बल, 793012
428. श्री सुभाष चंद, कांस्टेबल (रसोइया), 53वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल अरुणाचल (असम), सीमा सुरक्षा बल, 788025
429. श्री थंगईया सोल्लामुत्तु, सहायक कमांडेंट (म.), वित्त विंग, बल मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल, 110003
430. सुश्री नीलिमा रानी सिंह, उप महानिरीक्षक, सीआईएसएफ यूनिट बीएसएल बोकारो, सीआईएसएफ, 827001
431. श्री वर्तुल सिंह, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट भेल भोपाल, सीआईएसएफ, 462022
432. श्री जोपोनेई जुओ, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट एमटीपीएस मेजिया, सीआईएसएफ, 722133
433. श्री निर्विकार, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ 09वीं रिजर्व बटालियन देवली, सीआईएसएफ, 304804
434. श्री पशुपति प्रताप सिंह, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ 05वीं रिजर्व बटालियन गाजियाबाद, सीआईएसएफ, 201014
435. श्री अरुण सिंह, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ आईजीआई एयरपोर्ट, दिल्ली, सीआईएसएफ, 110037
436. श्रीमती दिव्या शुक्ला, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट एनएपीएस नारोरा, सीआईएसएफ, 203389
437. श्री आनंद सक्सेना, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट डीआई कलपक्कम, सीआईएसएफ, 603102
438. सुश्री पियाली शर्मा, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ ईएस मुख्यालय रांची, सीआईएसएफ, 834004
439. श्री मनमोहन कुमार, कमांडेंट, सीआईएसएफ 09वीं रिजर्व बटालियन, देवली, सीआईएसएफ, 304804
440. श्री अमरजीत सिंह, सहायक कमांडेंट/कार्य, सीआईएसएफ आरटीसी, देवली, सीआईएसएफ, 304804
441. श्री सुव्रत वशिष्ठ, निरीक्षक/कार्य, सीआईएसएफ यूनिट एयरपोर्ट मुंबई, सीआईएसएफ, 400099
442. श्री राजेश कुमार, निरीक्षक/कार्य, सीआईएसएफ यूनिट एसएसजी नोएडा, सीआईएसएफ, 201306
443. श्री कुलदीप सिंह राठौर, निरीक्षक/कार्य, सीआईएसएफ यूनिट ईसीआईए बंगलुरु, सीआईएसएफ, 560100
444. श्री नरेश कुमार, निरीक्षक (आशुलिपिक), सीआईएसएफ मुख्यालय नई दिल्ली, सीआईएसएफ, 110003
445. श्री एस सुब्रमण्यम, सहायक उप निरीक्षक/कार्य, सीआईएसएफ यूनिट एमसीएफ हासन, सीआईएसएफ, 573201
446. श्री पोन्तुरू विजय कुमार, सहायक उप निरीक्षक/कार्य, सीआईएसएफ यूनिट आईजी एमआईएनटी हैदराबाद, सीआईएसएफ, 500051
447. श्री बलवीर सिंह, सहायक उप निरीक्षक/कार्य, सीआईएसएफ यूनिट भेल हरिद्वार, सीआईएसएफ, 249403
448. श्री अरशद अली, सहायक उप निरीक्षक/कार्य, सीआईएसएफ यूनिट शेष सलाल, सीआईएसएफ, 182312
449. श्री एम.एस. गोपा कुमार, सहायक उप निरीक्षक/कार्य, सीआईएसएफ यूनिट एमसीएफ हासन, सीआईएसएफ, 573201
450. श्री लेख राज, सहायक उप निरीक्षक/कार्य, सीआईएसएफ यूनिट एनएपीएस नारोरा, सीआईएसएफ, 203389
451. श्री भूपेन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक/कार्य, सीआईएसएफ यूनिट डीएमआरसी नई दिल्ली, सीआईएसएफ, 110053
452. श्री वासूदेव, सहायक उप निरीक्षक/कार्य, सीआईएसएफ यूनिट सीजीबीएस नई दिल्ली, सीआईएसएफ, 110011
453. श्री कीर्तनलाल पैकरा, सहायक उप निरीक्षक/कार्य, सीआईएसएफ यूनिट बीआईओएम किरणडुल, सीआईएसएफ, 494556

454. श्री मैथ्यु ए. जॉन, उपमहानिरीक्षक, रायपुर छत्तीसगढ़, सीआरपीएफ, 492101
455. श्री नरेन्द्र पॉल, उपमहानिरीक्षक, श्रीनगर जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 190010
456. श्री दलजीत सिंह, कमांडेंट, बेरिंग जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 192212
457. श्री संजय कुमार सिंह, कमांडेंट, बवाना दिल्ली, सीआरपीएफ, 110039
458. श्री बलराम बेहरा, कमांडेंट, जोरहाट असम, सीआरपीएफ, 785004
459. श्री राजेश कुमार, कमांडेंट, श्रीनगर जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 190012
460. श्री देश राज, कमांडेंट, कालकाजी नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110019
461. श्री मिथिलेश कुमार, कमांडेंट, गोलपाड़ा असम, सीआरपीएफ, 783121
462. श्री लक्विपोगु डेविड, द्वितीय कमान अधिकारी, सिकन्दराबाद तेलंगाना, सीआरपीएफ, 500076
463. श्री धर्म सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, धुबरी असम, सीआरपीएफ, 783331
464. श्री शशिकांत चतुर्वेदी, द्वितीय कमान अधिकारी, बेरिंग जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 192212
465. श्री अब्दुल शम्मी दुर्रानी, द्वितीय कमान अधिकारी, श्रीनगर जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 190005
466. श्री श्यामल कुमार बासु, द्वितीय कमान अधिकारी, लालगढ़ पश्चिम बंगाल, सीआरपीएफ, 721516
467. श्री मामराज सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, बवाना दिल्ली, सीआरपीएफ, 110039
468. श्री देवानंद, द्वितीय कमान अधिकारी, उधमपुर जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 182101
469. श्री गिरधारी लाल यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, श्रीनगर जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 190001
470. श्रीमती तसलीमा खान, द्वितीय कमान अधिकारी, कठुवा जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 184142
471. श्री सुधीर दिवाकर, द्वितीय कमान अधिकारी, विजयवाड़ा आंध्र प्रदेश, सीआरपीएफ, 521101
472. श्री जगन्नाथ मंडल, उप कमांडेंट, सिंगभूम झारखंड, सीआरपीएफ, 832104
473. श्री चरित्र नारायण कलिता, निरीक्षक (जीडी), कामरूप असम, सीआरपीएफ, 781017
474. श्री तिलक राम, निरीक्षक (जीडी), आर.के. पुरम नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110066
475. श्री शिव शम्भु पांडे, निरीक्षक (जीडी), बोकारो झारखंड, सीआरपीएफ, 827013
476. श्री बलवान सिंह, निरीक्षक (जीडी), कठुवा जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 184142
477. श्री जलेश्वर उराँव, निरीक्षक (जीडी), रांची, सीआरपीएफ, 834004
478. श्री रणवीर सिंह, निरीक्षक (जीडी), इलाहाबाद उत्तर प्रदेश, सीआरपीएफ, 211013
479. श्री ओम प्रकाश, निरीक्षक (जीडी), जम्मू जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 181142
480. श्री सोलंकी रंजीत सिंह, निरीक्षक (जीडी), बस्तर छत्तीसगढ़, सीआरपीएफ, 494442
481. श्री सूरथ चंद्र पटेल, निरीक्षक (जीडी), संबलपुर ओडिशा, सीआरपीएफ, 768001
482. श्री संत लाल, निरीक्षक (जीडी), दार्जिलिंग पश्चिम बंगाल, सीआरपीएफ, 734012
483. श्री लाल चंद, निरीक्षक (जीडी), करावल नगर नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110090
484. श्री गुरचरण सिंह, निरीक्षक (जीडी), जालंधर, सीआरपीएफ, 144805
485. श्री सुदर्शन कुमार, निरीक्षक (जीडी), श्रीनगर जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 190001

486. श्री सरफराज खान, निरीक्षक (जीडी), बोकाजान असम, सीआरपीएफ, 782480
487. श्री कंवर सिंह, निरीक्षक (जीडी), श्रीनगर जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 190005
488. श्री मान सिंह, निरीक्षक (जीडी), श्रीनगर जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 190005
489. श्री सुरेन्द्र कुमार द्विवेदी, उप निरीक्षक (जीडी), गुरुग्राम हरियाणा, सीआरपीएफ, 122001
490. श्री एस.के. अयूब अली, उप निरीक्षक (जीडी), नौपाड़ा ओडिशा, सीआरपीएफ, 766105
491. श्री चेताराज छेत्री, उप निरीक्षक (जीडी), दार्जिलिंग पश्चिम बंगाल, सीआरपीएफ, 734012
492. श्री एम.टी. तम्बी, उप निरीक्षक (जीडी), पाल्लीपुरम केरल, सीआरपीएफ, 695316
493. श्री लक्ष्मी प्रसाद, उप निरीक्षक (जीडी), रामपुर उत्तर प्रदेश, सीआरपीएफ, 244901
494. श्री लाल बहादुर सिंह, उप निरीक्षक (जीडी), कुलगाम जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 934024
495. श्री राजगृही झेलम, उप निरीक्षक (जीडी), जमुई बिहार, सीआरपीएफ, 811313
496. श्री चंदन सिंह, उप निरीक्षक (जीडी), सांबा जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 181133
497. श्री टी. जैकब, उप निरीक्षक (जीडी), बेलगांव कर्नाटक, सीआरपीएफ, 590001
498. श्री बीरेन्द्र सिंह रावत, उप निरीक्षक (जीडी), गुंड जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 934118
499. श्री गुरदेव चंद, उप निरीक्षक (जीडी), अवंतीपोरा जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 192122
500. श्री अनिल कुमार सिंह, उप निरीक्षक (जीडी), चंदौली उत्तर प्रदेश, सीआरपीएफ, 221009
501. श्री कोटेश्वर राव कर्चला, उप निरीक्षक (जीडी), विशाखापत्तनम आंध्र प्रदेश सीआरपीएफ, 530043
502. श्री राजवीर, उप निरीक्षक (जीडी), कुलगांव जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ, 934024
503. श्री प्रवीण रमेश राव शिंदे, उप निरीक्षक (जीडी), भोपाल मध्य प्रदेश, सीआरपीएफ, 462045
504. श्री मायाधर बेहरा, उप निरीक्षक (जीडी), भुवनेश्वर, सीआरपीएफ, 751011
505. श्री मोहम्मद रियासत अली खान, उप निरीक्षक (जीडी), गोलपाड़ा असम, सीआरपीएफ, 783121
506. श्री बिजय कुमार राम, सहायक उप निरीक्षक (जीडी), बोकारो झारखंड, सीआरपीएफ, 827013
507. श्री धनेश्वर साहू, लासनायक (जीडी), दुर्गापुर पश्चिम बंगाल, सीआरपीएफ, 713214
508. श्री श्रीनिवास तनीर, कांस्टेबल (जीडी), राजमुंद्री आंध्र प्रदेश, सीआरपीएफ, 533106
509. श्रीमती दया नेगी, उप निरीक्षक (जीडी) महिला, करावल नगर नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110090
510. श्री नरेश कुमार, निरीक्षक/तकनीकी, झड़ौदा कला नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110072
511. डॉ० अनिल कुमार मारू, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चयनित ग्रेड), केंद्रीय फ्रंटियर मुख्यालय आईटीबीपी त्रिलोचन नगर भोपाल मध्य प्रदेश, आईटीबीपी, 462039
512. श्री नरेन्द्र कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी (जीडी), 15वीं बटालियन आईटीबीपी डाकघर गारही जिला उधमपुर जम्मू एवं कश्मीर, आईटीबीपी, 182121
513. श्री राजीव गुप्ता, उप कमांडेंट (जीडी), एसएस बटालियन आईटीबीपी साबोली कैप डाकघर नाथुपुर जिला सोनीपत हरियाणा, आईटीबीपी, 131029
514. श्री विनोद कुमार, सहायक कमांडेंट (जीडी), एनडब्ल्यू फ्रंटियर मुख्यालय आईटीबीपी एयरपोर्ट, चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र, आईटीबीपी, 160003

515. श्री वीर सिंह ठाकुर, निरीक्षक (जीडी), सेक्टर मुख्यालय तेजपुर आईटीबीपी रंगामाटी सोनितपुर तेजपुर असम, आईटीबीपी, 784153
516. श्री असरार खान, हेड कांस्टेबल (जीडी), सेक्टर मुख्यालय (एल एंड सी) आईटीबीपी छावला कैप नजफगढ़ नई दिल्ली, आईटीबीपी, 110071
517. श्री विश्वमित्र आनंद, कमांडेंट (जीडी), 16वीं बटालियन आईटीबीपी मार्फत 56 एपीओ, आईटीबीपी, 110003
518. श्री अमित कटियार, कमांडेंट (जीडी), 18वीं बटालियन आईटीबीपी इलाहाबाद उत्तर प्रदेश, आईटीबीपी, 211012
519. श्री गोपाल सिंह, सहायक कमांडेंट (जीडी), 01 बटालियन आईटीबीपी जोशीमठ उत्तराखंड, आईटीबीपी, 246443
520. श्री हंस राम, निरीक्षक (जीडी), 13वीं बटालियन आईटीबीपी लिंगडम सिक्किम, आईटीबीपी, 737102
521. श्री बलवंत सिंह, निरीक्षक (जीडी), 35वीं बटालियन आईटीबीपी महिदांदा उत्तराखंड, आईटीबीपी, 249195
522. श्री सुरजीत सिंह, उप निरीक्षक (जीडी), 38वीं बटालियन खारोरा रायपुर छत्तीसगढ़, आईटीबीपी, 493225
523. श्री यतीन्द्र नाथ राय, अपर जेएजी, मुख्यालय एनएसजी, मेहरामनगर, पालम, नई दिल्ली, एनएसजी, 110037
524. श्री सुचित त्यागी, टीम कमांडर (संचार), एनएसजी मुख्यालय, संचार मेहरामनगर, पालम, नई दिल्ली, एनएसजी, 110037
525. श्री एम. रामामूर्ति, टीम कमांडर (एसओ), प्रशिक्षण केंद्र, एनएसजी, मानेसर (हरियाणा), एनएसजी, 122051
526. श्री अमरेन्द्र कुमार, सहायक कमांडर-॥ (एम), मुख्यालय एनएसजी, मेहरामनगर, पालम, नई दिल्ली, एनएसजी, 110037
527. श्री एंथोनी थानमी, कमांडेंट, 19वीं बटालियन एसएसबी ठाकुरगंज बिहार, एसएसबी, 855116
528. श्री अजय कुमार, कमांडेंट, 66वीं बटालियन एसएसबी जम्मू जम्मू और कश्मीर, एसएसबी, 180013
529. श्री महेश कुमार, कमांडेंट, 8वीं बटालियन एसएसबी गया बिहार, एसएसबी, 823004
530. श्री राजीव शर्मा, उप कमांडेंट, सेक्टर मुख्यालय एसएसबी जम्मू जम्मू और कश्मीर, एसएसबी, 180015
531. श्री कुलदीप सिंह मद्र, एरिया आर्गनाइजर, सीटीसी एसएसबी सापरी कांगड़ा हिमाचल प्रदेश, एसएसबी, 176031
532. श्री पूर्ण चन्द्र चिहारा, सहायक निदेशक, बल मुख्यालय एसएसबी आर. के. पुरम नई दिल्ली, एसएसबी, 110066
533. श्री प्रदीप डोगरा, निरीक्षक (जीडी), 54वीं बटालियन एसएसबी बिजिनी असम, एसएसबी, 783390
534. श्री जंग बहादुर यादव, निरीक्षक (जीडी), 59वीं बटालियन एसएसबी नानपारा पोस्ट नानपारा उत्तर प्रदेश, एसएसबी, 271865
535. श्री रूमाई साकिया, उप निरीक्षक (जीडी), 37वीं बटालियन एसएसबी मंगलदोई जिला दारांग असम, एसएसबी, 784125
536. श्री देविन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक (जीडी), 51वीं बटालियन एसएसबी सीतामढ़ी जिला सीतामढ़ी बिहार, एसएसबी, 843302
537. श्री रमेश चंद, सहायक उप निरीक्षक (जीडी), 31वीं बटालियन एसएसबी गोसाईगांव कोकराझार असम, एसएसबी, 783360
538. श्री सुबोध कुमार चंदोला, डीएफओ (माउंटेनियरिंग), सीआई एंड जेडब्ल्यू स्कूल ग्वालदम उत्तराखंड, एसएसबी, 246441
539. श्री महेश चंद शर्मा, संयुक्त उप निदेशक, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
540. श्री राजिन्द्र पाल सिंह, संयुक्त उप निदेशक, एसआईबी चंडीगढ़, गृह मंत्रालय
541. श्री इकबाल सिंह गिल, संयुक्त उप निदेशक, एसआईबी अमृतसर, गृह मंत्रालय
542. श्री देवज्योति विश्वास, संयुक्त उप निदेशक/एनपी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
543. श्री शशी करण, सहायक निदेशक, एसआईबी जम्मू, गृह मंत्रालय
544. श्री निरंजन कुमार सिंह, सहायक निदेशक, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली गृह मंत्रालय
545. श्री रामेश्वर यादव, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

546. श्री शाजी चेरियन, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
547. श्री राजेश गुप्ता, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी, एसआईबी इम्फाल, गृह मंत्रालय
548. श्री राजेश कुमार, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
549. श्री इलमुगिल अरुणाचलम, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी, एसआईबी त्रिवेन्द्रम, गृह मंत्रालय
550. श्री लक्ष्मी नारायण कोंडिपती, अनुभाग अधिकारी, एसबीआई हैदराबाद, गृह मंत्रालय
551. श्री संदीपन तरफदार, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-॥कार्यकारी, एसआईबी लखनऊ, गृह मंत्रालय
552. श्री एन. जयदेवन, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-॥कार्यकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
553. श्री अशोक कुमार शर्मा, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-॥कार्यकारी, एसआईबी जम्मू, गृह मंत्रालय
554. श्री रामासामी जगदीशन, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-॥कार्यकारी, एसआईबी चेन्नई, गृह मंत्रालय
555. श्री गणेश झा, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-॥कार्यकारी, एसआईबी रांची, गृह मंत्रालय
556. श्री यदुराम शर्मा, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-॥कार्यकारी, एसआईबी गंगटोक, गृह मंत्रालय
557. श्री शंकर, सरकार, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-॥तकनीकी, एसआईबी कोलकाता, गृह मंत्रालय
558. श्री दुर्गेश कुमार प्रभाकर, सहायक अनुभाग अधिकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
559. श्री प्रसन्न कुमार, कनिष्ठ आसूचना अधिकारी-॥कार्यकारी, एसआईबी पटना, गृह मंत्रालय
560. श्री रणवीर सिंह राणा, निजी सचिव, एसआईबी चंडीगढ़, गृह मंत्रालय
561. श्री उमेद सिंह रावत, सहायक निदेशक (स्टाफ अधिकारी), आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
562. श्री राजकिशोर शाव, संयुक्त उप निदेशक/एनपी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
563. श्री शंकर प्रधान, कनिष्ठ आसूचना अधिकारी-॥कार्यकारी, एसआईबी गुवाहाटी, गृह मंत्रालय
564. श्री येद्रेम्बम तोमचा सिंह, कनिष्ठ आसूचना अधिकारी-॥कार्यकारी, एसआईबी इम्फाल, गृह मंत्रालय
565. श्री जगरूप समर्थलाल गुसिन्हा, पुलिस अधीक्षक, सीबीआई एसी-VI/एसआईटी नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
566. श्री चिलुकुरी वेंकट नरेन्द्र देव, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई एसीबी विजाग, सीबीआई-530017
567. श्री अजय क्रांति शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई एस.यू. नई दिल्ली, सीबीआई-110003
568. श्री मयुख मैत्रा, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई एस.यू. कोलकाता, सीबीआई-700020
569. श्री जितेन्द्र कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई एसीबी जोधपुर, सीबीआई, 342304
570. श्री राजेंद्र सिंह, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई बीएसएंडएफसी मुंबई, सीबीआई, 400098
571. श्री बोध राज, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई ईओ-। नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
572. श्री विजय बहादुर, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई ए.सी.-। नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
573. श्री वाई. रामाकृष्णन, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई एसीबी चेन्नई, सीबीआई, 600006
574. श्री संजय कांत झा, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई मुख्यालय नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
575. श्री गुरमीत सिंह, सहायक उप निरीक्षक, सीबीआई एसी-।, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
576. श्री बल्लभ प्रसाद, सहायक उप निरीक्षक, सीबीआई आईपीसीसी नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
577. श्री चमन लाल, सहायक उप निरीक्षक, सीबीआई एसटीएफ नई दिल्ली, सीबीआई, 110003

578. श्री जगपाल सिंह, हेड कांस्टेबल, सीबीआई एसीबी नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
579. श्री बाबू राम, हेड कांस्टेबल, सीबीआई एसी-III, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
580. श्री सुशील कुमार, हेड कांस्टेबल, सीबीआई अकादमी गाजियाबाद, सीबीआई, 201002
581. श्री के.पी. सिंह, हेड कांस्टेबल, सीबीआई ईओ-I, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
582. श्री लाखन सिंह, कांस्टेबल, सीबीआई ईओ-IV कोलकाता, सीबीआई, 700064
583. श्री भारत भूषण शर्मा, कांस्टेबल, सीबीआई एसीबी जम्मू, सीबीआई, 180012
584. श्री के.पी. सत्य देवी, अपराध सहायक, सीबीआई एसीबी कोच्चि, सीबीआई, 682017
585. श्री राजीव कुमार, वैयक्तिक सहायक, सीबीआई पॉलिसी प्रभाग नई दिल्ली, सीबीआई, 110001
586. श्री चंद्र मोहन सिंह रावत, सहायक महानिरीक्षक, नई दिल्ली, एसपीजी, 110077
587. श्री संजय चौहान, सहायक महानिरीक्षक, नई दिल्ली, एसपीजी, 110077
588. श्री राजेन्द्र सिंह, एसएसए, नई दिल्ली, एसपीजी, 110077
589. श्री प्रेम पाल, एसओ-II (डब्ल्यू टी), नई दिल्ली, एसपीजी, 110077
590. श्री रमेश कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, चंडीगढ़, बीपीआरएंडडी, 160036
591. श्री आनंद जैन, उप महानिरीक्षक, एनआईए मुख्यालय, नई दिल्ली, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण, 110003
592. श्री ए.पी. शौककथली, अपर पुलिस अधीक्षक, एनआईए कोच्चि, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण, 682020
593. श्री बाबूलाल मुखर्जी, उप पुलिस अधीक्षक, एनआईए हैदराबाद, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण, 500016
594. श्री अमरवीर यादव, उप कमांडेंट, सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद, एसबीपी एनपीए, 500052
595. श्री एम.बी.एस. परिमला, निरीक्षक, सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद, एसबीपी एनपीए, 500052
596. श्री रोहित कटियार, उप निदेशक, आर.के. पुरम नई दिल्ली, एनसीबी, 110066
597. श्री केशव कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, महानिदेशक एनडीआरएफ मुख्यालय, सीजीओ कंप्लेक्स, नई दिल्ली, एनडीआरएफ, 110003
598. श्री लोकेन्द्र सिंह, उप कमांडेंट, 07वीं बटालियन एनडीआरएफ, भटिंडा, पंजाब, एनडीआरएफ, 151001
599. श्री चिटुकने प्रमोद तुलसीराम, उप निरीक्षक, 05वीं बटालियन एनडीआरएफ, पुणे, महाराष्ट्र, एनडीआरएफ, 412109
600. श्री राम निवास रावत, सहायक उप निरीक्षक जीडी, 01 बटालियन एनडीआरएफ, गुवाहाटी, असम, एनडीआरएफ, 781017
601. श्री सुमति शांडिल्य, उप महानिरीक्षक, नई दिल्ली, रेल मंत्रालय, 110001
602. श्री आलोक बोहरा, उप मुख्य सुरक्षा आयुक्त, मुंबई, रेल मंत्रालय, 400020
603. श्री राकेश कुमार पांडे, सहायक सुरक्षा आयुक्त, मुंबई, रेल मंत्रालय, 400020
604. श्री के.पी. जेम्स, सहायक कमांडेंट, 07वीं बटालियन आरपीएसएफ हैदराबाद, रेल मंत्रालय, 500040
605. श्री शिरीष सदानंद ढेंगे, उप निरीक्षक, मुंबई, रेल मंत्रालय, 400001
606. श्री धनराज गोमाजी मेश्राम, हेड कांस्टेबल, आरपीएफ, नागपुर, रेल मंत्रालय, 440001
607. श्री नंद लाल, हेड कांस्टेबल, लोहारू, रेल मंत्रालय, 127001
608. श्री साधु राम सिदार, हेड कांस्टेबल, बिलासपुर, रेल मंत्रालय, 495004

609. श्री तरूण कुमार पान, हेड कांस्टेबल, आरपीएफ, कोलकाता, रेल मंत्रालय, 700037
 610. श्री स्वपन नायक, हेड कांस्टेबल आरपीएफ, कोलकाता, रेल मंत्रालय, 700037
 611. श्री ओम प्रकाश रावत, निरीक्षक आरपीएफ, दिल्ली, रेल मंत्रालय, 110034
 612. श्री जय चंद शर्मा, सहायक उप निरीक्षक, लखनऊ, रेल मंत्रालय, 226001
 613. श्री प्रदीप कुमार गुप्ता, उप महानिरीक्षक प्रशिक्षण, लखनऊ, रेल मंत्रालय, 226011

2. ये पुरस्कार, सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक की मंजूरी को विनियमित करने वाले नियमों के नियम 4(ii) के तहत प्रदान किए जाते हैं।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
 विशेष कार्य अधिकारी

नई दिल्ली, 4 मई, 2018

सं. 45-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्वश्री/

- | | |
|------------------------|--|
| 01. चाणक्य नाग, | (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार) |
| निरीक्षक | |
| 02. मनोज सिंह, | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |
| उप-निरीक्षक | |

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस स्टेशन गंगलूर, जिला बीजापुर के अंतर्गत पडोरा, मुंगा, कोरचोली, सावनार क्षेत्र में बड़ी संख्या में नक्सली काडरों की उपस्थिति के बारे में विशिष्ट सूचना के आधार पर, दिनांक 19.01.2015 को 01.045 बजे जिला पुलिस बल निरीक्षक चाणक्य नाग की कमान के तहत 123 पुलिस कार्मिकों वाला एक दल पुलिस स्टेशन से निकला।

पुलिस दल लगभग 10:45 बजे जब लक्षित क्षेत्र के गांव की ओर आगे बढ़ रहा था, तब सीपीआई (माओवादी) काडरों ने पुलिस कार्मिकों को मारने और उनके हथियार लूटने के इरादे से पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। यद्यपि नक्सलियों ने पुलिस दल पर अचानक हमला किया था, फिर भी पुलिस दल ने सुरक्षात्मक पोजीशन ले ली और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया गया, परन्तु वे लगातार पुलिस दलों पर गोलीबारी करते रहे। निरीक्षक चाणक्य नाग ने पुलिस कार्मिकों को आगे बढ़ने और उचित सुरक्षात्मक स्थान लेने के पश्चात् नक्सलवादियों पर जवाबी हमला करने के लिए कहा। निरीक्षक चाणक्य नाग और उप-निरीक्षक मनोज सिंह तथा अन्य पुलिस कार्मिकों ने घनी झाड़ियों, पेड़-पौधों और पहाड़ी क्षेत्र का फायदा उठाते हुए नक्सलियों पर गोलीबारी की और दोनों तरफ से यह गोलीबारी लगभग 30 मिनट तक चलती रही। निरीक्षक चाणक्य नाग अपनी जान की परवाह न करते हुए लड़े। नक्सली घनी झाड़ियों और ऊबड़-खाबड़ जमीन का फायदा उठाते हुए जंगल में भाग गए। परस्पर गोलीबारी के पश्चात् घटना स्थल की पूर्ण तलाशी की गई। तलाशी के दौरान एक कट्टर नक्सली के शव के साथ-साथ 9 एमएम पिस्तौल और मैगजीन के साथ 303 राइफल तथा अन्य सामग्रियां बरामद की गईं।

इस कार्रवाई में, निरीक्षक चाणक्य नाग ने संकट के समय अपने सैन्यदलों को अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया। जब उनके सैन्य दल पर नक्सलियों द्वारा हमला किया गया, तब उन्होंने अत्यधिक सूझबूझ और उत्कृष्ट ऑपरेशनल अनुभव का प्रदर्शन किया। निरीक्षक चाणक्य नाग और उप-निरीक्षक मनोज सिंह अपनी जान की परवाह किए बिना लड़े। उन्होंने अपने कार्मिकों को एक-दूसरे की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया,

पुलिस कार्मिक यह भली-भांति जानते हुए कि प्रत्येक कदम घातक हो सकता है, उनके सक्षम मार्गदर्शन और नेतृत्व में नक्सली हमले का सामना करने के लिए आगे बढ़ते रहे।

इस मुठभेड़ में, सर्व/श्री चाणक्य नाग, निरीक्षक और मनोज सिंह, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार4 पुलिस पदक नियमावली के नियम , (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम के 5 19.01.2015 अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 46-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. कन्हैया लाल ध्रुव (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)

पुलिस अधीक्षक

02. लक्ष्मण केवट (वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार)

निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

कमारगुडा, कोटमगुडा, छोटे पुन्नूर, बड़े पुन्नूर क्षेत्र में कुछ प्रमुख नक्सली नेताओं के साथ भारी संख्या में नक्सली काडरों की उपस्थिति के बारे में विशिष्ट आसूचना के आधार पर, दिनांक 13.02.2015 को 16:10 बजे पुलिस स्टेशन अवापल्ली के प्रभारी निरीक्षक, लक्ष्मण केवट की कमान में और श्री के.एल. ध्रुव, पुलिस अधीक्षक बीजापुर की समग्र कमान में 98 पुलिस कार्मिकों का एक दल पुलिस स्टेशन अवापल्ली से लक्षित क्षेत्र की ओर निकल पड़ा।

जब पुलिस दल छोटे पुन्नूर के जंगल वाले क्षेत्र में लगभग 17:15 बजे कमरगुडा, कोटमगुडा, छोटे पुन्नूर गावों की ओर आगे बढ़ रहा था, तब 25-30 सशस्त्र सीपीआई (माओवादी) काडरों ने छद्म आवरण वाली वेशभूषा और साधारण वेषभूषा में पुलिस दल पर हमला कर दिया। नक्सलवादियों ने पुलिस कार्मिकों को मारने और उनके हथियार लूटने के इरादे से पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। यद्यपि नक्सलियों ने पुलिस दल पर अचानक हमला किया था, परन्तु श्री के.एल. ध्रुव, पुलिस अधीक्षक बीजापुर के निर्देश में पुलिस दल ने सुरक्षात्मक पोजीशन ले ली और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। नक्सलवादियों को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया, परन्तु वे पुलिस दलों पर लगातार गोलीबारी करते रहे। श्री के.एल. ध्रुव, पुलिस अधीक्षक बीजापुर ने निरीक्षक, लक्ष्मण केवट और पुलिस कार्मिकों को आगे बढ़ने और उचित सुरक्षात्मक स्थान लेने के पश्चात् नक्सलियों पर जवाबी हमला करने का निर्देश दिया। निरीक्षक लक्ष्मण केवट और अन्य पुलिस कार्मिकों ने घनी झाड़ियों, पेड़-पौधों और पहाड़ी क्षेत्र का फायदा उठाते हुए नक्सलियों पर गोलीबारी की और परस्पर गोलीबारी लगभग 30 मिनट तक चलती रही। नक्सलवादी घने जंगल और ऊबर-खाबड़ जमीन का फायदा उठाते हुए जंगल में भाग गए। परस्पर गोलीबारी के पश्चात्, घटना स्थल की पूरी तलाशी की गई। तलाशी के दौरान एक नक्सली, जिसकी पहचान बाद में मिच्छा धानू उर्फ चन्नू के रूप में की गई, का शव और एक 12 बोर की राइफल, 03 जिन्दा राउंड, 01 पाइप बम, कोडेक्स वायर, डेटोनेटर और 20 मीटर वायर, एसएलआर-10 के खाली खोखे, इंसास के 02 खाली खोखे, 04 नक्सली साहित्य और दैनिक प्रयोग की अन्य सामग्रियां बरामद की गईं। उस क्षेत्र की ओर तलाशी करने पर एक भरमार राइफल भी बरामद हुई।

इस कार्रवाई में श्री के.एल. ध्रुव, पुलिस अधीक्षक बीजापुर ने संकट के समय अपने सैन्य दलों को अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया। जब नक्सलियों द्वारा उनके दल पर हमला किया गया, तब उन्होंने अत्याधिक सूझबूझ और उत्कृष्ट ऑपरेशन अनुभव का प्रदर्शन किया। श्री के.एल. ध्रुव, पुलिस अधीक्षक बीजापुर अपनी जान की परवाह किए बिना लड़े। उन्होंने अपने कार्मिकों को एक-दूसरे की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस कार्मिक यह भली-भांति जानते हुए कि प्रत्येक कदम घातक हो सकता है, उनके सक्षम मार्गदर्शन और नेतृत्व में नक्सलियों का सामना करने के लिए आगे बढ़ते रहे। राष्ट्र की सेवा में अपनी जान की परवाह किए बिना अनुकरणीय साहस, बहादुरीपूर्ण प्रयास और शौर्यपूर्ण कार्रवाई से उन्होंने छत्तीसगढ़ पुलिस का नाम रोशन किया।

इस मुठभेड़ में, सर्व/श्री कन्हैया लाल ध्रुव, पुलिस अधीक्षक और लक्ष्मण केवट, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13.02.2015 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 47-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

- | | | |
|-----|------------------------|-------------|
| 01. | श्री रोहित कुमार सोरी | (मरणोपरांत) |
| | हेड कांस्टेबल | |
| 02. | श्री मनोज कुमार बघेल | (मरणोपरांत) |
| | हेड कांस्टेबल | |
| 03. | श्री रजमान नेतम | (मरणोपरांत) |
| | कांस्टेबल | |
| 04. | श्री किरण कुमार देशमुख | (मरणोपरांत) |
| | कांस्टेबल | |
| 05. | श्री मोहन सिंह इके | (मरणोपरांत) |
| | कांस्टेबल | |
| 06. | श्री राजकुमार मरकाम | (मरणोपरांत) |
| | कांस्टेबल | |

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10 अप्रैल, 2015 को प्लाटून कमांडर श्री शंकर राव, जिन्होंने पुलिस स्टेशन पोलमपल्ली, जिला सुकमा में अस्थाई रूप से शिविर लगा रखा था, को पिडमेल गांव के नजदीक 25 हथियारबंद सीपीआई (माओवादी) काडरों की उपस्थिति के बारे में आसूचना प्राप्त हुई। प्लाटून कमांडर राव ने तत्काल 29 कार्मिकों के अपने दल को सूचित किया, अतिरिक्त गोलाबारूद लिया और एक आक्रामक अभियान की योजना बनाई। योजना के अनुसार, पी सी राव दिनांक 11 अप्रैल, 2015 को लगभग 02:00 बजे अपने दल के साथ एक कच्चे मार्ग से पिडमेल की ओर अभियान के लिए चल पड़े।

तलाशी करने पर, एसटीएफ दल को पिडमेल गांव के नजदीक माओवादी की मौजूदगी का पता नहीं चला। दल गांव से निकल पड़ा और उन्होंने सुबह विश्राम के लिए पिडमेल के नजदीक एक छोटी पहाड़ी पर रुकने का निर्णय लिया। इसी बीच माओवादी, जिन्होंने पिडमेल और डब्बाकोटा के बीच में शिविर बना रखा था, को पुलिस की गतिविधि की सूचना मिल गई और उन्होंने चुपके से पुलिस दल का पीछा किया और पहाड़ी के ऊपर पहुंचने पर एसटीएफ दल को घेरना शुरू कर दिया।

तलाशी के पश्चात् सुरक्षा कार्मिक आरवी प्वाइंट 209 के नजदीक रुक गए। प्लाटून कमांडर राव ने कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी और अनुकरणीय नेतृत्व गुण का प्रदर्शन करते हुए अचानक हलचल के कारणों का पता लगाने के लिए उस दिशा में चले गए। परन्तु बहादुर लीडर के सीने पर माओवादियों की एक गोली लग गई, जो पहाड़ी को घेर रहे थे। प्लाटून कमांडर राव ने गंभीर रूप से घायल होने पर भी शेष दल को सतर्क कर दिया। उनकी तत्काल सतर्कता से आगे हो सकने वाली जन हानि नहीं हुई थी क्योंकि सुरक्षा दल अस्थायी रूप से रुका हुआ था और इसलिए शीघ्र कार्रवाई की स्थिति में नहीं था। परन्तु प्लाटून कमांडर राव के आह्वान के पश्चात्, सैन्य दल ने तुरंत पोजीशन ले ली और माओवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी के विरुद्ध जवाबी कार्रवाई की। प्लाटून कमांडर राव ने बहादुरीपूर्ण लड़ाई लड़ी लेकिन घायल होने के कारण कुछ समय पश्चात् उनकी मृत्यु हो गई।

पी.सी. शंकर राव के घटना स्थल पर शहीद हो जाने के पश्चात्, हेड कांस्टेबल आर.के. अत्रा ने स्वतः दल की कमान संभाल ली। हेड कांस्टेबल आर.के. अत्रा ने अत्यधिक सूझबूझ का प्रदर्शन करते हुए माओवादियों की घात को तोड़ते हुए आगे बढ़ने का निर्णय लिया। इसके लिए, उन्होंने स्वयं यूबीजीएल से गोलीबारी की और इस प्रकार के हथियार के प्रभाव से माओवादी दल को बिखरने में सफल रहे। तथापि, आगे बढ़ते हुए सैन्य दल दूसरी घात में फंस गया। परन्तु हेड कांस्टेबल आर.के. अत्रा और उनके कार्मिक माओवादियों से बहादुरी के साथ लड़े और घात से बाहर निकल आए। माओवादी हमले की तीव्रता और इस हमले में शामिल माओवादियों की संख्या इस एकमात्र तथ्य से समझी जा सकती है कि आगे तीसरी घात भी लगाई गई थी। हेड कांस्टेबल आर.के. अत्रा ने यूबीजीएल सेल से गोलीबारी की जिसके परिणामस्वरूप तीन माओवादियों की मृत्यु हो गई और तीसरी घात भी पूरी तरह से विफल हो गई। सभी घायल पुलिस कार्मिकों को सुरक्षा दल द्वारा वापस लाया गया और शहीद अधिकारी/जवानों के हथियार लूटे नहीं जा सके।

बंदूकों की इस भीषण लड़ाई के दौरान, पी.सी. शंकर राव सहित 07 जवान शहीद हो गए और 10 जवान गोलियों से जखमी हो गए। सैन्य दल लगभग 16:15 बजे कंकरलंका शिविर में पहुंच गया। तैनाती का क्षेत्र मुख्य रूप से दोरनापल-जगरगुंडा (56 किमी.) और सुकमा-कोटा (78 किमी.) के बीच में स्थित था। कंकरलंका-चिंतागुफा और भेज्जी-किस्तराम के बीच घिरा हुआ यह क्षेत्र पूर्ण सुरक्षा की कमी और जंगलों तथा नदी/नालों के साथ एक अत्यधिक दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण धीरे-धीरे माओवादियों के गुरिल्ला बेस क्षेत्र में परिवर्तित हो गया था। माओवादी पीएलजीए बटालियन संख्या 1 मिलिट्री प्लाटून, एलओएस, एलजीएस और जनमिलिशिया आदि के साथ उस क्षेत्र में सक्रिय है और उसने विगत में सुरक्षा कार्मिकों को काफी संख्या में हताहत किया है। संक्षेप में, दिनांक 06.04.2010 को टडमेटला के नजदीक सीआरपीएफ के 76 जवान शहीद हो गए थे और दिनांक 01.12.2014 को कसालपाड के नजदीक सीआरपीएफ पर हाल के हमले में 14 सीआरपीएफ कार्मिक शहीद हो गए थे।

दिनांक 16.04.2015 को, करीगुंडम के जनमिलिशिया कमांडर, सोडी राम, जो इस घटना में संलिप्त था, ने पुलिस स्टेशन पोलमपली में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उसने बताया कि 250 से अधिक माओवादी पिडमेल मुठभेड़ में शामिल थे और यह कि इस मुठभेड़ में 35 माओवादी मारे गए थे तथा 15 माओवादी घायल हो गए थे। उसने आगे यह भी बताया कि माओवादियों की बटालियन संख्या 1 के उप कमांडर सीटू और कोटा क्षेत्र समिति का सचिव/प्रभागीय समिति का सदस्य (डीवीसीएम) मडकाम अर्जुन मारे गए आतंकवादियों में शामिल थे। सभी 35 माओवादियों के शव माओवादियों द्वारा ग्रामीणों की सहायता से एंडापाड और पेंटापाड के नजदीकी जंगल वाले क्षेत्रों में ले जाए गए थे और उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया था।

एसटीएफ एक ऐसा बल है जिसका गठन विशेषकर राज्य में माओवादियों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए किया गया है। अपने गठन के पश्चात्, एसटीएफ ने बड़ी सफलताएं प्राप्त की हैं। इसे प्राथमिक रूप से इस तथ्य से समझा जा सकता है कि इस बल में पुलिस विभाग की विभिन्न इकाइयों के ऐसे कर्मचारी शामिल हैं जो नक्सलवादी हिंसा को समाप्त करने के लिए स्वेच्छा से एसटीएफ से जुड़े हैं। हेड कांस्टेबल अत्रा दिनांक 02.11.2011 से एसटीएफ का अंग हैं। पीसी राव को उनके कार्यकाल में दो बार बिना बारी के पदोन्नति प्रदान की गई है और इसलिए बहुत छोटी अवधि में वे कांस्टेबल से प्लाटून कमांडर के रैंक पर पहुंच गए हैं। यह उनके चरित्र की क्षमता, अत्यधिक कर्तव्यनिष्ठा और विपरीत परिस्थिति के समक्ष उनके में साहस को दर्शाता है।

इस प्रकार, पीसी शंकर राव के नेतृत्व में 49 एसटीएफ कार्मिकों की एक छोटी सैन्य टुकड़ी ने अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया तथा वे 250 से अधिक माओवादियों से उनके गढ़ में बहादुरी से लड़े। सम्पूर्ण अभियान के दौरान एसटीएफ की कार्रवाई रणनीतिक थी और उन्होंने उस क्षेत्र का सर्वोत्तम ढंग से उपयोग किया। उन्होंने माओवादियों को अपना हथियार लूटने नहीं दिया।

अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, पीसी शंकर राव गोलीबारी की दिशा में आगे बढ़ गए और माओवादियों को उलझाने का प्रयास किया जो उनके कार्मिकों को भारी संख्या में हताहत करना चाहते थे। अदम्य साहस का विलक्षण प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने शत्रु बलों को समाप्त/निष्क्रिय करने के लिए अपने सैन्य बल को पोजीशन लेने के लिए सतर्क कर दिया। इस प्रकार पीसी शंकर राव ने मौत का सामना होने पर नजदीक से हो रही गोलीबारी में उचित ढंग से अदम्य साहस और असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया। प्लाटून कमांडर शंकर राव और अन्य पुलिस कार्मिकों ने गोलीबारी के समय असाधारण साहस एवं निर्भीकता का प्रदर्शन किया और अपेक्षित ड्यूटी से बढ़कर सर्वोत्तम बलिदान दिया। उन्होंने भारतीय पुलिस की उच्चतम परम्परा के अनुसार अपने साथियों की सुरक्षा के लिए स्वयं को अत्यधिक खतरे में डाल दिया।

इस मुठभेड़ में, सर्व/श्री स्वर्गीय श्री रोहित कुमार सोरी, हेड कांस्टेबल, स्वर्गीय श्री मनोज कुमार बघेल, हेड कांस्टेबल, स्वर्गीय श्री रजमान नेतम, कांस्टेबल, स्वर्गीय श्री किरण कुमार देशमुख, कांस्टेबल, स्वर्गीय श्री मोहन सिंह इके, कांस्टेबल और स्वर्गीय श्री राजकुमार मरकाम, कांस्टेबल, ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11.04.2015 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 48-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री अत्तर सिंह

निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मेवाती गैंग के सदस्यों की गतिविधि के बारे में निरीक्षक अत्तर सिंह को सूचना प्राप्त होने पर, इस संबंध में आसूचना एकत्र की गई और इस संबंध में तैनात दल, जिसमें हेड कांस्टेबल संजीव कुमार शामिल थे, द्वारा गैंग के सदस्यों पर कड़ी और सावधानीपूर्ण निगरानी रखी गई। विशेष प्रकोष्ठ/एनआर के निरीक्षक अत्तर सिंह के पास डकैतों के इस गैंग, जो कथित रूप से कई राज्यों में सक्रिय थे, के सदस्यों की गतिविधियों के बारे में कई महीनों से सूचना उपलब्ध थी। यह कार्रवाई इस तथ्य के बावजूद की गई कि इस गैंग के सदस्य अत्यधिक क्रूर एवं दुस्साहसिक हैं और वे पीड़ितों द्वारा जरा सा भी उकसाने अथवा विरोध करने पर गोली चलाने में नहीं हिचकिचाते हैं। वे कानून के शिकंजे से बचने के लिए पुलिस पर भी गोली चलाने में नहीं हिचकिचाते हैं। ये मेवाती डकैत इन अपराधों को अंजाम देने में क्रूरता करने और अमानवता का प्रदर्शन करने के लिए बहुत कुख्यात हैं। विगत में उन्होंने पुलिस दलों पर कई बार हमले किए हैं और पुलिस द्वारा घरे जाने पर उन्होंने पत्थर फेंककर और अंधाधुंध गोलीबारी करके पुलिस वाहनों को भी क्षतिग्रस्त किया है।

अभियान

06 महीनों से अधिक से कष्टप्रद प्रयास तब सफल हुए, जब दिल्ली में इस गैंग के सदस्यों की गतिविधियों के संबंध में एक विशिष्ट सूचना निरीक्षक अत्तर सिंह को प्राप्त हुई। सूचना यह थी कि भारी हथियारबंद सरगना इस्लामुद्दीन सहित इस गैंग के तीन सदस्य अपने एक सहयोगी से मिलने के लिए रोहतक रोड से मुंडका आने वाले हैं। निरीक्षक अत्तर सिंह के नेतृत्व में एक छापामारी दल गठित किया गया जिसमें उप निरीक्षक जितेंद्र तिवारी, हेड कांस्टेबल दिलावर सं.606/एसबी, हेड कांस्टेबल संजीव सं.729/एसबी, हेड कांस्टेबल हरपीत सं.559/एसबी, कांस्टेबल सुमेर सं.824/एसबी, कांस्टेबल विपिन सं.642/एसबी, कांस्टेबल विकास सं.723/एसबी और कांस्टेबल संजीव सं.1408/एसबी शामिल थे। इस गैंग के सदस्यों द्वारा पुलिस पर हमले के पूर्व इतिहास और इन अपराधियों द्वारा जघन्य अपराध करने में दिखाई गई निडरता और क्रूरता के मद्देनजर दल के सदस्य भी पूरी तरह से तैयार और हथियारबंद थे और कुछ सदस्य बुलेटप्रूफ जैकेट पहने हुए थे। नागलोई रेलवे स्टेशन/मेट्रो स्टेशन के नजदीक जाल बिछाया गया, जहां दिनांक 25.07.2016 को लगभग 05:45 बजे इस गैंग के तीन सदस्य एक फार्च्यूनर कार में पहुंचे। तीनों व्यक्ति कार से बाहर आ गए। जब निरीक्षक अत्तर सिंह, जो पुलिस दल का नेतृत्व कर रहे थे, ने उनको घेरने और काबू में करने की कोशिश की, तो इस्लामुद्दीन ने पिस्तौल बाहर निकाली और गोली चलाने की धमकी दी। निरीक्षक अत्तर सिंह ने धैर्य नहीं खोया और

शांत मन से लगातार अपने साथियों का मार्गदर्शन करते रहे। पुलिस दल को अडिग देखकर, इस्लामुद्दीन ने निरीक्षक अत्तर सिंह पर गोली चला दी, जो इस्लामुद्दीन को काबू में करने के लिए उसकी ओर जाने का प्रयास कर रहे थे, गोली निरीक्षक अत्तर सिंह द्वारा पहनी हुई बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी। सुरेन्द्र ने भी अपनी पिस्तौल निकाली और पुलिस दल पर गोली चलाने का प्रयास किया। इन खूंखार अपराधियों की धमकी पुलिस दल को प्रतिक्रिया करने से नहीं रोक पाई। निरीक्षक अत्तर सिंह और हेड कांस्टेबल संजीव ने अनुकरणीय साहस और सूझबूझ का प्रदर्शन किया। यद्यपि उनकी जान खतरे में थी, परन्तु दोनों व्यक्ति अपनी जान की परवाह किए बिना डकैतों को काबू में करने के लिए उनकी ओर दौड़ पड़े। गोली लगने के बावजूद, निरीक्षक अत्तर सिंह ने मानसिक संतुलन और साहस नहीं गंवाया। वे डकैतों पर टूट पड़े, सुरेन्द्र को काबू में कर लिया और उससे उसकी भरी हुई पिस्तौल छीन ली। हेड कांस्टेबल संजीव ने भी बड़े साहस का प्रदर्शन किया और दुस्साहासी व्यक्तियों को निष्क्रिय करने में निरीक्षक की सहायता की। वे अपनी जान की परवाह किए बिना इस्लामुद्दीन की ओर दौड़ पड़े और इस्लामुद्दीन की भरी हुई पिस्तौल छीन ली। दल के अन्य सदस्यों ने भी तुरंत प्रतिक्रिया की और अपराधियों को काबू करने में सहायता की। घटना स्थल पर उनके पास से जिंदा कारतूसों के साथ कुल तीन आग्नेयास्त्र अर्थात् 7.65 की एक अंग्रेजी पिस्तौल और 06 जिंदा कारतूसों के साथ .315 बोर की 02 स्वदेश निर्मित पिस्तौलें बरामद की गईं। उनसे घटना स्थल पर एक चुराई हुई फार्च्यूनर कार भी बरामद की गई। फार्च्यूनर कार दिल्ली में महिपालपुर से बंदूक की नोक पर लूटी गई थी। उपर्युक्त के अतिरिक्त, डकैतियों को अंजाम देते समय संचार के लिए प्रयोग किए गए 20 मोबाइल हैंडसेट और 40 सिम कार्ड भी बरामद किए गए।

इस गैंग के शेष दो सहयोगियों नामतः मोहम्मद शबीर और इरशाद को भी गिरफ्तार कर लिया गया तथा उनसे एक लूटी हुई होंडा सिटी कार, नौ जिंदा कारतूस और एक वर्ना कार भी बरामद की गई। जांच के दौरान, गिरफ्तार व्यक्तियों की निशानदेही पर 05 जाली ड्राइविंग लाइसेंस, 18 जाली आधार कार्ड, 05 जाली वोटर आईडी कार्ड, 04 जाली आरसी और लूटी गई 06 कारों के जाली बीमा संबंधी दस्तावेज बरामद किए गए, बाद में विशिष्ट प्रकोष्ठ द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर मध्य प्रदेश पुलिस दिल्ली से 01 करोड़ रु. से अधिक के मूल्य वाली तांबे की तार बरामद करने में सफल हुई।

गैंग की कार्यविधि

गिरफ्तार किए गए पांच डकैतों से गहन पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान, यह पता चला कि इस्लामुद्दीन इस गैंग का मुखिया है। वह हत्या, हत्या का प्रयास, फिरौती के लिए अपहरण, जबरन धन वसूली, लूटपाट, डकैती, हमले, आपराधिक धमकी, सामूहिक बलात्कार आदि के 42 से अधिक मामलों में संलिप्त है। इस गैंग के 15 से अधिक सदस्य हैं, जो ज्यादातर मेवात क्षेत्र से संबंध रखते हैं। यह पता चला कि इस गैंग की कार्यविधि बंदूक की नोट पर कारें लूटना है, जिनका प्रयोग तांबे की तारों वाली ट्रकों का पीछा करने के लिए किया जाता था। इस गैंग के सदस्य आम तौर पर तांबे की तारों वाले ट्रकों को लूटते हैं क्योंकि यह बहुत मंहगी सामग्री है और वे इसे बेचकर काफी धन प्राप्त करते हैं। वे तांबे की तारों से भरे हुए ऐसे ट्रकों पर घात लगाते थे और ट्रक चालकों, क्लीनरों, हेल्परों आदि का अपहरण करके उन्हें बंधक बना लेते थे। ट्रक में सवार लोगों को काबू में करने के पश्चात, वे ट्रकों में लगाए गए जीपीएस को निकाल देते थे। मंहगी तांबे की तारों को ले जाने वाले सभी ट्रकों में जीपीएस लगाना आवश्यक है। वे लूटे गए इन ट्रकों को दिल्ली और हरियाणा में अपने गोदामों में ले जाते थे। वे तांबे की तारों को खाली करके ट्रक को दिल्ली से 100-150 किमी. दूर छोड़ देते थे। ट्रक को खाली करने और इसे किसी स्थान पर छोड़ने के पश्चात, वे इन ट्रकों के चालकों और क्लीनरों को छोड़ देते थे। इस गैंग का नेतृत्व इस्लामुद्दीन द्वारा किया जाता है और गैंग के अन्य सदस्य हरुण, असलम, सलीम, सुरेन्द्र, शबीर, सूरज उर्फ पंडित, मोनू, इरफान, सलमान, हनीफ, आजाद, इकबाल, खालिद, आबिद, लियाकत आदि हैं, जो मेवात क्षेत्र के हैं।

इस मुठभेड़ में, श्री अत्तर सिंह, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25.07.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 49-प्रेज/2018-राष्ट्रपति.— दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री राजेन्द्र कुमार,

उप निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

यह प्रशस्ति पत्र एएटीएस/पूर्वी जिला, दिल्ली के पुलिस अधिकारी नामतः उप निरीक्षक (अब निरीक्षक) राजेन्द्र कुमार, सं. डी-2207 को उनके अनुकरणीय वीरतापूर्ण कार्य और असाधारण अच्छे कार्य, जिसके परिणामस्वरूप एक सफल अभियान को अंजाम दिया गया, के संबंध में “वीरता के लिए पुलिस पदक” प्रदान करने के बारे में है, जिसमें खतरनाक और इनामी अपराधी नामतः अमित कुमार, जिसके सिर पर 1 लाख रु. का इनाम था और जो हत्या, हत्या के प्रयास, झपटमारी, ऑटो चोरी, लूटपाट और आयुध अधिनियम के विभिन्न मामलों में वांछित तथा संलिप्त था, को भूमिगत मार्ग (मंगलम अस्पताल लाल बत्ती के नजदीक), मदर डेयरी, पांडव नगर, दिल्ली के नजदीक दिनांक 6/7.8.2016 की मध्य रात्रि में एक संक्षिप्त मुठभेड़ और परस्पर गोलाबारी के पश्चात गिरफ्तार किया गया था।

दिनांक 06.08.2016 को, उप निरीक्षक (अब निरीक्षक) राजेन्द्र कुमार को इस आशय की एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि खतरनाक और इनामी अपराधी नामतः अमित कुमार जो सत्यप्रकाश उर्फ सत्ते गैंग का एक सदस्य है और जो हत्या, हत्या के प्रयास, झपटमारी, लूटपाट आदि के विभिन्न मामलों में संलिप्त हैं, अपने कुछ मित्रों से मिलने के लिए पांडव नगर, दिल्ली में मदर डेयरी के नजदीक आएगा। इस सूचना के आधार पर, तत्काल श्री बाई.के. त्यागी, एसीपी/अभियान के पर्यवेक्षण में एएटीएस/पूर्वी जिला का एक दल गठित किया गया, जिसमें निरीक्षक डी.पी. सिंह, उप निरीक्षक (अब निरीक्षक) राजेन्द्र कुमार, उप निरीक्षक धीरज, उप निरीक्षक संजीव, सहायक उप निरीक्षक राजेन्द्र, हेड कांस्टेबल सुखवीर सिंह, हेड कांस्टेबल राजीव, कांस्टेबल जितेंद्र, कांस्टेबल राज कुमार और कांस्टेबल राम गोपाल शामिल थे। दिनांक 6/7.8.2016 की मध्य रात्रि में, एएटीएस/पूर्वी जिला के पुलिस दल ने सुबह 1:30 बजे मदर डेयरी, पांडव नगर के नजदीक जाल बिछा दिया। मुखबिर से संकेत मिलने के पश्चात, अमित कुमार को देखा गया और मुखबिर द्वारा इशारा किए जाने पर, उसको पुलिस दल द्वारा मदर डेयरी के मोड़ के निकट रुकने का संकेत दिया गया। आरोपी अमित, जो एक स्कूटी (सं.डीएल-5एस-बीएम-4434) पर सवार था, ने भागने का प्रयास किया परंतु पुलिस दल द्वारा उसका पीछा किया गया। पुलिस दल ने उसका पीछा किया और जब उसकी स्कूटी को भूमिगत मार्ग (मंगलम अस्पताल लाल बत्ती के नजदीक) एएसआई राजेन्द्र द्वारा मारुति एस्टिलो कार सं. डीएल2सीएजी6573 द्वारा टक्कर मारी गई, तो उसका संतुलन बिगड़ गया। अपराधी ने आग्रेयान्न निकाल लिया और पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उसने कुल 04 राउंड गोलीबारी की और 01 राउंड उप निरीक्षक (अब निरीक्षक) राजेन्द्र कुमार के सीने की ओर बुलेटप्रूफ जैकेट में लग गई क्योंकि पुलिस अधिकारी सीधे गोली की सीध में थे। उप निरीक्षक (अब निरीक्षक) राजेन्द्र कुमार, बहादुर पुलिस अधिकारी ने भी आत्म-रक्षा में गोली चलाई और उनके द्वारा कुल 02 राउंड गोलीबारी की गई। अपराधी अमित को अंततः उनके द्वारा काबू में कर लिया गया और उसके पास से एक पिस्तौल, जिसकी मैगजीन में 03 जिंदा कारतूस थे, बरामद की गई। इस संबंध में पुलिस स्टेशन मधु विहार, दिल्ली में भारतीय दंड संहिता की धारा 307/186/353/332 और आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के तहत दिनांक 07.08.2016 को एफआईआर संख्या 439 के तहत एक मामला दर्ज किया गया था। अपराध में प्रयुक्त 7.5 बोर के 03 जिंदा कारतूस के साथ एक अत्याधुनिक पिस्तौल और स्कूटी सं.डीएल-5एस-बीएम-4434 जब्त की गई। यह पाया गया कि स्कूटी सं.डीएल-5एस-बीएम-4434 अपराधी द्वारा लूटी गई थी और इस संबंध में पुलिस स्टेशन कृष्णा नगर में भारतीय दंड संहिता की धारा 392/397 के अंतर्गत एफआईआर सं. 940/15 के तहत एक मामला दर्ज किया गया था।

उप निरीक्षक (अब निरीक्षक) राजेन्द्र कुमार, सं. डी-2207 ने अपनी जान को जोखिम में डाला और इस अभियान में स्पष्ट रूप से अनुकरणीय साहस, बहादुरी और उच्च कोटि के समर्पण का प्रदर्शन किया। पुलिस दल के प्रत्येक सदस्य विशेषकर उप निरीक्षक (अब निरीक्षक) राजेन्द्र कुमार द्वारा प्रदर्शित अतुलनीय शौर्य और वीरतापूर्ण कार्य की दिल्ली पुलिस के सभी रैंकों द्वारा प्रशंसा की गई है और इसने आम जनता के मन में सुरक्षा की भावना पैदा की है। उपर्युक्त मामले में असाधारण वीरतापूर्ण कार्य और कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन करने के लिए पुलिस अधिकारियों को पुलिस मुख्यालय के दिनांक 16.11.2016 के आदेश सं69396-500/सीबी-111(आईएनसी.)/पुलिस मुख्यालय के तहत तत्काल प्रभाव से बिना बारी के अगले उच्च रैंक पर पदोन्नति प्रदान की गई है।

इस मुठभेड़ में, श्री राजेन्द्र कुमार, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07.08.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 50-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री रविन्द्र कुमार त्यागी

उप निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 13.09.2008 को, गफ्फार मार्केट, करोल बाग, सेन्दूल पार्क, कनाट प्लेस, बाराखम्बा रोड और ग्रेटर कैलाश, दिल्ली में एक के बाद एक बम विस्फोट की घटनाओं की सूचना प्राप्त हुई। तीन बमों को निष्क्रिय कर दिया गया था, एक रीगल सिनेमा में, एक सेन्दूल पार्क, कनाट प्लेस में और एक चिल्ड्रन्स पार्क, इंडिया गेट, नई दिल्ली में। विस्फोट की उपर्युक्त घटनाओं में 26 लोग मारे गए और 133 घायल हो गए। भारतीय दंड संहिता की धारा 302/323/121/34, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3/4/5 विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 10.12.2013 के तहत पुलिस स्टेशन, करोल बाग, दिल्ली की दिनांक 13.09.2008 की प्राथमिकी सं.166/2008 के अंतर्गत विस्फोट के एक मामले की जांच विशेष प्रकोष्ठ/एनडीआर को अंतरित कर दी गई थी।

मामलों की जांच करने और दोषियों को कानून के शिकंजे में लाने के लिए दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ में एक विशेष दल गठित किया गया था, जो राजधानी के पुलिस बल की आतंकवादी-रोधी इकाई है। आसूचना एजेंसी से प्राप्त आंकड़ों और सूचनाओं के विश्लेषण के पश्चात वे दिल्ली के जामिया नगर में बटला हाउस के क्षेत्र में पहुंचे जहां संदिग्ध मॉड्यूल एक फ्लैट में छिपा हुआ था।

दिनांक 19.09.2008 को, निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा की अगुवाई वाला एक दल आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पहले उस स्थान पर गया। एक बैकअप दल को भू-तल पर तैनात कर दिया गया। निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा, जो प्रथम दल की अगुवाई कर रहे थे, ने उप निरीक्षक धर्मेन्द्र को मोबाइल संख्या 9811004309 के प्रयोक्ता की पहचान सुनिश्चित करने के स्पष्ट उद्देश्य के साथ मोबाइल सेवा प्रदाताओं के एक कर्मचारी के भेष में फ्लैट संख्या 108 के भीतर जाने का निर्देश दिया।

उप निरीक्षक धर्मेन्द्र पहले सीढ़ियों से एल-18, बटला हाउस के फ्लैट संख्या 108 की ऊपरी मंजिल पर गए। उन्हें अपार्टमेंट में कुछ आवाजें सुनाई दीं और उन्होंने निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा को सूचित करने के लिए वापस आने का निर्णय लिया, जिन्होंने बाद में अपार्टमेंट के व्यक्तियों की छानबीन करने के लिए साथ-साथ जाने का निर्णय लिया। निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा, उप निरीक्षक राहुल कुमार, उप निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार, उप निरीक्षक रविन्द्र त्यागी, हेड कांस्टेबल बलवंत, हेड कांस्टेबल सतेन्द्र और हेड कांस्टेबल उदयबीर सहित एक सात सदस्यीय दल इस भवन की ऊपरी मंजिल पर गया, जहां यह फ्लैट संख्या 108 स्थित था।

निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा ने आगे का दरवाजा खटखटाया और उन्हें अपने पुलिस कार्मिक होने की सूचना देते हुए दरवाजा खोलने के लिए कहा। किसी ने भी दरवाजा नहीं खोला। फिर उन्होंने दरवाजे को धकेलने की कोशिश की, परन्तु इसमें भीतर से कुंडी लगी हुई थी। फिर उन्होंने दूसरे दरवाजे को धक्का दिया, जो भीतर से बंद नहीं था और निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा की अगुवाई वाला दल इस दरवाजे से फ्लैट में घुस गया। तत्काल, अपार्टमेंट के बाईं ओर के कमरे के साथ-साथ ड्राइंग रूम की दाईं ओर से पुलिस दल पर गोलियों की बौछार आई। निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा, उप निरीक्षक राहुल कुमार, उप निरीक्षक रविन्द्र त्यागी, हेड कांस्टेबल बलवंत ने भी आत्मरक्षा में और आतंकवादियों को गिरफ्तार करने के विचार से जवाबी गोलीबारी की, क्योंकि वे दोनों ओर से आ रही आतंकवादियों की गोलीबारी के बीच फंस गए थे। आतंकवादी अत्याधुनिक अग्नेयास्त्रों से गोलीबारी कर रहे थे। गोलीबारी के दौरान, निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा गोली लगने से घायल हो गए और वे नीचे गिर गए, फिर उप निरीक्षक धर्मेन्द्र ने अनुकरणीय साहस दिखाया और घायल निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा की सरकारी पिस्तौल उठा ली तथा उन्होंने उप निरीक्षक राहुल कुमार और हेड कांस्टेबल बलवंत के साथ बहादुरी से ड्राइंग रूम में मौजूद आतंकवादियों का सामना किया।

जवाबी गोलीबारी के दौरान, वे आतंकवादियों की गोलीबारी की सीध में थे और उनके पास अपनी सुरक्षा के लिए कोई कवर नहीं था। यह बहुत निकट की गोलीबारी थी। उप निरीक्षक रविन्द्र त्यागी आतंकवादियों के सामने थे, जो बाईं ओर के कमरे से गोलीबारी कर रहा था। उप निरीक्षक रविन्द्र त्यागी ने बहादुरी से आत्मरक्षा में उस आतंकवादी का बहादुरीपूर्वक सामना किया। गोलीबारी के दौरान, आतंकवादियों द्वारा चलाई गई एक गोली हेड कांस्टेबल बलवंत की दाईं बाजू में लग गई और उनकी पिस्तौल नीचे गिर गई, परन्तु इसे आतंकवादियों के हाथों में जाने से बचाने के लिए उन्होंने अपनी हिम्मत जुटाते हुए अपने बाएं हाथ से पिस्तौल उठा ली। आतंकवादियों के साथ बंदूक की लड़ाई के दौरान निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा के घायल होने के पश्चात उप निरीक्षक राहुल कुमार ने सामने से दल की अगुवाई की और आतंकवादियों की गोलियों की बौछार का सामना किया। उप निरीक्षक राहुल कुमार ने आगे से आतंकवादियों का सामना किया और अपने दल के सदस्यों को घायल निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा और हेड कांस्टेबल बलवंत को तत्काल अस्पताल ले जाने का भी निर्देश दिया।

गोलीबारी के दौरान एक आतंकवादी, जिसकी पहचान बाद में मोहम्मद आतिफ अमीन उर्फ बशीर के रूप में की गई, गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दो आतंकवादियों जिनकी पहचान बाद में आरिज उर्फ जुनैद और शाहबाज उर्फ पप्पू के रूप में की गई, पुलिस दल पर गोलीबारी करते हुए घटना स्थल से बच निकले। निरीक्षक मोहन चंद्र शर्मा और हेड कांस्टेबल बलवंत सिंह को उप निरीक्षक धर्मेन्द्र और हेड कांस्टेबल उदयवीर के द्वारा अस्पताल भेजा गया। कुछ आतंकवादी अभी भी बाईं तरफ के कमरे में छिपे हुए थे। उनके बच निकलने के रास्ते को उप निरीक्षक राहुल कुमार, उप निरीक्षक रविन्द्र त्यागी और हेड कांस्टेबल सतेन्द्र द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया। इसी बीच, हेड कांस्टेबल राजवीर सिंह सहित एसीपी संजीव कुमार यादव की अगुवाई वाला बैकअप दल, जो बुलेटप्रूफ जैकेट और हथियारों से लैस था, भी फ्लैट में पहुंच गया। उप निरीक्षक राहुल, जो वहां पहले से मौजूद थे, ने एसीपी संजीव कुमार यादव को घटना के बारे में सूचित किया तथा अन्य आतंकवादियों के बारे में भी बताया, जिन्होंने पुलिस दल पर गोलीबारी की थी और बाईं ओर के कमरे में छिपे हुए थे। एसीपी श्री संजीव कुमार यादव ने बाईं ओर के कमरे में छिपे हुए आतंकवादियों से पुलिस दल के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, परन्तु उन्होंने कोई उत्तर नहीं दिया। तब एसीपी श्री संजीव कुमार यादव और हेड कांस्टेबल राजवीर सिंह ने आतंकवादियों को गिरफ्तार करने के लिए बहादुरी से उस कमरे में प्रवेश करने का प्रयास किया परन्तु उनमें से एक आतंकवादी पुलिस दल पर गोलीबारी करते हुए बालकनी के दरवाजे की ओर चला गया। एसीपी श्री संजीव कुमार यादव आतंकवादी की गोलीबारी की एकदम सीध में थे और चलाई गई एक गोली निडर एसीपी के नजदीक से निकल गई। श्री संजीव कुमार यादव ने तत्काल आत्म रक्षा में जवाबी कार्रवाई की। आतंकवादी बच निकलने और नुकसान पहुंचाने के लिए पुलिस दल पर लगातार गोलीबारी करते रहे और चलाई गई दो गोलियां हेड कांस्टेबल राजवीर के सीने में लग गईं, परन्तु वे अपने द्वारा पहनी हुई बुलेटप्रूफ जैकेट के कारण बच गए। हेड कांस्टेबल राजवीर ने तुरंत आत्मरक्षा में अपनी एके47 असाल्ट राइफल से जवाबी गोलीबारी की। एसीपी श्री संजीव कुमार यादव ने अत्यधिक सूझबूझ, हिम्मत और अडिग दृढ़ निश्चय के साथ खूंखार आतंकवादी को निष्क्रिय कर दिया।

बैकअप दल द्वारा दुतरफा गोलीबारी में आतंकवादी मोहम्मद साजिद उर्फ पंकज घायल हो गया, जबकि अन्य आतंकवादी जिसकी पहचान मोहम्मद सैफ उर्फ राहुल शर्मा के रूप में की गई थी, ने पुलिस दल के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। दोनों घायल आतंकवादियों, मोहम्मद आतिफ अमीन और मोहम्मद साजिद को अस्पताल ले जाया गया और उन्हें एम्स अस्पताल में मृत लाया हुआ घोषित कर दिया गया। घायल होने के कारण निरीक्षक मोहन चंद शर्मा की भी उसी दिन अस्पताल में मृत्यु हो गई।

आतंकवादियों से 30-30 राउंड लोड की हुई 2 मैगजीनों के साथ एक एके सीरीज की असाल्ट राइफल और .30 कैलिबर की दो पिस्तौलें बरामद हुईं। एक आतंकवादी नामतः मोहम्मद सैफ निवासी आजमगढ़, उत्तर प्रदेश को भी फ्लैट सं. 108, एल-18 बटला हाउस, जामिया नगर, दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान, मोहम्मद सैफ ने दिल्ली, अहमदाबाद, जयपुर और भारत के अन्य भागों में सिलसिले-वार विस्फोटों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। फ्लैट की सरसरी तौर पर तलाशी करने पर में 2 लैपटॉप, मोबाइल फोन, पेन ड्राइव, इंटरनेट डाटा कार्ड, काम्पैक्ट डिस्क, डिजिटल वीडियो कैसेट, टूटी हुई सिम, विभिन्न कंपनियों के सिम कार्ड, साइकिल बाल बेयरिंग, जिहाद से संबंधित आपत्तिजनक दस्तावेज आदि बरामद हुए।

इन गुटों के सदस्यों की संलिप्तता से संबंधित सूचना को केंद्रीय आसूचना एजेंसियों, राजस्थान, मुम्बई, गुजरात, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्य पुलिस के साथ साझा किया गया। वर्तमान सिलसिले-वार विस्फोटों में दिल्ली पुलिस द्वारा पांच आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है और महाराष्ट्र पुलिस द्वारा 20 आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है तथा यूपी पुलिस द्वारा एक आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान, इन सभी ने दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपी व्यक्तियों द्वारा किए गए प्रकटीकरण की पुष्टि की है। एसीपी श्री संजीव कुमार यादव, उप निरीक्षक राहुल कुमार, उप निरीक्षक धर्मेन्द्र, उप निरीक्षक रविन्द्र त्यागी, हेड कांस्टेबल बलवंत और हेड कांस्टेबल राजवीर द्वारा दिखाई गई अत्यधिक वीरता और अनुकरणीय साहस के कारण गोलीबारी के दौरान दो आतंकवादियों को निष्क्रिय कर दिया गया, एक आतंकवादी को ज़िंदा गिरफ्तार किया गया और आतंकवादी गुट इंडियन मुजाहिदीन के सम्पूर्ण माँझूल को ध्वस्त कर दिया गया। घबराए और भयभीत हुए बिना एसीपी श्री संजीव कुमार यादव ने अपनी सरकारी पिस्तौल से 2 राउंड गोलियां चलाई, उप निरीक्षक

राहुल कुमार ने 5 राउंड गोलियां चलाईं, उप निरीक्षक रविन्द्र त्यागी ने 4 राउंड गोलियां चलाईं, हेड कांस्टेबल बलवंत ने 2 राउंड गोलियां चलाईं, उप निरीक्षक धर्मेन्द्र ने निरीक्षक मोहन चन्द शर्मा की सरकारी पिस्तौल से 2 राउंड गोलियां चलाईं और हेड कांस्टेबल राजवीर ने अपनी सरकारी एके-47 से 3 राउंड गोलियां चलाईं तथा इन सभी ने आतंकवादियों को मार गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उपर्युक्त सभी अधिकारियों ने अपनी जान को जोखिम में डाल दिया और इस अभियान में विशिष्ट रूप से अनुकरणीय साहस, बहादुरी और प्रेरणा का प्रदर्शन किया। दिल्ली पुलिस की बहादुरीपूर्ण कार्रवाई ने न केवल विभिन्न राज्यों की पुलिस के शीर्षस्थ रैंकों और मीडिया से, अपितु आम लोगों से भी बड़ी प्रशंसा प्राप्त की। उन्होंने वीरता और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण का एक उदाहरण प्रस्तुत किया।

इस मुठभेड़ में, श्री रविन्द्र कुमार त्यागी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19.09.2008 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 51-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. सजाद अहमद शेख,
उप पुलिस अधीक्षक
02. श्री मोहम्मद अयाज दंग,
सहायक उप निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23.11.2015 को, मोहम्मद इशाक तांत्रे पुत्र जीएच. कादिर निवासी तांत्रे मोहल्ला सिलीगाम के घर में आतंकवादियों की उपस्थिति के बारे में सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, अभियान कार्मिक, जिसमें उप पुलिस अधीक्षक आप्स (पीसी) अनंतनाग और सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद अयाज दंग शामिल थे, लक्षित क्षेत्र की ओर गए और पुलिस अधीक्षक (आप्स) अनंतनाग और एसएसपी अनंतनाग के पर्यवेक्षण में 3-आरआर/40 बटालियन सीआरपीएफ की सहायता से सम्पूर्ण बस्ती की घेराबंदी कर दी। पुलिस के अभियान कार्मिक लक्षित घर पर ध्यान केन्द्रित किया जबकि 3-आरआर/40 बटालियन सीआरपीएफ के सैन्यदल ने बाहरी घेराबंदी कर दी।

इसी बीच, अभियान कार्मिकों की उपस्थिति को देख कर, छिपे हुए आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़ने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, श्री सजाद अहमद शेख (उप पुलिस अधीक्षक) पीसी अनंतनाग और सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद अयाज दंग ने असाधारण साहस का प्रदर्शन किया और जोरदार जवाबी गोलीबारी की, जिसने आतंकवादियों को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। अभियान दल, जिसमें अनुशंसित व्यक्ति शामिल थे, ने लक्ष्य की ओर बढ़ना शुरू कर दिया और यह उनका असाधारण बहादुरीपूर्ण प्रयास था कि वे आतंकवादियों द्वारा बरसाई जा रही गोलियों के बावजूद आगे बढ़ गए। अग्रणी दल, जिसमें अनुशंसित व्यक्ति शामिल थे, ने सर्वप्रथम फंसे हुए नागरिकों को बाहर निकालना सुनिश्चित किया। तथापि, आतंकवादी घेराबंदी को तोड़ने और बच निकलने के उद्देश्य से पुलिस दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए घोर निराशा में घर से बाहर आ गए, परन्तु श्री सजाद अहमद शेख (उप पुलिस अधीक्षक) और मोहम्मद अयाज दंग (सहायक उप निरीक्षक और उनके दल ने) अपनी जान की परवाह न करते हुए बहादुरी और शौर्यपूर्ण कार्रवाई से न केवल सभी तीनों आतंकवादियों को मार गिराया अपितु किसी सम्पात्तिक क्षति के बिना उस क्षेत्र से नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालना भी सुनिश्चित किया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में एचएम गुट के तनवीर अहमद भट उर्फ अबु बकर पुत्र मुबारक अहमद भट निवासी बाबा मोहल्ला बिजबेहरा, आदिल अहमद शेख उर्फ लुकमान भाई पुत्र फयाज अहमद शेख निवासी बिजबेहरा और सरताज अहमद लोन उर्फ वलीद भाई पुत्र गुल मोहम्मद लोन निवासी वाध जोन, बिजबेहरा के रूप में की गई। मुठभेड़ स्थल से हथियार/गोलाबारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया

गया और इस संबंध में पुलिस स्टेशन ऐशमुकाम में धारा 307 आरपीसी, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामला एफआई संख्या 92/2015 दर्ज है।

यहां पर यह बताना प्रासंगिक है कि मारा गया आतंकवादी, तनवीर अहमद भट उर्फ अबु बकर एक महीने की अवधि के लिए बुरहान गुट के साथ ताल क्षेत्र में दिनांक 16.02.2015 से सक्रिय था। मार्च, 2015 में, उसे अनंतनाग के बिजबेहरा/दाचनीपोरा क्षेत्र में भेजा गया था, जहां वह अमीर नबी वागे उर्फ इबन कासिम के नेतृत्व में सक्रिय रहा। वह अपने सहयोगियों नामतः इम्तियाज अहमद डार उर्फ हाफिज और अमीर नबी वागे उर्फ इबन कासिम के साथ एक नागरिक जावेद अहमद वजा पुत्र मोहम्मद इस्माइल निवासी न्यू कॉलोनी बिजबेहरा (आरपीसी की धारा 302, आयुध अधिनियम की धारा 7/25 के तहत मामला एफआईआर संख्या 58/2015 पुलिस स्टेशन बिजबेहरा की हत्या में संलिप्त पाया गया था। मारा गया आतंकवादी आदिल अहमद शेख उर्फ लुकमान भाई दिनांक 16.06.2015 से सक्रिय था और वह अपने सक्रिय होने से पूर्व कट्टर ओजीडब्ल्यू था तथा एक कुख्यात पत्थरबाज था। दिनांक 17.06.2015 को, आदिल शेख उर्फ लुकमान भाई ने अपने सहयोगी नामतः आदिल रेशी निवासी बिजबेहरा (अब सक्रिय एचएम आतंकवादी) के साथ अमीर नबी वागे उर्फ इबन कासिम (एचएम का सक्रिय जिला कमांडर) से एक पिस्तौल प्राप्त की। उसी दिन इस आतंकवादी ने पुलिस स्टेशन बिजबेहरा के कांस्टेबल आरिफ नजीर खान सं.1922/ए पर बिल्कुल नजदीक से गोली चलाई और उसे घटना स्थल पर ही मार गिराया। उन्होंने मारे गए कांस्टेबल का हथियार छीनने की कोशिश की परन्तु वे ऐसा करने में असफल रहे। इस संबंध में पुलिस स्टेशन बिजबेहरा में आरपीसी की धारा 302, आयुध अधिनियम की धारा 7/25, 19 यूएलए (पी) अधिनियम के तहत मामला एफआईआर संख्या 116/15 दर्ज है।

सरताज अहमद लोन उर्फ वलीद भाई नया भर्ती हुआ था और वह अपने सक्रिय होने से पूर्व एचएम गुट के सक्रिय काडरों को संभारतंत्रीय (लाजिस्टिक) सहायता प्रदान कर रहा था।

इस मुठभेड़ में, सर्व/श्री सजाद अहमद शेख, उप पुलिस अधीक्षक और मोहम्मद अयाज देंग, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23.11.2015 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 52-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. सनी भट,

एसजीसीटी

02. बिलाल अहमद,

कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 06.02.2016 को, लगभग 15:40 बजे, पुलिस अधीक्षक, पुलवामा को गांव गुंडीपोरा पुलवामा में एक आतंकवादी की उपस्थिति के बारे में सूचना प्राप्त हुई, जो उस क्षेत्र में किसी आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने की योजना बना रहा था। यह सूचना 55 आरआर और 182/183 बटालियन सीआरपीएफ के साथ साझा की गई और पुलिस अधीक्षक पुलवामा द्वारा अत्यधिक सावधानीपूर्वक अभियान की योजना बनाई गई। तदनुसार, गांव गुंडीपोरा के चारों ओर एक संयुक्त घेराबंदी की गई और तलाशी अभियान शुरू किया गया।

इसी बीच, छिपा हुआ आतंकवादी अभियान दलों की उपस्थिति को देख कर अचानक बाहर आ गया और उसने घेराबंदी को तोड़ने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उसके बाद ग्रेनेड से हमला किया। तथापि, एसजीसीटी सनी, एआरपी-095510 और कांस्टेबल

बिलाल अहमद, ईएक्सके-126289 उसके मार्ग में आ गए और रणनीतिक ढंग से पोजीशन ले ली, अपने व्यक्तिगत जीवन की परवाह किए बिना नजदीक से जवाबी कार्रवाई की, जिसने आतंकवादी को पीछे हटने पर विवश कर दिया और इसके परिणामस्वरूप नजदीक से गोलीबारी शुरू हो गई। तथापि, अभियान बलों की अन्य टुकड़ियों के व्यवहार्य समन्वय के साथ अनुशंसित व्यक्तियों द्वारा समय पर कार्रवाई और प्रभावशाली जवाबी हमले के परिणामस्वरूप एक खूंखार आतंकवादी मारा गया जिसकी पहचान बाद में एचएम गुट के सईद मुफी बशीर उर्फ रकीब पुत्र बशीर अहमद शाह निवासी जदूरा पुलवामा के रूप में की गई। मुठभेड़ स्थल से (01) 9एमएम पिस्तौल, (01) पिस्तौल की मैगजीन, (03) 9एमएम के राउंड, (01) एचई36 ग्रेनेड और (01) क्षतिग्रस्त पाउच बरामद हुआ तथा पुलिस स्टेशन पुलवामा में आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामला एफआईआर सं.32/2016 दर्ज है। यहां पर यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि मारा गया आतंकवादी पुलवामा, पम्पोर, बडगाम, सोपियां क्षेत्रों में सक्रिय था और सुरक्षा बलों पर सनसनीखेज हमले करने में उसकी संलिप्तता के मद्देनजर पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा अत्यधिक वांछित था। वह युवाओं को आतंकवादी रैंकों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने का भी मास्टर माइंड था और पंचायत सदस्यों को धमकी देने का भी मुख्य आरोपी था। एसजीसीटी सनी, एआरपी-095510 और कांस्टेबल बिलाल अहमद, ईएक्सके-126289 सम्पूर्ण अभियान के दौरान बहादुरी से लड़े और निकट से बंदूकों की लड़ाई में आगे रहे और इस प्रकार छिपे हुए आतंकवादी को संपार्श्विक क्षति पहुंचाने का कोई मौका नहीं दिया।

इस मुठभेड़ में, सर्व/श्री सनी भट, एसजीसीटी और बिलाल अहमद, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06.02.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 53-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. शहजादा कबीर मट्टू, (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)

उप पुलिस अधीक्षक

02. परवेज़ अहमद डार, (वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार)

उप पुलिस अधीक्षक

03. मंजूर अहमद मीर, (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)

सहायक उप निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02.03.2016 को, अवंतीपुरा पुलिस को ददसारा, त्राल के जीएच. नवी मीर के घर में अपने दो सहयोगियों के साथ दक्षिण कश्मीर के एचएम ऑपरेशनल कमांडर, आशिक हुसैन भट की उपस्थिति के संबंध में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, अभियान की योजना बनाई गई और 42-आरआर, 180/110 बटालियन सीआरपीएफ की सहायता से लक्षित घर के आसपास घेराबंदी की गई। परिणामोन्मुख अभियान के लिए, दो तलाशी दल एक श्री परवेज़ अहमद, उप पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में और दूसरा दल श्री शहजादा कबीर मट्टू, उप पुलिस अधीक्षक, पीसी त्राल के नेतृत्व में गठित किए गए। इसी बीच, घर के मालिक और उनके परिवार के सदस्यों से बाहर आने के लिए कहा गया, परन्तु जब वे घर से निकलने वाले थे, तब छिपे हुए आतंकवादियों ने अग्रणी दलों पर तीन अलग-अलग दिशाओं से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी जिसके कारण घर का मालिक और उनके परिवार के सदस्य लक्षित घर के भूतल में फंस गए। गोलीबारी का जवाब दिया गया और सार्वजनिक सम्बोधन प्रणाली के माध्यम से आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने और परिवार के फंसे हुए सदस्यों को बाहर आने की

अनुमति के लिए को कहा गया, परन्तु उन्होंने इस पेशकश को ठुकरा दिया। इसी बीच पहले परिवार के फंसे हुए सदस्यों को बाहर निकालने का निर्णय लिया गया और इस उद्देश्य के लिए श्री परवेज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व वाले पुलिस दल को लक्षित घर की ओर आगे बढ़ने के लिए कहा गया। जैसे ही पुलिस दल घर के भीतर घुसा, तो उनकी ओर दो अलग-अलग दिशाओं से भारी गोलीबारी हुई। तथापि, श्री शहजादा कबीर मट्टू, सहायक उप अधीक्षक के नेतृत्व वाले पुलिस दल ने आतंकवादियों को उलझाए रखा और उप पुलिस निरीक्षक मंजूर अहमद ईएक्सके972492 और अन्य कार्मिकों के साथ श्री परवेज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक कमरे के भीतर जाने के लिए अत्यधिक सावधानीपूर्वक आगे बढ़े। अग्रणी दल की गतिविधि को देखते हुए, एक छिपा हुआ आतंकवादी उनका सामना करने के लिए घर से बाहर आ गया। तथापि, उप पुलिस अधीक्षक शहजादा कबीर मट्टू ने अपने दल के साथ आतंकवादी का मुकाबला किया और एक संक्षिप्त बंदूक की लड़ाई के पश्चात उसे गोली से मार गिराया। सहायक उप निरीक्षक, मंजूर अहमद सहित श्री परवेज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व वाला दल सावधानीपूर्वक घर में घुस गया; तथापि, परन्तु उन्हें दूसरे आतंकवादी द्वारा चुनौती दी गई, जो बरामदे में छिपा हुआ था। पुलिस दल ने सीढ़ियों के पीछे आड़ ले ली और एक संक्षिप्त गोलीबारी के पश्चात उसे मार गिराया। श्री परवेज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक ने अपने दल के सदस्यों के साथ जीवित आतंकवादी को बंदूक की लड़ाई में तब तक उलझाए रखा, जब तक परिवार के फंसे हुए सदस्यों को लक्षित घर से बच निकलने का अवसर प्राप्त नहीं हुआ। परिवार का एक सदस्य इतना सदमे में था कि वह अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो सका। उप पुलिस अधीक्षक परवेज अहमद ने उसे अपने कंधे पर उठा लिया और अपनी जान की परवाह किए बिना मुख्य दरवाजे के बाहर की ओर दौड़ पड़े। बचाव प्रक्रिया के पश्चात, उप पुलिस अधीक्षक शहजादा कबीर मट्टू के नेतृत्व वाला अग्रणी दल सावधानीपूर्वक लक्षित घर में घुस गया परन्तु छिपे हुए आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, पुलिस दल ने अत्यधिक पेशेवरता के साथ और कुशलतापूर्ण ढंग से अत्यधिक सावधानीपूर्ण उपायों के साथ जवाबी गोलीबारी की जिसके परिणामस्वरूप आमने-सामने की बंदूकों की लड़ाई हो गई और तीसरे आतंकवादी के खात्मे के साथ समाप्त हुई। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में एचएम गुट के (1) आशिक हुसैन भट पुत्र मोहम्मद शावान भट निवासी चेरसू (2) मोहम्मद आसिफ मीर पुत्र स्व. मोहम्मद युसुफ मीर निवासी मीर मोहल्ला ददसारा और (3) इशाक अहमद परे पुत्र मोहम्मद इस्माइल निवासी लारीबल, त्राल के रूप में की गई। मुठभेड़ स्थल से हथियारों और गोलाबारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद हुआ तथा इस संबंध में पुलिस स्टेशन अवंतीपुरा में आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/24 के तहत मामला एफआईआर सं.21/2016 दर्ज है

यह उल्लेखनीय है कि मारा गया आतंकवादी आशिक हुसैन भट एनआईए के मामला एफआईआर सं.08/2015, धारा 120ख, 121, 121क, 13 विधिविरुद्ध क्रियाकलाप अधिनियम के तहत अवंतीपुरा पुलिस स्टेशन के मामला एफआईआर सं.24/2015 और आरपीसी की धारा 302, 120ख और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत पुलिस स्टेशन अवंतीपुरा के मामला एफआईआर सं.16/2014 में शामिल था। आसिफ अहमद मीर आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत पुलिस स्टेशन अवंतीपुरा के मामला एफआईआर सं.119/2014, धारा 120ख, 121, 121क, 13 विधिविरुद्ध क्रियाकलाप अधिनियम के तहत पुलिस स्टेशन अवंतीपुरा के मामला एफआईआर सं.24/2015 और आरपीसी की धारा 302, 120ख और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत पुलिस स्टेशन अवंतीपुरा के मामला एफआईआर सं.16/2014 में शामिल था। जबकि इशाक परे आयुध अधिनियम की धारा 7/27, आरपीसी की धारा 120ख के तहत पुलिस स्टेशन त्राल के मामला एफआईआर सं. 118/2015 में शामिल था।

इस मुठभेड़ में, सर्वश्री शहजादा कबीर मट्टू, उप पुलिस अधीक्षक, परवेज अहमद डार, उप पुलिस अधीक्षक और मंजूर अहमद मीर, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02.03.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 54-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री राजेन्द्र कुमार, (मरणोपरान्त)
एसजीसीटी

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.09.2016 को लगभग 0645 बजे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ एस. जतिन्दर सिंह जोहर को अल्लापीर में हाजी नाजिर हुसैन के घर में आतंकवादियों के एक गुट की उपस्थिति के बारे में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। उन्होंने तत्काल सभी उपलब्ध संसाधनों को एकत्र किया और अपने पीएसओ, एसएचओ पुलिस स्टेशन पुंछ निरीक्षक जतिन्दर रैना, अपर पुलिस अधीक्षक पुंछ श्री मसरूर अहमद मीर और एसओजी पुंछ के उप निरीक्षक मंजूर हुसैन के साथ उस स्थान की ओर चल पड़े। पुलिस दल को छोटे समूहों में बांट दिया गया, प्रत्येक समूह का नेतृत्व मसरूर अहमद मीर-अपर पुलिस अधीक्षक पुंछ, निरीक्षक जतिन्दर रैना एसएचओ पुलिस स्टेशन पुंछ उप निरीक्षक मंजूर हुसैन एसओजी पुंछ के प्रभारी द्वारा किया गया और सतर्क योजना के पश्चात् अभियान शुरू किया गया। बाहर निकलने के सभी मार्गों को अवरुद्ध किया गया और उस घर की घेराबंदी कर दी गई। 93 इंफैंट्री ब्रिगेड के कमांडर को भी टेलीफोन पर सूचित किया गया, जिन्होंने घेराबंदी करने के लिए तत्काल अपने दलों को भेज दिया।

जिला विशेष शाखा के एसजीसीटी राजेन्द्र कुमार ईएक्सजे-965674 भी निगरानी रखने और क्षेत्र में आतंकवादियों की सूचित गतिविधि के बारे में और सूचनाएं एकत्र करने के लिए उस क्षेत्र की ओर चल पड़े। उन्होंने निकटवर्ती क्षेत्र में लघु सचिवालय भवन के एक अन्य निर्माणाधीन परिसर में कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी और तत्काल जैसे ही वे सूचना प्रदान करने के लिए दौड़े, तो लघु सचिवालय भवन में छिपे आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी जिसके परिणामस्वरूप एसजीसीटी राजेन्द्र कुमार घायल हो गए और नीचे गिर पड़े। श्री जे.एस. जोहर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और उनका दल उस क्षेत्र की ओर दौड़ पड़ा, परन्तु आतंकवादियों ने उनकी गतिविधि को देख लिया और उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ ने अभियान की कमान संभाल ली और अन्य पुलिस सदस्यों के साथ गोलीबारी का जवाब दिया। उन्होंने उप निरीक्षक मंजूर अहमद को घायल कांस्टेबल को सुरक्षित स्थान पर ले जाने का प्रयास करने के लिए कहा, जबकि स्वयं उन्होंने दल के अपने अन्य सदस्यों के साथ आतंकवादियों को बंदूक की लड़ाई में उलझा दिया। उप निरीक्षक मंजूर अहमद घायल एसजी कांस्टेबल को सुरक्षित स्थाप पर ले जाने में सफल रहे परन्तु घायल होने के कारण बाद में उनकी मृत्यु हो गई। घायल कांस्टेबल को ले जाते समय उप निरीक्षक मंजूर भी दाईं बाजू में गोली लगने से घायल हो गए।

इसी बीच, सेना और श्री मसरूर अहमद मीर, एसपी, पुंछ, श्री मोहन लाल-उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पुंछ, श्री मोहम्मद सलीम-उप पुलिस अधीक्षक (आप्स.) पुंछ और श्री सागर सिंह सलाथिया- उप पुलिस अधीक्षक चकन-दा-बाग के नेतृत्व में सहायक पुलिस दल भी वहां पहुंच गया और अभियान में शामिल हो गया। दो अलग-अलग भवनों में आतंकवादियों के दो गुटों की उपस्थिति के संबंध में एसएसपी पुंछ द्वारा सेना की 93 ब्रिगेड के कमांडर और अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। दोनों भवनों के समस्त क्षेत्र को कवर करने के पश्चात् अभियान शुरू करने के संबंध में नई रणनीति तैयार की गई।

जब पुलिस और सेना (1/1 जी.आर.) के संयुक्त दल घेराबंदी के लिए बाहर निकले, तो दोनों भवनों अर्थात् नाजिर हुसैन मीर के घर और निर्माणाधीन लघु सचिवालय भवन से बंदूकों की लड़ाई शुरू हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ अपने दल के साथ घेराबंदी वाले क्षेत्र के भीतर से गोलियों की बौछार के बीच भारी संख्या में नागरिकों को बचाने में लग गए।

इसी बीच, यह सूचना मिली कि हाजी नाजिर हुसैन और उसकी पत्नी भी उस घर के भीतर फंसे हुए हैं, जहां आतंकवादियों ने शरण ले रखी थी और जहां से वे अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे। श्री जतिन्दर सिंह जोहर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ ने सूझबूझ का प्रदर्शन करते हुए घर के भीतर हाजी नाजिर हुसैन मीर की वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए उनके संबंधियों और घरेलू नौकर की सेवाओं का उपयोग किया ताकि दंपति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। यह पता चला कि हाजी नाजिर कमजोरी उत्पन्न करने वाली बीमारियों का रोगी है और वह लंबी घेराबंदी को सहन नहीं कर सकता है तथा और इस प्रकार सेना/पुलिस तथा छिपे हुए आतंकवादियों के बीच जारी भारी गोलीबारी के कारण उसको बचाना सर्वोपरि और एक बड़ी चुनौती बन गया।

श्री जतिन्दर सिंह जोहर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ ने उस दंपति को बाहर निकालने के लिए कुशल नेतृत्व, साहस और हिम्मत का प्रदर्शन करते हुए स्वयं भवन में प्रवेश करने का निर्णय लिया तथा अन्य पुलिस/सेना दलों को कवर फायरिंग देने के लिए कहा। वे अपनी जान और सुरक्षा की परवाह किए बिना गोलियों की बौछार के बीच अपने पीएसओ के साथ रेंगकर भवन में गए। तथापि, उनके पीएसओ कांस्टेबल मोहम्मद शाहनाज ईएक्सजे-108184 घायल हो गए परन्तु यह उनको आगे बढ़ने से नहीं रोक पाया और अपनी जान को गंवाने के सन्निकट खतरे

के बावजूद भवन में प्रवेश किया और नाजिर तथा उसकी पत्नी दोनों को भवन से बाहर निकाला और उनको अपने वाहन से सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। इस प्रकार उन्होंने ये दो बहुमूल्य जानें बचाईं। इस बंदूक की लड़ाई में एक आतंकवादी भी मारा गया। जब सेना/पुलिस के संयुक्त दलों ने मारे गए आतंकवादी की ओर पहुंचने का प्रयास किया, तो दूसरे आतंकवादी द्वारा भारी गोलीबारी की गई। तथापि, सैन्य दल मारे गए आतंकवादी के शव तथा उसकी राइफल को प्राप्त करने में सफल हो गए।

चूंकि अंधेरा हो रहा था, इसलिए अपनी किसी भी प्रकार की क्षति से बचने के लिए तलाशी अभियान रोकने का निर्णय लिया गया। घेराबंदी को जारी रखा गया तथा और सैन्य दलों को कार्य में लगाया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भवनों में छिपे हुए शेष आतंकवादी घेराबंदी से नहीं बच कर भाग न सकें। लक्षित क्षेत्र में फंसे हुए आतंकवादियों पर गहन निगरानी रखने के लिए सेना की सहायता से उस घर/क्षेत्र में रोशनी की व्यवस्था की गई। पुलिस और सेना के दलों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ और उनके दल तथा सेना की 93 ब्रिगेड के कमांडर और उनके दल के गहन पर्यवेक्षण में आतंकवादियों की प्रत्येक गतिविधि की कड़ी निगरानी करते हुए पूरी रात सम्पूर्ण क्षेत्र की सुरक्षा की।

अगली सुबह दिनांक 12.09.2016 को अभियान पुनः शुरू किया गया। निरीक्षक जतिन्दर रैना, एसएचओ पुलिस स्टेशन पुंछ के नेतृत्व वाले पुलिस दल ने हाजी नाजिर के घर के भोजन कक्ष में कुछ गतिविधि देखी। निरीक्षक जतिन्दर रैना, एसएचओ पुलिस स्टेशन पुंछ के नेतृत्व वाला पुलिस दल और सेना भवन में छिपे हुए आतंकवादियों पर घेराबंदी दलों द्वारा कवर फायर की सुरक्षा में भीतर घुस गए। आतंकवादी ने आगे बढ़ रहे सैन्य दलों पर हाजी नाजिर के घर के भोजन कक्ष से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी जिसका निरीक्षक जतिन्दर रैना, एसएचओ पुलिस स्टेशन पुंछ के नेतृत्व वाले पुलिस दल और सेना के संयुक्त दल द्वारा प्रभावशाली ढंग से जवाब दिया गया। गोलीबारी के पश्चात भवन में छिपा आतंकवादी मारा गया। दल द्वारा नाजिर के घर के सम्पूर्ण भवन की भली-भांति छानबीन की गई और मारे गए आतंकवादी के शव के साथ हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया।

चूंकि लघु सचिवालय भवन में छिपे हुए आतंकवादियों की घेराबंदी जारी थी, इसलिए जान और माल की किसी सम्पार्श्विक क्षति से बचने के लिए भवन के भीतर प्रवेश करने की योजना बनाना आवश्यक हो गया। श्री मोहन लाल शर्मा- उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय के साथ श्री मसरूर अहमद मीर, एसपी पुंछ के नेतृत्व वाले पुलिस दलों और सेना तथा सीआरपीएफ के दस्तों के साथ श्री मोहम्मद सलीम-उप पुलिस अधीक्षक (आप्स.) ने आनुपातिक गोलीबारी से आतंकवादियों को उलझाए रखा। परस्पर गोलीबारी में सेना के दो जवान घायल हो गए। भवन काफी बड़ा था और इसमें छिपने के कई स्थान थे। श्री जतिन्दर सिंह जोहर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ ने 93 इंफैंट्री ब्रिगेड के कमांडर और सेना 9 पारास के सीओ के साथ भवन में प्रवेश करने संबंधी योजना के बारे में चर्चा की। पुलिस तथा सेना के घेराबंदी दलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी दिनांक 13.09.2016 तक जारी रही तथा 1415 बजे दो दलों, जिसमें श्री जतिन्दर सिंह जोहर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ और सेना 9 पारास के कमांडिंग अधिकारी की प्रत्यक्ष कमान और पर्यवेक्षण में श्री मसरूर अहमद मीर, अपर पुलिस अधीक्षक पुंछ और श्री मोहन लाल- उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय पुंछ के नेतृत्व में पुलिस/सेना दोनों शामिल थे, ने भवन के परिसर में प्रवेश करना शुरू कर दिया। अपने साथी एसजीसीटी संदीप कुमार ईएक्सजे-976307 के साथ श्री मसरूर अहमद मीर-एसपी पुंछ के नेतृत्व में पुलिस घटक जिसमें एसजीसीटी गुलशेराज अहमद ईएक्सजे-031345, एसजीसीटी मोहम्मद कयूम एआरपी-996328, एसजीसीटी जोगिन्दर सिंह एआरपी-955833, एसजीसीटी राजेन्द्र कुमार एआरपी-931478 शामिल थे, के साथ 9 पारास के एक दल ने भवन के पूर्वी छोर से भीतर प्रवेश करना शुरू कर दिया और श्री मोहन लाल-उप पुलिस अधीक्षक और उनके साथी कांस्टेबल राकेश कुमार ईएक्सजे-077817 के नेतृत्व वाले दूसरे दल ने मुख्य प्रवेश से भीतर प्रवेश किया और जब भीतर प्रवेश करने को कार्य शुरू हुआ, तो दल अपनी जान की परवाह किए बिना और सर्जिकल ढंग से गोलियों की बौछारों के बीच आगे बढ़ा और लघु सचिवालय भवन में छिपे आतंकवादियों को निष्क्रिय करने में सफल रहा। श्री मोहम्मद सलीम भट-उप पुलिस अधीक्षक (आप्स.) पुंछ और श्री सागर सिंह स्लाथिया, उप पुलिस अधीक्षक चकन-दा-बाग तथा निरीक्षक जतिन्दर रैना एसएचओ पुलिस स्टेशन पुंछ के नेतृत्व वाले सहायक दलों और सीआरपीएफ कार्मिकों ने तत्काल आंतरिक घेराबंदी कर दी। तलाशी के दौरान पुलिस दलों ने हथियार और गोलाबारूद के साथ दो आतंकवादियों के शव बरामद किए।

दोनों स्थानों पर पुलिस और सेना के दलों ने साहस और दृढ़ता से जीवन को चुनौती देने वाली स्थितियों का सामना किया और आतंकवादियों को कम दूरी से उलझाए रखा। सभी चार अज्ञात विदेशी आतंकवादियों/फिदायियों को सर्जिकल ढंग से हाजी नाजिर हुसैन मीर के घर में और लघु सचिवालय के निर्माणाधीन भवन में प्रत्येक में दो-दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। अभियान के दौरान मारे गए आतंकवादियों/मुठभेड़ स्थल से 1) एके सीरीज राइफल- 04, 2) एके मैगजीन-16, 3) यूबीजीएल-01, 4) यूबीजीएल ग्रेनेड-01, 5) एके-47 की जिंदा गोलियां-195, 6) जीपीएस (गारमिन डिजिटल)-01, 7) सिम के साथ मोबाइल नोकिया 1280-01, 8) पुंछ का मानचित्र-01, 9) पाकिस्तानी करेंसी-1650/-रु., 10) कोड मैट्रिक्स-03, 11) पाउच-04, 12) पाकिस्तान निर्मित खाद्य सामग्रियां बरामद की गईं।

स्पष्ट और सतत खतरे के बीच यह उच्च कोटि की पेशेवरता और साहस था कि सीआरपीएफ की सहायता से पुलिस और सेना के दल तीन दिन लम्बे चले अभियान में बिना किसी सम्पार्श्विक क्षति के सभी चार भारी सशस्त्र आतंकवादियों को निष्क्रिय करने में सफल रहे। इस

संबंध में पुलिस स्टेशन पुंछ में आरपीसी की धारा 302, 307, 120ख, 121, आयुध अधिनियम की धारा 7/27, ईएंडआईएमसीओ की धारा 2/3 के तहत मामला एफआईआर सं.148/2016 दर्ज है।

सम्पूर्ण अभियान सामान्य तौर पर पुलिस दलों के सदस्यों तथा विशेष रूप से श्री मसरूर अहमद मीर, केपीएस-045870, निरीक्षक जतिन्दर रैना ईएक्सजे-006221 और वीरगति को प्राप्त एसजीसीटी राजेन्द्र कुमार ईएक्सजे-965674 द्वारा प्रदर्शित अनुकरणीय वीरता के साथ-साथ विलक्षण बहादुरी और अत्यधिक कर्तव्यपरायणता के साथ लेशमात्र सम्पाश्रिक क्षति के बिना संचालित किया गया।

इस मुठभेड़ में, स्व. श्री राजेन्द्र कुमार, एसजीसीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13.09.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 55-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

- | | | |
|-----|--------------------------|---------------------------------------|
| 01. | मोहम्मद यूसुफ, | (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार) |
| | अपर पुलिस अधीक्षक | |
| 02. | मीर मुर्तजा हुसैन सोहिल, | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |
| | उप पुलिस अधीक्षक | |
| 03. | काजी आसिफ हुसैन, | वीरता के लिए पुलिस पदक) |
| | उप निरीक्षक | |
| 04. | सजाद अहमद यातू, | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |
| | कांस्टेबल | |

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.02.2016 को बांदीपोरा पुलिस को इस आशय की सूचना प्राप्त हुई कि आत्मघाती दल के तीन आतंकवादी गुलाम नबी भट्ट उर्फ नबा भट्ट पुत्र गुलाम मोहम्मद भट्ट निवासी खोसा मोहल्ला, हाजिन के घर में छिपे हुए हैं और नजदीकी सुरक्षा बल कैप पर हमला करने की योजना बना रहे हैं। तदनुसार, श्री गरीब दास, आईपीएस डीआईजी एनकेआर द्वारा 13 आरआर/45 बटालियन सीआरपीएफ के सहयोगियों के साथ मिलकर बड़ी ही सावधानी से अभियान की योजना बनाई गई तथा दिनांक 04.02.2016 को तड़के, श्री गरीब दास, आईपीएस और मोहम्मद यूसुफ, अपर पुलिस अधीक्षक बांदीपोरा के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने 13 आरआर की सहायता से लक्षित घर की घेराबंदी कर ली। अभियान दलों ने खुद को उजागर किए बिना लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अपनी सामरिक कुशाग्रता का इस्तेमाल किया। संदिग्ध घर की घेराबंदी के लिए श्री गरीब दास, आईपीएस की कमान में सेना/पुलिस के दो संयुक्त दस्तों का गठन किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक बांदीपोरा की कमान में एक अभियान इकाई को पश्चिमी हिस्से को कवर करते हुए संदिग्ध घर की उत्तर से दक्षिण की ओर घेराबंदी का कार्य सौंपा गया, जबकि मीर मुर्तजा हुसैन, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) की कमान में दूसरी अभियान इकाई को पूर्वी हिस्से को कवर करते हुए संदिग्ध घर की उत्तर से दक्षिण की ओर घेराबंदी का कार्य सौंपा गया। घेराबंदी के दौरान, संयुक्त बलों अर्थात् पुलिस/सेना ने अपने-अपने संचार सेटों का परस्पर आदान-प्रदान करके उत्कृष्ट समन्वय स्थापित किया तथा सामंजस्यपूर्ण/पेशेवर तरीके से कार्य किया। 45वीं बटालियन सीआरपीएफ और एक अन्य पुलिस दल की टीम को अभियान के दौरान क्षेत्र को नागरिकों के हस्तक्षेप से मुक्त रखने का कार्य सौंपा गया था।

इसी बीच, छिपे हुए आतंकवादियों ने अभियान कार्मिकों की उपस्थिति को देखकर, अंधाधुंध गोलीबारी की। यह देखा गया कि मुठभेड़ वाले क्षेत्र में कुछ नागरिक फंस गए थे और उन्हें निकालने के लिए दो टीमों का गठन किया गया। एक टीम श्री गरीब दास, आईपीएस और अपर पुलिस अधीक्षक बांदीपोरा की कमान के तहत थी और दूसरी टीम उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) बांदीपोरा की कमान में थी जिसमें सहायक निरीक्षक आसिफ हुसैन एमईएस 015501 सहयोगी थे तथा उन्होंने घेराबंदी के क्षेत्र से नागरिकों को निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी। जब सभी नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचा दिया गया, एक बुजुर्ग महिला चलने में असमर्थ होने के कारण अभी भी लक्षित घर में फंसी थी और उक्त बंधक महिला को निकालना एक दुष्कर कार्य था। श्री गरीब दास, आईपीएस और अपर पुलिस अधीक्षक तथा उनके साथी कांस्टेबल सजाद अहमद की टीम ने लक्षित घर के भूतल की ओर जाने की योजना बनाई जहां पर उक्त महिला फंसी हुई थी। मीर मुर्तजा हुसैन और सहायक निरीक्षक आसिफ हुसैन की अगुवाई वाला दूसरा दल भी लक्षित घर के काफी करीब पहुंच गया और उसने अत्यधिक सामंजस्य बनाए रखा। टीम ने पहले फंसी हुई बुजुर्ग महिला को निकाला जिसमें दूसरी टीम का विशेष योगदान था, जिसने आतंकवादियों को उलझाए रखा था। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण चरण आतंकवादियों का खत्मा करना था। आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया परन्तु उन्होंने इंकार कर दिया और इसके बजाय अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। एक आत्मघात-रोधी दल का गठन किया गया जिसमें श्री गरीब दास, आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक, बांदीपोरा, उनके साथी कांस्टेबल और सेना के मेजर अमन सिंह अपने साथी के साथ पहली टीम में थे और उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) बांदीपोरा, सहायक निरीक्षक आसिफ हुसैन और सेना 13 आरआर के मेजर बिशाल सिंह थापा और उनके साथी दूसरी टीम में थे। उपर्युक्त दोनों अभियान टीमों ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना लक्षित घर पर धावा बोल दिया और इसके बाद हुई करीबी लड़ाई के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के तीन अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया गया। मुठभेड़ स्थल से हथियारों/गोलाबारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया और इस संबंध एक मामला एफआईआर संख्या 05/2016 दर्ज है।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री मोहम्मद यूसुफ, अपर पुलिस अधीक्षक, मीर मुर्तजा हुसैन सोहिल, उप पुलिस अधीक्षक, काजी आसिफ हुसैन, उप निरीक्षक और सजाद अहमद यातू, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04.02.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 56-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. मोहम्मद शफीक, (वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार)

उप पुलिस अधीक्षक

02. शौकत सुल्तान रेशी, (वीरता के लिए पुलिस पदक)

एसजीसीटी

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 05.04.2016 को 1400 बजे, गांव गडूरा में हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना मिली, जो क्षेत्र में किसी आतंकवादी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा था। तदनुसार, पुलवामा पुलिस से अभियान दल, जिसमें श्री मोहम्मद शफीक-केपीएस 116207, उप पुलिस अधीक्षक ऑप्स पुलवामा और एसजीसीटी शौकत सुल्तान संख्या 3843/एस शामिल थे, ने 55-आरआर और 182/183 बटालियन सीआरपीएफ की सहायता से पूरे गांव की संयुक्त घेराबंदी कर ली। इसी बीच, अभियान कर्मियों की उपस्थिति को देखकर, छिपे हुए आतंकवादी ने घेराबंदी तोड़ने और स्थल से भागने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और फिर ग्रेनेड फेंका। तथापि, अग्रणी दल, जिसमें श्री मोहम्मद शफीक, उप पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) पुलवामा और एसजीसीटी शौकत शामिल थे, ने प्रभावी

जवाबी गोलीबारी की, जिससे आतंकवादी पीछे हटने के लिए मजबूर हो गया और वह जहूर अहमद रेशी पुत्र मोहम्मद सुल्तान रेशी के घर में घुस गया।

उस घर के चारों ओर घेराबंदी को मजबूत कर दिया गया, जिसके अंदर आतंकवादी ने शरण ली थी, तथापि यह देखा गया कि कई नागरिक लक्षित तथा उससे सटे हुए घरों में फंस गए थे। श्री मोहम्मद शफीक, उप पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) पुलवामा और एसजीसीटी शौकत सुल्तान ने असाधारण साहस का प्रदर्शन किया और अन्य सहयोगियों की मदद से सटे हुए घरों से सभी फंसे हुए नागरिकों को बाहर निकालने में सफल रहे। तथापि, तीन नागरिक अभी भी लक्षित घर में फंसे हुए थे। अनुशंसित व्यक्तियों ने एक बार फिर से साहस का प्रदर्शन किया और अपनी जान की परवाह किए बिना इन तीनों नागरिकों को भी बाहर निकालने में सफल रहे।

निकासी प्रक्रिया के बाद, छिपे हुए आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, तथापि, वह कुंठित होकर लक्षित घर से बाहर निकल आया और उसने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, परन्तु, अनुशंसित व्यक्तियों ने तुरंत जवाबी गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी घायल हो गया और उसने एक बार फिर से लक्षित घर के भीतर शरण ले ली। निर्णायक हमले के लिए, अनुशंसित व्यक्तियों ने लक्षित घर में घुसना शुरू कर दिया और जब उन्होंने उस कमरे का दरवाजा खोला, जिसमें आतंकवादी छिपा हुआ था, तो उन्हें भारी गोलीबारी का सामना करना पड़ा। परन्तु वे सतर्क रहे, उन्होंने संयम को बनाए रखा, स्थिति का बहादुरी से सामना किया और गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। करीब से बंदूक की लड़ाई लगभग एक घंटे तक जारी रही और इसका अंत छिपे हुए आतंकवादी के खात्मे के साथ हुआ, जिसकी पहचान बाद में बिलाल अहमद भट्ट पुत्र अब्दुल गनी भट्ट निवासी करीमाबाद, पुलवामा के रूप में हुई। मुठभेड़ स्थल से हथियारों/गोलाबारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया तथा पुलिस स्टेशन, पुलवामा में धारा 307 आरपीसी, 7/27 आई ए अधिनियम के तहत मामला एफआईआर संख्या 118/2016 दर्ज है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि मारा गया आतंकवादी लंबे समय से सक्रिय था और युवाओं को आतंकवादी रैकों में शामिल होने के लिए उकसाने में उसके शामिल होने के मद्देनजर वह पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा अति वांछित था। वह कई आतंकी/आपराधिक मामलों में शामिल था, जिनमें पुलिस स्टेशन हेरपोरा शोपियन का धारा 302, 120बी आरपीसी, 7/27 आईए अधिनियम के तहत मामला एफआईआर संख्या 15/2015, पुलिस स्टेशन कोथीबाग, श्रीनगर का धारा 380, 409 आरपीसी, 25 आयुध अधिनियम के तहत मामला एफआईआर संख्या 20/2015, पुलिस स्टेशन पुलवामा का धारा 302 के तहत मामला एफआईआर संख्या 188/2015, पुलिस स्टेशन पुलवामा का धारा 307 विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला एफआईआर संख्या 63/2016, पुलवामा का धारा 307 आरपीसी, विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला एफआईआर 73/2016, पुलिस स्टेशन पुलवामा का धारा 307 आरपीसी, 7/27 आईए अधिनियम के तहत मामला एफआईआर 76/2016, पुलिस स्टेशन पुलवामा का धारा 307 आरपीसी, 7/27 आईए अधिनियम के तहत मामला एफआईआर संख्या 89/2016, पुलवामा पुलिस स्टेशन का धारा 307, आरपीसी 7/27 आईए अधिनियम के तहत मामला एफआईआर संख्या 111/2016 शामिल हैं।

श्री मोहम्मद शफीक, उप पुलिस अधीक्षक ऑप्स पुलवामा और एसजीसीटी शौकत सुल्तान ने पूरे अभियान के दौरान अपने जीवन की परवाह किए बिना बहादुरी से लड़ाई लड़ी और न केवल नागरिकों को निकालने में, बल्कि खूंखार आतंकवादी के खात्मे में भी अत्यंत साहस और बहादुरी का प्रदर्शन किया।

इस मुठभेड़ में सर्वश्री मोहम्मद शफीक, उप पुलिस अधीक्षक और शौकत सुल्तान रेशी, एसजीसीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05.04.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 57-प्रेज/2018—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. बलजीत सिंह, (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)

उप पुलिस अधीक्षक

02. परवेज अहमद, (वीरता के लिए पुलिस पदक)

एसजीसीटी

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.08.2015 को क्रूमहूरा गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशिष्ट सूचना के आधार पर, हंदवाड़ा पुलिस, 21 आरआर, 9 पैरा तथा 92वीं बटालियन सीआरपीएफ द्वारा एक संयुक्त अभियान की योजना बनाई गई और उसे अंजाम दिया गया। पुलिस दल का संचालन डीआईजी एनकेआर बारामुला द्वारा किया जा रहा था। तलाशी अभियान के दौरान, छिपे हुए आतंकवादियों द्वारा की गई भारी गोलीबारी से स्थानीय नागरिकों के बीच अफरा-तफरी मच गई। तथापि, श्री बलजीत सिंह, उप पुलिस अधीक्षक ने स्वेच्छा से नागरिकों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की जिम्मेदारी ली। वे अपनी टीम के साथ पीछे की तरफ से आतंकवादियों के काफी नजदीक पहुंच गए। जोखिम होने के बावजूद श्री बलजीत सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, एसजीसीटी परवेज अहमद, ईएक्सके-097103 और फालोअर सुभाष चन्द्र ईएक्सजे-016400 ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना सर्वोच्च दर्जे की बहादुरी का प्रदर्शन किया और गोलियों की बौछार के बीच नागरिकों को बाहर निकाला।

संपाश्रिक क्षति से बचने के लिए अभियान को रात के दौरान रोक दिया गया। अगले दिन सुबह के समय आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़ने की कोशिश की और भारी गोलीबारी की। अपनी खुद की सुरक्षा की परवाह किए बिना, श्री बलजीत सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, एसजीसीटी परवेज अहमद, और फालोअर सुभाष चन्द्र ने एक बार फिर से सहज पराक्रम, अदम्य साहस का प्रदर्शन किया, आगे बढ़े और नजदीक से गोलीबारी की। इसके बाद हुई गोलीबारी में तीन खूंखार आतंकवादियों को डेर कर दिया गया, जिनकी पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के उमर फारूक, शाहबाज और हानजुल्ला के रूप में हुई, जो पाकिस्तान के निवासी थे। पूरे अभियान में अनुशंसित व्यक्तियों ने अतुलनीय साहस और कर्तव्य के प्रति सर्वोच्च स्तर के निस्वार्थ समर्पण का प्रदर्शन किया और नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित की। पदधारियों द्वारा कर गई अनुकरणीय पहल के परिणामस्वरूप अभियान बिना किसी संपाश्रिक क्षति के सफल हुआ।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री बलजीत सिंह, उप पुलिस अधीक्षक और परवेज अहमद, एसजीसीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23.08.2015 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 58-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. एजाज अहमद,

उप पुलिस अधीक्षक

02. जावेद इकबाल तबस्सम,

उप पुलिस अधीक्षक

03. मदस्सर नसीर,

उप निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09.03.2016 को, बंडकपोरा गोरीपोरा में पौधों की नर्सरी में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट जानकारी प्राप्त हुई, जो क्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण संस्थापनाओं/सुरक्षा बल प्रतिष्ठानों पर एक फिदायीन हमले को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। तदनुसार, अवंतीपोरा/श्रीनगर पुलिस द्वारा 50-आरआर और 130वीं बटालियन सीआरपीएफ की सहायता के एक संयुक्त घेराबंदी कर ली गई। परिणाम उन्मुख अभियान के लिए श्री एजाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक पंपोर को उनकी टीम के साथ दक्षिणी ओर से तैनात किया गया और श्री जावेद इकबाल तबस्सम, उप पुलिस अधीक्षक पीसी, श्रीनगर, उप निरीक्षक मदस्सर नसीर ईएक्सके- 109165 और अन्य लोगों को 50-आरआर/130वीं बटालियन सीआरपीएफ के सैन्य दल के साथ लक्ष्य स्थान की उत्तरी ओर से तैनात किया गया।

इस बीच, छिपे हुए आतंकवादियों ने अभियान कर्मियों की उपस्थिति को देखते हुए, जनहानि पहुंचाने और घटना स्थल से बचकर भागने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, श्री एजाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक पीसी पंपोर ने अपने दल के साथ असाधारण साहस का प्रदर्शन करते हुए प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की, जिसने आतंकवादियों को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया और उन्होंने सघन रूप से वृक्षारोपित नर्सरी में मोर्चा संभाल लिया। घने वृक्षारोपण वाला क्षेत्र छिपे हुए आतंकवादियों को एक अनुकूल स्थिति प्रदान कर रहा था। तथापि, सूझ-बूझ का प्रदर्शन करते हुए अनुशंसित व्यक्ति दृढ़ रहे और अपनी जान की परवाह किए बिना लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित किया। इसी बीच, यह देखा गया कि आस-पास के खेतों में काम कर रहे कुछ नागरिक मुठभेड़ स्थल में फंस गए हैं। उन्हें निकालने के लिए, श्री एजाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक, पीसी पंपोर, श्री जावेद इकबाल, उप पुलिस अधीक्षक पीसी, श्रीनगर तथा उप निरीक्षक मदस्सर नसीर ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और सभी फंसे नागरिकों को बाहर निकालने में सफल रहे।

निकासी की प्रक्रिया के बाद, आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने इंकार कर दिया और इसके जवाब में भारी गोलीबारी की। घने वृक्षारोपण का लाभ उठाते हुए छिपे हुए आतंकवादी बार-बार अपनी पोजीशन भी बदलते रहे। तथापि, अनुशंसित व्यक्तियों ने असाधारण साहस, बहादुरी और अभियान संबंधी कौशल का प्रदर्शन किया और उन्हें हर तरफ से उलझाए रखा। अपनी गर्दन पर शिकंजा कसता हुआ महसूस करने पर, आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप आमने-सामने की लड़ाई हुई, जो कुछ मिनट तक चली और लश्कर-ए-तैयबा संगठन के दो खूंखार आतंकवादियों उसैद और उकासा के खात्मे के साथ समाप्त हुई, और वे दोनों ही पाकिस्तान के नागरिक थे। मुठभेड़ स्थल से हथियारों/गोलाबारूद का बड़ा जखीरा बरामद हुआ इस संबंध में अवंतीपुरा पुलिस स्टेशन में धारा 307 आरपीसी, 7/27 आयुध अधिनियम के तहत एक मामला एफआईआर संख्या 28/2016 दर्ज है। यह उल्लेखनीय है कि मारे गए आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा फिदायीन दस्ते के विशेष रूप से प्रशिक्षित आतंकवादी थे और पुलवामा श्रीनगर क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय थे। आतंकवादी रैकों की ओर युवाओं को आकृष्ट करने में उनकी भड़काऊ भूमिका के चलते वे पुलिस/सुरक्षा बलों द्वारा सर्वाधिक वांछित थे। वे सुरक्षा बलों/सरकारी प्रतिष्ठानों पर कुछ सनसनीखेज हमलों को अंजाम देने में भी शामिल थे। मारा गया आतंकवादी उकासा उधमपुर हमले में भी शामिल था और एनआईए द्वारा भी वांछित था।

इस मुठभेड़ में सर्वश्री एजाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक, जावेद इकबाल तबस्सम, उप पुलिस अधीक्षक और मदस्सर नसीर, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09.03.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 59-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री शौकत अहमद डार,

उप पुलिस अधीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

द्रूसू राफियाबाद के सामान्य क्षेत्र में विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विशिष्ट आसूचना इनपुट के आधार पर, दिनांक 09.11.2016 को लगभग 1500 बजे सोपोर पुलिस ने 22-आरआर, सीआरपीएफ की 179, 177 तथा 92वीं बटालियनों के सहयोग से द्रूसू जागीर गांव में घेराबंदी और खोज अभियान शुरू किया। खोज अभियान के दौरान यह पता चला कि आतंकवादी सखी सरवर की श्राइन में छिपे हैं और वे विदेशी आतंकवादी हैं, जो परिष्कृत हथियारों से पूरी तरह लैस हैं। चूंकि, नागरिक लक्षित क्षेत्र से सटे हुए अपने खेतों में कार्य कर रहे थे, इसलिए वहां पर संपार्श्विक क्षति/नागरिकों के हताहत होने की आशंका थी।

इस पारिस्थितिक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, श्री शौकत अहमद-केपीएस, संख्या 116067-केपीएस, उप पुलिस अधीक्षक (ऑप्स), सोपोर के नेतृत्व में पुलिस/सेना की एक संयुक्त टीम का गठन किया गया, जिसमें एचसी फारूक अहमद संख्या 24/एसपीआर, पीआईडी संख्या 012574 और एसजीसीटी रेयाज अहमद, संख्या 2923/एस, पीआईडी संख्या ईएक्सके-971469 शामिल थे और लक्षित क्षेत्र से नागरिकों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। टीम कुछ प्रयासों में नागरिकों को पूरी तरह से बाहर निकालने में सफल हो गई। निकासी की प्रक्रिया के बाद, लक्ष्य पर पुनः ध्यान केंद्रित किया गया और छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, अग्रणी अभियान टीमों, जिनमें अनुशंसित व्यक्ति शामिल थे, ने गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया, जिससे आमने-सामने की लड़ाई शुरू हो गई। श्री शौकत अहमद-केपीएस, उप पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) सोपोर के नेतृत्व वाली पुलिस/सेना की संयुक्त टीम, जिसमें एचसी फारूक अहमद और एसजीसीटी रेयाज अहमद शामिल थे, सबसे आगे रही और छिपे हुए आतंकवादियों से लड़ती रही। इसी बीच, अग्रणी टीम, जिसमें अनुशंसित व्यक्ति शामिल थे, ने सभी तरफ से लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए लक्ष्य को निशाना बनाना शुरू कर दिया। अपनी गरदन पर शिकंजा कसता हुआ महसूस करने पर, छिपे हुए आतंकवादी गोलियां बरसाते हुए श्राइन से बाहर निकल आए। तथापि, श्री शौकत अहमद, उप पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) सोपोर के नेतृत्व वाली संयुक्त टीम, जिसमें एचसी फारूक अहमद और एसजीसीटी रेयाज अहमद शामिल थे, असाधारण साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए डटी रही और आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई चली, जो छिपे हुए आतंकवादियों के खात्मे के साथ समाप्त हुई, जिनकी पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा के मुस्तफा और अली के रूप में हुई जो पाकिस्तान के निवासी थे। मुठभेड़ स्थल से हथियारों/गोलाबारूद का बड़ा जखीरा बरामद हुआ और इस संबंध में दांगिवाछा पुलिस स्टेशन में धारा 7/25 आयुध अधिनियम के तहत एक मामला एफआईआर संख्या 115/2016 दर्ज है।

यह उल्लेखनीय है कि मारे गए आतंकवादी लंबे समय से इस क्षेत्र में सक्रिय थे और कई आतंकवादी घटनाओं में शामिल थे। वे युवाओं को आतंकवादी रैंकों की ओर आकृष्ट करने में भी शामिल थे।

पूरे अभियान के दौरान श्री शौकत अहमद, उप पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) सोपोर, एचसी फारूक अहमद और एसजीसीटी रेयाज अहमद ने एक सच्चे वीर की भूमिका निभाई और निर्दोष नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित की। अधिकारी ने एक नाजुक समय पर नेतृत्व के सर्वोच्च स्तर का प्रदर्शन किया और यह सुनिश्चित किया कि कोई संपार्श्विक क्षति न हो। अभियान को नेतृत्व प्रदान करने के अलावा, अपने पेशेवर रवैये, कर्तव्य के प्रति समर्पण तथा नेतृत्व गुणों के द्वारा उन्होंने ऐसी अस्थिर परिस्थितियों में असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया।

इस मुठभेड़ में श्री शौकत अहमद डार, उप पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09.11.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 60-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. शबीर अहमद खान,
उप पुलिस अधीक्षक
02. हिलाल अहमद,
हेड कांस्टेबल
03. फारूक अहमद मीर,
हेड कांस्टेबल
04. बिलाल अहमद शाह,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 26.08.2015 को पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के भारी सशस्त्र आतंकवादी दल की मौजूदगी के बारे में एक विशिष्ट सूचना के आधार पर पुलिस, 32-आरआर और 9-पैरा द्वारा राफियाबाद, सोपोर के तृखता तोप कुतार खोटे वन क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। क्षेत्र का विशाल झाड़ियों और पेड़ों के साथ सामान्य रूप से सघन/अतिसंकुल होना छिपे हुए आतंकवादियों को प्राकृतिक कवर प्रदान कर रहा था। तथापि, श्री शबीर अहमद खान-उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशंस), राफियाबाद और उनकी टीम ने 32-आरआर/9 पैरा के अधिकारियों के साथ परामर्श करके पूरे वन क्षेत्र को घेर लिया और लक्ष्य की सही स्थिति का पता लगाने के लिए खोज अभियान शुरू कर दिया। खोज के दौरान, गुफा में आतंकवादियों की मौजूदगी का पता चला और छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया और घेराबंदी को तोड़ने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी का सहारा लिया। तथापि, अग्रणी दल के अभियान कर्मियों, जिसमें श्री शबीर अहमद खान, उप पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) राफियाबाद, एचसी हिलाल अहमद, ईएक्सके-977853, एचसी फारूक अहमद, ईएक्सके-026145 और कांस्टेबल बिलाल अहमद, ईएक्सके-002347 शामिल थे, ने गोलीबारी का कड़ा जवाब दिया, जिसने आतंकवादियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।

चूंकि, अंधेरा हो रहा था, ऐसी आशंका थी कि छिपे हुए आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठा सकते हैं और वे घेराबंदी के क्षेत्र से बाहर निकल सकते हैं। तथापि, सभी पहलुओं पर विधिवत विचार-विमर्श के बाद, अभियान को अगले दिन उजाला होने तक के लिए स्थगित कर दिया गया और अभियान टीमों ने लक्षित स्थान की घेराबंदी को और मजबूत कर दिया, ताकि आतंकवादियों को मजबूत घेराबंदी को तोड़ने का मौका न मिले। अगले दिन, दिनांक 27.08.2015 को तड़के, यह योजना बनाई गई कि अग्रणी दल, जिसमें श्री शबीर अहमद खान, उप पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) राफियाबाद, एचसी हिलाल अहमद, एचसी फारूक अहमद और कांस्टेबल बिलाल अहमद शामिल थे, अभियान के परिणाम उन्मुखी समापन के लिए 32-आरआर/9 पैरा के सैनिकों की सहायता से लक्ष्य पर धावा बोल देगा। डीआईजी पुलिस, एनकेआर और श्री शबीर अहमद खान, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशंस) राफियाबाद, सोपोर आतंकवादियों की सही स्थिति का पता लगाने के लिए खुद स्थल पर डटे हुए थे और उनकी सहायता उपर्युक्त पुलिसकर्मी तथा कुछ अन्य प्रतिभागी कर रहे थे, जो आगे थे और गुफा में छिपे हुए आतंकवादियों की सही स्थिति का पता चलने तक उन्हें उलझाए हुए थे।

अग्रणी दल के सैनिकों ने आतंकवादियों को तब तक उलझाए रखा, जब तक कि डीआईजी (एनकेआर) और श्री शबीर अहमद खान-उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशंस), राफियाबाद सोपोर अन्य अनुशंसित व्यक्तियों के साथ लक्ष्य तक नहीं पहुंच गए तथा आतंकवादियों की गतिविधि को रोकने के लिए 32-आरआर और 9-पैरा के सैनिकों ने संयुक्त विशेष घटक को फायरिंग कवर प्रदान किया। इस समय, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी के साथ-साथ, अग्रणी दल की ओर 04 यूबीजीएल ग्रेनेड भी फेंके, तथापि अनुशंसित व्यक्तियों वाले विशेष घटक ने अपना संयम बनाए रखा और लक्ष्य को और सटीक बनाने के लिए और आगे बढ़ गए। हालांकि, आतंकवादियों के पास अभियान कर्मियों को निशाना

बनाने के लिए प्राकृतिक आश्रयस्थल उपलब्ध था, लेकिन अनुशंसित व्यक्ति साहस के साथ खुले में तब तक लड़ते रहे, जब तक कि बिना किसी संपाश्रिक क्षति के तीन आतंकवादियों का सफाया नहीं हो गया। तथापि, एक छिपा हुआ आतंकवादी अब भी गुफा से यूबीजीएल ग्रेनेड फेंककर और अंधाधुंध गोलीबारी करके सैनिकों को चुनौती दे रहा था और सैनिकों के लिए लक्ष्य तक पहुंचना जोखिमपूर्ण था। सेना तथा पुलिस के सैन्यदल ने अपने संयम को बनाए रखा और अंत में चतुराई से आतंकवादी को गुफा से बाहर निकालने में सफल रहे और संपाश्रिक क्षति पहुंचाने का कोई मौका दिए बिना अंततः उस पर काबू कर लिया गया। अभियान में मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में अबू उस्मान, अबू काताल और अबू सुहैब (सभी पाकिस्तान के निवासी) के रूप में हुई और अभियान के दौरान गिरफ्तार आतंकवादी की पहचान सज्जाद अहमद उर्फ अबू अब्दुल्ला निवासी मुजफ्फरगढ़, पंजाब, पाकिस्तान के रूप में हुई। अभियान के दौरान जो शस्त्र और गोलाबारूद बरामद किए गए, उनमें 4 एके 47 राइफलें, 15 एके मैगजीनें, 330 एके राउंड, 2 यूबीजीएल, 2 यूबीजीएल ग्रेनेड, 1 एचजी तथा 3 पाउच शामिल हैं। इस संबंध में दंगाईवाचा पुलिस स्टेशन में धारा 307 आरपीसी, आईए अधिनियम की धारा 7/27 के अंतर्गत मामला एफआईआर संख्या 52/2015 दर्ज है।

मारे गए आतंकवादियों को सोपोर क्षेत्र में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के बिखरे हुए/ दबाव का सामना कर रहे कॉडरों को पुनर्गठित करने और घाटी में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने का कार्य सौंपा गया था। संगठन को फिर से पुनर्गठित/पुनर्संयोजित करने और उन्हें हथियार, धन, सुरक्षा प्रतिष्ठानों के साथ-साथ लक्ष्यों की पहचान करने, संचार उपकरणों की व्यवस्था करने और ओजीडब्ल्यू को बारूदी सुरंगों का इस्तेमाल करने और हथगोले फेंकने की सुविधा देने के लिए, ये आतंकवादी सोपोर नगर में कैप डालने वाले थे और उन्हें संगठन की जड़ों को फिर से जमाने का भी कार्य सौंपा गया था। यह भी पता चला कि उन्हें सोपोर में कानून-व्यवस्था की स्थिति को भंग करने और लोगों के बीच मनोवैज्ञानिक डर पैदा करने का भी कार्य सौंपा गया था। सामान्य तौर पर कश्मीर घाटी के लिए और विशेष तौर पर सोपोर शहर की शांति और व्यवस्था के लिए उनका खात्मा एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है और लश्कर-ए-तैयबा संगठन को बड़े झटके के साथ-साथ कुल मिलाकर सोपोर के समग्र सुरक्षा परिदृश्य पर इसका दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री शबीर अहमद खान, उप पुलिस अधीक्षक, हिलाल अहमद, हेड कांस्टेबल, फारूक अहमद मीर, हेड कांस्टेबल और बिलाल अहमद शाह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27.08.2015 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 61-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. शफात मोहम्मद नज्जार,
उप पुलिस अधीक्षक
2. दीपक कुमार,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 16.05.2016 को, 2200 बजे शोपियां पुलिस को ग्राम पहलीपोरा शोपियां के फलोद्यानों में आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, शोपियां पुलिस ने 44-आरआर की सहायता से उपयुक्त रणनीतिक योजना के तहत लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और छिपे हुए आतंकवादी को खोजना शुरू कर दिया।

चूंकि, अभियान को रात के समय शुरू किया गया था, इसलिए आतंकवादियों की सटीक स्थिति का पता लगाना मुश्किल था। आतंकवादी को बचकर भागने से रोकने के लिए भागने के सभी संभावित मार्गों को अच्छी तरह से सील कर दिया गया। अभियान बलों की

गतिविधि को देखने पर, फलोद्यानों में छिपे आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, एसएसपी शोपियां और श्री शफात मोहम्मद-केपीएस-116075, उप पुलिस अधीक्षक पीसी केल्लेर के नेतृत्व वाले अभियान दल, जिसमें एसजीसीटी अजय कुमार, एआरपी-095500 और सीटी दीपक कुमार, एआरपी-097928 शामिल थे, ने असाधारण सतर्कता/सूझबूझ का प्रदर्शन करते हुए पूरी ताकत के साथ गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया और छिपे हुए आतंकवादियों को घेराबंदी को तोड़ने और स्थल से बचकर भागने का कोई भी मौका नहीं दिया। इस बीच, यह देखा गया कि कुछ नागरिक मुठभेड़ क्षेत्र में फंस गए हैं। उन्हें बाहर निकालने के लिए, एसएसपी शोपियां के नेतृत्व में एक टीम, जिसमें श्री शफात मोहम्मद, उप पुलिस अधीक्षक, पीसी केल्लेर, एसजीसीटी, अजय कुमार तथा सीटी, दीपक कुमार शामिल थे, ने निकासी प्रक्रिया शुरू की और कुछ प्रयासों में सभी फंसे हुए नागरिकों को बाहर निकालने में सफल हो गए। इस प्रक्रिया के दौरान, निकासी दलों को भारी गोलीबारी का सामना करना पड़ा परन्तु उन्होंने अपनी बहुमूल्य जिन्दगियों की परवाह किए बिना प्रक्रिया को जारी रखा। निकासी प्रक्रिया के पश्चात श्री शफात मोहम्मद, उप पुलिस आयुक्त, पीसी, केल्लेर की अगुआई में अनुशंसित व्यक्तियों ने लक्ष्य की ओर बढ़ना शुरू कर दिया जिसके दौरान उन्हें भारी गोलीबारी का सामना करना पड़ा। तथापि, अनुशंसित व्यक्तियों ने प्रभावी जवाबी गोलीबारी की, जिससे आमने-सामने की लड़ाई शुरू हो गई तथा कुछ समय तक चली और छिपे हुए आतंकवादी के खात्मे के साथ समाप्त हुई जिसकी पहचान बाद में फारूक अहमद शेख उर्फ इहसान पुत्र जीएच कादिर शेख निवासी नाजनीनपोरा, शोपियां के रूप में हुई। मुठभेड़ स्थल से हथियारों/गोलाबारूद का बड़ा जखीरा बरामद हुआ और इस संबंध में शोपियां पुलिस स्टेशन में धारा 307 आरपीसी, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के अंतर्गत मामला एफआईआर संख्या 94/2016 दर्ज है। यह उल्लेखनीय है कि मारा गया आतंकवादी कई आतंकी/आपराधिक मामलों में शामिल था। उसका मारा जाना दक्षिण कश्मीर में आतंकवादी नेटवर्क के लिए बड़ा झटका था तथा आम जनता के लिए राहत की सांस जैसा था। अनुशंसित व्यक्तियों, जो अपनी बहुमूल्य जान की परवाह किए बिना बहादुरी के साथ लड़े, द्वारा उत्कृष्ट साहस के साथ-साथ पेशेवर रवैये का प्रदर्शन वास्तव में उल्लेखनीय था, क्योंकि अत्यंत प्रतिकूल स्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने के लिए किया गया प्रयास सच्ची बहादुरी थी। यद्यपि आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी करके क्षति पहुंचाने का भरसक प्रयास किया जिसमें सामान्य तौर पर ये सभी अधिकारी/कार्मिक तथा विशेष तौर पर अनुशंसित व्यक्ति बाल-बाल बचे। तथापि, अनुशंसित व्यक्ति अपनी एकाग्रता को खोए बिना तथा दिमाग का अच्छा इस्तेमाल करते हुए वीरता से लड़े और उनकी नापाक मंशा को नाकाम कर दिया।

इस मुठभेड़ में सर्वश्री शफात मोहम्मद नज्जार, उप पुलिस अधीक्षक और दीपक कुमार, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16.05.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 62-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री मोहम्मद अशरफ चटवाल,

कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.07.2016 को हंदवाड़ा पुलिस को बुडुर बाला गांव में आतंकवादियों का मौजूदगी के बारे में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त होने पर, हंदवाड़ा पुलिस द्वारा 21-आरआर की सहायता से पी डी हंदवाड़ा, जिला कुपवाड़ा के बुडुर बाला गांव के क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान की योजना बनाई गई और उसे अंजाम दिया गया। आतंकवादियों की मौजूदगी साबित हो गई और लक्ष्य स्थान के चारों तरफ घेराबंदी को कड़ा कर दिया गया। खोज अभियान के दौरान छिपे हुए आतंकवादियों द्वारा की गई भारी गोलीबारी से वहां के निवासियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। श्री शबीर अहमद खान, एसडीपीओ हंदवाड़ा ने कांस्टेबल मोहम्मद अशरफ संख्या 775/एच, ईएक्सके-126303 की सहायता से स्वेच्छा से

नागरिक आवादी को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की जिम्मेदारी ली। इसमें जोखिम होने के बावजूद, उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, गोलियों की बौछार के बीच से नागरिकों को बाहर निकाल लिया।

किसी भी संपार्श्विक क्षति के बिना खूंखार आतंकवादी को खत्म करने के लिए, मौके पर ही श्री शबीर अहमद खान-केपीएस एसडीपीओ हंदवाड़ा के नेतृत्व में असॉल्ट टीमों का गठन किया गया। अधिकारी ने कांस्टेबल मोहम्मद अशरफ, ईएक्सके-126303 के साथ स्वेच्छा से इस कार्य के लिए खुद को आगे किया और असॉल्ट टीमों को विभिन्न दिशाओं से छिपे हुए आतंकवादी की ओर बढ़ने का निर्देश दिया और इस तरह घेराबंदी को और कड़ा कर दिया तथा आतंकवादी हमले का तत्परता से जवाब दिया। चूंकि आतंकवादी बड़ी मात्रा में हथियारों से लैस था और अत्यधिक प्रशिक्षित था, इसलिए उसने असॉल्ट टीमों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और कई ग्रेनेड भी फेंके और इस प्रकार असॉल्ट टीमों के आगे बढ़ने के कार्य को दुष्कर बना दिया। श्री शबीर अहमद खान, उप पुलिस अधीक्षक (एसडीपीओ हंदवाड़ा) और कांस्टेबल मोहम्मद अशरफ अपनी जान की परवाह किए बिना, फौलादी हिम्मत दिखाते हुए तथा जवाबी कार्रवाई करते हुए लक्ष्य की ओर आगे बढ़े और छिपे हुए आतंकवादी के काफी पास पहुंच गए। असॉल्ट टीमों ने उन्हें छिपे हुए आतंकवादी पर निर्णायक हमले के दौरान फायरिंग कवर प्रदान किया जिसके परिणामस्वरूप लश्कर-ए-तैयबा का अति वांछित विदेशी आतंकवादी मारा गया जिसकी पहचान पाकिस्तान निवासी अब्दुल्ला के रूप में हुई। मुठभेड़ स्थल से हथियारों/गोलाबारूद का बड़ा जखीरा बरामद हुआ। इस संबंध में हंदवाड़ा पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामला एफआईआर संख्या 257/2016 दर्ज है।

पूरे अभियान के दौरान, श्री शबीर अहमद खान, उप पुलिस अधीक्षक (एसडीपीओ हंदवाड़ा) और कांस्टेबल मोहम्मद अशरफ संख्या 775/एच, ईएक्सके-126303 ने अतुलनीय साहस और कर्तव्य के प्रति सर्वोच्च स्तर की निःस्वार्थ निष्ठा का प्रदर्शन किया और नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालना सुनिश्चित किया। उनके द्वारा की गई अनुकरणीय पहल के परिणामस्वरूप अभियान किसी संपार्श्विक क्षति के बिना सफलतापूर्वक पूरा हुआ।

इस मुठभेड़ में श्री मोहम्मद अशरफ चटवाल, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04.07.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 63-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. रईस मोहम्मद भट, आईपीएस (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार)

पुलिस अधीक्षक

02. सतीश कुमार, (वीरता के लिए पुलिस पदक)

उप पुलिस अधीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30.06.2016 को लगभग 0945 बजे, पुलिस अधीक्षक, पुलवामा को मालवारी नेवा गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली, जो कि क्षेत्र में कुछ आतंकवादी गतिविधि करने की योजना बना रहे थे। श्री अजहर बशीर, सहायक पुलिस अधीक्षक पुलवामा द्वारा भी इस सूचना का ब्योरा उपलब्ध कराया गया तथा यह पता लगाया गया कि आतंकवादी जीएच. रसूल वागे के घर में छिपे हुए हैं। तदनुसार, 55-आरआर और 183 बटालियन सीआरपीएफ की सहायता से पूरे गांव में घेराबंदी कर दी गई और श्री रईस मोहम्मद, पुलिस अधीक्षक, पुलवामा की निगरानी में लक्षित घर पर ध्यान केन्द्रित किया गया।

इस बीच, अभियान बलों की गतिविधि को देखकर, छिपे हुए आतंकवादियों ने घेराबंदी तोड़ने और मौके से भागने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, श्री रईस मोहम्मद, पुलिस अधीक्षक, पुलवामा, श्री अजहर बशीर, सहायक पुलिस अधीक्षक पुलवामा, श्री सतीश कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, पीसी काकापोरा और एसजीसीटी तिलक राज, एआरपी-096430 ने असाधारण साहस और युद्ध कौशल का प्रदर्शन करते हुए गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया जिसने आतंकवादियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने इंकार कर दिया और इसकी बजाय अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, अनुशंसित व्यक्तियों ने अनुकरणीय साहस और सूझबूझ का प्रदर्शन करते हुए प्रभावी ढंग से गोलीबारी का जवाब दिया।

इस बीच, यह देखा गया कि कुछ नागरिक मुठभेड़ क्षेत्र में फंस गए हैं और अनुशंसित व्यक्तियों ने उनको बाहर निकालने के लिए स्वेच्छा से खुद को आगे किया। कुछ प्रयासों में, सभी फंसे हुए नागरिकों को बाहर निकाल लिया गया। निकासी प्रक्रिया के बाद, श्री रईस मोहम्मद, पुलिस अधीक्षक, श्री अजहर बशीर, सहायक पुलिस अधीक्षक पुलवामा, श्री सतीश कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, पीसी काकापोरा और एसजीसीटी तिलक राज तथा अन्य व्यक्तियों ने निर्णायक हमले के लिए घर में घुसना शुरू कर दिया। तथापि, छिपे हुए आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, लेकिन अनुशंसित व्यक्तियों ने कड़ी सतर्कता दिखाई और उन्हें मौके से भागने को कोई अवसर नहीं दिया। आमने-सामने की लड़ाई कुछ समय तक चली और इसका अंत छिपे हुए आतंकवादियों के खात्मे के साथ हुआ जिनकी पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा के पाकिस्तान निवासी अबू अयान और मंजूर अहमद डार पुत्र अब्दुल राशिद डार निवासी गुंडीबाग, काकापोरा, पुलवामा के रूप में हुई। मुठभेड़ स्थल से हथियारों/गोलाबारूद का बड़ा जखीरा बरामद हुआ और इस संबंध में पुलवामा पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामला एफआईआर संख्या 244/2016 दर्ज है।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री रईस मोहम्मद भट, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक और सतीश कुमार, उप पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 30.06.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 64-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

- | | | |
|----|--|---------------------------------------|
| 1. | परवेज अहमद डार,
एसडीपीओ | (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार) |
| 2. | शहजादा कबीर मट्टू,
उप पुलिस अधीक्षक | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |
| 3. | तसलीम अहमद खान,
निरीक्षक | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 08.12.2015 को, श्रीनगर में बड़े हमले को अंजाम देने के लिए लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के एक वाहन में श्रीनगर की ओर जाने के संबंध में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। श्री परवेज अहमद, एसडीपीओ अवंतीपोरा पुलिस तथा 110 बटालियन सीआरपीएफ के संयुक्त घटकों के साथ तुरंत पंपोर के लिए रवाना हो गए तथा 50-आरआर की सहायता से ईडीआई पंपोर के समीप एनएचडब्ल्यू पर नाका स्थापित कर दिया।

लगभग 1530 बजे, वाहनों की जांच करते समय, एक टाटा मोबाइल वाहन जिसका पंजीकरण संख्या जेके 22/5943 था, को रूकने का इशारा किया गया, परन्तु अचानक ही, उस वाहन से गोलियों की अंधाधुंध बौछार हुई जिसके परिणामस्वरूप बिहार की एक महिला पर्यटक आयशा घायल हो गई। तथापि, अभियान कर्मियों ने शीघ्रता से खुद को एक उपयुक्त हमला रोधी कवायद के रूप में तैनात कर लिया। जिस वाहन में आतंकवादी सवार थे, उसके ड्राइवर ने भारी गोलीबारी की आड़ में भागने की कोशिश की, परन्तु अभियान कर्मियों ने वाहन के टायरों को निशाना बनाया जिसके कारण वाहन तुरंत रूक गया। वाहन से कोई चिल्लाया कि “गोली मत चलाओ, मैं ड्राइवर हूँ और मेरे वाहन को बंदूक की नोक पर अपहृत किया गया है”। आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए गोलीबारी का जवाब पेशेवर और चुनिन्दा तरीके से दिया गया और ईडीआई भवन सहित पास के भवनों को सील कर दिया गया ताकि आतंकवादियों को किसी भवन में घुसने से रोका जा सके। नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए एनएचडब्ल्यू पर दोनों तरफ से ट्रैफिक की आवाजाही को रोक दिया गया। इस बीच, एक आतंकवादी ने ड्राइवर को बंधक बना लिया जबकि एक अन्य आतंकवादी ने घायल महिला को बंधक बना लिया। चूंकि घायल महिला का बहुत ज्यादा रक्तस्राव हो रहा था, इसलिए उसे निकालने का निर्णय लिया गया और इस उद्देश्य हेतु श्री परवेज अहमद, एसडीपीओ अवंतीपोरा ने आतंकवादी की ओर जाने का निर्णय लिया, जो वाहन की पीछे छिपा हुआ था तथा वे श्री तस्लीम अहमद, निरीक्षक तथा कुछ पुलिस कर्मियों के साथ अपनी जान की परवाह किए बिना सावधानीपूर्वक रेंगते हुए लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ने लगे। वे वाहन के नीचे रेंगकर आगे बढ़े और दूसरी ओर ठीक वहां पहुंच गए जहां पर आतंकवादी ने पोजीशन ले रखी थी और पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहा था। उनमें से एक ने अचानक आतंकवादी की टांग खींच ली जिससे वह जमीन पर गिर पड़ा और इससे पहले कि वह अपनी बंदूक उनकी तरफ कर पाता, उसे तुरंत गोली से मार दिया गया। श्री परवेज अहमद, एसडीपीओ अवंतीपोरा तुरंत वाहन के अंदर सवार हो गए और उसे चलाकर सुरक्षित स्थान पर ले गए जहां से घायल महिला को इलाज के लिए पास के पंपोर अस्पताल में ले जाया गया। अब कार्य था दूसरे आतंकवादी को निष्क्रिय करना जो कि टाटा मोबाइल वाहन की पीछे था और सिविलियन ड्राइवर को बंधक बनाए हुए था तथा सुरक्षित निकलने देने के लिए चिल्ला रहा था। एक दल ने उसे गोलीबारी में उलझा दिया तथापि ड्राइवर की सुरक्षा के लिए जवाबी गोलीबारी में पूरी एहतियात बरती जा रही थी। ड्राइवर की सुरक्षा के लिए आतंकवादी को नजदीक से निशाना बनाने के लिए, श्री परवेज अहमद, श्री शहजादा कबीर मट्टू, उप पुलिस अधीक्षक ऑपरेशंस थाना प्रभारी, पंपोर के साथ अपने रक्षक को चलाकर टाटा मोबाइल वाहन की तरफ ले गए। जब वे काफी निकट थे, तो जीवित बचा हुआ आतंकवादी अचानक उनकी तरफ आ गया और उसने एक ग्रेनेड फेंक दिया जो वाहन पर फट गया जिससे वह पूर्णतः क्षतिग्रस्त हो गया, तथापि, भाग्य से रक्षक के सभी कर्मी सुरक्षित थे। आतंकवादी ने एक और ग्रेनेड फेंकने का प्रयास किया, परन्तु सतर्क पुलिस कर्मी ने उसे तुरंत मार गिराया। यह पता लगाना मुश्किल था कि आतंकवादी मर गया है या नहीं, तथापि, श्री शहजादा कबीर मट्टू कुछ पुलिस कर्मियों के साथ उसकी मौत के बारे में पता लगाने के लिए आगे जाने हेतु स्वेच्छा से आगे आए। गोली से घायल हुआ आतंकवादी मरने का नाटक कर रहा था और उसने अचानक पास आते हुए कर्मियों पर ग्रेनेड फेंकने का प्रयास किया, तथापि कर्मियों ने क्षण भर में आतंकवादी पर गोली चला दी और उसका खात्मा कर दिया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान पाकिस्तान निवासी जुनैद तथा शाकिर अहमद भट्ट उर्फ मावाज पुत्र शौकत अहमद निवासी नौपोरा कलाँ सोपोर के रूप में हुई। मुठभेड़ स्थल से हथियारों/गोलाबारूद का बड़ा जखीरा बरामद किया गया तथा इस संबंध में पंपोर पुलिस स्टेशन में धारा 307 आरपीसी, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामला एफआईआर संख्या 187/2015 दर्ज है। यह उल्लेखनीय है कि मारा गया आतंकवादी शाकिर शौकत भट्ट पुत्र शौकत अहमद भट्ट निवासी नौपोरा कलाँ, सोपोर डांगीवाचा पुलिस स्टेशन सोपोर में दर्ज एक अन्य मामला एफआईआर में भी शामिल था। पाकिस्तान निवासी जुनैद सुरक्षा बलों तथा पंचों/सरपंचों पर हमले सहित कई विध्वंसकारी गतिविधियों में शामिल था।

इस मुठभेड़ में सर्वश्री परवेज अहमद डार, एसडीपीओ, शहजादा कबीर मट्टू, उप पुलिस अधीक्षक और तस्लीम अहमद खान, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08.12.2015 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 65-प्रेज/2018-राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री बलजित सिंह,
उप पुलिस अधीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09.09.2014 को लरीबल गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना के आधार पर, हंदवाड़ा पुलिस, 21-आरआर और 92 बटालियन सीआरपीएफ द्वारा एक संयुक्त अभियान चलाया गया। एसएसपी मकसूद उल जमां के नेतृत्व में पुलिस दल जिसमें उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशंस) हंदवाड़ा, श्री बलजित सिंह केपीएस-116206 शामिल थे, अभियान दल का सहायक दल था। क्षेत्र की घेराबंदी कर ली गई और खोज अभियान शुरू हो गया। इस कवायद के दौरान, अचानक खोज दल पर एक ऐसे घर से भारी गोलीबारी होने लगी, जो घेराबंदी और खोज अभियान में शक के दायरे में था। खोज टीम की प्राथमिकता लक्षित घर में और उसके आस-पास फंसे हुए नागरिकों को बाहर निकालकर एक सुरक्षित जगह पर पहुंचाना था। आतंकवादी द्वारा की जा रही अंधाधुंध गोलीबारी नागरिकों को बचाने के कार्य को अत्यंत कठिन बना रही थी। पूरी प्रक्रिया के दौरान, खूंखार आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करता रहा और उसने उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशंस) हंदवाड़ा, श्री बलजित सिंह केपीएस-116206 के नेतृत्व वाले बचाव दल पर ग्रेनेड फेंके, तथापि, अत्यंत सावधानी और कुशल युद्ध रणनीति से, सभी नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया गया।

संपाश्रिक क्षति से बचने और अभियान को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशंस) हंदवाड़ा, श्री बलजित सिंह ने खूंखार आतंकवादी का खात्मा करने के लिए अनुभव का प्रदर्शन किया और युद्ध की रणनीति का इस्तेमाल किया। लक्षित घर के आस-पास घेराबंदी को और कड़ा कर दिया गया और भीतरी घेराबंदी दल को फायरिंग कवर प्रदान करने का निदेश दिया गया और उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशंस), हंदवाड़ा, श्री बलजित सिंह जवाबी गोलीबारी की कार्रवाई करते हुए लक्षित घर की ओर बढ़ गए। चूंकि छिपने का स्थान आतंकवादी के लिए अभियान दल को नुकसान पहुंचाने हेतु काफी अनुकूल था, इसलिए उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशंस) हंदवाड़ा, श्री बलजित सिंह ने अपने कार्मिकों को इस तरह तैनात किया कि आतंकवादी के चारों ओर कड़ी घेराबंदी सुनिश्चित हो सके और तत्परता से जवाबी गोलीबारी की। आतंकवादी ने घेराबंदी दल पर ग्रेनेड फेंके और भीषण बंदूक की लड़ाई शुरू हो गई। अभियान प्रमुख द्वारा किए गए हमले को देखते हुए, आतंकवादी घर से बाहर निकल आया और अंधाधुंध गोलीबारी करने लगा और उसने घेराबंदी को तोड़ने की कोशिश की। आतंकवादी की हरकत और मौके से भागने की उसकी योजना को देखते हुए, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशंस) हंदवाड़ा, श्री बलजित सिंह अपनी जान की परवाह किए बिना जवाबी गोलीबारी की कार्रवाई करते हुए आतंकवादी की ओर बढ़ गए। यह केवल श्री बलजित सिंह, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशंस) के अत्यधिक साहस और अभियान के प्रति उत्साह का ही नतीजा था कि खूंखार आतंकवादी का खात्मा हो गया। कट्टर आतंकवादी की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के 'ए' श्रेणी के पाकिस्तान निवासी उमर भाटी के रूप में हुई, जो पीडी हंदवाड़ा के विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से जाटालाडारा हंदवाड़ा में सक्रिय रूप से गतिविधियां चला रहा था। मुठभेड़ स्थल से हथियारों/गोलाबारूद का बड़ा जखीरा बरामद हुआ। इस संबंध में हंदवाड़ा पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307, आई.ए.ए. अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामला एफआईआर संख्या 254/14 दर्ज है। पूरे अभियान में, श्री बलजित सिंह, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशंस) हंदवाड़ा, केपीएस-116206 ने अदम्य वीरता, अद्वितीय साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया और नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित की। अधिकारी द्वारा कर्तव्य के प्रति दर्शाए गए निःस्वार्थ समर्पण, अद्वितीय साहस से खूंखार आतंकवादी का खात्मा हुआ और इसके परिणामस्वरूप अभियान बिना किसी संपाश्रिक क्षति के सफलतापूर्वक पूरा हुआ।

इस मुठभेड़ में श्री बलजित सिंह, उप पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09.09.2014 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 66-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. तेजिंदर सिंह, आईपीएस
पुलिस अधीक्षक
02. मोहम्मद शफिक,
उप पुलिस अधीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10.08.2015 को 1800 बजे, पुलिस अधीक्षक, पुलवामा को सूचना मिली कि गांव राख रत्तीपोरा पुलवामा में धान के खेतों में आतंकवादी छिपे हुए हैं और स्वतंत्रता दिवस, 2015 के दौरान कुछ आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। पुलिस अधीक्षक/एएसपी पुलवामा की निगरानी में 55-आरआर, सीआरपीएफ की 182/183 बटालियनों की सहायता से एक अभियान शुरू किया गया और धान की खड़ी फसलों वाले लक्षित धान के खेतों की संयुक्त घेराबंदी कर दी गई, जिसमें पुलिस अधीक्षक पुलवामा श्री तेजिंदर सिंह-आईपीएस को लक्ष्य स्थान के उत्तर-पश्चिम की ओर से, उप पुलिस अधीक्षक आपरेशंस पुलवामा श्री मो. शफिक, केपीएस को उत्तर-पूर्व की ओर से, 55-आरआर तथा अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा श्री जाविद इकबाल को एसओजी पुलवामा के कर्मियों के साथ पूर्व तथा पश्चिम की ओर से और सीआरपीएफ (182/183वीं बटालियन) को एसओजी पुलवामा के कर्मियों के साथ दक्षिण की ओर से तैनात किया गया।

अभियान कर्मियों की उपस्थिति को देखने पर, आतंकवादियों ने घेराबंदी को शुरूआती चरण में ही तोड़ने और मौके से भागने की मंशा से अंधाधुंध गोलीबारी (उस ओर जहां पुलिस अधीक्षक पुलवामा और उप पुलिस अधीक्षक आपरेशंस पुलवामा घेराबंदी के लिए मोर्चा लेने में व्यस्त थे) शुरू कर दी। तथापि, पुलिस अधीक्षक पुलवामा श्री तेजिंदर सिंह-आईपीएस और उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशंस) पुलवामा श्री मोहम्मद शफिक-केपीएस की सूझ-बूझ और असाधारण साहस के चलते अन्य पुलिस दलों की सहायता से गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया, जिससे एक मुठभेड़ शुरू हो गई और आतंकवादियों द्वारा घेराबंदी के क्षेत्र से भागने के प्रयास को नाकाम कर दिया गया। धान की फसल की कीचड़दार/दलदली स्थिति के कारण पुलिस के लिए पूरे क्षेत्र को कवर करना और आतंकवादियों पर हावी होना एक दुःसाध्य/चुनौतीपूर्ण स्थिति थी। इस तरह की बंदूक की भीषण लड़ाई के दौरान भी लक्ष्य स्थान के चारों ओर सैनिकों की तैनाती की गई। इस बीच, आतंकवादियों ने गोलीबारी करना बंद कर दिया ताकि बलों का ध्यान बंटकर उन्हें यह झांसा दिया जा सके कि वे घेराबंदी से भागने में सफल हो गए हैं। तदनुसार, उप पुलिस अधीक्षक आपरेशंस पुलवामा की सहायता से पुलिस अधीक्षक पुलवामा के नेतृत्व वाली एक टीम उस स्थान की ओर बढ़ने लगी, जहां से आतंकवादी गोलीबारी कर रहे थे। छिपे हुए आतंकवादी अचानक बाहर निकल आए तथा उन्होंने पास आते हुए खोज दल पर करीबी दायरे से एक बार फिर अंधाधुंध गोलीबारी की। तथापि, श्री तेजिंदर सिंह, पुलिस अधीक्षक, पुलवामा, श्री मोहम्मद शफिक-केपीएस उप पुलिस अधीक्षक आपरेशंस पुलवामा तथा अन्य कर्मियों ने अनुकरणीय साहस, सूझ-बूझ और पारस्परिक समझ दर्शाते हुए तुरंत पोजीशन ले ली और गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया, जिसने आतंकवादियों को रक्षात्मक हो जाने तथा वहीं रहने के लिए मजबूर कर दिया। इस बीच, यह देखा गया कि कई नागरिक लक्ष्य स्थान से सटे हुए घरों में फंस गए हैं। अनुशंसित व्यक्तियों ने पुलिस/अन्य बलों की मदद से निकासी प्रक्रिया को प्राथमिकता दी तथा फंसे हुए सभी नागरिकों को बाहर निकालने में सफल रहे। निकासी प्रक्रिया के बाद, छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया और अंधाधुंध गोलीबारी करना जारी रखा। अभियान रात के समय जारी रहा तथा लक्षित खेतों की ओर जाने वाली पानी की नहर को ब्लॉक करने के अलावा लक्षित स्थान को रोशन करके तथा कंसर्टिना बायर डालकर क्षेत्र में हावी होने के उपाय किए गए, और इस तरह आतंकवादियों के पास घेराबंदी से भागने के लिए कोई अवसर नहीं बचा।

अगली सुबह, आतंकवादियों को फिर से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया और अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे। श्री तेजिंदर सिंह-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक पुलवामा और श्री मोहम्मद शफिक-केपीएस, उप पुलिस अधीक्षक आपरेशंस पुलवामा ने अपनी जान की परवाह किए बिना अपने संयम को बनाए रखा और महत्वपूर्ण/हानिकारक स्थिति का साहस से सामना किया और गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। बंदूक की लड़ाई कम से कम 6 घंटे तक जारी रही, जिसके दौरान छिपे हुए आतंकवादी धान की फसलों का

लाभ उठाते हुए बार-बार अपनी स्थिति को बदलते रहे। इसके बाद, दूसरी तरफ से गोलीबारी बंद हो गई, तथा आतंकवादियों की मौत की पुष्टि करने के लिए, श्री मोहम्मद शफिक-केपीएस, उप पुलिस अधीक्षक पुलवामा की सहायता से श्री तेजिंदर सिंह-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक पुलवामा की कमान में पुलिस/अन्य बलों की एक संयुक्त टीम गठित की गई। जैसे ही, खोज दल आतंकवादियों के समीप पहुंचा, उन्होंने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की, तथापि, अनुशंसित व्यक्तियों ने जल्दी से पोजीशन ले ली तथा अपनी जान की परवाह किए बिना जवाबी कार्रवाई की। धान की फसल के दलदली खेतों में बंदूक की लड़ाई लगभग डेढ़ घंटे तक जारी रही, जिसके परिणामस्वरूप दो आतंकवादियों का खात्मा हो गया, जिनकी पहचान बाद में शौकत अहमद लोन उर्फ अली भाई पुत्र स्वर्गीय गुलाम मोहम्मद लोन निवासी लेलहार काकापोरा पुलवामा तथा गुलजार अहमद भट्ट उर्फ शाहीन पुत्र अब्दुल गनी भट्ट निवासी तेलंगम पुलवामा के रूप में हुई। मुठभेड़ स्थल से प्रेशर माइन्स सहित हथियारों/गोलाबारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद हुआ और पुलिस स्टेशन पुलवामा में आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामला एफआईआर संख्या 241/2015 दर्ज है। यहां यह उल्लेखनीय है कि मारे गए आतंकवादी लंबे समय से सक्रिय थे तथा अति वांछित थे, क्योंकि वे युवकों को आतंकवादी रैंकों में शामिल होने के लिए उकसाने में सहायक रहे थे। वे सुरक्षा बलों पर सनसनीखेज हमलों में शामिल थे तथा पुलवामा पुलिस स्टेशन की 12 एफआईआर और नौगांव श्रीनगर, बिजबिहरा तथा पंपोर पुलिस स्टेशनों की एक-एक एफआईआर में शामिल थे। मारे गए आतंकवादियों की मौत आतंकवादी कॉडरों विशेष रूप से लश्कर-ए-तैयबा संगठन के लिए बड़ा धक्का थी तथा सुरक्षा बलों/नागरिकों के लिए बड़ी राहत थी। इसके अलावा, इन दोनों आतंकवादियों का खात्मा संजय/स्वतंत्रता दिवस-2015 के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए बड़ी राहत थी। इसके अलावा, उनके कब्जे से बरामद प्रेशर माइन्स से निश्चित रूप से यह पता चलता है कि वे इन माइनों को लगाकर कुछ सनसनीखेज हमले/धमाके करने की योजना बना रहे थे। श्री तेजिंदर सिंह, पुलिस अधीक्षक पुलवामा और श्री मोहम्मद शफिक-केपीएस उप पुलिस अधीक्षक ऑपरेशंस पुलवामा द्वारा पूरे अभियान के दौरान किया गया प्रदर्शन उल्लेखनीय/उत्कृष्ट था, जिन्होंने न केवल मोर्चा लिया बल्कि बिना किसी संपाश्विक क्षति के दो खूंखार आतंकवादियों का खात्मा करते हुए असाधारण पेशेवर रवैये का भी प्रदर्शन किया।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री तेजिंदर सिंह, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक और मोहम्मद शफिक, उप पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10.08.2015 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 67-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. श्रीधर पाटिल, आईपीएस,
पुलिस अधीक्षक
02. मसरत अहमद मिर,
निरीक्षक
03. फेयाज़ अहमद लोन,
सहायक उप निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01/02-09-2015 की मध्य रात्रि में सोपोर पुलिस को लाडूरा, रफियाबाद गाँव में लश्कर-ए-इस्लाम (हिजबल मुजाहिदीन आतंकवादी संगठन के सहयोगी समूह) के आतंकवादियों के मौजूद होने के बारे विशिष्ट जानकारी मिली। पुलिस ने तत्काल ही सीआरपीएफ के

32 आर आर 1179 बटालियन की सैन्य टुकड़ी के सहयोग से पूरे गाँव को घेर लिया। लक्ष्य क्षेत्र अत्यधिक संकरी गलियों के साथ भीड़भाड़ वाला एवं काफी घना होने के कारण, वहाँ छिपे हुए आतंकवादियों को प्राकृतिक कवर प्राप्त हो रहा था। तथापि, श्री श्रीधर पाटिल, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, दक्षिण श्रीनगर, ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा के बाद, अगले दिन पौ फटने तक तलाशी अभियान को स्थगित करने का निर्णय लिया। अगले दिन भोर में यह योजना बनाई गई कि लक्ष्य स्थान तय करने के पश्चात अग्रणी पुलिस पार्टी और 32 आर आर की सैन्य टुकड़ी लक्ष्य स्थान पर धावा बोलेगी और सीआरपीएफ 179 बटालियन की सैन्य टुकड़ी आतंकवादियों के भागने के किसी भी अवसर को रोकने के लिए मजबूत सुरक्षा घेरा प्रदान करेगी। इस बीच, अभियान शुरू कर दिया गया और घर घर जाकर तलाशी शुरू कर दी गई। घर-घर तलाशी के दौरान, लक्ष्य मकान को चिन्हित किया गया और सर्वप्रथम छिपे हुए आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उसने अस्वीकार कर दिया और उन्होंने ग्रेनेड फेंकना शुरू कर दिया, तथापि, अभियान में शामिल कार्मिकों ने सहनशीलता/धैर्य का प्रदर्शन किया और यह जानते हुए कि मकान मालिक और उसका परिवार मकान में फंसा हुआ है, उन्होंने गोलीबारी का जवाब नहीं दिया। फंसे हुए परिवार के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए, एक सुनियोजित योजना तैयार की गई और श्री श्रीधर पाटिल-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक सिटी, दक्षिण श्रीनगर के नेतृत्व में निरीक्षक मसरत अहमद, एआरपी -026108, सहायक उप निरीक्षक फेयाज़ अहमद, सं 1495/पीएल और 32-आरआर के कुछ सैनिकों को शामिल करते हुए एक दल का गठन किया गया। एक दूसरे को सुरक्षा कवर प्रदान करते हुए, यह दल कई प्रयासों के बाद सभी फंसे हुए सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकालने में सफल हुआ। बाहर निकालने की प्रक्रिया के पश्चात, श्री श्रीधर पाटिल- आईपीएस, पुलिस अधीक्षक सिटी, दक्षिण श्रीनगर अभियान को तार्किक अंत तक पहुंचाने के लिए संस्तुत अधिकारियों के साथ लक्ष्य की ओर आगे बढ़े। तथापि, छिपा हुआ आतंकवादी लगातार अपनी पोजीशन बदल रहा था और सभी दिशाओं से गोलीबारी कर रहा था। यद्यपि आतंकवादी की सटीक स्थिति का पता लगाना मुश्किल था, फिर भी अग्रणी पार्टी, जिसमें संस्तुत अधिकारी भी शामिल थे, अपनी जान की परवाह किये बिना, लक्ष्य मकान के निकट पहुंची और आतंकवादी की गतिविधि को लक्ष्य मकान में एक स्थान पर सीमित करने में सफल हुई। अग्रणी पार्टी के अन्य सदस्यों ने आतंकवादी को तब तक उलझाये रखा, जब तक निरीक्षक मसरत अहमद एवं सहायक उप निरीक्षक फेयाज़ अहमद लक्ष्य मकान के परिसर में प्रवेश करने में सफल नहीं हो गए। दूसरी ओर 32 आर आर के सैनिक भी लक्ष्य मकान से सटे बाथरूम के स्लैब पर पोजीशन लेने के लिए तेजी से आगे बढ़े। इन गतिविधियों के दौरान, छिपा हुआ आतंकवादी लगातार गोलीबारी करता रहा, जिसके परिणामस्वरूप सेना के एक कार्मिक की मौके पर ही मृत्यु हो गई। छिपे हुए आतंकवादी की तत्काल गतिविधि को देखते हुए, श्री श्रीधर पाटिल-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक सिटी, दक्षिण कश्मीर ने असाधारण बहादुरी का प्रदर्शन किया और आतंकवादी की गतिविधि को रोकने के लिए रेंगते हुए लक्ष्य मकान के मुख्य प्रवेश द्वार की ओर बढ़े ताकि वे कार्रवाई पार्टी को लक्ष्य मकान में घुसने का अवसर प्रदान कर सकें। अधिकारी की गतिविधि को भांपते हुए आतंकवादी ने उनकी तरफ दो ग्रेनेड फेंके, किन्तु श्री श्रीधर पाटिल-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक सिटी, दक्षिण कश्मीर ने अपना धैर्य कायम रखते हुए अपनी पोजीशन का संभाले रखा और निरीक्षक मसरत अहमद और सहायक उप निरीक्षक फेयाज़ अहमद के लक्ष्य मकान में प्रवेश करने तक आतंकवादी को लगातार एक स्थान पर उलझाए रखा और उसे गोली चलाने अथवा ग्रेनेड फेंकने का कोई मौका न देते हुए करीब से गोलीबारी में उसका सफाया कर दिया। मृत आतंकवादी की पहचान बाद में लश्कर-ए-इस्लाम के रियाज़ अहमद मिर उर्फ़ रिजवान, पुत्र मोहम्मद अशरफ मिर, निवासी बरथ कलां, सोपोर के रूप में की गई। मुठभेड़ स्थल से हथियार/ गोलाबारूद का बड़ा भण्डार बरामद किया गया और इस सम्बन्ध में सोपोर पुलिस स्टेशन में धारा 307, 302-आर पी सी, 7/25 आई ए अधिनियम के तहत प्राथमिकी संख्या 185/2015 दर्ज है।

पूरे अभियान के दौरान श्री श्रीधर पाटिल-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक सिटी, दक्षिण कश्मीर, निरीक्षक मसरत अहमद, सहायक उप निरीक्षक फेयाज़ अहमद ने अपने जीवन की परवाह किये बगैर असाधारण साहस/वीरता और अभियान संबंधी कौशल का परिचय दिया जिसके कारण खूंखार आतंकवादी का खात्मा करने में सफलता मिली। मृत आतंकवादी सोपोर इलाके के आसपास से गतिविधियाँ चला रहा था और अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके स्थानीय युवाओं को अपने नव-गठित संगठन लश्कर-ए-इस्लाम के लिए काम करने के लिए प्रेरित कर रहा था। वह इलाके के नागरिकों को मारने/सेलुलर फ्रेंचाइजी को धमकाने जैसी कई आतंकी/आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त था। उसका खात्मा आमतौर पर कश्मीर घाटी और विशेषकर सोपोर में शांति, कानून एवं व्यवस्था के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी और इसका लश्कर-ए-इस्लाम संगठन को बड़े झटके के अलावा सोपोर के समग्र सुरक्षा परिदृश्य पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ा है।

इस अभियान में सर्व/श्री श्रीधर पाटिल-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, मसरत अहमद मिर, निरीक्षक और फेयाज़ अहमद लोन, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02.09.2015 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 68-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री प्रभात कुमार, आईपीएस

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

यह प्रशस्ति पत्र दिनांक 18.08.2015 को रांची पुलिस के छोटे दल के विशिष्ट युद्ध कौशल एवं अविस्मरणीय बलिदान का द्योतक है, जिसमें उन्होंने अपनी दिलेरी साबित की और दुश्मनों पर उनके ही इलाके में अचानक त्वरित हमला करके उन्हें चकित कर दिया और तत्पश्चात पांच सदस्यों के साहसी एवं दृढ़निश्चयी हमला दल न केवल खतरनाक नक्सली कमांडर कलिका मुंडा उर्फ चन्दन को मार गिराने में सफल हुआ बल्कि उसके शव और एके 47 भी साथ लाने में सफल रहा।

कलिका मुंडा उर्फ चन्दन, सीपीआई (माओवादी) कुंदन पाहन गुट के क्षेत्रीय कमांडर के दिनांक 18.05.2015 को पुलिस स्टेशन खूँटी के अंतर्गत लधुप एवं दुलमी गाँव के वन क्षेत्र के निकट लेवी की बसूली के लिए एक स्थानीय ठेकेदार से मिलने के बारे में कारवाई योग्य सूचना प्राप्त होने के बाद, प्रभात कुमार, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रांची ने विशेष परिस्थिति और समय की कमी को देखते हुए एक छोटे दल के साथ अभियान शुरू करने का साहसिक निर्णय लिया ताकि आश्चर्य, तेज़ी और गुप्तता को बनाए रखा जा सके।

उनकी घृणित गतिविधियों को रोकने के लिए प्रभात कुमार, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रांची के नेतृत्व में हर्षपाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (ओपरेशन), रांची, एवं तीन अन्य कार्मिकों, जिसमें कांस्टेबल शाह फैसल, कांस्टेबल रामशंकर राम एवं ड्राइवर कांस्टेबल रामुल सवैया शामिल थे, को मिलाकर एक पांच सदस्यीय हमला दल का गठन किया गया। आकस्मिक स्थिति के दौरान हमला दल की मदद करने के लिए एक बारह सदस्यीय सहायता दल का गठन भी किया गया।

जानकारी की प्रमाणिकता की जांच करने, वाहन के विकल्प, ड्रेस कोड, हमला करने के लिए कार्मिकों के चयन, और सहायता समूह, संचार ड्रिल आदि के सम्बन्ध में गहन योजना तैयार करने के बाद, हमला दल 18.05.2015 को 13.30 बजे उच्चतर सैन्य संगठनों को पूर्व सूचना देते हुए मुख्य क्षेत्र की ओर आगे बढ़ा। इसके अलावा, आगे बढ़ने के दौरान, जोखिम के आकलन, सूचना की पुनर्पुष्टि के साथ साथ लेवी के लेनदेन के स्थल को चिन्हित करने का कार्य प्रभात कुमार, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रांची और हर्षपाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (ओपरेशन) द्वारा लगातार किया जा रहा था। लगभग 1500 बजे, इस अभियान संबंधी सूचना पुलिस अधीक्षक खूँटी के साथ भी साझा की गई, क्योंकि संभावित क्षेत्र खूँटी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता था।

खूँटी शहर से लगभग 25 किलोमीटर क्षेत्र दूरी तय करने के पश्चात लगभग 16:15 बजे जैसे ही हमला दल संभावित स्थल लधुप गाँव के पास पंहुचा, ड्राइवर कांस्टेबल सामुल सवैया की चौकन्ना निगाहों ने 7-8 हथियारबंद माओवादियों को नियमित परिधान में देखा और उसने हमला दल को तुरंत सावधान कर दिया। जवाबी कारवाई के कोई समय नहीं रहने और हमला दल और सहायक दल के बीच पर्याप्त दूरी को ध्यान में रखते हुए, दोनों कमांडरों प्रभात कुमार, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रांची और हर्षपाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (ओपरेशन) ने रणनीतिक रूप से आगे बढ़ने का निर्णय लिया।

तत्काल रणनीति के अनुसार, हमला दल ने वाहन को तुरंत खाली कर दिया और सावधानीपूर्वक लक्ष्य की ओर बढ़ने लगे। हमला दल मुश्किल से 40-50 गज पैदल आगे बढ़ा ही था कि माओवादियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। माओवादियों द्वारा की गई प्रारंभिक गोलीबारी साहसी ड्राइवर कांस्टेबल रामुल सवैया के लिए घातक सिद्ध हुई, जिसके सिर पर चोट लगी थी।

गोलीबारी के दौरान इस महत्वपूर्ण घड़ी में बहुमूल्य जीवन की क्षति से दृढ़निश्चयी एवं साहसी कमांडर प्रभात कुमार, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रांची एवं हर्षपाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (ओपरेशन) और उनके बहादुर जवान कांस्टेबल शाह फैसल, कांस्टेबल रमाशंकर राम के ज़ज्बे को डिगा नहीं सका और वे निडर होकर समुचित जवाबी कार्रवाई करते रहे।

गोलीबारी के दौरान जब प्रभात कुमार, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रांची को सीने पर गोली लगी और कांस्टेबल फैसल भी गोली लगने से घायल हो गए, तब स्थिति और बिगड़ गई। एक व्यक्ति के शहीद होने के बाद भी प्रभात कुमार, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रांची, हर्ष पाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), कांस्टेबल शाह फैसल, कांस्टेबल रमाशंकर राम की जबरदस्त सैन्य भावना अदम्य साहस, उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता, अत्यधिक आत्मविश्वास और वीरता के परिणामस्वरूप उनके भाग्य ने उनका साथ दिया और हमला दल की ओर से भीषण आक्रामक गोलीबारी ने माओवादियों के हौसले को पूरी तरह पस्त कर दिया और वे भागने लगे। हमला दल द्वारा किए गए इस लगातार हमले में कुछ माओवादी बुरी तरह घायल हो गए और इस तथ्य की बाद में तकनीकी सूचना से भी पुष्टि हुई।

25-30 मिनट की प्रचंड गोलीबारी के बाद प्रभात कुमार, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रांची, जिनके सीने पर पहले ही गोली लगी थी, के साहसिक और प्रेरणाप्रद नेतृत्व में सराहनीय राहत कार्य शुरू किया गया और उन्होंने इस कार्य को हमला दल के शेष बचे दो सदस्यों हर्ष पाल सिंह, अपर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) और कांस्टेबल रमाशंकर राम के साथ बखूबी अंजाम दिया। घायल और थके इन तीनों प्रभात कुमार, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रांची, हर्ष पाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) और कांस्टेबल रामशंकर राम ने जान के लिए खतरे वाली परिस्थिति में न केवल घायल कांस्टेबल शाह फैसल, शहीद ड्राइवर कांस्टेबल रामुल सवैया को वाहन में रखा, बल्कि मारे गए नक्सली के शव और उसकी एके 47 को भी उनके साथ वाहन में रखा। चूंकि ड्राइवर कांस्टेबल रामुल सवैया शहीद हो चुका था, इसलिए हर्ष पाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ने स्वयं वाहन चलाया और पुलिस अधीक्षक खूँटी को रास्ते में घटना के सम्बन्ध में अवगत कराया।

बाद में यह पता चला कि मारा गया अपराधी “कलिका मुंडा उर्फ चन्दन”, कुंदन पाहन गुट का सीपीआई (माओवादी) जोनल कमांडर था, जो झारखण्ड के चार जिलों अर्थात् रांची, खूँटी, सरायकेला, पश्चिम सिंहभूम में लाल आतंक फैलाने वाला एक प्रमुख चेहरा था और वह गंभीर प्रकृति के अनेक मामलों में वांछित था, सुरक्षा कर्मियों की हत्या के लिए जिम्मेदार था, आईईडी विस्फोट एवं घातक हमले करने का विशेषज्ञ था।

उपर्युक्त अभियान में, हमला दल के सदस्य प्रभात कुमार, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रांची, हर्ष पाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), रांची, कांस्टेबल शाह फैसल, कांस्टेबल रामशंकर रामे और ड्राइवर कांस्टेबल रामुल सवैया मानसिक रूप से दृढ़ होने के साथ-साथ हिम्मती और दृढ़-निश्चयी थे और उन्होंने अभूतपूर्व बुद्धिमत्तापूर्ण कार्य/योजना, तार्किक रूप से निर्णय लेने, अतुलनीय संकट प्रबंधन कौशल और अनुकरणीय सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया। यह वास्तव में प्रशंसनीय है कि यह वीरतापूर्ण कार्रवाई एक प्रतिकूल क्षेत्र में हुई जहाँ माओवादियों को उनके क्षेत्र में जाकर चुनौती दी गई और उनके पास छोटे से हमला दल को उड़ाने के लिए पर्याप्त हथियार और गोला-बारूद मौजूद था।

इस अभियान में श्री प्रभात कुमार, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रांची ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा परिणामस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03.06.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 69-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं : -

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. एम. राज कुमार, आईपीएस,
अपर पुलिस अधीक्षक
02. सन्दीप पुंजा मांडलिक,
उप निरीक्षक
03. राजेश डायनोबा खांडवे ,
उप निरीक्षक
04. नांगसू पंजामी उसेंडी,
नायक
05. निलेश जोगा मडावी,
कांस्टेबल
06. रमेश नकटू आत्राम,
कांस्टेबल
07. बबलु ददूराम पुंगडा,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 03.09.2015 को लगभग 12:00 बजे, आसूचना प्रकोष्ठ को विश्वस्त सूत्र से एक खुफिया सूचना मिली कि चिचोड़ा पहाड़ी क्षेत्र के निकट जंगलों में सीपीआई (माओवादी) पार्टी के 80-100 से अधिक सशस्त्र काडरों को घूमते हुए देखा गया है और वे सुरक्षा बलों पर हमला करने की योजना बना रहे हैं। इसके आधार पर एम. राज कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) के नेतृत्व में; सन्दीप मांडलिक, पीएसआई- आसूचना विंग; जयवंत जादव, पीएसआई –सी-60; विशाल चौहान, पीएसआई –सी 60; धेरे, प्रभारी पीएसआई येशु तुलावी पार्टी के साथ; थोराट, प्रभारी पीएसआई संजय वाचामी पार्टी के साथ; और राजेश खांडवे, प्रभारी पीएसआई नांगसू उसेंडी पार्टी (जो एओपी गोडालवाही में थे) के साथ उक्त क्षेत्र में अभियान चलाने की योजना बनाई गई। यह दल गडचिरोली से लगभग 1330 बजे अभियान के लिए निकल पड़ा। तदनुसार संजय वाचामी पार्टी एवं येशु तुलावी पार्टी के साथ एम. राज कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) , पीएसआई जयवंत जादव, विशाल चव्हाण, धेरे, थोराट एवं सन्दीप मांडलिक को निजी वाहनों से पथरगाटो जंगल क्षेत्र के निकट छोड़ा गया और उन्होंने चिचोड़ा पहाड़ी जंगल क्षेत्र की तरफ पैदल ही नक्सल-रोधी अभियान शुरू कर दिया। इसके साथ साथ, नांगसू उसेंडी पार्टी के साथ पीएसआई राजेश खांडवे को निजी वाहन से मर्केगांव जंगल क्षेत्र में छोड़ा गया और उन्होंने चिचोड़ा पहाड़ी जंगल क्षेत्र की तरफ पैदल नक्सल-रोधी अभियान शुरू कर दिया।

जब वे उक्त क्षेत्र में नक्सल रोधी अभियान चला रहे थे, तब लगभग 1630 बजे चिचोड़ा पहाड़ी जंगल क्षेत्र में सीपीआई 9 माओवादी, नार्थ गडचिरोली डिवीज़नल कमिटी सचिव जोगन्ना उर्फ़ घिसु उर्फ़ चिम्ला लिंगैया नरसिंह प्लान्टून दलम संख्या 3, पेंद्री, एलओएस; चटगाँव एलओएस एवं अन्य 50-60 हथियारबंद नक्सलियों ने अचानक नांगसू उसेंडी पार्टी को घेर लिया और पुलिस कार्मिकों को जान से मारने और अपने कब्जे वाले अवैध आग्नेयास्त्रों का प्रयोग करके उनके हथियार और गोलाबारूद छीनने के उद्देश्य उन पर घात लगाकर हमला किया।

अंधाधुंध गोलीबारी का शोर सुनकर, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) एम. राज कुमार के नेतृत्व वाला दल येशु तुलावी पार्टी और संजय वाचामी पार्टी के साथ तत्काल उस दिशा में आगे बढ़ा। टीले के निकट पहुंचकर, उन्होंने देखा कि 80-100 भारी हथियारों से लैस नक्सली

काडर पीएसआई राजेश खांडवे और नांगसू उसेंडी पार्टी पर घात लगाकर हमला कर दिया है और वे पुलिस पार्टी के प्रति भेदी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं और आपसे मैं एक दूसरे से कह रहे हैं कि इन पुलिस कर्मियों को मत छोड़ो, सबको मार डालो, जल्दी से उनके हथियार लूट लो। नक्सलियों ने टीले के ऊपरी क्षेत्र में रणनीतिक रूप से पोजीशन ले रखी थी और उन्हें बड़ी-बड़ी चट्टानों के पीछे सुरक्षित आड़ ले रखी थी और कई समूहों में व्यवस्थित थे और इनमें से तो कई प्रारंभ में दिखाई भी नहीं दे रहे थे। बचाव दल की गतिविधि को भांपकर, उन्होंने अपना क्रोध बचाव दल पर निकालना शुरू कर दिया और उन पर भी अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे। उन्हें गहरे हरे रंग के यूनिफार्म में और खतरनाक आप्रेयास्त्रों के साथ देखकर बचाव दल तुरंत समझ गया कि वे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सीपीआई (माओवादी) से सम्बन्ध रखते हैं।

पल भर में, जवानों एवं अधिकारियों ने संभव कवर लिया और अपने बचाव में उनकी दिशा में नियंत्रित गोलीबारी शुरू दी। इसके बाद भी, नक्सली रुके नहीं, बल्कि बचाव दल और पीएसआई राजेश खांडवे के साथ नांगसू उसेंडी पार्टी, जिन पर अत्यंत नाजुक परिस्थिति में घात लगाकर हमला किया गया था और जो अपने बचाव में जी-जान से जुटे हुए थे, पर अपना दबाव बढ़ा दिया।

इसी समय पीएसआई सन्दीप मांडलिक, विशाल चव्हाण, और धेरे के साथ येशु तुलावी पार्टी को साथ लेकर अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) एम. राज कुमार टीले के दक्षिणी छोर से आगे बढ़ने लगे; उन्होंने संजय वाचामी पार्टी के साथ जयवंत जादव, थोराट को बड़ी चट्टानों के पीछे कवर लेते हुए जमीन से आगे बढ़ने का आदेश दिया, उन्होंने बचाव दल पर टीले के दक्षिणी छोर से भारी हमला शुरू कर दिया।

रणनीतिक रूप से कमजोर स्थिति में होने और केवल 7 सदस्यों वाले एक छोटे दल के साथ होने और भारी हथियारों से लैस नक्सलियों के बड़े समूह से सामना होने के बावजूद भी, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) एम. राज कुमार ने सी-60 कमांडों के दल का नेतृत्व किया और नक्सलियों द्वारा गोलियों की बौछार के बीच आक्रामकता के साथ टीले पर आगे बढ़ना शुरू कर दिया। श्री एम. राज कुमार के इस जोखिम भरे कार्य का अंदाजा नक्सलियों को नहीं था और इस पुलिस दल को आगे बढ़ने से रोकने के लिए उन्हें फिर से एकजुट होना पड़ा। नक्सलियों के तेज़ हमलों से बेपरवाह, श्री एम. राज कुमार के नेतृत्व में दल में नक्सलियों पर इतना भयानक आक्रमण शुरू कर दिया कि उन्हें भारी आघात पहुंचा। नक्सलियों द्वारा भारी हमले बीच टीले पर चढ़ाई कर रहे एक छोटे से पुलिस दल के इस अचानक हमले ने उन्हें वहां से हटने के लिए विवश कर दिया। ऐसा करते समय, दल के कई सदस्य नक्सलियों की गोलियों से बचते हुए फिसल कर गिर पड़े। इस दौरान, एम. राज कुमार कवर की सुरक्षा से बाहर निकल पड़े और नक्सलियों पर हमला करने के लिए खुद को नक्सलियों की गोलियों के बौछार के सामने लाकर अपने दल के सदस्यों की जान बचा ली। नक्सलियों द्वारा उन पर एके-एम से आक्रामक रूप से गोलीबारी के बीच एम. राज कुमार के हिम्मत और साहस से घृणित नक्सलियों की ओर आगे बढ़ने के इस कदम ने उनकी टीम को फिर से पोजीशन लेने के लिए कवर प्रदान किया और बल के मनोबल को भी ऊंचा बनाए रखा। इससे न केवल दल के सदस्यों की जान बची, बल्कि इससे टीले पर ऊपर चढ़ने में भी मदद मिली और नक्सलियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले के बीच फंसी नांगसू उसेंडी पार्टी को बचाने के लिए हमले को तेज़ करने में भी मदद मिली। इस संकट की घड़ी कठिन समय में एम. राज कुमार द्वारा आगे रह कर दिए गए साहसी नेतृत्व ने बल के मनोबल को ऊंचा बनाए रखा और नांगसू उसेंडी पार्टी पर नक्सलियों द्वारा घात लगाकर किये गए पूर्व नियोजित हमले को तोड़ने और कई पुलिस कर्मियों की जान बचाने में सहायता मिली।

एम. राज कुमार के साथ-साथ पीएसआई सन्दीप मांडलिक ने सी-60 कमांडो के एक दल का हमले के स्थान की तरफ ले जाने में नेतृत्व किया। पीएसआई सन्दीप मांडलिक ने आगे रहकर दल को नक्सलियों की गोलीबारी का वीरतापूर्वक सामना करने के लिए साहसिक नेतृत्व प्रदान किया। इससे नक्सलियों को बड़ा झटका लगा क्योंकि उन्हें पुलिस दल से तीन ओर से हमला झेलना पड़ा। अपनी जान की परवाह किये बगैर, पीएसआई सन्दीप मांडलिक नक्सलियों द्वारा किये गए तेज़ हमले के बीच हिम्मत के साथ आगे बढ़े और अपनी जान को जोखिम में डालकर नक्सलियों पर निर्भीक होकर गोलीबारी करके उनके आक्रामक हमले को नेस्तनाबूत कर दिया। पीएसआई सन्दीप मांडलिक द्वारा इस निरंतर एवं आक्रामक हमले ने घात को भेजने में मदद की और नांगसू उसेंडी पार्टी के साथ पीएसआई राजेश खांडवे द्वारा घात-रोधी हमले को गति प्रदान की।

प्रारंभिक हमले के दौरान, दस की पहली टुकड़ी सशस्त्र नक्सली काडरों की भारी एवं अंधाधुंध गोलीबारी के बीच घिर गई और कांस्टेबल बबलू पुंगाडा एवं रमेश अथराम नीचे गिर पड़े और कवर लेते समय घायल हो गए। अपने दल के सदस्यों को नीचे गिरते हुए देखकर, पीएसआई राजेश डायनोबा खांडवे, पार्टी कमांडर पीसी/2764 नांगसू पंजामी उसेंडी, एवं पीसी/2898 निलेश जोगा मडावी अपने दल के साथ, अपने सामने दिखने वाले हर पुलिस कर्मी को मार गिराने के उद्देश्य से अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे नक्सली काडरों की ओर आक्रामक रूप से आगे बढ़ने के लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण कदम उठाया। रणनीतिक रूप से कवर लेने के दौरान इस दल ने भी समुचित रूप से जवाबी करवाई की और इससे नक्सली नीचे गिरे हुए जवानों पर दबाव कम करने के लिए मजबूर हो गए। अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किये बिना बहादुरी भरे इस कदम से उन्हें आगे बढ़ने और नक्सलियों की सीधी गोलीबारी में फंसी टुकड़ी को कवर प्रदान करने का मौका मिल गया। इन तीनों ने अपने दल के सदस्यों की जान बचाने की एकमात्र एवं निःस्वार्थ मंशा के साथ नक्सलियों की गोलीबारी का निःस्वार्थ रूप से सामना करके अत्यंत हिम्मत और बहादुरी का परिचय दिया। उन्होंने दल के उन सदस्यों जो कि घायल थे और अपनी रक्षा करने की स्थिति में नहीं थे, को नक्सलियों की ओर आक्रामक रूप से गोलीबारी करके मानव कवर प्रदान किया।

इसके साथ-साथ, घायल होकर नीचे गिरने के बाद भी, पीसी/3024 रमेश नकटू आत्राम एवं एनपीसी/1592 बबलु ददूराम पुंगडा बहादुरीपूर्वक सुरक्षात्मक कवर से बाहर निकले और नक्सलियों की गोलीबारी के सामने आ गए ताकि वे नक्सली काइरों पर हमला कर सकें और अपने दल के सदस्यों का जीवन बचाने में सहायता कर सकें। उनके अप्रत्याशित हमले एवं बहादुरी से नक्सलियों पर हमला करने के बहादुरीपूर्ण कृत्य ने दल के शेष सदस्यों को मारने और उनके हथियार लूटने से नक्सलियों को रोक दिया।

पुलिस दल द्वारा विभिन्न दिशाओं से इस आश्चर्यजनक हमले और रणनीतिक पैतरे के पश्चात सशस्त्र नक्सली काइरों ने अपनी आक्रमकता बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस दल ने उनके दबाव के सामने घुटना नहीं टेका और उन्होंने अपनी रणनीतिक संरचना को बनाये रखते हुए उक्त नक्सलियों पर दबाव डालने का प्रयास किया। अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) एम. राज कुमार द्वारा प्रदान किये गए बहादुरीपूर्ण नेतृत्व और अपनी जान की परवाह किये बिना नक्सलियों द्वारा आक्रामक रूप से गोलीबारी के दौरान निःस्वार्थ और बहादुरी से आगे बढ़ने की कारवाही ने नक्सलियों को वहां से बेदखल कर दिया और अन्य सदस्यों को पूरी तरह से लड़ने के लिए भी प्रेरित किया। इसी समय, पीएसआई सन्दीप मांडलिक ने अत्यंत कठिन और दुर्गम क्षेत्र में एक छोटे दल का नेतृत्व करके महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। इसके साथ साथ पीएसआई राजीव खांडवे, पार्टी कमांडर पीसी/2764 नांगसू पंजामी उसेंडी, पीसी/2898 निलेश जोगा मडावी, पीवी/3024 रमेश नकटू आत्राम एवं एनपीसी/1592 बबलु ददूराम पुंगडा ने अपने दल के सदस्यों के साथ अपनी जान की परवाह किये बिना जबरदस्त सुरक्षा प्रदान की और अपने साथी पार्टी के जवानों की जान की रक्षा के लिए घृणित नक्सलियों से लड़ाई की। पुलिस दल द्वारा हिम्मतपूर्वक आगे बढ़ने और आक्रामक रूप से गोलीबारी के साथ इस त्रि-आयामी हमले ने नक्सलियों को पीछे धकेल दिया और उन्हें उनकी प्रभुत्वशाली पोजीशन से हटने के लिए विवश कर दिया। लगभग 70-80 मिनट तक भारी गोलीबारी के बाद, घात को तोड़ दिया गया हुई और नक्सलियों ने यह महसूस करने के बाद कि वे पुलिस दल को निशाना नहीं बना सकते हैं, घने जंगलों, पहाड़ी के भारी जोखिम और कम होती हुई दिन की रोशनी का भी का फायदा उठाते हुए भागना शुरू कर दिया।

गोलीबारी रुकने के तुरंत बाद, पुलिस दलों ने अभियान क्षेत्र में तलाशी शुरू कर दी, जसके दौरान दो .303 राइफल; एक 315 राइफल; एक 12 बोर सिंगल बैरल राइफल; 16 जिन्दा राउंड और .303 राइफल का एक खाली केस, एक 36" एचई ग्रेनेड, एक 4 सेकेण्ड फ्यूज़, ग्यारह डेटोनेटर, एक कैमरा फ्लैश, (आईईडी सक्रिय करने के लिए), चार रेडियो सेट, एक बैंक पैक, चार छाते, ढेर सारी मेडिकल किट, प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) पार्टी का साहित्य, सीपीआई (माओवादी) पार्टी से सम्बंधित अन्य सामग्री बरामद की गई। गहरे हरे रंग की फटीग वर्दी में गोलियों से घायल एक महिला भी अचेतन अवस्था में मिली। निकटवर्ती क्षेत्रों में खून के छींटे भी पाए गए। उसे उठाया गया और सबसे नजदीकी स्थान से उसे गढ़चिरोली के सरकारी जनरल अस्पताल भेजा गया। बाद में घटना स्थल की तलाशी के दौरान गहरे हरे रंग की वर्दी में बाकी-टाकी सेट के साथ एक और पुरुष नक्सली काइर का शव मिला और घटना स्थल से 21 जिन्दा राउंड के साथ .303 राइफल के पाउच भी बरामद किये गए। उनकी पहचान खूंखार नक्सली कमांडर नामतः कुम्मे उर्फ रंजू उर्फ जीजा माजी, सीपीआई (माओवादी) के कंपनी संख्या 10 के पीपीसीएम और प्रमोद पोतावी, सीपीआई (माओवादी) पार्टी के प्लाटून संख्या 3 के उप-कमांडर के रूप में की गई।

इस अभियान में सर्व श्री एम. राज कुमार, आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक, सन्दीप पुंजा मांडलिक, उप निरीक्षक, राजेश डायनोबा खांडवे, उप निरीक्षक, नांगसू पंजामी उसेंडू, नायक, निलेश जोगा मडावी, कांस्टेबल, रमेश नकटू आत्राम, कांस्टेबल और बबलु ददूराम पुंगडा, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं और परिणामस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03.09.2015 से दिया जायेगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 70-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, मेघालय पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. बिचिंग एन. मारक,

निरीक्षक

02. कोडोर शोहटन,
कांस्टेबल
03. किंगस्टार मोमिन,
एफएम

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24 मई, 2015 सुबह एक ए-श्रेणी की खुफिया सूचना मिली कि अचिक सोंगाना कोटोक (एएसएके) के तीन खतरनाक आतंकवादी गारोबाधा के निकट बोलचुगरे गांव के एक मकान में ठहरे हुए हैं और उनके पास भारी मात्रा में हथियार हैं।

तुरंत तीन पार्टियों अर्थात् हमला टीम और 2 (दो) कट-ऑफ टीमों सहित एक अभियान दल का गठन किया गया। अभियान तुरंत शुरू किया गया। अभियान के दौरान, जब हमला दल लक्ष्य मकान की तरफ आगे बढ़ रहा था, तब निरीक्षक बिचिंग एन. मारक और उनके दल ने अत्याधुनिक हथियारों से लैस छह आतंकवादियों को देखा। लेकिन चूंकि वे लक्ष्य मकान की तरफ आगे बढ़ रहे थे, इसलिए आतंकवादियों ने उन्हें देख लिया और उन पर भारी और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। दोनों तरफ से भारी गोलीबारी शुरू हो गई। निरीक्षक बिचिंग एन. मारक के नेतृत्व में बीएनसी/2886 कोडोर शोहटन एवं एफएम-किंगस्टार मोमिन, जो बाईं ओर थे, के साथ दल बहादुरी के साथ लक्ष्य मकान की ओर आगे बढ़ा। आतंकवादियों की ओर से भारी गोलीबारी के बीच अपनी जान को जोखिम में डालकर उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना किया और उसी समय गोलीबारी करते हुए वे लक्ष्य मकान की ओर आगे बढ़े। दोनों ओर से गोलीबारी समाप्त होने के बाद, क्षेत्र की तलाशी में एएसएके के दो खतरनाक आतंकवादियों (एल) ज्वाय स्टोन सीएच संगमा एवं (एल) नागलांग आर. मारक के शव बरामद किए गए। इन आतंकवादियों के कब्जे से एसबीबीएल गन, 7.65 एमएम पिस्टल, जिन्दा एसबीबीएल गोला-बारूद, हाथ से निर्मित बम, वाकी-टाकी हैंड सेट, इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, फ्यूज वायर आदि सहित कई आपत्तिजनक सामग्रियां बरामद की गईं। निरीक्षक बिचिंग एन. मारक ने पार्टी को नेतृत्वकर्ता के रूप में अभियान का दक्षतापूर्वक निष्पादन किया। उन्होंने गोलीबारी के दौरान अपनी जान की बिल्कुल परवाह नहीं की और अपने अदम्य साहस और वीरतापूर्ण कार्य का पर्याप्त साक्ष्य प्रदान किया।

इस मुठभेड़ में, सर्व/श्री बिचिंग एन. मारक, निरीक्षक, कोडोर शोहटन, कांस्टेबल और किंगस्टार मोमिन, एफएम ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24.05.2015 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 71-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. अनंत काड्राका,
कांस्टेबल
02. टेड्युराम्पा शबर,
कांस्टेबल
03. कुमार हुईका,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 16.05.2016 को, डांगमती गांव के निकट दाम्बाहारू पहाड़ी में बनसाधारा-धुमसर-नागावली क्षेत्र में 30 सशस्त्र माओवादियों के एक समूह द्वारा हिंसक एवं विघटनकारी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए वहां ठहरे होने बारे में सूचना प्राप्त होने पर, श्री के.शिवा सुब्रमणि, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, रायगढ़ ने उप निरीक्षक आर.आर. दास, उप निरीक्षक बी.बी. जयपुरिया एवं 23 डीवीएफ कमांडो सहित तलाशी अभियान के लिए डीवीई के एक दल का नेतृत्व किया। दाम्बाहारू पहाड़ी के निकट, जंगल के दो विभिन्न हिस्सों में तलाशी अभियान चलाने के लिए दल दो समूहों में बंट गया।

जब दिनांक 27.02.2016 को प्रातः लगभग 5 बजे डांगमती गांव के निकट के क्षेत्र में श्री के. शिवा सुब्रमणि, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, रायगढ़ के नेतृत्व में दल तलाशी कर रहा था, तभी उनका सामना सशस्त्र माओवादियों के एक समूह से हुआ जिसने उन पर अत्याधुनिक हथियारों से अचानक अंधाधुंध गालीबारी शुरू कर दी। उन्होंने ग्रेनेड भी फेंके, जिसमें सी/584, अनंत काड्राका, सी/250, टी.वाई. शबर, सी/594, कुमार हुईका घायल हो गए। इसके बाद, पुलिस दल ने सामने से जोखिमपूर्ण हमला करके प्रत्युत्तर दिया। सी/584 अनंत काड्राका, सी/250 टी.वाई. शबर, सी/399 बिरंची नारायण खानदापानी, सी/625 एन. बालाकृष्णन, सी/389 मनोज कुमार साबर, कुमार हुईका एवं श्री के.शिवा सुब्रमणि, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, रायगढ़, दल के जवानों की संख्या कम होने और अत्यधिक भौगोलिक अड़चनों के बावजूद भारी गोलीबारी का सामना करते हुए आगे बढ़े और बहादुरी पूर्वक लड़े, जिसने माओवादियों को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। गोलीबारी लगभग एक घंटा पंद्रह मिनट तक जारी रही।

इस अभियान में, माओवादियों के एक कैंप को तबाह कर दिया गया। दोनों ओर से गोलीबारी में माओवादियों का एक आतंकवादी नामतः मंडा काड्राका मारा गया। माओवादियों के कैम्प से एक देशी सेमी-ऑटोमेटिक पिस्टल, चीन का बना 7.65 एमएम पिस्टल, 9.2 एमएम कैलिबर के 2 देशी सिंगल शॉट पिस्टल, एक एसबीबीएल बंदूक, एक एसबीएमएल बंदूक, 7.62X51 एमएम एसएलआर की 5 मैगजीन, जिसमें प्रत्येक में 20 राउंड गोलाबारूद भरा हुआ था, 7.62X51 एमएम एसएलआर के 32 राउंड गोलाबारूद, 7.65X17 एमएम के 16 गोलाबारूद, 12 बोर के 21 गोलाबारूद, 410 मस्केट के 12 गोलाबारूद, 2 वायरलेस सेट, 2 वायरलेस स्कैनर, 2 खाली एसएलआर मैगजीन, 1 एचई ग्रेनेड, 12 चाकू, 3 पिस्टल पाउच, 2 टिफिन बम, 3 बंडल बिजली के तार, 3 मीटर कोडेक्स तार एवं अन्य वस्तुओं जैसी भारी मात्रा में माओवादी सामग्रियां बरामद की गईं।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री अनंत काड्राका, कांस्टेबल, टेड्युराम्पा शबर, कांस्टेबल और कुमार हुईका, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27.02.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 72-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, तेलंगाना पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. जी. सुरेश,
जे. सी.
02. एम. मुरली,
जे. सी.
03. बी. श्रीरामुलु,
ए. ए. सी.

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

इस आशय की विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर कि सीपीआई माओवादी के खम्माम, करीमनगर एवं वारंगल डिवीजनल कमिटी (केकेडब्ल्यू) के सशस्त्र गैर-कानूनी कौंडर तेलंगाना एवं छत्तीसगढ़ राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों में गैर-कानूनी अपराध करने के लिए घातक आग्नेयास्त्रों के साथ घूम रहे हैं, दिनांक 10.06.2015 को ग्रेहाउन्ड्स एवं छत्तीसगढ़ पुलिस की 4-यूनिटों के साथ एक संयुक्त अभियान चलाने की योजना बनाई गई। अभियान क्षेत्र तेलंगाना एवं छत्तीसगढ़ माओवादी दलों का अभेद्य गढ़ रहा है और घने वन क्षेत्र, पहाड़ियों और कई सहानुभूति रखने वाले लोगों के प्रचुर सहयोग के कारण उनके लिए सुरक्षित क्षेत्र और पुलिस दल के लिए पूरी तरह से दुर्गम क्षेत्र है। दिनांक 12.06.2015 को, जब पुलिस दल छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के आवापल्ली पुलिस स्टेशन सीमा क्षेत्र के अंतर्गत लंकापल्ली गांव के वन क्षेत्र के बाहर पूर्वोत्तर दिशा में आगे बढ़ रहा था, तभी सीपीआई माओवादी के सशस्त्र कांडरों ने पुलिस दल को देख लिया और उन्हें मारने के इरादे से उन्होंने पुलिस दल पर स्वचालित हथियारों से सटीक निशाने के साथ गोलीबारी शुरू कर दी और उन पर हथगोले से भी प्रहार किया। तथापि, गोलियों की भारी बौछार एवं ग्रेनेड विस्फोटों से बेपरवाह, श्री बी. श्रीरामुलु, एसीसी, जो यूनिट के प्रभारी थे, ने स्थिति को नियंत्रण में लिया और अपनी पहचान उजागर करते हुए माओवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। माओवादियों ने ऊँचे स्थान पर और बेहतर स्थिति में होने के कारण उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया और अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ना शुरू कर दिया। श्री जी. सुरेश एवं श्री एम. मुरली के साथ श्री बी. श्रीरामुलु अपने जीवन को जोखिम में डालते हुए साहसपूर्वक आगे बढ़े और आत्म-रक्षा में जवाबी कार्रवाई की जिसकी वजह से भारी गोलीबारी के बाद माओवादी उस क्षेत्र से भाग खड़े हुए। इन पुलिस कर्मियों की जवाबी कार्रवाई से यूनिट के अन्य कमांडो के जीवन की रक्षा की जा सकी। बाद में, जब हमला यूनिट ने क्षेत्र की जांच की, तो उन्हें तेलंगाना राज्य समिति के 3 खतरनाक माओवादियों के शव मिले और उन्होंने घटनास्थल से .303 की 2 राइफलें, 8 एमएम की 2 राइफलें, 01 एसबीबी, .303 की 04 मैगजीनें, .410 मस्केट के 14 राउंड आदि बरामद किए।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री जी. सुरेश, जे.सी., एम. मुरली, जे.सी. और बी. श्रीरामुलु, ए.ए.सी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12.06.2015 से दिया जाएगा।

पी.प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 73-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, तेलंगाना पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. च. वेंकटा श्रीनिवासारेड्डी,

ए.ए.सी.

02. पी. लक्ष्मनुडु,

जे.सी.

03. च. हरीश,

जे.सी.

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

खम्माम जिले के चेरला पुलिस स्टेशन की सीमा में चेन्नापुरम, पुट्टापडू और पेड्डामिडसिलेरू गांवों (तेलंगाना एवं छत्तीसगढ़ राज्यों की सीमा) के निकट हरिभूषण, सेक्रेटरी के नेतृत्व में सीपीआई (माओवादी) के टीएससी सदस्यों के घातक आग्नेयास्त्रों के साथ अपराध करने के लिए मौजूद होने की सूचना प्राप्त होने पर दिनांक 28.02.2016 को 6 ग्रेहाउन्ड्स इकाइयों के साथ एक संयुक्त अभियान की योजना बनाई गई।

दिनांक 01.03.2016 को पेड्डामिडसिलेरू (वी) में क्षेत्र की तलाशी के दौरान, पुलिस दल ने देखा कि गहरे हरे रंग की वर्दी में 2 महिला माओवादी हथियार लेकर उनकी ओर बढ़ रही हैं। च. वेंकटा श्रीनिवासा रेड्डी, ए.ए.सी. ने पूरे दल को मार्ग पर तुरंत घात लगाने के लिए सावधान किया और उन्हें जीवित पकड़ने के उद्देश्य से माओवादियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। किंतु माओवादियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी। भारी गोलीबारी का सामना करते हुए नामित व्यक्तियों च. वेंकटा श्रीनिवासा रेड्डी, पी लक्ष्मनुडु एवं च. हरीश ने अपनी जान को जोखिम में डालकर जवाबी गोलीबारी की और अदम्य साहस दिखाया एवं 2 महिला माओवादियों को मार गिराया। गोलीबारी बंद होने के बाद, उन्होंने दाईं ओर शत्रु की ओर से भारी विस्फोट और गोलियों की आवाज सुनी। च. वेंकटा श्रीनिवासा रेड्डी, ए.ए.सी. एवं उनके दल ने जमीन पर लेट कर और घुटनों के बल चलकर जवाबी गोलीबारी की और एक खतरनाक पुरुष माओवादी का पीछा किया। तत्पश्चात, जब नामित व्यक्तियों श्री पी. लक्ष्मनुडु एवं च. हरीश दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर (शत्रु के शिविर की तरफ) बढ़ रहे थे, तब माओवादियों ने बारूदी सुरंग का विस्फोट कर दिया। इसके जवाब में, उन्होंने माओवादियों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी और एक महिला माओवादी, जो दक्षिण-पूर्व दिशा में भाग रही थी, को मार गिराया। इसके अतिरिक्त, च. वेंकटा श्रीनिवासा रेड्डी, ए.ए.सी. एवं उनके दल ने दक्षिण-पूर्व दिशा में भाग रही एक और महिला माओवादी का पीछा किया और उसे मार गिराया। इकाई प्रभारी के निर्देश के अनुसार, पुलिस दल ने कोर क्षेत्र को कवर करते हुए शत्रुओं का पीछा किया और गोलीबारी के बीच आगे बढ़ते रहे। बाद में, हमला यूनिट ने क्षेत्र की जांच की और उन्हें 5 महिला और 3 पुरुष माओवादियों के शव प्राप्त हुए और उन्होंने घटना स्थल से 1 एके-47 राइफल, 1 एसएलआर, एम .303 राइफल, 45 एसएलआर राउंड आदि बरामद किए।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री च. वेंकटा श्रीनिवासा रेड्डी, ए.ए.सी., पी लक्ष्मनुडु जे.सी. और च. हरीश, जे.सी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01.03.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 74-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री सुशिल कुमार पाण्डेय,
उप निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22 अप्रैल, 2014 को, लगभग 1500 बजे, विश्वस्त सूत्र ने सूचित किया कि कालेश्वर में कम्पनी संचालित बेस (सीओबी) के लगभग 04 किमी दक्षिण में 'शक्तिपीठ' स्थल के निकट प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले मेले स्वचालित हथियारों के साथ सशस्त्र नक्सलियों का एक समूह मौजूद है। मेला का स्थल घने जंगलों से घिरे रावघाट की तलहटी में स्थित है।

तदनुसार, लगभग 1530 बजे श्री राजीव कुमार, सेकेण्ड-इन्-कमांड, 24 बटालियन बीएसएफ की कमान में 3 अधिकारियों, 19 अधीनस्थ अधिकारियों, बीएसएफ के 72 अन्य रैंकों एवं छत्तीसगढ़ पुलिस के कार्मिकों को शामिल करते हुए (कुल 100) एक छापा दल को छापा अभियान शुरू करने का कार्य सौंपा गया। अभियान दल को तीन समूहों में बांटा गया। पहले दल को लक्ष्य क्षेत्र के पश्चिम की ओर से बचकर भागने के रास्ते को अवरुद्ध करने के लिए रावघाट पहाड़ी पर अवरोध लगाने का कार्य सौंपा गया, दूसरे दल को लक्ष्य क्षेत्र के दक्षिण की ओर अवरोध लगाने तथा तीसरे दल को लक्ष्य क्षेत्र के पूरब की ओर मेंडकी नदी के तट पर घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया।

घेराबंदी करने का कार्य पूरा होने के पश्चात, लगभग 1610 बजे, अभियान दल ने चुपके से मेले में प्रवेश किया और माओवादियों की तलाश करना शुरू कर दिया। जब वे उनके करीब पहुंचने वाले थे, तब कुछ संदिग्ध नक्सलियों ने दल को देखकर भागना शुरू कर दिया। छापा दल ने उन्हें रूकने की चुनौती दी, तथापि एक संदिग्ध नक्सली ने अपनी पिस्तौल निकाल ली और आगे बढ़ रहे पुलिस दल पर चलाने के लिए

तान दी। उप निरीक्षक सुशिल कुमार पाण्डेय, जो अभियान दल के एक सदस्य थे, तुरंत हरकत में आए और उसे पकड़ने की कोशिश की। दोनों के बीच हाथापाई कुछ सेकेण्ड तक चली और अंततः उप निरीक्षक सुशिल कुमार पाण्डेय ने नक्सली को पकड़ लिया और उसकी भरी हुई पिस्तौल छीनने में सफल हो गए।

जांच करने पर यह पाया गया कि पिस्तौल यूएस में बनी 7.65 एमएम कैलिबर की थी, जिसमें 8 जिंदा राउण्डवाली मैगजीन भरी हुई थी। पकड़े गए नक्सली की पहचान संदीप उर्फ सियाराम सलाम पुत्र दुकारू राम साकिन, निवासी गांव दुदमी थाना-घोनदई, जिला-नारायणपुर (छत्तीसगढ़) के रूप में की गई। इस बीच, अभियान दल के अन्य सदस्य एक संदिग्ध नक्सली को पकड़ने में सफल हो गए। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 09 वोल्ट की बैटरी 01 चाइनीज और इन्सुलेशन टेप बरामद किया गया। उसकी पहचान शंकर कुमेटी, पुत्र परसू, निवासी गांव-कुरसई, थाना-अम्बेडा, जिला-कांकेर(छत्तीसगढ़) के रूप में की गई।

उप निरीक्षक (अब निरीक्षक) सुशिल कुमार द्वारा प्रदर्शित असाधारण साहस और वीरतापूर्ण कार्रवाई से न केवल एक खूंखार सशस्त्र नक्सली को पकड़ने में मदद मिली, बल्कि नागरिकों के साथ-साथ अपनी सैन्य टुकड़ी के बहुमूल्य जान भी बचाई जा सकी।

इस मुठभेड़ में श्री सुशिल कुमार पाण्डेय, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23.04.2014 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 75-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. किशोर कुमार,
कमांडेंट
02. अरुण कुमार,
हेड कांस्टेबल
03. प्रदीप कुमार सिंह,
कांस्टेबल
04. मनेष कुमार यादव,
कांस्टेबल
05. पठारे स्वप्निल हेमराज,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

जम्मू एवं कश्मीर में, अवंतीपुरा जिले का त्राल शहर आतंकवादी गतिविधियों के मामले में अग्रणी है। शहर में आतंकवादियों को काफी स्थानीय सहयोग मिलता है और इसलिए उनके लिए यहां कई आश्रय मौजूद हैं। जन समर्थन के कारण वहां आतंकवादियों के होने की सूचना शायद ही कभी बाहर आती है। किंतु दिनांक 02 मार्च, 2016 को, मीर मोहल्ला, गांव ददसारा (पुलिस स्टेशन त्राल, अवंतीपुरा) क्षेत्र में आतंकवादियों के मौजूद होने की सूचना सुरक्षा बलों तक पहुंची। सूचना के आधार पर, एक अभियान की योजना बनाई गयी और उसी दिन

लगभग 1600 बजे एसओजी त्राल एवं 42 आरआर के साथ सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन की सैन्यटुकड़ी द्वारा लक्ष्य क्षेत्र में एक संयुक्त सीएएसओ शुरू किया गया। घेराबंदी करते समय, सैन्यटुकड़ी एवं घर में छिपे आतंकवादियों के बीच भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। जहां एक तरफ सुरक्षा बल आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब देने में फंसे हुए थे, वहीं दूसरी तरफ ग्रामीणों द्वारा सुरक्षा बलों पर पथराव शुरू करने के कारण कानून व व्यवस्था की गंभीर स्थिति पैदा हो गई।

सुरक्षा बलों की कोशिश व्यर्थ जा रही थी क्योंकि गोलीबारी कई घंटों तक जारी रही। आतंकवादी अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित थे और सुरक्षा बलों पर भीषण गोलीबारी कर रहे थे। गोलीबारी योजनाबद्ध समय-सीमा से अधिक समय तक होती रही और अगले दिन कानून एवं व्यवस्था के और बिगड़ने की पूरी संभावना थी जिससे छिपे हुए आतंकवादियों को बचकर भागने में मदद मिल सकती थी। इसका सामना करने के लिए, कमरे में प्रवेश करके छिपे हुए आतंकवादियों पर अंतिम हमला करने का निर्णय लिया गया। घटना स्थल पर मौजूद सैन्यटुकड़ी कुछ बाध्यताओं के कारण अगली सुबह से पहले अंतिम हमला करने के लिए तैयार नहीं थी, इस पर चिंतित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपुरा ने महानिरीक्षक, कश्मीर ऑपरेशंस सेक्टर, सीआरपीएफ को फोन करके पूछा कि मध्यरात्रि के आसपास अंतिम हमला करने के लिए क्या एक तैयार एवं प्रेरित सीआरपीएफ दल मिल सकता है। वे तत्काल अपने एक बेहतरीन एवं बहादुर ऑपरेशनल कमांडर श्री किशोर कुमार, कमांडेंट 110 सीआरपीएफ को उनके दल के साथ भेजने पर सहमत हो गए।

प्रदर्शनकारियों ने ददसारा (लक्ष्य क्षेत्र) जाने वाली सभी मुख्य सड़कों को अवरुद्ध कर दिया था। श्री किशोर कुमार, कमांडेंट, 110 सीआरपीएफ ने अपनी रणनीतिक कुशाग्रता एवं चातुर्य का प्रदर्शन करते हुए मार्ग के बीच में पड़े सभी अवरोधों को हटा दिया और लगभग 2300 बजे लक्ष्य क्षेत्र तक पहुंच गए। उस समय दोनों तरफ से रूक-रूक कर गोलीबारी चल रही थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपुरा ने श्री किशोर कुमार, कमांडेंट को स्थिति एवं अन्य रणनीतिक जानकारी/तथ्यों के बारे में जानकारी दी एवं अंतिम हमला करने के लिए कहा। तत्काल कार्रवाई की हड़बडी से बचने के लिए, श्री किशोर कुमार ने रणनीति का पालन किया और लक्ष्य मकान के आसपास के क्षेत्रों की टोह ली।

इस जटिल परिस्थिति में जहां आतंकवादियों ने स्वयं को सुरक्षित कर लिया था और उनकी तरफ आ रहे सुरक्षाबलों की सभी गतिविधियों को देख रहे थे, यह सैन्य टुकड़ियों के लिए धैर्य, साहस एवं रणनीतिक श्रेष्ठता साबित करने की वास्तविक परीक्षा थी। बिना किसी चूक के हमला किया जाना था क्योंकि हवा में चारों तरफ से हो रही गोलियों की बौछार के बीच थोड़ी सी भी गलती अत्यंत घातक सिद्ध हो सकती थी। उपर्युक्त तथ्यों एवं जोखिमों से बेपरवाह, श्री किशोर कुमार ने चुनौती का सामना करने की हिम्मत दिखाई और अपने दल को अंतिम हमला करने के लिए तैयार किया। उन्होंने अपने दल को चार दलों में बांट दिया और उन्हें लक्षित मकान के चारों ओर रणनीतिक रूप से तैनात कर दिया। आतंकवादियों द्वारा भारी गोलीबारी के बीच, आपदा की परवाह किए बिना हेड कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी अरुण कुमार और कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी मनेष कुमार यादव के साथ श्री किशोर कुमार लक्ष्य मकान की ओर आगे बढ़े। कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी प्रदीप कुमार सिंह एवं कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी पठारे स्वप्निल हेमराज के साथ इस दल ने लक्ष्य मकान के दाहिनी ओर पोजीशन ली, जबकि तीसरे दल अर्थात् कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी तलीमुल इस्लाम एवं कांस्टेबल/बग करतार सिंह ने लक्ष्य मकान के बायीं ओर पोजीशन ले ली। चौथा दल कुछ दूरी पर सहायता/कवर गोलीबारी के लिए रणनीतिक रूप से तैनात था।

अपनी रणनीतिक दूरदर्शिता का उपयोग करते हुए, श्री किशोर कुमार ने कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी प्रदीप कुमार सिंह को लक्ष्य मकान पर यूबीजीएल राउंड चलाने और उसके उपरांत शेष टुकड़ी को छोटे हथियारों से गोलीबारी करने का निर्देश दिया। अचानक एवं भारी गोलीबारी काम कर गई क्योंकि इसने आतंकवादियों एवं उनकी गोलीबारी को दबा दिया। इसका लाभ उठाते हुए हेड कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी अरुण कुमार, कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी मनेष कुमार यादव, कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी प्रदीप कुमार सिंह एवं कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी पठारे स्वप्निल हेमराज के साथ श्री किशोर कुमार अपनी जान की परवाह किए बिना खुले रास्ते पर दौड़ पड़े और लक्ष्य मकान के मुख्य दरवाजे के दोनों ओर पोजीशन लेने के लिए अंतिम कुछ गज की दूरी तय की। इस जटिल परिस्थिति में और विधिवत तैयार शत्रु के विरुद्ध, सैन्यटुकड़ी ने पहले कमरे में प्रवेश किया और अनुकरणीय साहस तथा तेज फुर्ती दिखाते हुए कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी प्रदीप कुमार सिंह और कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी पठारे स्वप्निल हेमराज ने उस आतंकवादी पर गोली चला दी, जो ग्रेनेड फेंकने ही वाला था और उसे वहीं मार गिराया। उसके बाद उन्होंने दूसरे कमरे में प्रवेश किया और फिर कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी प्रदीप कुमार सिंह ने दो और राउंड यूबीजीएल चलाकर दो जीवित आतंकवादियों को खिड़की से बाहर नदी एवं जंगल से सटे पीछे आंगन में कूदने के लिए मजबूर कर दिया। अपनी जान एवं सुरक्षा की परवाह किए बिना, गोली लगने के बाद भी, श्री किशोर कुमार, हेड-कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी अरुण कुमार एवं कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी मनेष कुमार यादव ने आतंकवादियों का घर के बाहर पीछा किया और उनके जंगल में फरार होने से पहले उन्हें मार गिराया।

लम्बी और भीषण गोलीबारी के पश्चात, तलाशी के परिणामस्वरूप तीन खूंखार हिज्बुल मुजाहिदीन के आतंकवादी नामतः आशिक हुसैन भट, श्रेणी 'ए++', निवासी चुरसू, मो. आसिफ मीर, श्रेणी 'ए', निवासी मीर मोहल्ला, ददसारा एवं इशाक अहमद पर्रे, श्रेणी 'ग', निवासी लारीबल, त्राल के शव और निम्नलिखित गोलाबारूद (i) एके47 राइफल-3 (ii) एके47 मैग-7 (iii) ग्रेनेड-1, (iv) एके राउंड-122 बरामद हुए।

इस मुठभेड़ में, सर्व/श्री किशोर कुमार, कमांडेंट, अरुण कुमार, हेड कांस्टेबल, प्रदीप कुमार सिंह, कांस्टेबल, मनेष कुमार यादव, कांस्टेबल और पठारे स्वप्निल हेमराज, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03.03.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 76-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री नन्द किशोर प्रसाद,

सहायक उप निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

वर्ष 2015 और 2016 के प्रारंभ में श्रीनगर और जम्मू को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर सुरक्षा बालों के काफिले और रोड ऑपरेटिंग पार्टियों पर आतंकवादियों द्वारा कई हमले किये गये थे, जिसमें विशेष रूप से बिजबेहरा और अनंतनाग के बीच का क्षेत्र काफी संवेदनशील था। चूँकि बल द्वारा श्रीनगर और उधमपुर के बीच के क्षेत्र की सुरक्षा की जा रही थी इसलिए, कार्मिकों और वाहनों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर विधिवत विचार-विमर्श के उपरान्त रणनीतिक स्थानों पर मोबाइल गश्ती दल और पिकेट लगाये जा रहे थे।

ऐसे माहौल में, 03 जून 2016 को लगभग 16:15 बजे, बीएसफ काफिले की एक अप-कन्वाय बस (टाटा बस पंजीकरण संख्या पीबी 08 सी एक्स 4588), जो निहत्थे लोगों को ले जा रही थी, एसडीएच- बिजबेहरा, पुलिस स्टेशन बिजबेहरा, जिला अनंतनाग, जम्मू एवं कश्मीर, जो कि एक बहुत भीड़-भाड़ वाला क्षेत्र है, के निकट आतंकवादियों की ओर से भारी गोलीबारी में घिर गया। आतंकवादी एक संकरी गली से गोलीबारी कर रहे थे ताकि जवाबी गोलीबारी में उन्हें आसानी से भागने का रास्ता मिल सके। आतंकवादी की ओर से अचानक, भारी एवं अंधाधुंध गोलीबारी के कारण, बस के भीतर बीएसफ की टुकड़ी अपनी पोजीशन नहीं ले सकी और जवाबी कारवाई नहीं कर सकी। इस भीषण हमले में आतंकवादियों द्वारा की गई आरंभिक गोलीबारी में दस कार्मिक गोली लगने से घायल हो गए और इनमें से तीन कार्मिकों की घायल होने की वजह से मृत्यु हो गई।

गोलियों की आवाज़ सुनकर, सीआरपीएफ की 90वीं बटालियन के नन्द किशोर प्रसाद, बल संख्या 830410161, सहायक उप निरीक्षक/सामान्य ड्यूटी (अब सेवानिवृत्त), जो उस समय घटना स्थल से लगभग 150 मीटर दूर स्थित पिकेट संख्या 36/37 पर रोड ओपेनिंग पार्टी (आरओपी) के भाग के रूप में तैनात थे, बिना पुनर्विचार किये तुरंत हरकत में आ गए। सहायक उप निरीक्षक/सामान्य ड्यूटी नन्द किशोर प्रसाद, जो कि पचास की आयु के मध्य में थे, आयु को केवल संख्या मानते हुए तथा जबरदस्त फुर्ती, साहस और बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन करते हुए घटना स्थल की ओर बढ़े। गोलियों की बौछार की परवाह किये बगैर वे हमला की गई बस की ओर आगे बढ़ते रहे। क्षण भर में, वे घटना स्थल पर पहुंच गए। आतंकवादियों को जवाब देने के लिए पोजीशन की तलाश करते हुए वे गोलीबारी की दिशा की ओर आतंकवादियों की पोजीशन का सुआयना करते रहे। आतंकवादी अब भी सीमा सुरक्षा बल की बस पर लगातार गोली बरसा रहे थे। भारी गोलीबारी के बीच, जहाँ कोई भी हरकत घातक हो सकती थी, सहायक उप निरीक्षक/सामान्य ड्यूटी नन्द किशोर बस के निकट पहुंचे और बस के पीछे पोजीशन ले ली।

उन्होंने, बिना कोई समय गंवाए और अद्वितीय पराक्रम का प्रदर्शन करते हुए, अपने सटीक एवं प्रभावी गोलीबारी से आतंकवादियों पर जबरदस्त हमला किया। सहायक उप निरीक्षक/सामान्य ड्यूटी नन्द किशोर प्रसाद की ओर से अचानक और प्रभावी जवाब ने आतंकवादियों को चकित कर दिया और उन्हें कवर के पीछे शरण लेने के लिए मजबूर कर दिया। अपने लम्बे कैरियर से प्राप्त वृहद् अनुभव और रणनीतिक बुद्धिमत्ता का उपयोग करते हुए, नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए, सहायक उप निरीक्षक सामान्य ड्यूटी नन्द किशोर प्रसाद अत्यंत पेशेवर और नियंत्रित तरीके से आतंकवादियों पर गोलियों की बौछार करते रहे। इस बीच, घटना स्थल से लगभग 200 मीटर की दूरी पर

अवस्थित गोरिवान चौक पर कानून और व्यवस्था की झूटी के लिए तैनात सीआरपीएफ की 90वीं बटालियन का बीपी बंकर, भी घटना स्थल पर पहुंच गया। बंकर के भीतर मौजूद सैन्य टुकड़ी भी जारी मुठभेड़ में शामिल हो गई और इस तरह सुरक्षा बलों को और मजबूत किया। सैन्य टुकड़ी, खास तौर पर सहायक उप निरीक्षक/सामान्य झूटी नन्द किशोर प्रसाद द्वारा अप्रत्याशित रूप से जबरजस्त जवाबी कार्रवाई से भौचक्रे होकर आतंकवादी संकरी गलियों का फायदा उठाते हुए भाग गए। सैन्य टुकड़ी ने मुठभेड़ के दौरान गोलीबारी पर उल्लेखनीय नियन्त्रण दिखाया और नागरिकों को किसी भी प्रकार की संपार्श्विक क्षति नहीं होने दी। तत्पश्चात, सुरक्षा बलों ने उस क्षेत्र को घेर लिया और तलाशी अभियान शुरू कर दिया, लेकिन तब तक आतंकवादी बचकर भाग निकले थे।

इस पूरी घटना का सार यह निकला कि सहायक उप निरीक्षक/सामान्य झूटी नन्द किशोर प्रसाद ने अपनी उम्र को पीछे छोड़ते हुए असाधारण और निर्णायक जवाबी कार्रवाई का प्रदर्शन किया और बल की नई पीढ़ी के युवाओं के लिए एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। जैसाकि फ्रेंच दार्शनिक मिशेल डी मोंटेन ने कहा है, “पराक्रम दृढ़ता है, यह हाथ एवं पैरों से नहीं आता है, बल्कि साहस और आत्मा से आती है”, आवश्यकता पड़ने पर सहायक उप निरीक्षक/सामान्य झूटी नन्द किशोर प्रसाद ने दोनों हाथों से अवसर का लाभ उठाया और इसे साबित किया। सहायक उप निरीक्षक/सामान्य झूटी नन्द किशोर प्रसाद ने अपनी बुद्धिमत्ता, अनुकरणीय साहस, फौलादी जज्बे और असाधारण रूप से साहसिक प्रत्युत्तर से आतंकवादियों की कुटिल चाल को नाकाम कर दिया, अन्यथा वे और अधिक लोगों को हताहत कर सकते थे, क्योंकि बीएसएफ के काफिले की बस निहत्थे लोगों को ले जा रही थी।

इस मुठभेड़ में, श्री नन्द किशोर, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03.06.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 77-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री कोशल कुमार

हेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

उपायुक्त, अनंतनाग, जम्मू एवं कश्मीर के कार्यालय में स्थैतिक गार्ड झूटी के लिए सीआरपीएफ की 40 बटालियन की 'एफ' कम्पनी की प्लाटून तैनात की गई है। दिनांक 28 अप्रैल, 2017 को लगभग 1310 बजे, उपायुक्त के कार्यालय परिसर में स्थित जे.एण्ड.के. बैंक की टी.पी. शाखा में सुरक्षा बलों को मारने, उनके हथियार छीनने तथा बैंक के खजाने को लूटने के इरादे से दो अज्ञात आतंकवादी बैंक में प्रवेश कर गए।

सुरक्षा बलों के निकट पहुंचने के बाद, एक आतंकवादी नामतः राजा उर्फ ओवैश ने बैंक के मुख्य गेट पर सीआरपीएफ गार्ड के साथ झूटी कर रहे जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के एसपीओ वेल्ड सं. 74 नामतः फैयाज अहमद शेख का ध्यान भटकाने की नीयत से उनके साथ बातचीत करना शुरू कर दिया। इन गतिविधियों पर मुख्य गेट पर गार्ड कमांडर सीआरपीएफ की 40वीं बटालियन के हेड कांस्टेबल सं. 911124935 श्री कोशल कुमार ने गहन नजर रखी। इसी बीच, दूसरे आतंकवादी नामतः मुनीब-उल-इस्लाम ने पिस्तौल निकाल ली, उसे कपड़े के अंदर छिपा लिया तथा कोशल कुमार पर गोली चलाने का प्रयास किया। चौकसी और सतर्कता के कारण उन्होंने आतंकवादी की हरकतें पकड़ लीं तथा सेकेण्ड से भी कम समय में असाधारण साहस तथा त्वरित प्रतिक्रिया का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने आतंकवादी पर छलांग लगा दी तथा हाथापाई शुरू हो गई। अपनी उम्र को नजरअंदाज करते हुए कोशल कुमार अपने से कम उम्र के आतंकवादी से बहादुरी के साथ लड़े तथा उसे कड़ी चुनौती दी। हाथापाई के दौरान मौका पाते ही आतंकवादी ने कोशल कुमार पर गोली चला दी। गोली कोशल कुमार की दाहिनी तर्जनी अंगुली को भेदते हुए निकल गई जिससे उनकी अंगुली से खून की धारा बहने लगी। चोट लगने तथा कष्टकारी दर्द के बावजूद हेड कांस्टेबल कोशल कुमार ने आतंकवादी पर अपनी पकड़ ढीली नहीं की।

इससे पहले कि आतंकवादी गोली चलाने का दूसरा प्रयास करता, कोशल कुमार ने उसे सफलतापूर्वक निहत्था कर दिया क्योंकि हाथापाई के दौरान पिस्तौल उसके हाथ से फिसलकर जमीन पर गिर गई। इसके तुरंत बाद, आतंकवादी ने कोशल कुमार की राइफल पकड़ ली और उसे छीनने का प्रयास किया। अपनी तेज दर्द को नजरअंदाज करते हुए तथा विलक्षण प्रतिरोध क्षमता से अपने हथियार को पकड़े रखा एवं उसे जाने नहीं दिया। मौका को भांपते हुए, दूसरे आतंकवादी राजा उर्फ ओवैश ने जमीन से पिस्तौल उठा ली तथा कोशल कुमार पर गोली चला दी। हाथापाई के कारण, गोली निशाने से चूक गई तथा कोशल कुमार चमत्कारी ढंग से बच गए। अपने प्रयास को व्यर्थ जाते देख, राजा उर्फ ओवैश मुख्य प्रवेश द्वार की तरफ दौड़ा तथा छीनी हुई राइफल के साथ अपने सहयोगी के आने की प्रतीक्षा करने लगा। तथापि, यह महसूस करते हुए कि उसका साथी फंस गया है और बच निकलने की कोई संभावना नहीं है, वह द्वार के बाहर तथा बाजार क्षेत्र में भीड़ का फायदा उठाते हुए घटना स्थल से भाग निकला। इस बीच, कोशल कुमार दूसरे आतंकवादी का अपनी पूरी शक्ति के साथ सामना करते रहे तथा उसे नियंत्रित करने में सफल रहे। शोर-शराबा सुनने पर तथा झूटी पर तैनाती संतरी द्वारा अलार्म बजाने पर खजाने के मोर्चे पर तैनात 40 बटालियन के कांस्टेबल मो. इरशाद खान सं. 0856341489 कोशल कुमार की सहायता के लिए दौड़े। कांस्टेबल इरशाद खान से सहायता प्राप्त होने पर, कोशल कुमार ने आतंकवादी पर पूरी तरह से काबू पा लिया तथा उसे पकड़ भी लिया। इसके बाद उसे एसएचओ थाना सदर, जिला अनंतनाग को सौंप दिया गया।

पकड़े गए आतंकवादी की बाद में जम्मू कश्मीर के सोपियां जिले में थाना 86, निवासी रेशीपुरा के हिजबुल मुजाहिदीन के मुनीबुल उस्लाम, पुत्र गुलाम हसन मल्ल के रूप में पहचान की गई। घायल हेड कांस्टेबल कुमार को चिकित्सा देखभाल के लिए तत्काल अनंतनाग जिला अस्पताल में स्थानांतरित किया गया।

इस मुठभेड़ में, श्री कोशल कुमार, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28.04.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 78-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. अजय नेगी
सहायक कमांडेंट
02. संतोष कुमार सुमन
सहायक कमांडेंट
03. महेन्द्र प्रताप सिंह
कांस्टेबल
04. बिजेन्द्र
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 08 दिसम्बर, 2015 को लश्कर आतंकवादियों के राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर हमला करने के लिए एक वाहन में श्रीनगर की तरफ आने के बारे में विशिष्ट आसूचना प्राप्त होने पर, एसओपी (जेकेपी) की सैन्य टुकड़ियों के साथ श्री संतोष कुमार सुमन की कमान में 110 बटालियन की सैन्य टुकड़ियों द्वारा जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के थाना पार्नपूरे के अंतर्गत जेकेईडीआई पमपोर में राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर एक संयुक्त नाका लगाया गया।

नाका के दौरान, लगभग 1730 बजे, श्रीनगर की तरफ आने वाले टाटा मोबाइल-207 वाहन, जिसका पंजीकरण सं. जेके22-5943 था, को सैन्य टुकड़ियों द्वारा नाका पर रोका गया। जैसे ही वाहन रुका, उसमें बैठे आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे पास से गुजर रही एक टैक्सी में बैठी महिला पर्यटक घायल हो गई। राजमार्ग पर चल रहे वाहनों पर खतरे को भाँपते हुए, सैन्य टुकड़ियां तुरंत हरकत में आयीं तथा यातायात को रोक दिया और पूरी सतर्कता के साथ प्रभावकारी ढंग से जवाबी कार्रवाई की तथा आतंकवादियों को भागने से रोक दिया।

इस बीच, गोलीबारी की आवाज सुनकर श्री अजय नेगी, एसी (ओसीबी/110 बटालियन), जो पास में स्थित खीव चौक में आरओपी ड्यूटी पर थे, घटनास्थल की तरफ दौड़े। अत्याधिक रणनीतिक कुशाग्रता एवं सूझबूझ का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने अपने बीपी वाहन को टाटा मोबाइल 207 के पास लगा दिया तथा उक्त वाहन पर लक्ष्य करके गोलीबारी शुरू कर दी और आतंकवादियों की कार्रवाई को नियंत्रित कर दिया। घटनास्थल के नजदीक में स्थित ए/110 बटालियन की टुकड़ियाँ भी बीपी बंकर में मौके पर पहुंच गईं। त्वरित कार्रवाई करते हुए, ए/110 के सीटी/जीडी महेन्द्र प्रताप सिंह तथा सीटी/जीडी बिजेन्द्र ने चतुराई से मोर्चा संभालते हुए बंकर के ऊपर से आतंकवादियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसी बीच, छह अन्य कार्मिकों के साथ एचसी/जीडी मनजीत सिंह की कमान में बी/23 बटालियन की एक टुकड़ी, जो अपनी ड्यूटी समाप्त कर श्रीनगर वापस आ रही थी, घटनास्थल पर पहुंची, लेकिन वह गोलीबारी में फंस गई। इससे पहले कि वाहन में बैठी सैन्य टुकड़ी जवाबी कार्रवाई करती, आतंकवादियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे वाहन में बैठे तीन कार्मिकों को चोट लग गई। शुरुआती चोट लगने के बावजूद, बिना डरे तथा मौके की नज़ाकत समझकर शांत रहते हुए, एचसी/जीडी मनजीत सिंह ने तुरंत अपनी वाहन को रोका तथा नीचे उतरे और बिना समय गंवाये गोलीबारी में शामिल हो गए। एचसी/जीडी मनजीत सिंह तथा सीटी/जीडी सेठी राम लक्षित वाहन पर ध्यान रखते हुए रणनीतिक रूप से मोर्चा संभाल लिया। दोनों ने अपने ऊपर भारी गोलीबारी के बावजूद प्रभावकारी ढंग से गोली चलाई तथा पीछे से भागने के रास्ते को बंद कर दिया। भारी गोलीबारी के बीच, सभी घायल जवानों को वहां से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

सैन्य टुकड़ियों ने काफी तालमेल के साथ भागने के सभी रास्ते बंद कर दिए तथा आतंकवादियों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। इस स्थिति को भाँपते हुए कि वे पूरी तरह से घिर गए हैं तथा बचकर भागने की कोई संभावना नहीं है, हताशा में, आतंकवादी ने टाटा मोबाइल वाहन चालक को बंधक बना लिया जबकि दूसरे आतंकवादी ने घायल पर्यटक को अपना ढाल बना लिया तथा दोनों आतंकवादियों ने एके राइफल तथा पिस्टल से एक साथ गोलियों की बौछार शुरू कर दी। यह महसूस करते हुए कि आतंकवादी सुरक्षा बलों को चकमा देने और बचकर भाग निकलने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे, श्री संतोष कुमार सुमन, एसी, ने अपने अंतिम प्रयास में अपनी सुरक्षा एवं संरक्षा की परवाह किए बिना भारी गोलीबारी के बीच रेंगते हुए आतंकवादियों की ओर गए। सटीक एवं अचूक निशाना लगाते हुए, उन्होंने एक आतंकवादी को मार गिराया। तेजी से कम होती रोशनी का फायदा उठाते हुए दूसरा आतंकवादी टाटा मोबाइल वाहन के दूसरी तरफ जाने में सफल रहा और उसने बीपी बंकर पर एक ग्रेनेड फेंका। सैन्य टुकड़ी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घातक ग्रेनेड विस्फोट से अपने आपको बचा लिया। जब आतंकवादी दूसरा ग्रेनेड फेंकने की कोशिश कर रहा था, तो सीटी/जीडी महेन्द्र प्रताप सिंह तथा सीटी/जीडी बिजेन्द्र के साथ श्री अजय नेगी, एसी ने बिना किसी सुरक्षा कवर के चारों तरफ से धावा बोल दिया। तीनों ने आतंकवादी पर सटीक एवं अचूक निशाना लगाते हुए प्रचंड रूप से हमला कर उसे गोली मार दी। गोली से घायल होने के बावजूद, आतंकवादी ने ग्रेनेड से पिन निकालने तथा सामने से आ रही पार्टी पर फेंकने का एक और प्रयास किया लेकिन पार्टी की तत्परता एवं स्फूर्ति ने उनके प्रयास को व्यर्थ कर दिया और उसे निष्क्रिय कर दिया।

भारी भीड़-भाड़ वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ घंटे चली भीषण मुठभेड़ न केवल एक प्रशिक्षित सैनिक द्वारा अर्जित कौशल की परीक्षा थी, बल्कि निर्दोष मानव जीवन को बचाने के लिए अपने साथी देशवासियों के प्रति उसकी चिंता तथा सहानुभूति की भी परीक्षा थी। नागरिकों का हताहत नहीं होना, सैन्य टुकड़ियों की संवेदनशीलता तथा मानवीय पक्ष का प्रमाण है। इस भीषण मुठभेड़ में, एलईटी के दो दुर्दान्त आतंकवादी जुनैद, 'ए'+श्रेणी, निवासी पाकिस्तान तथा शाकिर शौकत भट्ट, 'ए' श्रेणी, निवासी नौपोरा कलां, सोपोर, मारे गए। सैन्य टुकड़ियों ने मारे गए आतंकवादियों से एक एके-47 राइफल, एक पिस्तौल, दो हथगोले तथा विविध अस्त्र-शस्त्र बरामद किए।

इस मुठभेड़ में सर्वश्री अजय नेगी, सहायक कमांडेंट, संतोष कुमार सुमन, सहायक कमांडेंट, महेन्द्र प्रताप सिंह, कांस्टेबल, बिजेन्द्र, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08.12.2015 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 79-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. सुब्रमण्य जी.,
उप निरीक्षक
02. मोहम्मद अशरफ प्लोटे
कांस्टेबल
03. मंथीर सिंह,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14 मार्च, 2017 को गाँव कुन्नड़, थाना एवं जिला कुपवाड़ा, जम्मू एवं कश्मीर के चेची मोहल्ला के एक घर में 03-04 विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एस.एस.पी. कुपवाड़ा से विश्वसनीय आसूचना प्राप्त होने पर, 98 बटालियन, सीआरपीएफ के कमांडेंट द्वारा एसओजी, कुपवाड़ा (जेकेपी) के साथ एक अभियान की योजना बनाई गई। अभियान के दौरान बेहतर संचार एवं समन्वय के लिए 98 बटालियन की सैन्य टुकड़ी तथा एसओजी कुपवाड़ा को एक साथ मिला दिया गया। संयुक्त सैन्यटुकड़ी को दो दलों में बांट दिया गया, एक टीम एसओजी के उप निरीक्षक मोहम्मद इकबाल की कमान में तथा दूसरी टीम 98 बटालियन के उप निरीक्षक सुब्रमण्य जी. की कमान में लक्षित क्षेत्र में सैन्यटुकड़ियों की गतिविधियों को गुप्त रखने के लिए, एक टीम को सादा लिबास में रखा गया। तदनुसार, रणनीतिक चाल के तहत, एक टीम सादे लिबास में लगभग 1800 बजे बेस कैम्प से लक्षित क्षेत्र गाँव-कुन्नड़ के लिए रवाना हो गई, जिसके पश्चात दूसरी टीम 15 मिनट के अंतराल के बाद रवाना हुई।

गाँव कुन्नड़ के निकट पहुँचने पर, दोनों दलों ने अपना वाहन लक्षित घर से एक किलोमीटर दूर खड़ा कर दिया तथा आकस्मिकता एवं गोपनीयता बनाए रखने के लिए निर्धारित स्थल पर पैदल ही पहुँचे। स्थानीय लोगों की नजर से बचने के लिए, उप निरीक्षक मोहम्मद इकबाल (सादे लिबास में) के नेतृत्व में पहली टीम को घर की घेराबंदी करने के लिए उत्तर और पूर्व की दिशा से लक्षित क्षेत्र में प्रवेश कराया गया। जबकि, उसके पश्चात, उप निरीक्षक सुब्रमण्य जी. की कमान में दूसरी टीम भी लक्षित क्षेत्र में गुप्त रूप से गई तथा दक्षिण और पश्चिम दिशा से घर की घेराबंदी कर दी। लगभग 2045 बजे, 41 आरआर की दो टीमों भी अभियान में शामिल हो गई तथा तैनाती को मजबूत किया। घेराबंदी करने के बाद, भोर होने तक इंतजार करने का निर्णय लिया गया। बाद में, एसएसपी कुपवाड़ा, 98 बटालियन की क्यूएटी तथा 98 बटालियन की डी कंपनी भी तड़के सुबह अर्थात् 15 मार्च को उक्त स्थान पर पहुँची गई।

लगभग 0600 बजे, आतंकवादियों के ठिकाने एवं उनकी गतिविधियों का पता लगाने के लिए, सैन्यटुकड़ियों द्वारा लक्षित घर पर टॉर्च से रोशनी डाली गई। पहले तीन प्रयासों में लक्षित घर से कोई जवाब नहीं मिला, तथापि, चौथे प्रयास में आतंकवादियों ने रोशनी निकलने की दिशा पर टॉर्च बीम पर भारी गोलीबारी की। सुरक्षा बलों की रणनीति काम आई क्योंकि लक्षित घर में आतंकवादियों की मौजूदगी की अब पुष्टि हो गई। आरंभिक गोलीबारी के बाद, आतंकवादी संभवतः परिस्थिति का विश्लेषण करने के लिए काफी देर तक शांत हो गए तथा 0830 के आस-पास एक आतंकवादी ने घर के उत्तर-पूर्व तरफ की खिड़की से भारी गोलीबारी शुरू कर दी और भागने का प्रयास किया।

उस तरफ तैनात कांस्टेबल मोहम्मद अशरफ प्लोटे ने आतंकवादी की चाल को भांप लिया तथा उसे चुनौती देने का निर्णय लिया। मौके का फायदा उठाते हुए, उन्होंने तुरंत जवाबी कार्रवाई तथा असाधारण सूझबूझ का प्रदर्शन करते हुए तत्काल अपना स्थान बदला तथा रेंगते हुए उस स्थान तक गए जहाँ से वे आतंकवादी पर आसानी से हमला कर सकें। अपनी सुरक्षा पर ध्यान दिए बिना, कांस्टेबल मोहम्मद अशरफ प्लोटे सभी खतरों को नजरअंदाज करते हुए हरकत में आए तथा आतंकवादी पर प्रभावी गोलाबारी की, जिससे वह घटनास्थल पर ही मारा गया। इससे सुरक्षा बलों तथा छिपे हुए आतंकवादियों के बीच भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। आतंकवादियों ने घर में स्वयं को अनुकूल स्थान पर स्थापित कर रखा था, जिससे सुरक्षा बलों का प्रयास व्यर्थ जा रहा था। घर का ढाँचा मजबूत होने के कारण गोलियाँ प्रभावकारी साबित नहीं हो रही थीं। ऐसी परिस्थिति में, लगभग 1100 बजे आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए 41 आर.आर. की सैन्य टुकड़ियों ने लक्षित घर पर

रॉकेट से हमला किया। इससे भी घर का ढाँचा मजबूत होने के कारण बांछित परिणाम नहीं निकला, तथापि, इससे घर में आग लग गई। जैसे ही घर में आग फैली, आतंकवादियों के पास घर से बाहर भागने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा था। वे सुरक्षा बलों पर गोलियों की बौछार करते हुए घर से बाहर निकले तथा नजदीक स्थित एक सुनसान क्षेत्र में शरण ले ली।

आतंकवादियों की गतिविधि तथा स्थिति को लक्षित घर के निकट मोर्चा संभाले हुए उप निरीक्षक सुब्रमण्य जी. तथा कांस्टेबल मंथीर सिंह ने देख लिया। इस बात की संभावना थी कि आतंकवादी सुनसान क्षेत्र का फायदा उठाते हुए घटनास्थल से भाग सकते हैं। तथापि, उक्त दोनों किसी भी परिस्थिति में उन्हें नहीं जाने देने के लिए प्रतिबद्ध थे चाहे इसके लिए उन्हें कोई भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े। एक साहसी कदम उठाते हुए तथा सभी जानलेवा खतरों को धता बताते हुए वे आतंकवादियों के नजदीक पहुंचने के लिए अपने सुरक्षित ठिकानों से बाहर निकले। भारी गोलीबारी के बीच जहाँ गोलियाँ मौत की शकल में चल रही थीं, वे दोनों आतंकवादियों के निकट आ गए तथा उन्हें चुनौती दी। चुनौती दिए जाने पर, आतंकवादियों ने उन दोनों पर गोलियों की बौछार कर दी। आतंकवादियों द्वारा चलाई गई गोलियाँ अपने लक्ष्य से बाल-बाल चूक गईं, लेकिन उन शूरवीरों के साहस को डिगा नहीं पायीं। उप निरीक्षक सुब्रमण्य जी. तथा कांस्टेबल मंथीर सिंह ने अपने जीवन पर भारी खतरे को नजरअंदाज करते हुए जवाबी हमले के लिए स्वयं को तैयार भी किया। सफलता के लिए अदभुत स्फूर्ति तथा असाधारण रूप से मजबूत इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने सारी सावधानियों को ताक पर रख दिया और दोनों आतंकवादियों पर अपने हथियारों से सटीक गोलीबारी करते हुए हमला कर दिया तथा दोनों को ढेर कर दिया। बाद में, मारे गए आतंकवादियों की पहचान अबू माला, अबू मंसूर तथा अनस भाई (सभी पाकिस्तान से आए लश्करे तोयबा के श्रेणी 'क' आतंकवादी) के रूप में की गई। मुठभेड़ के दौरान, जम्मू कश्मीर पुलिस का एक कांस्टेबल नामतः दानिश अहमद समीर गोली लगने से घायल हो गए। घटनास्थल की तलाशी लेने पर, वहां से 3 असॉल्ट राइफलों, 11 मैगजीनों, 280 राउंड, 4 चीनी ग्रेनेड, एक वायरलेस सेट, 2 यूबीजीएल सिलिंडर, एक जीपीएस तथा एक मैट्रिक्स शीट भी बरामद की गई।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री सुब्रमण्य जी., उप निरीक्षक, मो. अशरफ प्लोटे, कांस्टेबल और मंथीर सिंह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 15.03.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 80-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

- | | | |
|-----|---|---|
| 01. | राजेश कुमार,
कमांडेंट | (वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार) |
| 02. | संजय कुमार,
उप कमांडेंट | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |
| 03. | राजेन्द्र नाथ मल्लिक,
सहायक कमांडेंट | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |
| 04. | कमल सिंह बघेल,
हेड कांस्टेबल | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |
| 05. | मनोहर लाल मीणा
कांस्टेबल | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |

06. रंजन कुमार साह,

(वीरता के लिए पुलिस पदक)

कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04 मार्च, 2017 की शाम को अवंतीपुरा के पुलिस अधीक्षक से शेख मोहल्ला, गांव-हाफू, थाना त्राल, पी.डी. अवंतीपुरा जिला-पुलवामा, जम्मू एवं कश्मीर के मोहम्मद रमजान गनाई के घर में दो खूंखार आतंकवादियों के होने की संभावना के बारे में विशेष सूचना प्राप्त होने पर, श्री राजेश कुमार, कमांडेंट की कमान में सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन की सैन्य टुकड़ी, 42वीं राष्ट्रीय राइफल्स की सैन्य टुकड़ी तथा एसओजी (जेकेपी) त्राल के द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी एवं तलाशी अभियान शुरू किया गया। योजना के अनुसार, संयुक्त सैन्य टुकड़ी ने आतंकवादियों को भाग निकलने से रोकने के लिए सभी अनुकूल स्थानों को कवर करते हुए लक्षित घर तथा आस-पास के घरों के चारों तरफ अंदर एवं बाहर घेराबंदी कर दी। इसी बीच, आर.आर. के वरिष्ठ अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, अवंतीपुरा, एस.डी.पी.ओ. अवंतीपुरा तथा 130 बटालियन की एक टीम भी अभियान स्थल पर पहुंच गई।

एक बार लक्षित घर में आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हो जाने पर, घर के चारों तरफ घेराबंदी सख्त कर दी गई तथा भागने के सारे रास्ते पूरी तरह से बंद कर दिए गए। तत्पश्चात, आतंकवादियों को सैन्य टुकड़ियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने की उद्घोषणा की गई। इस उद्घोषणा पर ध्यान न देते हुए, आतंकवादियों ने इसका जवाब घेराबंदी पार्टी पर गोलियों की बौछार से दिया। इसके साथ, सुरक्षा बलों एवं आतंकवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई। सैन्य टुकड़ियां, आतंकवादियों की गोलीबारी का वीरतापूर्वक जवाब दे रही थीं लेकिन ये सभी गोलियां व्यर्थ जा रही थीं क्योंकि आतंकवादी लक्षित घर की दीवारों के पीछे पूर्ण रूप से सुरक्षित स्थिति में थे। चूंकि, गोलाबारी नाकाफी साबित हो रही थी, इसलिए नागरिकों एवं सुरक्षा बलों के जीवन की क्षति से बचने के लिए घर को उड़ाने का निर्णय लिया गया। यह कार्य 42 आर.आर. को सौंपा गया। जब 42 आर.आर. की टीम लक्षित घर में आईईडी लगाने का प्रयास कर रही थी, तब उन्हें आतंकवादियों ने देख लिया तथा उनके द्वारा की गई जवाबी गोलाबारी में 42 आर.आर. के अधिकारी घायल हो गए। इस कारण, लक्षित घर को गिराने का काम सुबह होने तक रोक दिया गया। दोनों तरफ से रूक-रूक कर गोलीबारी जारी रही।

स्थिति खराब होती जा रही थी, क्योंकि आतंकवादी, सुरक्षा बलों के साथ भीषण रूप से लड़ाई कर रहे थे तथा हार मानने के लिए तैयार नहीं थे। घर को उड़ाने का प्रयास भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। इस बात की पूरी संभावना थी कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति किसी भी समय बिगड़ सकती है। ऐसी हालत में, 180 बटालियन के कमांडेंट श्री राजेश कुमार असाधारण पहल एवं अपनी सैन्य टुकड़ी के प्रति विश्वास का प्रदर्शन करते हुए, रात के अंधेरे में ही आई.ई.डी. लगाने का प्रस्ताव रखा क्योंकि इस बात की संभावना थी कि अगली सुबह नागरिक इस अभियान को बाधित करेंगे। परस्पर परामर्श के बाद, उन्होंने 6 बहादुर सैनिकों की एक छोटी टीम का गठन किया तथा सामने से उनका नेतृत्व करने की चुनौती स्वीकार की। टीम में, श्री संजय कुमार, उप कमांडेंट ने अपने साथी कांस्टेबल मनोहर लाल मीणा के साथ लक्षित घर के अंदर आई.ई.डी. ले जाने और लगाने की अपनी इच्छा जतायी, जबकि श्री राजेन्द्र नाथ मल्लिक, सहायक कमांडेंट तथा उनके साथी कांस्टेबल रंजन कुमार साह ने उक्त दोनों लोगों से आगे जा कर हथियार से कवर एवं शील्ड देने की अपनी इच्छा जतायी। योजना को अंतिम रूप देने के बाद, श्री राजेश कुमार, कमांडेंट ने अपने साथी हेड कांस्टेबल कमल सिंह बघेल के साथ गोलीबारी के बीच पहला कदम उठाया तथा अपनी टीम को कवर फायर देने के लिए लक्षित घर की तरफ निडरता से आगे बढ़े। अत्यधिक साहस एवं फौलादी इरादे का प्रदर्शन करते हुए वे दोनों रणनीतिक रूप से लक्षित घर के काफी नजदीक बढ़े ताकि आई.ई.डी. ले जा रही टीम के लिए मार्ग प्रशस्त कर सकें और इस कार्य में श्री राजेन्द्र नाथ मल्लिक, सहायक कमांडेंट तथा उनके साथी विधिवत सहायता प्रदान कर रहे थे। एक अलंकृत एवं अनुभवी अधिकारी श्री संजय कुमार, जो आई.ई.डी. लगाने में माहिर थे, आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त खिड़की से घर में प्रवेश कर गए। उनके साथी मनोहर लाल मीणा वीरतापूर्वक उनके पीछे चले और सभी जानलेवा खतरों को धता बताते हुए काफी कम समय में घर के अंदर आई.ई.डी. रखने में उनकी सहायता की। उक्त सैनिकों द्वारा आई.ई.डी. को सफलतापूर्वक रखा गया तथा उसमें विस्फोट किया गया जिससे लक्षित घर गिर गया।

घर को गिराने के पश्चात, कुछ देर तक अवलोकन करने के बाद, लगभग 0330 बजे जब आर.आर. तथा एस.ओ.जी., जे.के.पी. की तलाशी टीम तलाशी के लिए गिरे ढाँचे के पास पहुंची, तब एक आतंकवादी मलबे से निकला तथा अंधाधुंध गोलीबारी शुरू करने के बाद ग्रेनेड भी फेंके। आतंकवादी के इस अचानक कृत्य के परिणामस्वरूप जे.के.पी. का एक जवान शहीद हो गया तथा चार अन्य गोली लगने से घायल हो गए। सन्निकट तैनात श्री राजेश कुमार तथा उनके साथी कमल सिंह बघेल ने इस स्थिति में त्वरित जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने प्रभावकारी गोलीबारी करके जवाबी कार्रवाई की तथा 42 आर.आर. के दो घायल कार्मिकों को सुरक्षित बाहर निकाला।

चूंकि आतंकवादी अभी भी जिन्दा थे लेकिन उनका पता नहीं लग पा रहा था, इसलिए उन्हें वहाँ से बाहर निकालने के लिए तड़के सुबह मलबे में आग लगा दी गई। मलबे से कोई प्रत्युत्तर/प्रतिक्रिया न होते देखकर, लगभग डेढ़ घंटे बाद, मलबे को साफ करने के लिए एक जे.सी.बी. मशीन के साथ 42 आर.आर., एस.ओ.जी. त्राल तथा 180 बटालियन के एक संयुक्त तलाशी दल को गिरे हुए घर की तलाशी करने के लिए पुनः भेजा गया। लगभग 1330 बजे, जब जे.सी.बी. की सहायता से मलबे को साफ किया जा रहा था, तब तलाशी दल पर पुनः गोलीबारी की गई जिससे जे.के.पी. का एक कांस्टेबल घायल हो गया। पुनः हेड कांस्टेबल कमल सिंह बघेल ने घायल कार्मिकों को श्री राजेश कुमार और राजेन्द्र नाथ की सहायता से सुरक्षित बाहर निकाला, जो एक शौचालय ब्लॉक पर रणनीतिक रूप से तैनात थे तथा आतंकवादियों के ठिकानों पर एल.एम.जी. से गोलीबारी कर रहे थे। दोनों तरफ से गोलीबारी निरंतर जारी थी।

24 घंटे तक रूक-रूक कर भयंकर गोलीबारी के बाद, यह महसूस करते हुए कि चतुराई से मोर्चाबंदी किए गए आतंकवादियों को प्रभावकारी तरीके से उलझाना भी पार्टी के लिए संभव नहीं था, इसलिए, अंतिम हमले के लिए सी.आर.पी.एफ. के संजय कुमार, उप कमांडेंट के साथ उनके साथी कांस्टेबल मनोहर लाल मीणा तथा आर.आर. के मेजर शक्ति सिंह के साथ उनके साथी को मिलाकर चार साहसी सैनिकों की एक संयुक्त टीम बनाई गई। अत्यधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में असाधारण पराक्रम का प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम के साथ संजय कुमार ने मलबे के ढेर की सहायता से आतंकवादियों के ठिकानों के नजदीक बढ़े। यह महसूस करते हुए कि मौत सामने खड़ी है, आतंकवादियों ने संजय कुमार पर काफी करीब से गोली चलाने का दुःसाहसिक प्रयास किया लेकिन अधिकारी ने यह उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कि ऐसी हिम्मत तोड़ने वाली परिस्थिति में उन पर क्यों भरोसा किया जाता है, उसके प्रयासों को सिफल कर दिया तथा काफी नजदीक से आतंकवादी पर गोली चलाई जिससे वह तत्काल वहीं पर ढेर हो गया। बाद में आतंकवादियों की पहचान हिजबुल मुजाहिदीन के अक़ीब अहमद भट्ट उर्फ मौलवी, श्रेणी 'ए++', पुत्र अब्दुल खलीक, निवासी हायना, थाना त्राल तथा जैश-ए-मोहम्मद के अबु हमस उर्फ सैफुल्लाह उर्फ ओसामा श्रेणी 'ए++', के विदेशी नागरिक तथा हिजबुल मुजाहिदीन के मुखिया सैय्यद सलाउद्दीन के निकट सहयोगी के रूप में की गई। दोनों में से प्रत्येक पर 12,50,000/-रु. का नकद इनाम था। मारे गए आतंकवादियों के पास से दो ए.के. 47 राइफलें तथा उसके अनुकूल मैगजीन एवं गोला-बारूद भी बरामद किया गया।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री राजेश कुमार, कमांडेंट, संजय कुमार, उप कमांडेंट, राजेन्द्र नाथ मल्लिक, सहायक कमांडेंट, कमल सिंह बघेल, हेड कांस्टेबल, मनोहर लाल मीणा कांस्टेबल और रंजन कुमार साहू, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05.03.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 81-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. विनय आनंद प्रकाश,
कमांडेंट
02. राजेश शाह,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30 जून, 2016 को जम्मू एवं कश्मीर में गाँव मालवाड़ी (नेवा) थाना एवं जिला पुलवामा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एस.पी. पुलवामा से सूचना प्राप्त होने पर, सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन के कमांडेंट श्री विनय आनंद प्रकाश की कमान में 183वीं बटालियन की सैन्य टुकड़ी ने एसओजी, जेकेपी तथा 55 आर.आर. के साथ घेराबंदी एवं तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया। संयुक्त बलों

के कमांडरों के साथ परस्पर परामर्श करके एक विस्तृत रणनीति बनाई गई और तदनुसार लक्षित घर के चारों तरफ एक रणनीतिक घेराबंदी की गई। श्री विनय आनंद प्रकाश की कमान में सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन की सैन्य टुकड़ी को 55 आरआर तथा एसओजी, जेकेपी के साथ आंतरिक घेराबंदी करने का काम सौंपा गया। सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन के दो बंकरों को भी लक्षित घर के पास रणनीतिक रूप से रख दिया गया।

निर्दोष नागरिकों की जिंदगी बचाने के लिए पहले स्थानीय निवासियों को लक्षित क्षेत्र से बाहर निकालने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, काफी सतर्कता बरतते हुए सैन्य टुकड़ियों ने आस-पास के आवासीय मकानों से नागरिकों को निकाल कर सुरक्षित क्षेत्र में लाया। उसके पश्चात्, सैन्य टुकड़ियों ने लक्षित घर के निकटवर्ती घरों को अपने कब्जे में ले लिया। उप निरीक्षक हरि मोहन सिंह के साथ कमांडेंट श्री विनय आनंद प्रकाश ने लक्षित घर के सामने मौजूद कवर के पीछे मोर्चा संभाल लिया।

जब सैन्य टुकड़ियाँ लक्षित क्षेत्र के नजदीक बढ़ रही थीं, तब आतंकवादियों ने सैन्य टुकड़ियों की उपस्थिति/गतिविधियों को भाँप लिया तथा बचकर भागने की कोशिश करते हुए अंधाधुंध गोलीबारी कर दी और उसके बाद सैन्य टुकड़ियों पर ग्रेनेड भी फेंके। ग्रेनेड उस स्थान के निकट गिरी, जहाँ श्री विनय आनंद प्रकाश, कमांडेंट और उसकी टीम तैनात थी। इस स्थिति में त्वरित कार्रवाई करते हुए, सैन्य टुकड़ियों ने स्वयं को घातक हमले से चमत्कारिक ढंग से बचा लिया क्योंकि गोलियाँ एवं ग्रेनेड के स्प्लिटर अपने लक्ष्य से बाल-बाल चूक गए थे। इसी बीच, सैन्य टुकड़ी हरकत में आयी तथा आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब दिया। आसन्न खतरे से भयभीत हुए बिना, श्री विनय आनंद प्रकाश, कमांडेंट, उप निरीक्षक हरि मोहन सिंह तथा कांस्टेबल राजेश शाह ने आतंकवादियों पर प्रभावकारी गोलीबारी की और उन्हें बचकर भागने का कोई और प्रयास करने से रोक दिया। जवाबी कार्रवाई में 55 आरआर तथा एसओजी, जेकेपी की सैन्य टुकड़ियों ने विधिवत सहायता प्रदान की। सुरक्षा बलों की त्वरित एवं प्रभावकारी जवाबी कार्रवाई ने आतंकवादियों को हतप्रभ कर दिया, क्योंकि वे कुछ देर तक जवाब नहीं दे सके।

सुरक्षा बलों के हमले से आक्रांत होकर, आतंकवादियों ने स्थिति की समीक्षा की तथा एक लम्बी शांति के बाद सैन्य टुकड़ियों की स्थिति का पता लगाते हुए उन्होंने सैन्य टुकड़ियों पर पुनः अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी जिसे दोबारा विफल कर दिया गया। यह पाते हुए कि सुरक्षा बलों पर गोलियाँ काम नहीं कर पा रही हैं, आतंकवादियों ने श्री विनय आनंद प्रकाश, कमांडेंट, जो उनके बचकर भागने के रास्ते में चट्टान बनकर खड़े हो गए थे तथा उनके लिए एक अवरोध बन गए थे, पर दूसरा ग्रेनेड फेंका। सैन्य टुकड़ियों की स्फूर्ति एवं प्रतिक्रिया ने ग्रेनेड से हमले के प्रभाव को पुनः निष्क्रिय कर दिया। आतंकवादियों पर जवाबी कार्रवाई करते हुए श्री विनय आनंद प्रकाश को आभास हुआ कि आतंकवादी घटनास्थल से बचकर भागने का दुःसाहसी प्रयास कर रहे हैं तथा वे सैन्य टुकड़ियों पर अपने हमले को तेज कर सकते हैं। इससे पहले कि आतंकवादी सुरक्षा बलों को कोई नुकसान पहुंचा सकें अथवा घटनास्थल से बचकर भाग सकें, उन्हें मार गिराने के लिए अग्रिम रणनीतिक कार्रवाई समय की माँग थी। एक साहसिक पहल ही एकमात्र विकल्प बचा था। इस अवसर पर, एक कमांडर के वास्तविक गुण का प्रदर्शन करते हुए श्री विनय आनंद प्रकाश ने अपने कंधे पर जिम्मेदारी लेने का निर्णय लिया। सारी सावधानियों को ताक पर रखते हुए तथा अनुकरणीय पराक्रम का प्रदर्शन करते हुए वे अपने सुरक्षित स्थान से बाहर निकले तथा आतंकवादियों पर प्रचंड रूप से हमला कर दिया।

इसी बीच, अपने कमांडर से प्रेरित होकर उप निरीक्षक हरि मोहन सिंह इस साहसिक कार्य में शामिल हो गए तथा अपनी प्रभावकारी गोलीबारी से आतंकवादियों पर हमला कर दिया। इन दोनों की इस निर्भीक एवं साहसिक कार्रवाई में कांस्टेबल राजेश शाह ने भी योगदान प्रदान किया। आतंकवादियों द्वारा उन पर भारी गोलीबारी किए जाने के बावजूद उन्होंने, अपने शत्रुओं पर गोलियों की बौछार शुरू कर दी। पराक्रमी शूरवीरों की निर्भीक एवं साहसिक कार्रवाई ने आतंकवादियों के प्रतिरोध को समाप्त कर दिया तथा उन्हें मार गिराया। मुठभेड़ पश्चात् तलाशी के दौरान, सैन्य टुकड़ियों द्वारा दो आतंकवादियों के शव बरामद किये गये, बाद में जिनकी पहचान लश्करे तोयबा के अबू अयान श्रेणी 'ए', निवासी पाकिस्तान तथा लश्करे तोयबा के मंजूर अहमद डार, श्रेणी 'एस', पुत्र अब्दुल राशिद डार, निवासी केसरीगाम, गुंडीबाग, काकापोरा, के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों से एक ए.के. राइफल मैगजीन के साथ एक पिस्तौल तथा गोलाबारूद बरामद किया गया।

इस मुठभेड़ में सर्वश्री विनय आनंद प्रकाश, कमांडेंट, राजेश शाह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 30.06.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 82-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. शंकर लाल जाट,
सहायक कमांडेंट
02. पंकज हालू,
सहायक कमांडेंट.
03. पंकज कुमार,
हेड कांस्टेबल
04. राम दुलारे,
कांस्टेबलश,
05. बलराम टुडू,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 05 जून, 2017 को तड़के आतंकवादियों के असभ्य हमले ने कश्मीर में बांदीपुरा जिला, थाना सम्बल के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र (प्रशिक्षण ग्राउंड) सम्बल में अवस्थित सीआरपीएफ की सीएवंडी 45 बटालियन की दो कम्पनियों की निश्चल शांति को भंग कर दिया। सड़क के किनारे अवस्थित होने तथा क्षेत्र की कोई उचित बाड़ न होने से कैम्प को केवल कंटीले तारों के बाड़ से सुरक्षित किया गया है जिसे कंसर्टिना कॉइल की परत से सुदृढ़ किया गया है।

उस निर्णायक दिन, लगभग 0335 बजे सी कम्पनी के बल सं. 145033655, कांस्टेबल के. दिनेश राजा तथा डी कम्पनी के बल सं. 110049648 कांस्टेबल, प्रफुल्ल कुमार क्रमशः मोर्चा सं. 1 तथा मोर्चा सं. 2 पर संतरी ड्यूटी पर थे। सी कंपनी के बल सं. 880901236 हेड कांस्टेबल ए.एस. कृष्णा कैम्प रात्रिकालीन गश्त ड्यूटी पर थे। जब मोर्चा सं. 1 एवं 2 पर संतरी सावधानीपूर्वक अपनी ड्यूटी कर रहे थे, तब उन्होंने सड़क के उस पार सेब के बागीचे में कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी। इससे पहले कि वे वास्तविकता को समझ पाते, उनकी तरफ गोलीबारी की बौछार शुरू हो गई। दोनों संतरियों ने भारी अस्त्र-शस्त्र से लैस आतंकवादियों को देखा जो अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए कैम्प की तरफ आगे बढ़ रहे थे। अचानक हमले ने संतरियों को भौंचक कर दिया तथा इससे पहले कि वे हमले का प्रभावकारी ढंग से जवाब दे पाते, आतंकवादी बागीचे से निकलने के बंद तेजी से सड़क पार कर गए और कैम्प की बाड़ की ओर दौड़े। आतंकवादी संतरियों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे और उनकी जवाबी कार्रवाई को रोकने के लिए ग्रेनेड भी फेंक रहे थे।

यह एक खतरनाक स्थिति थी। आतंकवादियों को कैम्प में प्रवेश करने से रोकने के लिए संतरियों को जवाबी कार्रवाई करनी थी, अन्यथा यह एक आपदा हो सकती थी। शुरूआती झटके से उबरते हुए, कांस्टेबल के. दिनेश राजा तथा कांस्टेबल प्रफुल्ल कुमार ने अपनी हिम्मत जुटाई तथा परिस्थिति के अनुसार खुद को ढाला। गोलियों की बौछार के बीच, उन्होंने आतंकवादियों पर धावा बोल दिया। गोलीबारी की आवाज सुनकर, हेड कांस्टेबल ए.एस. कृष्णा, गोलीबारी के बीच मोर्चा सं. 1 की तरफ दौड़े तथा कांस्टेबल के. दिनेश राजा के साथ जा मिले। इसी बीच, पूरे कैम्प को सतर्क करने के लिए संतरियों ने संतरी पोस्ट में लगे अलार्म को बजाया। आतंकवादी कैम्प में प्रवेश करने का हताशपूर्ण प्रयास कर रहे थे तथा इस कारण संतरियों पर भीषण गोलीबारी कर रहे थे। तथापि, तीनों वहीं डटे रहे तथा शांत एवं निश्चल भाव प्रदर्शित करते हुए, सौंपी गई ड्यूटी के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता दिखाते हुए तथा इस उथल-पुथल के बीच असाधारण साहस का प्रदर्शन करते हुए दुश्मन की गोलीबारी का जवाब दिया। इन तीनों की निर्भीक जवाबी कार्रवाई ने कंसर्टिना कॉइल की बाड़ के निकट तक पहुंचे तथा वायर कटर की मदद से तार काटने का प्रयास कर रहे आतंकवादियों को अक्षम बना दिया।

अलार्म तथा भारी गोलाबारी की आवाज ने डी कम्पनी के हेड कांस्टेबल पंकज कुमार (गार्ड कमाण्डर) को सतर्क कर दिया। वह तुरंत गार्ड रूम से बाहर आए तथा संतरियों के साथ मोर्च में शामिल हो गए। सी कम्पनी के कांस्टेबल बलराम टुडू तथा कांस्टेबल/बिगुलर राम दुलारे भी सतर्क हो गए और घुसपैठिये पर हमले को तेज करने के लिए तैयार मोर्चों की तरफ दौड़े। इसी बीच, सी. एवं डी. कम्पनी के कम्पनी कमाण्डर क्रमशः श्री शंकर लाल जाट, सहायक कमांडेंट तथा श्री पंकज हालू, सहायक कमांडेंट भी चारों तरफ सनसनाती गोलियों के बीच सैन्य टुकड़ियों के साथ जा मिले। ठोस रणनीतिक कुशाग्रता तथा असाधारण नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने तत्काल परिस्थिति का आकलन किया और कार्रवाई का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। गोलियों की बौछार के बीच, वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहे तथा आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी करने के लिए सैन्य टुकड़ियों का मार्गदर्शन करते रहे और उन्हें प्रेरित करते रहे। उनकी प्रभावकारी उपस्थिति तथा सहयोग ने सैन्य टुकड़ियों का मनोबल बढ़ा दिया।

बिजली की कड़क के बाद बारिश से मौसम खराब हो चुका था जिससे कैम्प में बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई और इस कारण हालत और बिगड़ गई। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम की वजह से आतंकवादियों को अपनी पोजीशन बदलने का अवसर मिल गया। इस नाजुक स्थिति में, प्रखर सूझबूझ प्रदर्शित करते हुए श्री पंकज हालू, सहायक कमांडेंट ने आतंकवादियों का पता लगाने के लिए परा-इलुमिनेटिंग बम दागने का आदेश दिया। परा-इलुमिनेटिंग बम ने क्षेत्र को प्रज्वलित कर दिया तथा सैन्य टुकड़ियों ने आतंकवादियों को अपने साथियों के साथ मिलने के लिए सड़क के पार से बाहरी बाड़ की तरफ दौड़ते हुए देखा। श्री शंकर लाल जाट, सहायक कमांडेंट के कुशल मार्गदर्शन में, हेड कांस्टेबल, ए.एस. कृष्णा, हेड कांस्टेबल, पंकज कुमार, कांस्टेबल राम दुलारे, कांस्टेबल, बलराम टुडू, कांस्टेबल के. दिनेश राजा तथा कांस्टेबल प्रफुल्ल कुमार के सामने से आ रहे आतंकवादियों पर गोली चलाई। कुछ देर के बाद यह भांपते हुए कि गोलीबारी रूक गई है, उस क्षेत्र की पूरी तरह से तलाशी ली गयी। तलाशी के दौरान, सैन्य टुकड़ियों ने 04 आतंकवादियों के शव के साथ 04 ए.के. राइफलों, 12 ए.के. मैगजीन, 142 राउंड 7.62x39 एम.एम. गोलाबारूद, 06 इजरायली नं. 26 ग्रेनेड, 03 चाइनीज ग्रेनेड, 01 यू.बी.जी.एस., 07 यू.बी.जी.एस. ग्रेनेड, 04 पाउच, 02 घड़ियाँ, 01 वायर कटर तथा 03 पेट्रोल से भरी 500 एम.एल. की पेट बोटल बरामद कीं।

मृत आतंकवादियों से की गई बरामदगी, सुरक्षा बलों को व्यापक रूप से हताहत करने के उनके मंसूबे का परिचायक है। उनकी पूर्ण सजगता, सूझबूझ तथा साहसिकता के कारण, सुप्रशिक्षित एवं सुसज्जित हथियारों से लैस विदेशी आतंकवादियों के समूह द्वारा एक बड़े फिदायीन हमले को सी, डी/45 बटालियन के बहादुर सैनिकों ने विफल कर दिया। यदाकदा ही किसी फिदायीन हमले को 15 मिनट में विफल किया गया है, जिससे यह बल के लिए एक शानदार उपलब्धि बन गया। मोर्चा सं. 1 तथा 2 पर संतरी की छूटी कर रहे कांस्टेबल के. दिनेश राजा तथा प्रफुल्ल कुमार ने अनुकरणीय सजगता का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादियों द्वारा सावधानीपूर्वक बनाई गई योजनाओं को शुरूआती दौर से ही विफल कर दिया था। हेड कांस्टेबल ए.एस. कृष्णा ने भी बिना समय गंवाए स्थिति का अंदाजा लगा लिया। उन्होंने बहादुरीपूर्वक कार्रवाई की तथा स्थिति का बहुत प्रभावकारी ढंग से जवाब दिया।

श्री शंकर लाल जाट, सहायक कमांडेंट तथा श्री पंकज हालू, सहायक कमांडेंट ने विशिष्ट नेतृत्व क्षमता तथा रणनीतिक कुशाग्रता का प्रदर्शन करते हुए सामने से अगुवाई की तथा भीषण मुठभेड़ में सैन्य टुकड़ियों का मार्गदर्शन किया जिससे बिना किसी नुकसान अथवा संपार्श्विक क्षति के अभियान को अत्यधिक सफलतापूर्वक अंजाम देना सुनिश्चित किया। हेड कांस्टेबल पंकज कुमार, कांस्टेबल बलराम टुडू तथा कांस्टेबल/बिगुलर राम दुलारे ने अपनी छूटी की जिम्मेदारियों को पूरा करने में अनुकरणीय पहल का प्रदर्शन किया। अलार्म और गोलीबारी की आवाज सुनकर, एक पल गंवाए बिना वे हरकत में आ गए। प्रचण्ड गोलीबारी के बीच, वे अपनी जान की परवाह किये बिना बैरक से बाहर निकल आए तथा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जगह पर मोर्चा संभाल लिया और आतंकवादियों को उलझाने में अपने सहयोगियों की सहायता की जिसके परिणामस्वरूप तत्काल उनका खात्मा किया जा सका। उनके निर्भीक साहस एवं बहादुरी ने उस दिन को उनकी यूनिट के नाम कर दिया।

इस मुठभेड़ में सर्वश्री शंकर लाल जाट, सहायक कमांडेंट, पंकज हालू, सहायक कमांडेंट, पंकज कुमार, हेड कांस्टेबल, राम दुलारे, कांस्टेबल और बलराम टुडू, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05.06.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 83-प्रेज/2018.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

- | | | |
|-----|-------------------------------------|---------------------------------------|
| 01. | दिलीप कुमार सिंह,
सहायक कमांडेंट | (वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार) |
| 02. | गोविंद सिंह,
कांस्टेबल | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |
| 03. | सहाम अंसारी,
कांस्टेबल | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |
| 04. | विश्वनाथ कुमार,
कांस्टेबल | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |
| 05. | अरूण कुमार,
कांस्टेबल | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |
| 06. | लाल सिंह डावर,
कांस्टेबल | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |
| 07. | हरीश कुमार,
कांस्टेबल | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |
| 08. | रतन लाल मीणा,
कांस्टेबल | (वीरता के लिए पुलिस पदक) |

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17.02.2016 को, इस आशय की एक विशिष्ट आसूचना प्राप्त हुई कि लगभग 40 सशस्त्र माओवादी कैडर अपने वरिष्ठ नेताओं के साथ सारण्डा के जंगल से खूंटी होते हुए राँची जिला में प्रवेश करने वाले हैं तथा आगे झुमरा एवं पारसनाथ की पहाड़ियों की तरफ जाएंगे। तदनुसार, दिनांक 17.02.2016 को सीआरपीएफ की 133वीं बटालियन द्वारा एक अभियान शुरू किया गया जिसमें रात्रि के दौरान घाघराबेड़ा के जंगल अर्थात् माओवादियों की आवाजाही के संभावित मार्ग में घात लगाई गई लेकिन माओवादियों से सम्पर्क स्थापित नहीं हो सका। दिनांक 18.02.2016 को लगभग 1700 बजे, इस आशय की सूचना पुनः प्राप्त हुई कि माओवादी आज रात खूंटी जिले में प्रवेश कर सकते हैं। चूंकि आसूचना महत्वपूर्ण थी, इसलिए 133वीं बटालियन के कमांडेंट श्री नीरज कुमार पाण्डेय ने राज्य पुलिस के साथ तुरंत अभियान की योजना बनाई एवं इसे आरंभ कर दिया।

माओवादियों को फंसाने के लिए, उन्होंने श्री दिलीप कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट को अपनी 45 सदस्यीय छोटी टीम के साथ घाघराबेड़ा के जंगल में घात लगाने का आदेश दिया। श्री पवन कुमार, एसडीपीओ की कमान में राज्य पुलिस की टुकड़ी भी मुख्य घात दल में शामिल हो गई। दो अतिरिक्त टीमों, जिसमें से एक टुकड़ी को श्री हर्षपाल सिंह, एएसपी(ऑप्स) के साथ 133वीं बटालियन के उप कमांडेंट श्री विजय शंकर सिंह की कमान में एसएसबी कैम्प, तैमारा में तैनात किया गया तथा दूसरी टीम को श्री रोहित कुमार, उप कमांडेंट की कमान में तैमारा के एस.एच.ओ. के साथ बुन्दु गाँव के नजदीक तैनात किया गया। इन टीमों ने 2030 बजे तक अपने-अपने स्थानों पर मोर्चा संभाल लिया।

श्री दिलीप कुमार, सहायक कमांडेंट ने जंगल में प्रवेश करने पर एक रणनीतिक स्थान अर्थात् रायसा नदी पर पुल की पहचान की जिसका माओवादियों को खूण्टी जिले में प्रवेश करने के लिए इस्तेमाल करना अपरिहार्य था। लेकिन पूर्णिमा की रात होने तथा कम पेड़-पौधों होने के कारण यह स्थान रणनीतिक रूप से ठीक नहीं था। इस प्रतिकूल परिस्थिति से निजात पाने के लिए, श्री दिलीप कुमार सिंह ने चारों तरफ से घात लगा दी तथा सैन्य टुकड़ियों की स्थिति को मजबूत कर दिया। घात लगाने के दौरान, श्री दिलीप कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट ने अन्य 11 कार्मिकों अर्थात् सीटी/जीडी गोविंद सिंह, सीटी/जीडी रतन लाल मीणा, सीटी/जीडी अरुण कुमार, सीटी/जीडी हरीश कुमार, सीटी/जीडी सद्दाम अंसारी, सीटी/जीडी लाल सिंह डावर तथा सीटी/जीडी पवन कुमार आदिवासी के साथ पश्चिम दिशा को निशाना बनाया जहाँ से माओवादियों की गतिविधि अपेक्षित थी। सीटी/जीडी विश्वनाथ कुमार, सीटी/जीडी एस.एस. कर्माकर, सीटी/जीडी विजय कुमार सिंह के साथ 8 कार्मिकों की अन्य टुकड़ी ने उत्तर-पश्चिम दिशा को निशाना बनाया। इसी प्रकार, छोटी टीमें बनाकर सभी दिशाओं को कवर कर लिया गया। लगभग 2130 बजे, श्री दिलीप कुमार सिंह की कमान वाले कार्रवाई दल ने पश्चिम दिशा से एक दल को अपनी तरफ कतारबद्ध होकर आते देखा। टीमों को तुरंत सतर्क कर दिया गया तथा यह सुनिश्चित करने के बाद कि संदिग्ध व्यक्ति हथियारों से लैस हैं, श्री दिलीप कुमार तथा श्री पवन कुमार, एसडीपीओ ने उन्हें रूकने तथा अपनी पहचान बताने की चुनौती दी। लेकिन, चुनौती पर ध्यान दिए बिना माओवादियों ने कार्रवाई दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी तथा सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई का मुकाबला करने के लिए उपलब्ध सुरक्षित स्थलों के पीछे एक साथ मोर्चा संभाल लिया। भौगोलिक तथा स्थलाकृतिक स्थिति के साथ माओवादियों की तादाद एवं उनकी गोलीबारी की क्षमता को देखते हुए तत्काल एवं साहसिक जवाबी कार्रवाई की आवश्यकता थी, इसलिए, श्री दिलीप कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट ने अपनी सैन्य टुकड़ी को प्रभावकारी एवं प्रचण्ड जवाबी कार्रवाई करने का आदेश दिया। इसके परिणामस्वरूप, माओवादियों एवं सैन्य टुकड़ियों के बीच नजदीक से भीषण गोलीबारी शुरू हो गई।

इसी बीच, माओवादियों ने स्वयं को संगठित किया तथा सैन्य टुकड़ियों पर अनेक दिशाओं से हमला शुरू करने के लिए छोटे-छोटे विभिन्न दलों का गठन किया। गोली की पहली शुरुआत, मुख्य कार्रवाई दल के दाहिने तरफ से हुई। हमले का मुकाबला करने के लिए, श्री दिलीप कुमार सिंह के आदेश पर सीटी/जीडी गोविंद सिंह तुरंत रणनीति रूप से दाहिनी ओर बढ़े तथा निरंतर गोलीबारी के बीच कई यूबीजीएल राउंड फायर किए। इसी बीच, माओवादियों की तरफ से चलाई गई एक गोली श्री दिलीप कुमार सिंह के हथियार में लगी मैगजीन को भेदते हुए निकल गई। लेकिन इस घटना से हतप्रभ हुए बिना, उन्होंने मैगजीन बदली तथा माओवादियों पर गोलीबारी पुनः शुरू कर दी। जब वे गोलीबारी करने में व्यस्त थे, तब सीटी/जीडी रतन लाल मीणा ने उन्हें सूचित किया कि सीटी/जीडी गोविंद सिंह घायल हो गए हैं। श्री दिलीप कुमार सिंह, तत्काल सीटी/जीडी गोविंद सिंह की तरफ दौड़े तथा उन्हें खींचकर एक सुरक्षित स्थान पर ले आए और उनके स्थान पर सीटी/जीडी रतन लाल मीणा को लगा दिया।

भीषण गोलीबारी के बीच श्री दिलीप कुमार सिंह ने एक माओवादी को एक पेड़ के पीछे से गोली चलाते देखा। माओवादी को निष्क्रिय करने के लिए उन्होंने सीटी/जीडी रतन लाल मीणा तथा सीटी/जीडी पवन कुमार आदिवासी को उन्हें कवर फायर देने का आदेश दिया, जबकि वे स्वयं रेंगते हुए एक अनुकूल स्थान तक गए तथा अपनी लक्षित गोलीबारी से माओवादी को मार गिराया।

माओवादियों को एक अन्य दल को एक गड्ढे में सुरक्षित रूप से मोर्चा संभाले हुए तथा सैन्य टुकड़ियों पर निरंतर गोलीबारी करते हुए देखा गया। चूंकि गड्ढे में छिपे माओवादियों पर प्रत्यक्ष रूप से गोलाबारी करना संभव नहीं था, इसलिए श्री दिलीप कुमार सिंह, सीटी/जीडी विश्वनाथ कुमार, सीटी/जीडी अरुण कुमार तथा सीटी/जीडी रतन लाल मीणा द्वारा गड्ढे की ओर एक के बाद एक ग्रेनेड फेंके गए। माओवादियों की गोलियों के समक्ष स्वयं को खतरे में डालकर ग्रेनेड फेंकने का साहसिक कृत्य अंततः फलीभूत हुआ क्योंकि कुछ माओवादी घायल हो गए थे जो उसके बाद सुनाई पड़ी चीखने की आवाज से स्पष्ट था।

माओवादियों को लगी चोट ने उन्हें और अधिक उग्र बना दिया तथा नुकसान का बदला लेने के लिए उन्होंने सैन्य टुकड़ियों पर गोलीबारी और तेज कर दी। माओवादियों पर जवाबी कार्रवाई करने के लिए, सीटी/जीडी सद्दाम अंसारी तथा सीटी/जीडी हरीश कुमार अपने ठिकाने से निकलते हुए एक ऐसे स्थान पर गए, जहां से वे माओवादियों पर और अधिक सटीक हमला कर सकें। अपेक्षित स्थान मिल जाने पर, उन दोनों ने माओवादियों पर गोलियों की बौछार कर दी तथा उन्हें घायल कर दिया, लेकिन भीषण गोलीबारी के दौरान सीटी/जीडी सद्दाम अंसारी स्वयं गोलियों से घायल हो गए। हमला तथा रणनीति काम कर गयी और यह लड़ाई सैन्य टुकड़ियों के पक्ष में परिवर्तित हो गई तथा कवर फायर की आड़ में माओवादियों ने वहां से भागना शुरू कर दिया। तथापि, 2330 बजे तक रूक-रूक कर गोलीबारी होती रही।

सुबह होने पर, तलाशी अभियान शुरू किया गया तथा दो एसएलआर, दो 303 राइफलों सात एसएलआर मैगजीनों, दो .303 मैगजीनों, एक एकेएम मैगजीन, 7.62 एमआईबीआई राइफल्स के 247 जिन्दा राउंड, .303 राइफल के 07 जिन्दा राउंड, एकेएम के 111 जिन्दा राउंड, एक जिन्दा एचई ग्रेनेड, माओवादी साहित्य, सिम कार्ड तथा 6,52,600/-रूपए नकद सहित दैनिक इस्तेमाल की अन्य सामग्रियों के साथ-साथ माओवादियों के 04 शव बरामद किये गए। बाद में, इस मुठभेड़ में शामिल एक गिरफ्तार माओवादी से इस बात की पुष्टि हुई कि मुठभेड़ के दौरान चार और माओवादी गोली लगने से घायल हुए थे।

इस अभियान में, कमांडरों एवं सैन्य टुकड़ियों की योजना, क्रियान्वयन, कमांड तथा उनके द्वारा प्रदर्शित अद्वितीय बहादुरी अदभुत एवं प्रशंसनीय थी। अभियान के दौरान, अधिकारियों एवं जवानों ने अत्यधिक जोखिम उठाया क्योंकि अपनी जान की परवाह किये बिना वे माओवादियों से आमने-सामने की लड़ाई लड़े तथा चार अन्य माओवादियों को घायल करने के अलावा चार माओवादियों को मार गिराया।

इस मुठभेड़ में सर्व/श्री दिलीप कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट, गोविंद सिंह, कांस्टेबल, सद्दाम अंसारी, कांस्टेबल, विश्वनाथ कुमार, कांस्टेबल, अरुण कुमार, कांस्टेबल, लाल सिंह डावर, कांस्टेबल, हरीश कुमार, और कांस्टेबल रतन लाल मीणा, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18.02.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January, 2018

No. 43-Pres/2018.—The President is pleased to award the President's Police Medal for Distinguished Service on the occasion of the Republic Day, 2018 to the under mentioned officers:—

1. SHRI SHAIK MOHD IQBAL, INSPECTOR GENERAL OF POLICE SOUTH ZONE, HYDERABAD, ANDHRA PRADESH, 500001
2. SHRI JANGAREDDI KOTESWARA RAO, COMMANDANT, APSP BATTALION, KAKINADA, ANDHRA PRADESH, 533001
3. SHRI KAMAL KANT VYAS, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE, LICENSING BRANCH, NCT OF DELHI, 110049
4. SHRI SURENDER KUMAR DAHIYA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, PUNJABI BAGH, NCT OF DELHI, 110026
5. DR. ARUN SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE, JIND, HARYANA, 126102
6. SHRI LAKHWINDER KUMAR, INSPECTOR, CID, PANCHKULA, HARYANA, 134109
7. SHRI JOGINDER PAUL SINGH, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001
8. SHRI BASHIR AHMAD KHAN, SSP, APC HUMHAMA, JAMMU AND KASHMIR, 119002
9. DR. B A MAHESH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, R&T BENGALURU, KARNATAKA, 560001
10. SHRI T R SURESH, COMMISSIONER OF POLICE, MANGALURU CITY, KARNATAKA, 575001
11. SHRI G A JAGADEESH, ACP, BENGALURU, KARNATAKA, 560030
12. SHRI SANJEEV DESHPANDE, DEPUTY COMMANDANT, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
13. SHRI NIRANJAN SINGH RAJPOOT, PLATOON COMMANDAR, SAF SAGAR, MADHYA PRADESH, 468002
14. SHRI GAJI RAM MEENA, ADDL DGP PRISONS, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
15. SHRI S JAGANNATHAN, ADDL DGP, TRAINING AND SPECIAL UNIT MUMBAI, MAHARASHTRA, 400001
16. SHRI BAJIRAO RAJARAM BHOSALE, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, WAGLE ESTATE THANE CITY, MAHARASHTRA, 400601
17. SHRI VINAYAK UMTA RAJPUT, SUB INSPECTOR, READER BRANCH SP OFFICE NANDURBAR, MAHARASHTRA, 425412
18. SHRI THANGKHANLAL GUTE, IGP, POLICE HQ MANIPUR, MANIPUR, 795001
19. SHRI CHAUENLAI SANGMA, ASSISTANT COMMANDANT, SF-10 GOLFING SHILLONG, MEGHALAYA, 793001
20. SHRI P C ALCHHUANAWMA, COMMANDANT, 1ST BN MAP, AIZAWL DISTRICT, MIZORAM, MIZORAM, 796008
21. SHRI JOSEPH HESSO, SP, DEF KOHIMA, NAGALAND, 797001
22. SHRI MANDEEP SINGH, SSP, SANGRUR, PUNJAB, 148001
23. SHRI RAM SINGH, SI STF INTELLIGENCE HEADQUARTERS, S A S NAGAR, PUNJAB, 160062
24. SHRI DALPAT SINGH RAJPUT, HEAD CONSTABLE, JODHPUR, RAJASTHAN, 342026
25. SHRI RAJEEV KUMAR, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, WELFARE, CHENNAI, TAMIL NADU, 600004
26. SHRI S MANOHARAN, JOINT COMMISSIONER OF POLICE, EAST ZONE, GREATER CHENNAI POLICE, EGMORE, CHENNAI, TAMIL NADU, 600008
27. SHRI JITENDER, ADGP & DIRECTOR (RBVRR), HYDERABAD, TELANGANA, 500091

28. SHRI NARENDER NARAYAN RAO CHUNGI, DSP, HYDERABAD, TELANGANA, 500004
29. SHRI RAKESH CHANDRA SAHU, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, BASTI, UTTAR PRADESH, 272001
30. SHRI JAWAHAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, JHANSI, UTTAR PRADESH, 284001
31. SHRI SHANTI SWAROOP, HEAD CONSTABLE, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH, 201001
32. SHRI RAMAKANT PANDEY, SUB INSPECTOR, POLICE HEAD QUARTER ALLAHABAD, UTTAR PRADESH, 211001
33. SHRI NARESH PAL SINGH, HEAD CONSTABLE, BAREILLY, UTTAR PRADESH, 243001
34. SHRI SWATENDRA PRAKASH SINGH, HEAD CONSTABLE, GAZIPUR, UTTAR PRADESH, 233001
35. SHRI BASANTI LAL MADHWAL, DEPUTY SP, DISTRICT UDHAMSINGHNAGAR, UTTARAKHAND, 263153
36. DR. DEBASISH ROY, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, TELECOMMUNICATION, WB, 3 M B SARANI TOLLYGUNGE, KOLKATA, WEST BENGAL, 700040
37. SHRI SUNIL HAZRA, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, 7TH BATTALION KOLKATA ARMED POLICE ALIPURA, WEST BENGAL, 700027
38. SHRI BHASKARAN SAIGAL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE CID, PORT BLAIR, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS, 744101
39. DR. V J CHANDRAN, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, CRIME AND INTELLIGENCE PUDUCHERRY, PUDUCHERRY, 605001
40. SHRI PAN SINGH, SUBEDAR (GD), CHIESWEMA/NAGALAND, ASSAM RIFLES, 797001
41. SHRI PARVINDER SINGH BAINS, INSPECTOR GENERAL, STC BSF KHARKAN, BSF, 146001
42. SHRI INDRADYUMN SHARMA, INSPECTOR GENERAL, FHQ BSF NEW DELHI, BSF, 110003
43. SHRI AJMAL SINGH KATHAT, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, FTR HQ BSF SOUTH BENGAL, BSF, 700071
44. SHRI LAKHWINDER SINGH BAL, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, FHQ BSF NEW DELHI, BSF, 110003
45. SHRI NARENDRA PAL SINGH, DEPUTY COMMANDANT, SHQ BSF GOKULNAGAR, BSF, 799102
46. SHRI NAND GOPAL GUPTA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CISF RTC BHILAI, CISF, 490001
47. SHRI YASHWANT SINGH, COMMANDANT, CISF UNIT BHEL HYDERABAD, CISF, 502032
48. SHRI KAMAL KANT SHARMA, IG, BHUBANESHWAR, CRPF, 751011
49. SHRI VIKRAM SAHGAL, IG, IMPHAL MANIPUR, CRPF, 795113
50. SHRI G.V.H. GIRI PRASAD, IG, BENGALURU, CRPF, 560064
51. SMT. GEETHAMMA S., ASSTT COMDT, BHADRACHALAM TELANGANA, CRPF, 507111
52. SHRI SALAHUDDIN, SI (GD), SRINAGAR JK, CRPF, 191121
53. SHRI SUSANT KUMAR BARIK, SI (GD), DURGAPUR WB, CRPF, 713214
54. SHRI RAJENDRA KUMAR VERMA, COMMANDANT (GD), TRANSPORT BN ITBP AIRPORT CHANDIGARH UT, ITBP, 160003
55. SHRI GOVIND SINGH NEGI, INSPECTOR (GD), FORTY THIRD BN ITBP, SHALABAG SARAHAN, HIMACHAL PRADESH, ITBP, 172034
56. SHRI KALENGADA MUTHANNA CARIAPPA, PUBLICITY OFFICER, FHQ SSB, R K PURAM, NEW DELHI, SSB, 110066
57. SHRI ASHIT KUMAR DAS, DIG, FTR HQRS, SSB, SILIGURI, RANIDANGA WEST BENGAL, SSB, 734012
58. SHRI PRADEEP KUMAR PALIWAL, JOINT DIRECTOR, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

59. SHRI PRAKASH CHANDRA, JOINT DEPUTY DIRECTOR, SIB DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
60. SHRI PARVINDER PAL SINGH, ASSISTANT DIRECTOR, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
61. SHRI ALBEN KANNOTH PURUSHOTHAMAN KUMAR, ASSISTANT DIRECTOR, SIB MUMBAI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
62. SHRI KANNAN RAMESH, ASSISTANT DIRECTOR, SIB CHENNAI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
63. SHRI RAJESH SHUKLA, ASSISTANT DIRECTOR, SIB CHANDIGARH, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
64. SHRI SANKARANKUTTY NARAYANAN THEIMATTU, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER II/EXE, SIB TRIVANDRUM, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
65. SHRI DEO KANT JHA, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER II/ TECHNICAL, SIB GUWAHATI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
66. SHRI JOEL SUNIL EMMANUEL, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI ACADEMY GHAZIABAD, CBI, 201002
67. SHRI ROHIT SRIVASTAVA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI AC-III NEW DELHI, CBI, 110003
68. SHRI ROSHAN LAL YADAV, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI AC-I NEW DELHI, CBI, 110003
69. SHRI V.KAVIDAS, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CBI HQ NEW DELHI, CBI, 110003
70. SHRI RAGHUVENDER SINGH, HEAD CONSTABLE, CBI IPCC, NEW DELHI, CBI, 110003
71. SHRI HARPAL SINGH VIRK, HEAD CONSTABLE, CBI ACB NEW DELHI, CBI, 110003
72. SHRI SOUMITRA DHAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, NEW DELHI, 110003
73. SHRI SATYAVEER SINGH, SUB INSPECTOR, SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY, HYDERABAD, SVP NPA, 500052
74. SHRI SUDHIR KUMAR SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, NDRF, CGO COMPLEX, NEW DELHI, NDRF, 110003
75. SHRI RAJINDER KUMAR MALIK, INSPECTOR GENERAL-CUM-CHIEF SECURITY COMMISSIONER RPF, JABALPUR, M/O RAILWAYS, 482001

2. These awards are made under rule 4(ii) of the rule governing the grant of President's Police Medal for Distinguished Service.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 44-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Meritorious Service on the occasion of the Republic Day, 2018 to the under mentioned officers:-

1. SHRI MEESALA RAVI PRAKASH, SUPERINTENDENT OF POLICE WEST GODAVARI, ELURU, ANDHRA PRADESH, 534001
2. SHRI P MURALIDHAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH, 532001
3. SHRI M. VENKATADRI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE WOMEN PS, KURNOOL, ANDHRA PRADESH, 518001
4. SHRI NAINALA SIVA PRASAD, ASSAULT COMMANDER GREY HOUNDS, MANGALAGIRI, ANDHRA PRADESH, 522503
5. SHRI SAIRIGAPU MOHAN RAO, ASSISTANT COMMANDANT, AMBAPET HYDERABAD, ANDHRA PRADESH, 500013

6. SHRI MEDARAMETLA HANUMANTHA RAO, INSPECTOR OF POLICE, PIDUGURALLA, ANDHRA PRADESH, 522431
7. SHRI POCHANA RAVINDRANATH REDDY, INSPECTOR OF POLICE C I CELL, VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH, 521001
8. SHRI K V V S V PRASAD, RESERVE INSPECTOR I S W, VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH, 521001
9. SHRI TANGILLAPALLI VENKAT RAO, SUB INSPECTOR, ANTI CORRUPTION BUREAU VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH, 521001
10. SHRI SANABOYINA RAMAKRISHNA, SUB INSPECTOR OF POLICE, MANGALAGIRI, ANDHRA PRADESH, 522503
11. SMT. YALALA PADMAVATHI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH, 531001
12. SHRI MADDALA VENKATESWARA RAO, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH, 521001
13. SHRI P ESWAR RAO, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, KAKINADA, ANDHRA PRADESH, 533001
14. SHRI V. KRISHNA, POLICE CONSTABLE, RAJAMAHENDRAVARAM, ANDHRA PRADESH, 533101
15. SHRI RAM PUKAR SINGH, DY S P (RAIL), KATIHAR, BIHAR, 854105
16. SHRI NAND KUMAR SINGH, HAVALDAR, B M P- 10 PHULWARI SHARIF PATNA, BIHAR, 800014
17. SHRI SHIO PUJAN YADAV, HAVILDAR, B.M.P-10 PATNA, BIHAR, 800014
18. SHRI SAHEB RAM URAON, HAVILDAR, PATNA, BIHAR, 800014
19. SHRI MD IBRAR KHAN, HAVILDAR, B.M.P-14, PATNA, BIHAR, 800014
20. SHRI SUNIL KUMAR, HAVALDAR, B.M.P-14PATNA, BIHAR, 800014
21. SHRI NANDJEE YADAV, HAVALDAR, B M P 14 PATNA, BIHAR, 800014
22. SHRI RAVINDRA KUMAR SINGH, HAVALDAR, B M P -14 PATNA, BIHAR, 800014
23. SHRI NARENDRA NATH TIWARY, HAVILDAR, BMP 14 PATNA, BIHAR, 800014
24. SHRI RAMASHARY UPADHAYA, HAVALDAR, B M P -14 PATNA, BIHAR, 800014
25. SHRI RAMJAN ANSARI, HAVALDAR, B M P -14PATNA, BIHAR, 800014
26. SHRI ANIL KUMAR, SP VIGILANCE, INVESTIGATION BUREAU PATNA, BIHAR, 800001
27. SHRI LALIT VIJAY TIWARI, POLICE INSPECTOR, SPECIAL VIGILANCE UNIT PATNA, BIHAR, 800001
28. SHRI SANJIV KUMAR, INSPECTOR, VIGILANCE INVESTIGATION BUREAU, PATNA, BIHAR, 800001
29. SHRI VIJAY KUMAR, INSPECTOR, VIGILANCE INVESTIGATION BUREAU, PATNA, BIHAR, 800001
30. SHRI PINTU KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, VIGILANCE INVESTIGATION, BUREAUUPATNA, BIHAR, 800001
31. SHRI SHATRUGHAN PRASAD SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, VIGILANCE INVESTIGATION BUREAU PATNA, BIHAR, 800001
32. SHRI SHANKAR LAL BAGHEL, COMMANDANT, 9TH BATALLION CAF DANTEWADA, CHHATTISGARH, 494441
33. SHRI AJAY KUMAR LAKRA, INSPECTOR, AREA OFFICER SPECIAL BRANCH RAIPUR, CHHATTISGARH, 492006
34. SHRI ISHWAR PRASAD MISHRA, PLATOON COMMANDER, 2ND BATTALION CHHATTISGARH ARMED FORCE BILASPUR, CHHATTISGARH, 495003
35. SHRI FAGU RAM LAHRE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, POLICE STATION BHANSI DANTEWADA, CHHATTISGARH, 494551

36. SHRI PRADEEP KUMAR KASHYAP, SECTION COMMANDER, 10TH BATTALION CAF SARGUJA, CHHATTISGARH, 497002
37. SHRI MAXIMILIYANUS TIRKEY, ASSISTANT PLATOON COMMANDER, 12TH BATTALION CAF RAMANUJGANJ BALARAMPUR, CHHATTISGARH, 497220
38. SHRI RADHELAL KORRAM, HEAD CONSTABLE, POLICE STATION DARBHA, BASTAR, CHHATTISGARH, 424115
39. SHRI VIJAY KUMAR CHOUBEY, HEAD CONSTABLE, VIP SECURITY BATTALION MANA RAIPUR, CHHATTISGARH, 492015
40. SHRI SATYANARAYAN SHARMA, HEAD CONSTABLE, POLICE STATION DURG, CHHATTISGARH, 491001
41. SHRI RAMAWATAR SINGH RAJPUT, HEAD CONSTABLE, POLICE LINE DHAMTARI, CHHATTISGARH, 493776
42. SHRI SHESH NARAYAN DEWANGAN, HEAD CONSTABLE, TRAFFIC DISTRICT RAJNANDGAON, CHHATTISGARH, 491441
43. SHRI RAJVEER SINGH CHAUHAN, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, FIRST BN DAP, NEW POLICE LINE KINGSWAY CAMP, NCT OF DELHI, 110009
44. SHRI ASIF MOHD ALI, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE (LICENSING), POLICE STATION DEFENCE COLONY, NCT OF DELHI, 110024
45. SHRI SANJAY BHATIA, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, INDRA GANDHI AIRPORT, POLICE STATION INDRA GANDHI AIRPORT, NCT OF DELHI, 110037
46. SHRI DINESH KUMAR GUPTA, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE (TRAFFIC OUTER RANGE), SECTOR 15 ROHINI, DELHI, NCT OF DELHI, 110085
47. SMT. VARSHA SHARMA, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, ECONOMIC OFFENCE WING, MANDIR MARG, NEW DELHI, NCT OF DELHI, 110001
48. SHRI SOM NATH PARUTHI, INSPECTOR (EXECUTIVE), OFFICE OF THE COMMISSIONER OF POLICE DELHI, NCT OF DELHI, 110002
49. SMT. SHASHI BALA, ACP (LA), CRIME AGAINST WOMEN NEW DELHI DISTRICT, NCT OF DELHI, 110001
50. SHRI SANDEEP MALHOTRA, INSPECTOR, CYBER CELL CRIME BRANCH, POLICE STATION DARYA GANJ, NCT OF DELHI, 110002
51. SHRI RAJ KUMAR, INSPECTOR, ROOP NAGAR, NCT OF DELHI, 110007
52. SHRI KRISHAN PRAKASH, INSPECTOR, CONFIDENTIAL BRANCH (POLICE HEADQUARTERS), NCT OF DELHI, 110002
53. SHRI SURESH MASKEEN, INSPECTOR, MAPPING SECTION TRAFFIC HEADQUARTERS, NCT OF DELHI, 110012
54. SHRI JITENDER DOGRA, HEAD CONSTABLE, POLICE STATION SUBZI MANDI CRIME BRANCH, NCT OF DELHI, 110009
55. SHRI KISHAN CHAND, CONSTABLE, TRAFFIC, NCT OF DELHI, 110012
56. SHRI DEV KUMAR, HEAD CONSTABLE, CONFERENCE HALL POLICE HEADQUARTERS, NCT OF DELHI, 110002
57. SHRI SUBHASH KUMAR, HEAD CONSTABLE, POLICE HEAD QUARTERS, NCT OF DELHI, 110002
58. SHRI RANBIR SINGH, CONSTABLE, CRIME BRANCH KASHMIRI GATE METRO, NCT OF DELHI, 110006
59. SHRI SATISH KUMAR, CONSTABLE, THIRD BN DAP, NCT OF DELHI, 110018
60. SHRI ZUBEAR MOMIN, CONSTABLE, GOA, GOA, 403001
61. SHRI SAGARDAN KALUBHA GADHAVI, POLICE SUB INSPECTOR, ADDL CP TRAFFIC AHMEDABAD CITY, GUJARAT, 380004

62. SHRI RAMDEVSIKH JORUBHA RANA, POLICE WIRELESS SUB INSPECTOR, OFFICE OF SP BHAVNAGAR, GUJARAT, 364002
63. SHRI RAMESHCHANDRA DURLABHBHAI PATEL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PREVENTIVE CRIME BRANCH SURAT CITY, GUJARAT, 395003
64. SHRI DILIPSINH CHAMANSINH VAGHELA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SRPF 15 ONGC MEHSANA, GUJARAT, 384003
65. SHRI MANOJSINH SAHEBSINH RAJPUT, UNARMED HEAD CONSTABLE, SURAT, GUJARAT, 395003
66. SHRI GOPAL BHAGWANSWARUP SHARMA, UNARMED HEAD CONSTABLE, AHMEDABAD, GUJARAT, 380061
67. SHRI ISHWARBHAI SOMABHAI RABARI, UNARMED POLICE HEAD CONSTABLE, AHMEDABAD, GUJARAT, 380001
68. SHRI JAYRAJSINH BALVANTSINH JADEJA, ASST INTELLIGENCE OFFICER, GANDHINAGAR, GUJARAT, 382009
69. SHRI VASANTKUMAR KALYANDAS PARMAR, ASSISTANT INTELLIGENCE OFFICER AIO, GANDHINAGAR, GUJARAT, 382009
70. SHRI SAURABH SINGH, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (CRIME), PANCHKULA, HARYANA, 134106
71. SMT. BHARTI ARORA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (SVB), GURUGRAM, HARYANA, 122001
72. SHRI BALWAN SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE HVPNL, GURUGRAM, HARYANA, 122018
73. SHRI RAJ KUMAR, SUPERINTENDENT OF POLICE CID, NEW DELHI, HARYANA, 121004
74. SHRI SUMER SINGH, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, GURUGRAM, HARYANA, 122001
75. SHRI RAJEEV KUMAR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, GURUGRAM, HARYANA, 122001
76. SHRI BALJIT SINGH, INSPECTOR (HHRC), CHANDIGARH, HARYANA, 160020
77. SHRI SATYA DEV, SUB INSPECTOR, FARIDABAD, HARYANA, 121001
78. SHRI RAM KISHAN, SUB INSPECTOR, GURUGRAM, HARYANA, 122035
79. SHRI ARVIND KUMAR, SUB INSPECTOR, GURUGRAM, HARYANA, 122001
80. SHRI ASHOK KUMAR, ASI, PANCHKULA, HARYANA, 134109
81. SHRI SUNIL DUTT NEGI, DY SP CID, SHIMLA, HIMACHAL PRADESH, 171009
82. SMT. RANJANA, LADY HEAD CONSTABLE, SHIMLA, HIMACHAL PRADESH, 171001
83. SHRI PANNA LAL, HHC, CID HQR, HIMACHAL PRADESH, 171009
84. SHRI ABDUL QAYOOM THAKOO, SSP, KASHMIR, JAMMU AND KASHMIR, 190001
85. SHRI MEHMOOD AHMED, PRINCIPALCTC, KASHMIR, JAMMU AND KASHMIR, 192122
86. SHRI JOGINDER SINGH, SSP, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001
87. SHRI IMTIYAZ HUSSAIN MIR, SSP, BARAMULLA, JAMMU AND KASHMIR, 193101
88. SHRI RAMESH KUMAR ANGRAL, SSP, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001
89. SHRI JAGDEV SINGH, DEPUTY SUPERINTEDENT OF POLICE, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001
90. SHRI ZAHID SAIF WANI, DY SP, SAMBA, JAMMU AND KASHMIR, 184121
91. SHRI FEROZ AHMAD QADRI, DY SP, SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR, 190001
92. SHRI LAEEQ AHMED DAR, CHIEF PROSECUTING OFFICER, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001
93. SHRI AKSHAY KHAJURIA, INSPECTOR, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001
94. SHRI JAGDEEP SINGH, INSPECTOR, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001
95. SHRI ASHOK SINGH JASROTIA, INSPECTOR, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001

96. MISS SEEMA BAKSHI, SUB INSPECTOR, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001
97. SHRI BAGHDAD HUSSAIN SHAH, SUB INSPECTOR, POONCH, JAMMU AND KASHMIR, 185211
98. SHRI BALBIR SINGH, ASI, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001
99. SHRI SARFRAZ HUSSAIN, ASI, RAJOURI, JAMMU AND KASHMIR, 185131
100. SHRI SUNIT SINGH, HEAD CONSTABLE, REASI, JAMMU AND KASHMIR, 182311
101. SHRI ALOK, SUPERINTENDENT OF POLICE, SPECIAL BRAHCH JHARKHAND RANCHI, JHARKHAND, 834004
102. SHRI RAMESH BHAGAT, ARMORER SUB INSPECTOR, JAP 3 DHANBAD, JHARKHAND, 828109
103. SHRI MANTUST MAHATO, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PALAMAU, JHARKHAND, 822101
104. SHRI BINOD KUMAR JAYSAWAL, HAVILDAR, JAP 6 JAMSHEDPUR, JHARKHAND, 831009
105. SHRI RAMLAL RAM, HAVILDAR, IRB 3 CHATRA, JHARKHAND, 829201
106. SHRI SANJAY THAPA, HAVILDAR, JAP 1 RANCHI, JHARKHAND, 834002
107. SHRI DHANESH SINGH, HAVILDAR, GARHWA, JHARKHAND, 822114
108. SHRI RAJESHWAR PRASAD, HAVILDAR, GARHWA, JHARKHAND, 822114
109. SHRI ABDUL KHAIR, HAVILDAR, GARHWA, JHARKHAND, 822114
110. SHRI RAVIKUMAR H NAIK, SUPERINTENDENT OF POLICE, KLA BELAGAVI, KARNATAKA, 590001
111. SHRI HAMJA HUSSAIN, SUPERINTENDENT OF POLICE, INTELLIGENCE BENGALURU, KARNATAKA, 560001
112. SHRI K P RAVIKUMAR, ACP, BANASWADI SUB DIVISION BENGALURU CITY, KARNATAKA, 560043
113. SHRI U SHARANAPPA, DEPUTY SUPERIDENT OF POLICE, CHINCHOLI, KARNATAKA, 583305
114. SHRI C SAMPATH KUMAR, DEPUTY SUPERIDENT OF POLICE, SOMWARPET, KARNATAKA, 571236
115. SHRI NINGAPPA B SAKRI, ASSISTANT COMMISIONER OF POLICE, HUBLI, KARNATAKA, 580020
116. SHRI K.SATHYANARAYANA, INSPECTOR OF POLICE, CHIKKAMGALURU DISTRICT, KARNATAKA, 577548
117. SMT. V N GUNAVATHI, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, SCRB BANGALORE, KARNATAKA, 560001
118. SMT. K R VINUTHA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SCRB BANGALORE, KARNATAKA, 560001
119. SHRI G SRINIVASA SHETTY, HEAD CONSTABLE, BENGALURU CITY, KARNATAKA, 560009
120. SHRI B H HEMAKUMAR, HEAD CONSTABLE, BENGALURU CITY, KARNATAKA, 560009
121. SHRI B. N. MAHABOOB, CIVIL HEAD CONSTABLE, KOLAR, KARNATAKA, 563101
122. SHRI LACHIRAM PRASAD PATHAK, CIVIL HEAD CONSTABLE, HUBLI RURAL PS HUBBALI, KARNATAKA, 580020
123. SHRI P. MALLIKARJUNA HEGDE, CIVIL HEAD CONSTABLE, BENGALURU CITY, KARNATAKA, 560001
124. SHRI JAGANNATHA, SPECIAL ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, BENGALURU CITY, KARNATAKA, 560034
125. SHRI KAMALAKSHA K, HEAD CONSTABLE, MANGALURU, KARNATAKA, 575001
126. SHRI K S NAGARAJA, DEPUTY SUPERIDENT OF POLICE, TUMAKURU, KARNATAKA, 572102
127. SHRI B. BALARAJU, DEPUTY SUPERIDENT OF POLICE, BENGALURU CITY, KARNATAKA, 560001
128. SHRI KRISHNOJI RAO M, ARMED HEAD CONSTABLE, MYSURU, KARNATAKA, 570004
129. SHRI P. BIJOY, SUPERINTENDENT OF POLICE, POLICE HEAD QUARTERS, KERALA, 695010

130. SHRI JYOTHISH KUMAR S. R, DEPUTY SUPERINTENDENT, CBCID THIRUVANANTHAPURAM, KERALA, 695010
131. SHRI K.E. BAIJU, ASSISTANT COMMISSIONER, CONTONMENT THIRUVANANTHAPURAM, KERALA, 695001
132. SHRI C.SANATHANA KUMAR, SUB INSPECTOR, SBCID THIRUVANANTHAPURAM, KERALA, 695014
133. SHRI V. KRISHNAKUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SBCID THRISSUR, KERALA, 680001
134. SHRI AJAN C, ASSISTANT SUB INSPECTOR, THIRUVANANTHAPURAM, KERALA, 695033
135. SMT. HIMANI KHANNA, COMMANDANT, 2ND BN SAFGWALIOR, MADHYA PRADESH, 475001
136. SHRI MUKESH KUMAR SHRIVASTAVA, COMMANDENT, 5TH BN SAF MORENA, MADHYA PRADESH, 476001
137. SHRI RAJESH SINGH CHANDEL, SUPDT OF POLICE HQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462001
138. SHRI RAJI ABRAHAM, SUB INSPECTOR, ATS HQ PHQ BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
139. SHRI SHYORAJ SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, 7TH BN SAF BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
140. SHRI BRIJ BHOOSHAN KOL, HEAD CONSTABLE, REWA, MADHYA PRADESH, 486001
141. SHRI WALTER HENRY AKKA, HEAD CONSTABLE, HAWK FORCE HQ BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462003
142. SHRI RAJ LOCHAN PRASAD DUBEY, CONSTABLE, 9TH BN SAF REWA, MADHYA PRADESH, 486001
143. SHRI TAN SINGH MARAVI, CONSTABLE, ANUPPUR, MADHYA PRADESH, 484224
144. SHRI UDAYAN SHRIVASTAV, INSPECTOR (M), O/O DIG BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462001
145. SHRI RITU KANT SINHA, SUBEDAR (M), SCRB PHQ BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
146. SHRI BASANT KATARE, HEAD CONSTABLE, TULSI NAGAR BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462003
147. SHRI RAM CHARIT TIWARI, HEAD CONSTABLE, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462001
148. SHRI SITARAM AHIRWAR, CONSTABLE, JABALPUR, MADHYA PRADESH, 452001
149. SHRI DNYANESHWAR SADASHIV CHAVAN, DY COMM OF POLICE, ZONE II SOUTH REGION MUMBAI, MAHARASHTRA, 400008
150. SHRI MAHESH UDAJI PATIL, SUPDT OF POLICE, THANE RURAL, MAHARASHTRA, 400601
151. SHRI RAVINDRA KUSAJI WADEKAR, ASST COMMISSIONER OF POLICE, DOMBIVALI DIVISION THANE CITY, MAHARASHTRA, 421201
152. SHRI SHANTARAM TUKARAM AWASARE, ASST COMMISSIONER OF POLICE, EOW CRIME BRANCH THANE CITY, MAHARASHTRA, 421201
153. SHRI VISHWESHWAR PRABHAKAR NANDEDKAR, DYSP, NANDED, MAHARASHTRA, 431602
154. SHRI JANARDHAN JAGANNATH GHADGE, ASST COMMANDANT, SRPF JALNA GR. 3, MAHARASHTRA, 431203
155. SHRI SANJEEV KUMAR VISHWASRAO PATIL, DYSP, KOLHAPUR MAHARASHTRA 416003
156. SHRI NEHRU DASHRATH BANDGAR, ARM POLICE INSPECTOR, PRINCIPAL SRPF TRG DAUND, MAHARASHTRA, 413801
157. SHRI BALASAHEB RAMCHANDRA GHADGE, INSPECTOR, NORTH POLICE CONTRTOL MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400101
158. SHRI BHIM WAMAN CHHAPCHHADE, POLICE INSPECTOR WIRELESS, DIRECTOR OF THE POLICE WIRELESS MS PUNE, MAHARASHTRA, 411008
159. SHRI PRAKASH KACHARU SAHANE, POLICE INSPECTOR, DSB SPL BRANCH BULDHANA, MAHARASHTRA

160. SHRI PRAKASH NAGAPPA BIRAJDAR, POLICE INSPECTOR, VASAI PALGHAR, MAHARASHTRA, 401201
161. SHRI SANJAY RAMRAO DESHMUKH, POLICE INSPECTOR, LOCAL CRIME BRANCH YAVTMAL, MAHARASHTRA, 445001
162. SHRI SHAM SAKHARAM SHINDE, POLICE INSPECTOR, COLABA MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400005
163. SHRI PANDURANG NARAYAN SHINDE, POLICE INSPCTOR, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400007
164. SHRI SUDHIR PRABHAKAR ASPAT, POLICE INSPECTOR, HSP PUNE, MAHARASHTRA, 411003
165. SHRI CYRUS BOMAN IRANI, POLICE INSPECTOR, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400001
166. SHRI AVINASH LAXMINARYAN AGHAV, POLICE INSPECTOR, AURANGABAD, MAHARASHTRA, 431009
167. SHRI SUNIL DASHRATH MAHADIK, POLICE INSPECTOR, NAGPUR CITY, MAHARASHTRA, 440027
168. SHRI DNYANESHWAR RAIBHAN WAGH, POLICE INSPCTOR, SPECIAL BRANCH, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400001
169. SHRI SUNIL VISHNUPANT LOKHANDE, CHIEF INTELLIGENCE OFFICER, NAGPUR, MAHARASHTRA, 440001
170. SHRI CHANDAN SHANKAR RAO SHINDE, POLICE SUB INSPCTOR, D C B C I D MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400001
171. SHRI LAVU PARSHURAM KUWARE, POLICE SUB INSPCTOR, ANTI TERROTISM SQUAD MUMBAI, MAHARASHTRA, 400008
172. SHRI ABDULGAFOOR GAFFAR KHAN, POLICE SUB INSPECTOR, SRPF GR 14 AURANGABAD, MAHARASHTRA, 431010
173. SHRI SHIVMURTI APPAYYA HUKKERI, ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, TROMBAY POLICE STATION MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400088
174. SHRI YUVRAJ MOTIRAM PATIL, ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, D C B JALGAON, MAHARASHTRA, 425001
175. SHRI VIKRAM NIVRUTTI KALE, ASSITANT SUB INSPECTOR, PUNE CITY, MAHARASHTRA, 411001
176. SHRI JAYSINGRAO KHASHABA SANKPAL YADAV, ASST POLICE SUB INSPECTOR, PUNE CITY, MAHARASHTRA, 411001
177. SHRI DILIP PUNDLIK PATIL, ASST POLICE SUB INSPECTOR, SRPF GR6 DHULE, MAHARASHTRA, 424001
178. SHRI MATAPRASAD RAMPAL PANDE, ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, NAGPUR CITY, MAHARASHTRA, 440002
179. SHRI SURESH GUNAJI WARANG, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SINDHUDURG, MAHARASHTRA, 416606
180. SHRI VILAS DAGDU JAGTAP, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SATARA, MAHARASHTRA, 415001
181. SHRI CHATUR DAGA CHITTE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NANDURBAR, MAHARASHTRA, 425412
182. SHRI PRADIP KASHIRAM PATIL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, DHULE, MAHARASHTRA, 424001
183. SHRI SOMNATH RAMCHANDRA PAWAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PUNE CITY, MAHARASHTRA, 411001
184. SHRI RASHID USMAN SHAIKH, ASSISTANT SUB INSPECTOR SANGLI MAHARASHTRA, 416415
185. SHRI DILIP WASUDEO WAGHMARE, ASSITANT POLICE SUB INSPECTOR, AMRAVATI CITY, MAHARASHTRA, 444602
186. SHRI DILIP KUMAR BABRUVAHAN SAVANE, ASSITANT SUB INSPECTOR, SOLAPUR RURAL, MAHARASHTRA, 413001

187. SHRI NANDKISHOR KASHINATH SAVKHEDKAR, HEAD CONSTABLE, PCR NASHIK, MAHARASHTRA, 425001
188. SHRI K AJITKUMAR SHARMA, ADDL SP (OPS), JIRIBAM, MANIPUR, 795116
189. SHRI SOROKHAIBAM RUDRA NARAYAN SINGH, INSPECTOR, CID(SB), MANIPUR, 795001
190. SHRI ELANGBAM BHUBANESHWOR SINGH, INSPECTOR OF POLICE, CID CB PHQ MANIPUR, 795001
191. SHRI YAMBEM ANDERSON SINGH, SUBEDAR, MPTC PANGELEAST MANIPUR, 795114
192. SHRI PEBAM INAOBA SINGH, HAVILDAR, 2ND IRB, MANIPUR, 795126
193. SHRI KHOMDRAM INDRAKUMAR SINGH, HAVILDAR, MPR Khabesoi, MANIPUR, 795010
194. SHRI KH. SURANJOY SINGH, HAVILDAR, MPTC PANGEL, MANIPUR, 795114
195. SMT. JUBI G MOMIN, ASSISTANT INSPECTOR GGENERAL OF POLICE (ADMN), SHILLONG, MEGHALAYA, 793001
196. SHRI JERRY FISHER K MARAK, COMMANDING OFFICER, SF-10, GOLFLING, SHILLONG, MEGHALAYA, 793001
197. SMT. JANICE K MARAK, INSPECTOR OF POLICE, TURA POLICE STATION, WEST GARO HILLS, TURA, MEGHALAYA, 794002
198. SHRI RODINGLIANA CHAWNGTHU, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, CID (SB), AIZAWL, MIZORAM, 796005
199. SHRI LALSANGLURA, SUPERINTENDENT OF POLICE, LAWNGTLAI DISTRICT, MIZORAM, MIZORAM, 796891
200. SHRI LALDAWNGLIANA, INSPECTOR OF POLICE, L&O CELL, AIZAWL DEF, MIZORAM, 796001
201. SHRI B DURGAPRASAD RAO, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BHUBANESWAR, ODISHA, 751001
202. SHRI SHAIKH ANWAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BHUBANESWAR, ODISHA, 751001
203. SHRI SUDHANSU MOHAN DEHURY, HAVILDAR, KORAPUT, ODISHA, 764021
204. SHRI SATRUGHANA BARAL, CONSTABLE, VIGILANCE DIRECTORATE CUTTACK, ODISHA, 753001
205. SHRI NARENDRA PAL, CONSTABLE, UPD BBSR, ODISHA, 751022
206. SHRI V NAGESWAR RAO, CONSTABLE, R O CUTTACK UPD, ODISHA, 753001
207. SHRI SANJAYA KUMAR RAY, SEPOY, OSAP BN BBSR, ODISHA, 751017
208. SHRI HARBAJ SINGH, AIG, TRAFFIC PUNJAB CHANDIGARH, PUNJAB, 160009
209. SHRI SURINDER PAL SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE (C&R, HQRS., BARNALA, PUNJAB, 148101
210. SHRI NAVJOT SINGH MAHAL, SUPERINTENDENT OF POLICE, KHANNA, PUNJAB, 141401
211. SHRI TULSI DASS, DSP (C&R), 3RD COMMANDO BATTALION MOHALI, PUNJAB, 160062
212. SHRI BALWINDER IQBAL SINGH, DSP, JALANDHAR RURAL, PUNJAB, 144401
213. SHRI SUKHDEV SINGH, SUB INSPECTOR, READER TO DIG ADMN. PAP JALANDHAR, PUNJAB, 144006
214. SHRI MULAKH RAJ, SUB INSPECTOR, O/O ADGP COMMANDO BAHADURGARH PATIALA, PUNJAB, 147021
215. SHRI SARABJIT SINGH, SUB INSPECTOR, SECURITY WING CHANDIGARH, PUNJAB, 160009
216. SHRI SUKHDEV SINGH, INSPECTOR, CID HQRS. MOHALI, PUNJAB, 160062
217. SHRI RAVINDERJIT SINGH, SUB INSPECTOR, CID HEADQUARTERS MOHALI, PUNJAB, 160077
218. SHRI KEWAL SINGH, ASI, RTC PAP JALANDHAR, PUNJAB, 144006
219. SHRI SUKHJIT SINGH, ASI (LR), O/O IGP, INTELLIGENCE, MOHALI, PUNJAB, 160055
220. SHRI NARINDERJIT SINGH, ASI (C&R), 80TH BATTALION, PAP, JALANDHAR, PUNJAB, 144006

-
221. SHRI JASWANT SINGH, HEAD CONSTABLE, DPO SANGRUR, PUNJAB, 148001
 222. SHRI HEMANT KUMAR SHARMA, SUPERINTENDENT OF POLICE, JAIPUR, RAJASTHAN, 302015
 223. SHRI SAMIR KUMAR SINGH, DCP JODHPUR WEST, JODHPUR, RAJASTHAN, 342008
 224. SHRI JYOTI SWAROOP SHARMA, ADDL SP, PALI, RAJASTHAN, 306401
 225. SHRI KAMLESH KUMAR VERMA, POLICE INSPECTOR, SCRB JAIPUR, RAJASTHAN, 302016
 226. SHRI RAM NIWAS CHEJARA, POLICE INSPECTOR, JAIPUR, RAJASTHAN, 302006
 227. SHRI KISHORI LAL SAINI, POLICE INSPECTOR, JAIPUR, RAJASTHAN, 302006
 228. SHRI DEEP SINGH, PC, 1 BN. RAC JODHPUR, RAJASTHAN, 342026
 229. SHRI RAM SINGH, SI, CID CB JAIPUR, RAJASTHAN, 342015
 230. SHRI PAWAN KUMAR JAT, ASI, GANGANAGAR, RAJASTHAN, 335001
 231. SHRI MOHAMMED PARVEJ, ASI, PRATAPGARH, RAJASTHAN, 327023
 232. SHRI GANESHI LAL BRAHMAN, HC, 8THBN RAC GAJIPUR DELHI, RAJASTHAN, 110096
 233. SHRI TANSUKH, HC, JODHPUR, RAJASTHAN, 342001
 234. SHRI SHYAMA RAM, HC, JODHPUR, RAJASTHAN, 342001
 235. SHRI ROOP CHAND SONI, HC, JAIPUR, RAJASTHAN, 302001
 236. SHRI VANSHIR KHAN, CONSTABLE, 1ST BN RAC JODHPUR, RAJASTHAN, 342026
 237. SHRI SANDEEP KUMAR BITHU, CONSTABLE, PS NAYASAHAR BIKANER, RAJASTHAN, 334001
 238. SHRI PRAWIN GURUNG, COMMANDANT, PIPELEY, SIKKIM, 737121
 239. SHRI DUPZANG BHUTIA, SUB-INSPECTOR, SIKKIM ARMED POLICE, PANGTHANG, SIKKIM, 737103
 240. SMT. A RADHIKA, SUPERINTENDENT OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI-CORRUPTION, WEST RANGE, CHENNAI, TAMIL NADU, 600016
 241. SMT. R LALITHA LAKSHMI, SUPERINTENDENT OF POLICE, ECONOMIC OFFENCES WING 2, CHENNAI, TAMIL NADU, 600032
 242. SMT. S MALLIKHA, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, CENTRAL CRIME BRANCH II, GREATER CHENNAI POLICE, TAMIL NADU, 600007
 243. SMT. B SHAMOONDESWARI, SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU POLICE ACADEMY, CHENNAI, TAMIL NADU, 600127
 244. SMT. S LAKSHMI, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, LAW AND ORDER, COIMBATORE CITY, TAMIL NADU, 641018
 245. SHRI S ELANGO, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI-CORRUPTION, CSU 3, CHENNAI, TAMIL NADU, 600016
 246. SHRI N MOHANRAJ, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, POLICE RECRUIT SCHOOL, AVADI, CHENNAI, TAMIL NADU, 600083
 247. SHRI K RAJENDRAN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, SPECIAL BRANCH CID, HEADQUARTERS, CHENNAI, TAMIL NADU, 600004
 248. SHRI A P SELVAN, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, T NAGAR RANGE, GREATER CHENNAI POLICE, CHENNAI, TAMIL NADU, 600017
 249. SHRI A SUBRAYAN, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, TARAMANI RANGE, GREATER CHENNAI POLICE, CHENNAI., TAMIL NADU, 600041
 250. SHRI G HECTOR DHARMARAJ, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, NAGARCOIL, TAMIL NADU, 629001
 251. SHRI M E RAMACHANDRAMOORTHY, INSPECTOR OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION SIC, CHENNAI, TAMIL NADU, 600016

252. SHRI A ARULARASU JUSTIN, INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL BRANCH CID, CHENNAI, TAMIL NADU, 600004
253. SHRI A KUMARAVELU, INSPECTOR OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, SIC, CHENNAI, TAMIL NADU, 600016
254. SHRI V BASKARAN, INSPECTOR OF POLICE, CSU 3, VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, CHENNAI, TAMIL NADU, 600016
255. SHRI K MOHANKUMAR, SUB INSPECTOR OF POLICE, CORE CELL CID, CHENNAI, TAMIL NADU, 600028
256. SHRI S VENUKUMARAN, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, POLICE COMPUTER WING, SCRB, CHENNAI, TAMIL NADU, 600028
257. SHRI P SELVARAJU, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, COIMBATORE, TAMIL NADU, 641012
258. SHRI K RAVI, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, ALGSC, THE NILGIRIS DISTRICT, TAMIL NADU, 643001
259. SHRI S M MATHIVENTHAN, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, SIC, CHENNAI, TAMIL NADU, 600016
260. SHRI N VENKATA SARAVANAN, HEAD CONSTABLE 23531, J8 NEELANKARAI PS, GREATER CHENNAI POLICE, TAMIL NADU, 600041
261. SHRI MASTHIPURAM RAMESH, GROUP COMMANDER GREYHOUNDS, HYDERABAD, TELANGANA, 500004
262. SHRI D SIVAPRASAD REDDY, ASST CMT TSSP, RANGA REDDY, TELANGANA, 501506
263. SHRI P. VEERA NARAYANA SWAMY, ASST COMMANDANT, 1ST BN TSSP HYDERABAD, TELANGANA, 500045
264. SHRI S RANGA RAO, ACP, HYDERABAD, TELANGANA, 500003
265. SHRI TULJARAM NARENDER SINGH, DSP, HYDERABAD, TELANGANA, 500004
266. SMT. CHETLURU SRINIVASA SHANTHI, INSPECTOR OF POLICE, HYDERABAD, TELANGANA, 500004
267. SHRI GEDDIPALLY RANA VEER REDDY, INSPECTOR, HYDERABAD TELANGANA, 500004
268. SHRI PALLE SHANKER REDDY, SUB INSPECTOR, HYDERABAD, TELANGANA, 500004
269. SHRI MD FAIZ AHMED SHAREEF, AR SUB INSPECTOR, HYDERABAD, TELANGANA, 500013
270. SHRI VEMURI SIVANANDA RAO, HEAD CONSTABLE, HYDERABAD, TELANGANA, 500001
271. SHRI RATHOD ROHIDAS NAIK, ASST ASSAULT COMMANDER/ HC, HYDERABAD, TELANGANA, 500089
272. SHRI P SRINIVAS, JUNIOR COMMANDO /PC, HYDERABAD, TELANGANA, 500089
273. SHRI M SIDDIAH, HEAD CONSTABLE, HYDERABAD, TELANGANA, 500004
274. SHRI RATAN KUMAR DAS, SDPO, BELONIA, TRIPURA, 799155
275. SHRI KHARDA KUMAR JAMATIA, HAVILDAR, AMARPUR, TRIPURA, 799101
276. SHRI KURIAN GEORGE, SUBEDAR, KHOWAI, TRIPURA, 799207
277. SHRI GAMANJOY REANG, DSP, KANCHANPUR, TRIPURA, 799270
278. SHRI SANTOSH KUMAR SINGH, COMMANDANT, GONDA, UTTAR PRADESH, 271001
279. SHRI RAJESH KUMAR, ADDITIONAL SP, K6SCO KANPUR NAGAR, UTTAR PRADESH, 226003
280. SHRI RAJENDRA KUMAR, ADDLSP, VIG. ESTT. LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001
281. SHRI KULDEEP NARAYAN, ADDLSP, JHANSI, UTTAR PRADESH, 226001
282. SHRI ASHOK KUMAR VERMA, ADDLSP, KANPUR NAGAR, UTTAR PRADESH, 226001
283. SHRI ADESH KUMAR TYAGI, DSP, ALLAHABAD, UTTAR PRADESH, 226001

284. SHRI BANKEY LAL ARYA, DSP, 09 BN PAC MORADABAD, UTTAR PRADESH, 226001
285. SHRI UMESH KUMAR SINGH, INSPECTOR, SECURITY HEAD QUARTER LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226007
286. SMT. MITHLESH SENGAR, INSPECTOR, AGRA, UTTAR PRADESH, 282001
287. SHRI DHARMENDRA SINGH CHAUHAN, INSPECTOR, ALIGARH, UTTAR PRADESH, 202001
288. SHRI AMARNATH SINGH, INSPECTOR, INTELLIGENCE HEAD QUARTER LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226003
289. SHRI RAJKUMAR UPADHYAY, COMPANY COMMANDER, DGP HEAD QUARTER LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226003
290. SHRI RAM SAJEEVAN SHUKLA, COMPANY COMMANDER, 32BN PAC LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226003
291. SHRI PRADEEP KUMAR, INSPECTOR CP, MORADABAD, UTTAR PRADESH, 244001
292. SHRI SYED SAJJAT HUSAIN NAQVI, INSPECTOR, EOW LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226003
293. SHRI SANTOSH KUMAR YADAV, INSPECTOR, POLICE BHARTI BOARD LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226003
294. SHRI SYED VAKEEL AHMAD, INSPECTOR, VIGILANCE LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226010
295. SHRI SURESH CHANDRA SRIVASTAVA, INSPECTOR, INTELLIGENCE HEAD QUARTER LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226003
296. SHRI LALIT MOHAN UPRETI, INSPECTOR, INTELLIGENCE HEAD QUARTER LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226003
297. SHRI KAMLESHWAR SINGH, INSPECTOR, SONBHADRA, UTTAR PRADESH, 231206
298. SHRI SUBHASH CHANDRA DUBE, SUB INSPECTOR, RADIO HEAD QUARTER LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226006
299. SHRI SOHAN PAL SINGH, PLATOON COMMANDER, 23BN PAC MORADABAD, UTTAR PRADESH, 244001
300. SHRI SHAMBHUNATH TIWARI, SUB INSPECTOR, KANPUR NAGAR, UTTAR PRADESH, 208001
301. SHRI SIDDHANT SHUKLA, PLATOON COMMANDER, 10BN PAC BARABANKI, UTTAR PRADESH, 225001
302. SHRI RAMVEER SINGH, PLATOON COMMANDER, 47BN PAC GHAZIABAD, UTTAR PRADESH, 201013
303. SHRI HAWALDAR UPADHYAY, PLATOON COMMANDER, 36BN PAC VARANASI, UTTAR PRADESH, 221008
304. SHRI CHOTE LAL PATEL, SUB INSPECTOR, DISTRICT BANDA, UTTAR PRADESH, 210001
305. SHRI BHAGWAT SINGH, SUB INSPECTOR, DISTRICT BAGPAT, UTTAR PRADESH, 250611
306. SHRI ANJANI KUMAR CHAUBE, SUB INSPECTOR, DISTRICT MIRZAPUR, UTTAR PRADESH, 231001
307. SHRI MUNNA LAL, SUB INSPECTOR, DISTRICT HATHRAS, UTTAR PRADESH, 204101
308. SHRI SANJAY KUMAR LAL, SUB INSPECTOR, DISTRICT VARANASI, UTTAR PRADESH, 221002
309. SHRI BINDRA PRASAD, SUB INSPECTOR, UNNAO, UTTAR PRADESH, 209801
310. SHRI HARI BABU, SUB INSPECTOR, INTELLIGENCE HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001
311. SHRI SHRIRAM SAROJ, HEAD CONSTABLE, CBCID LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001
312. SHRI RAM SINGH, HEAD CONSTABLE, DISTRICT JHANSI, UTTAR PRADESH, 284001
313. SHRI SURENDRA NATH RAI, HEAD CONSTABLE, ACO LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001
314. SHRI RAM AUTAR, HEAD CONSTABLE, VIGILANCE LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226010
315. SHRI TEERATH PAL SINGH, HEAD CONSTABLE, DISTRICT GHAZIABAD, UTTAR PRADESH, 201001

316. SHRI SATISH KUMAR SRIVASTAVA, HEAD OPERATOR, RADIO HEAD QUARTER LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226006
317. SHRI SATYA PRAKASH SHARMA, HEAD CONSTABLE, DISTRICT GAUTAMBUDDHNAGAR, UTTAR PRADESH, 201301
318. SHRI DUSHYANT KUMAR MISHRA, HEAD OPERATOR, RADIO HEAD QUARTER LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226006
319. SHRI DHARAMPAL SINGH, HEAD CONSTABLE, DISTRICT MEERUT, UTTAR PRADESH, 250001
320. SHRI JAGRAM SINGH, HEAD CONSTABLE ARMOURER, 28BN PAC ETAWA, UTTAR PRADESH, 206001
321. SHRI UPENDRA PRATAP SINGH, HEAD CONSTABLE, DISTRICT FAIZABAD, UTTAR PRADESH, 224001
322. SHRI BALRAM KISHORE DWIVEDI, HEAD CONSTABLE, DISTRICT LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226003
323. SHRI AWADHESH KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE, DISTRICT FAIZABAD, UTTAR PRADESH, 224001
324. SHRI KAMAL KISHORE YADAV, HEAD CONSTABLE, DISTRICT LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226003
325. SHRI UDHAM SINGH, HEAD CONSTABLE, 08BN PAC BAREILLY, UTTAR PRADESH, 243003
326. SHRI NIRMAL KUMAR, HEAD CONSTABLE, 35BN PAC LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226006
327. SHRI UMMED SINGH, HEAD CONSTABLE AP, GRP ALLAHABAD, UTTAR PRADESH, 221001
328. SHRI RAGHUNATH YADAV, HEAD CONSTABLE, DISTRICT VARANASI, UTTAR PRADESH, 221002
329. SHRI SATYENDRA KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE, 26BN PAC GORAKHPUR, UTTAR PRADESH, 273014
330. SHRI RAVENDRA SINGH, HEAD CONSTABLE, KANPUR NAGAR, UTTAR PRADESH, 208001
331. SHRI VISHAMBHAR DAYAL, HEAD CONSTABLE, FIROZABAD, UTTAR PRADESH, 283203
332. SHRI NARENDRA PAL SINGH, HEAD CONSTABLE, GRP JHANSI, UTTAR PRADESH, 284001
333. SHRI RADHE SHYAM RAI, HEAD CONSTABLE, 11BN PAC SITAPUR, UTTAR PRADESH, 261001
334. SHRI KASHINATH SINGH YADAV, HEAD CONSTABLE, MIRZAPUR, UTTAR PRADESH, 231001
335. SHRI GIRVAR SINGH, HEAD CONSTABLE, ETAWA, UTTAR PRADESH, 211019
336. SHRI AMLA SINGH YADAV, HEAD CONSTABLE, 36BN PAC VARANASI, UTTAR PRADESH, 221008
337. SHRI VINOD KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE, MORADABAD, UTTAR PRADESH, 244001
338. SHRI GOPAL PRASAD, HEAD CONSTABLE, BADAYU, UTTAR PRADESH, 243601
339. SHRI ZUBAIR ALI KHAN, HEAD CONSTABLE, 48BN PAC SONBHADRA, UTTAR PRADESH, 231216
340. SHRI AWDHESH KUMAR, HEAD CONSTABLE, HARDOI, UTTAR PRADESH, 241001
341. SHRI UDAY RAM TIWARI, HEAD CONSTABLE, MAU, UTTAR PRADESH, 275101
342. SHRI BRIJESH KUMAR, SUB INSPECTOR VS, INT HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226003
343. SHRI PREMPAL, HEAD CONSTABLE, INT HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226003
344. SHRI RAJKUMAR, HEAD CONSTABLE, MUZAFFARNAGAR, UTTAR PRADESH, 251001
345. SHRI SHOBHNATH MISHRA, HEAD CONSTABLE P, INT HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226006
346. SHRI DADDAN RAM, SUB INSPECTOR (LIPIK), MAU, UTTAR PRADESH, 275101
347. SHRI RAMESH KUMAR SINGH, INSPECTOR (GOPNIYA), ATS LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226003
348. SHRI KANTI BALLABH PANDEY, DEPUTY SP / DEPUTY COMMANDENT, 46BN PAC RUDRAPUR, UTTARAKHAND, 263150

-
349. SHRI GOPAL SINGH DASAUNI, INSPECTOR, POLICE HQRS DEHRADUN, UTTARAKHAND, 248001
350. SHRI SUNDER SINGH, PLATOON COMMANDER VISHESH SHRENI, 46BN PAC RUDRAPUR, UTTARAKHAND, 263153
351. SHRI MAHESH KUMAR JOSHI, SUB INSPECTOR VISHESH SHRENI, POLICE HQRS DEHRADUN, UTTARAKHAND, 248001
352. SHRI CHANDRAPAL, HEAD CONSTABLE, 46BN PAC RUDRAPUR, UTTARAKHAND, 263153
353. SHRI JAYANTA KUMAR PAL, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, UTTAR DINAJPUR, WEST BENGAL, 733123
354. SHRI KAUSTAV CHAKRABORTY, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE III, TRAFFIC DEPARTMENT LALBAZAR KOLKATA, WEST BENGAL, 700001
355. SHRI ACHINTYA GUPTA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, SILLIGURI POLICE COMMISSIONERATE, WEST BENGAL, 734003
356. SHRI SUDIPTA NAG, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, EASTERN SUBURBAN DIVISION KOLKATA, WEST BENGAL, 700010
357. SHRI AMLAN KUMAR CHAKRABORTY, INSPECTOR OF POLICE, HOWRAH POLICE COMMISSIONERATE, WEST BENGAL, 711102
358. SHRI KRISHNENDU GHOSH, INSPECTOR OF POLICE, CID WEST BENGAL ALIPORE KOLKATA, WEST BENGAL, 700027
359. SHRI SALIL KUMAR ROY, INSPECTOR OF POLICE, SOUTH DIVISION KOLKATA, WEST BENGAL, 700016
360. SHRI BISHWADEB DUTTA, INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL BRANCH KOLKATA, WEST BENGAL, 700071
361. SHRI AYAN BHOWMICK, INSPECTOR OF POLICE, CENTRAL DIVISION KOLKATA, WEST BENGAL, 700012
362. SHRI NILESH CHOWDHURY, INSPECTOR OF POLICE, TRAFFIC DEPARTMENT LALBAZAR KOLKATA, WEST BENGAL, 700001
363. SHRI PANKAJ THAPA, SUB INSPECTOR, BIRPARA ALIPURDUAR, WEST BENGAL, 735204
364. SMT. SUSHILA DAS, LADY ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, DIRECTORATE OF SECURITY, WEST BENGAL, WEST BENGAL, 700071
365. SHRI SUDIP RAY, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BARRACKPORE POLICE COMMISSIONERATE, WEST BENGAL, 700120
366. SHRI SUJIT KUMAR CHAKRABORTY, ASI OF POLICE, BARUIPUR POLICE DISTRICT, WEST BENGAL, 700144
367. SHRI JIBAN KUMAR BARMAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, UTTAR DINAJPUR, WEST BENGAL, 733130
368. SHRI TAPAN KUMAR MAITI, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, BRIGADE HEADQUARTER KOLKATA ARMED POLICE, WEST BENGAL, 700027
369. SHRI RAJESH KUMAR PANDEY, POLICE DRIVER, DIRECTORATE OF SECURITY, WEST BENGAL, WEST BENGAL, 700071
370. SHRI DEBASISH CHAKRABORTY, ARMOURER CONSTABLE, STATE ARMED POLICE 4TH BATTALION, UTTAR DINAJPUR, WEST BENGAL, 733123
371. SHRI R VINOD KUMAR, SUB INSPECTOR (GD) IRBN, PORT MOUT, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS, 744103
372. SHRI RAVINDER KUMAR SHARMA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, DAMAN, DAMAN AND DIU, 396210
373. SMT. P MOLI, HEAD CONSTABLE, SB UNIT, BEYPORE, CALICUT, LAKSHADWEEP, 673015
374. SHRI RAJIV RANJAN, SSP, PUDUCHERRY, PUDUCHERRY, 605005

-
375. SHRI R NARAYANANE, S G ASI, ODIANSALAI POLICE STATION, PUDUCHERRY, 605001
376. SHRI ASHOK KUMAR LIMBU, SUBEDAR (GD), ZUNHEBOTO/NAGALAND, ASSAM RIFLES, 932005
377. SHRI JAIPAL SINGH, SUBEDAR (GD), GHASPANI/NAGALAND, ASSAM RIFLES, 932041
378. SHRI JAGGA RAM, SUBEDAR (GD), NONE/MANIPUR, ASSAM RIFLES, 932008
379. SHRI JAI PRAKASH BHATT, SUBEDAR (GD), CHANDEL/MANIPUR, ASSAM RIFLES, 932018
380. SHRI HARNAM SINGH, SUBEDAR MAJOR (GD), SAJIK TAMPAK/MANIPUR, ASSAM RIFLES, 932021
381. SHRI MURTI SINGH, COMMANDANT, AIZWAL/MIZORAM, ASSAM RIFLES, 932423
382. SHRI MILAN THAPA, NAIB SUBEDAR (GD), KADAMTALA/ MANIPUR, ASSAM RIFLES, 932037
383. SHRI YAR BAHADUR GURUNG, SUBEDAR (GD), CHANGLANG/ ARUNACHAL PRADESH, ASSAM RIFLES, 932014
384. SHRI DHANESHWAR KUMAR SHARMA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, FHQ BSF, NEW DELHI, BSF, 110003
385. SHRI SAROJ KUMAR SINGH, COMMANDANT, 42 BN BSF, SUBHASHNAGAR (WB), BSF, 736133
386. SHRI PRITPAL SINGH BHATTI, COMMANDANT, SHQ BSF AMRITSAR, PUNJAB, BSF, 143106
387. SHRI PARAMJEET SINGH, COMMANDANT, SHQ BSF GURDASPUR, PUNJAB, BSF, 143521
388. SHRI HARINDERPAL SINGH SOHI, COMMANDANT, 2 BN BSF, JALALABAD, PUNJAB, BSF, 152024
389. SHRI YOGENDRA SINGH RATHORE, COMMANDANT, FHQ BSF NEW DELHI, BSF, 110003
390. SHRI VIKRAM KUNWAR, COMMANDANT, 101 BN BSF ROOPNAGAR (WB), BSF, 736179
391. SHRI BHANU PRATAP SINGH CHAUHAN, COMMANDANT, PERS DTE, FHQ BSF NEW DELHI, BSF, 110003
392. SHRI KRISHNA MOHAN PRASAD, COMMANDANT, SHQ BSF KRISHNANAGAR, WB, BSF, 741101
393. SHRI SHYAM LAL NEGI, COMMANDANT, HQ SDG BSF (WESTERN COMMAND), BSF, 160003
394. SHRI AJAY LUTHRA, COMMANDANT, 22 BN BSF NAYA RAIPUR CHHATTISGARH, BSF, 492101
395. SHRI LALIT MOHAN SHARMA, COMMANDANT, 62 BN BSF PALOURA JAMMU, BSF, 181124
396. SHRI MANOJ KARKI, COMMANDANT, G DTE, FHQ BSF NEW DELHI, BSF, 110003
397. SHRI VIDUR BHARDWAJ, COMMANDANT, G DTE, FHQ BSF NEW DELHI, BSF, 110003
398. DR. SMT. MANISHI DUBEY, COMMANDANT MEDICAL, FTR HQ BSF MEGHALAYA, BSF, 793006
399. SHRI SURINDER SINGH SAMBYAL, SECOND IN COMMAND, 126 BN BSF SUNDERBANI(J&K), BSF, 185153
400. SHRI DHARM PAL SIMCK, DEPUTY COMMANDANT, 164 BN BSF, DERA BABA NANAK PUNJAB, BSF, 143605
401. SHRI KANWAR SAHIB ANSAL, DEPUTY COMMANDANT, 169 BN BSF FAZILKA PUNJAB, BSF, 152123
402. SHRI SHEO RAM KAPIL, DEPUTY COMMANDANT, 59 BN BSF, PANTHACHOWK (J&K), BSF, 191101
403. SHRI SUGAR MARKI, DEPUTY COMMANDANT, 98 BN BSF, TALLIGURI (WB), BSF, 736156
404. SHRI YASHPAL SINGH CHAUHAN, DEPUTY COMMANDANT, 133 BN BSF, KARIMGANJ, ASSAM, BSF, 788025
405. SHRI SUSHIL KUMAR UPADHYAY, DEPUTY COMMANDANT, G DTE, FHQ BSF NEW DELHI, BSF, 110003
406. SHRI NARAYAN DASS SHARMA, DEPUTY COMMANDANT, 10 BN BSF, MAHARANI CHERA TRIPURA, BSF, 799013
407. SHRI PRATAP BHANU BHAKAR, DEPUTY COMMANDANT, 47 BN BSF BAGMA, TRIPURA, BSF, 799114
408. SHRI AJAY SAHAI, DEPUTY COMMANDANT, 81 BN BSF SEEMANAGAR (WB), BSF, 741166

409. SHRI P G MADHUSOODANAN, DEPUTY COMMANDANT, 162 BN BSF, TRISHUR, KERALA, BSF, 680751
410. SHRI RAN VIJAY CHAND, DEPUTY COMMANDANT, ARTILLERY HQ FARIDKOT, BSF, 151201
411. SHRI RAMESH .KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT (MIN), FTR HQ BSF M&C, BSF, 788002
412. SHRI RAM BINOD SINGH, INSPECTOR (GD), 11 BN BSF MAWPAT SHILLONG, BSF, 793012
413. SHRI HARENDER SINGH, INSPECTOR (GD), 30 BN BSF, SHILLONG, MEGHALAYA, BSF, 793006
414. SHRI SHARVAN KUMAR, INSPECTOR (GD), 89 BN BSF, AKHNOOR (J&K), BSF, 181201
415. SHRI MAHENDRA SINGH, INSPECTOR (GD), 1044 BSF ARTY REGT, BIKANER RAJASTHAN, BSF, 334001
416. SHRI SHATRUGHAN SINGH TOMAR, INSPECTOR (GD), 99 BN BSF, SEEMANAGAR (WB), BSF, 741166
417. SHRI SANWAT KHAN, INSPECTOR (GD), 129 BN BSF, BANDIPUR (J&K), BSF, 193502
418. SHRI ABHAY .SINGH, INSPECTOR (GD), 12 BN BSF, SHIKAR, PUNJAB, BSF, 143605
419. SHRI NAND KISHORE THAPLEEYAL, INSPECTOR (GD), 82 BN BSF, NARAYANPUR (WB), BSF, 732141
420. SHRI MOHAN LAL, INSPECTOR (GD), 27 BN BSF, NALKATA, TRIPURA, BSF, 799264
421. SHRI M RAVI, INSPECTOR (GD), 19 BN BSF, MAWPAT, MEGHALAYA, BSF, 793012
422. SHRI HARBANS LAL, SUB INSPECTOR (GD), HQ SDG(WC) CHANDIGARH, BSF, 160003
423. SHRI BALBIR SINGH, SUB INSPECTOR (GD), 10 BN BSF MAHARANI CHERA TRIPURA, BSF, 799013
424. SHRI AHIBARAN SINGH PAL, SUB INSPECTOR (GD), 148 BN BSF, ZOTLANG, MIZORAM, BSF, 796691
425. SHRI PADAM SINGH, SUB INSPECTOR (GD), 90 BN BS,F ABOHAR PUNJAB, BSF, 152116
426. SHRI SURESH KUMAR SHARMA, SUB INSPECTOR (GD), 11 BN BSF, MOWPAT, MEGHALAYA, BSF, 793012
427. SHRI SUBE SINGH, SUB INSPECTOR (GD), 123 BN BSF, MAWPAT, MEGHALAYA, BSF, 793012
428. SHRI SUBHASH CHAND, CONSTABLE (COOK), 53 BN BSF ARUNACHAL (ASSAM), BSF, 788025
429. SHRI THANGIAH SOLLAMUTHU, ASSTT COMDT MIN, FINANCE WING, FHQ BSF, NEW DELHI, BSF, 110003
430. MRS. NILIMA RANI SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CISF UNIT BSL BOKARO, CISF, 827001
431. SHRI VERTUL SINGH, SENIOR COMMANDANT, CISF UNIT BHEL BHOPAL, CISF, 462022
432. SHRI ZHOPONEYI ZUO, SENIOR COMMANDANT, CISF UNIT MTPS MEJIA, CISF, 722133
433. SHRI NIRVIKAR, SENIOR COMMANDANT, CISF 9TH RB DEOLI, CISF, 304804
434. SHRI PASUPATI PRATAP SINGH, SENIOR COMMANDANT, CISF 5TH RESERVE BATTALION GHAZIABAD, CISF, 201014
435. SHRI ARUN SINGH, SENIOR COMMANDANT, CISF IGI AIRPORT DELHI, CISF, 110037
436. MRS. DIVYA SHUKLA, SENIOR COMMANDANT, CISF UNIT NAPS NARORA, CISF, 203389
437. SHRI ANAND SAXENA, SENIOR COMMANDANT, CISF UNIT DAE KALPAKKAM, CISF, 603102
438. MRS. PIYALI SHARMA, SENIOR COMMANDANT, CISF ES HQR RANCHI, CISF, 834004
439. SHRI MANMOHAN KUMAR, COMMANDANT, CISF 9TH RESERVE BATALION DEOLI, CISF, 304804
440. SHRI AMARJEET SINGH, ASSISTANT COMMANDANT/EXE, CISF RTC DEOLI, CISF, 304804
441. SHRI SUVRAT VASISTHA, INSPECTOR/EXE, CISF UNIT AIRPORT MUMBAI, CISF, 400099
442. SHRI RAJESH KUMAR, INSPECTOR/EXE, CISF UNIT SSG NOIDA, CISF, 201306
443. SHRI KULDEEP SINGH RATHORE, INSPECTOR/EXE, CISF UNIT ECIA BENGALURU, CISF, 560100
444. SHRI NARESH KUMAR, INSPECTOR (STENO), CISF HQRS NEW DELHI, CISF, 110003

445. SHRI S SUBRAMANYAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF UNIT MCF HASSAN, CISF, 573201
446. SHRI PONTURU VIJAY KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF UNIT IG MINT HYDERABAD, CISF, 500051
447. SHRI BALBIR SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF UNIT BHEL HARIDWAR, CISF, 249403
448. SHRI ARSHAD ALI, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF UNIT SHEP SALAL, CISF, 182312
449. SHRI M S GOPA KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF UNIT MCF HASSAN, CISF, 573201
450. SHRI LEKH RAJ, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF UNIT NAPS NARORA, CISF, 203389
451. SHRI BHUPENDER SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF UNIT DMRC NEW DELHI, CISF, 110053
452. SHRI VASU DEV, ASSISTANT SUB INSPECTOR /EXE, CISF UNIT CGBS NEW DELHI, CISF, 110011
453. SHRI KIRTAN LAL PAIKRA, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF UNIT BIOM KIRANDUL, CISF, 494556
454. SHRI MATHEW A. JOHN, DIG, RAIPUR CHHATISGARH, CRPF, 492101
455. SHRI NARINDER PAUL, DIG, SRINAGAR JK, CRPF, 190010
456. SHRI DALJIT SINGH, COMMANDANT, VERINAG JK, CRPF, 192212
457. SHRI SANJAY KUMAR SINGH, COMMANDNT, BAWANA DELHI, CRPF, 110039
458. SHRI BALARAM BEHERA, COMMANDANT, JORHAT ASSAM, CRPF, 785004
459. SHRI RAJESH KUMAR, COMMANDANT, SRINAGAR JK, CRPF, 190012
460. SHRI DES RAJ, COMMANDANT, KALKAJI NEW DELHI, CRPF, 110019
461. SHRI MITHILESH KUMAR, COMMANDANT, GOALPARA ASSAM, CRPF, 783121
462. SHRI LAKKIPOGU DAVID, SECOND IN COMMAND, SECUNDRABAD TELANGANA, CRPF, 500076
463. SHRI DHARAM SINGH, SECOND IN COMMAND, DHUBRI ASSAM, CRPF, 783331
464. SHRI SHASHIKANT CHATURVEDI, SECOND IN COMMAND, VERINAG JK, CRPF, 192212
465. SHRI ABDUL SHAMMI DURRANI, SECOND IN COMMAND, SRINAGAR JK, CRPF, 190005
466. SHRI SHYAMAL KUMAR BASU, SECOND IN COMMAND, LALGARH WEST BENGAL, CRPF, 721516
467. SHRI MAMRAJ SINGH, SECOND IN COMMAND, BAWANA DELHI, CRPF, 110039
468. SHRI DEVANAND, SECOND IN COMMAND, UDHAMPUR JK, CRPF, 182101
469. SHRI GIRDHARI LAL YADAV, SECOND IN COMMAND, SRINAGAR JK, CRPF, 190001
470. SMT. TASLIMA KHAN, SECOND IN COMMAND, KATHUA JK, CRPF, 184142
471. SHRI SUDHIR DIWAKAR, SECOND IN COMMAND, VIJAYWADA AP, CRPF, 521101
472. SHRI JAGANNATH MANDAL, DY COMDT, SINGHBHUM JHARKHAND, CRPF, 832104
473. SHRI CHARITRA NARAYAN KALITA, INSP (GD), KAMRUP ASSAM, CRPF, 781017
474. SHRI TILAK RAM, INSP (GD), R.K. PURAM NEW DELHI, CRPF, 110066
475. SHRI SHIV SHAMBHU PANDEY, INSP (GD), BOKARO JHARKHAND, CRPF, 827013
476. SHRI BALWAN SINGH, INSP (GD), KATHUA JK, CRPF, 184142
477. SHRI JALESHWAR ORAON, INSP (GD), RANCHI, CRPF, 834004
478. SHRI RANBIR SINGH, INSP (GD), ALLAHABAD UP, CRPF, 211013
479. SHRI OM PRAKASH, INSP (GD), JAMMU JK, CRPF, 181123
480. SHRI SOLANKI RANJIT SINGH, INSP (GD), BASTAR CHHATISGARH, CRPF, 494442
481. SHRI SURATH CHANDRA PATEL, INSP (GD), SAMBALPUR ODISHA, CRPF, 768001

-
482. SHRI SANT LAL, INSP (GD), DARJEELING WB, CRPF, 734012
 483. SHRI LAL CHAND, INSP (GD), KARAWAL NAGAR NEW DELHI, CRPF, 110090
 484. SHRI GURCHARAN SINGH, INSP (GD), JALANDHAR, CRPF, 144805
 485. SHRI SUDARSHAN KUMAR, INSP (GD), SRINAGAR JK, CRPF, 190001
 486. SHRI SARFRAZ KHAN, INSP (GD), BOKAJAN ASSAM, CRPF, 782480
 487. SHRI KANWAR SINGH, INSP (GD), SRINAGAR JK, CRPF, 190005
 488. SHRI MAN SINGH, INSP (GD), SRINAGAR JK, CRPF, 190005
 489. SHRI SURENDER KUMAR DWIVEDI, SUB INSPECTOR (GD), GURUGRAM HARYANA, CRPF, 122001
 490. SHRI S.K. AYUB ALI, SI (GD), NUAPADA ODISHA, CRPF, 766105
 491. SHRI CHETRAJ CHHETRI, SI (GD), DARJEELING WB, CRPF, 734012
 492. SHRI M.T. THAMBI, SI (GD), PALLIPURAM KERALA, CRPF, 695316
 493. SHRI LAXMI PRASAD, SI (GD), RAMPUR UP, CRPF, 244901
 494. SHRI LAL BAHADUR SINGH, SI (GD), KULGAM JK, CRPF, 934024
 495. SHRI RAJGRIHI JHELAM, SI (GD), JAMUI BIHAR, CRPF, 811313
 496. SHRI CHANDAN SINGH, SI (GD), SAMBA JK, CRPF, 181133
 497. SHRI T. JACOB, SI (GD), BELGAUM KARNATAKA, CRPF, 590001
 498. SHRI BEERENDRA SINGH RAWAT, SI GD, GUND JK, CRPF, 934118
 499. SHRI GURDEV CHAND, SI (GD), AWANTIPORA JK, CRPF, 192122
 500. SHRI ANIL KUMAR SINGH, SI (GD), CHANDALI UP, CRPF, 221009
 501. SHRI KOTESWAR RAO KANCHARLA, SI (GD), VISAKHAPATNAM AP, CRPF, 530043
 502. SHRI RAJVEER, SI (GD), KULGAM JK, CRPF, 934024
 503. SHRI PRAVIN RAMESH RAO SHINDE, SI (GD), BHOPAL MP, CRPF, 462045
 504. SHRI MAYADHAR BEHERA, ASI (GD), BHUBANESWAR, CRPF, 751011
 505. SHRI MOHD. RIYASAT ALI KHAN, ASI (GD), GOALPARA ASSAM, CRPF, 783121
 506. SHRI BIJAY KUMAR RAM, ASI (GD), BOKARO JHARKHAND, CRPF, 827013
 507. SHRI DHANESHWAR SAHU, LNK (GD), DURGAPUR WB, CRPF, 713214
 508. SHRI SRINIVAS TANEERU, CT (GD), RAJAMUNDRY AP, CRPF, 533106
 509. SMT. DAYA NEGI, SI (GD) MAHILA, KARAWAL NAGAR NEW DELHI, CRPF, 110090
 510. SHRI NARESH KUMAR, INSP /TECH, JHARODA KALAN NEW DELEHI, CRPF, 110072
 511. DR. ANIL KUMAR MARU, CHIEF MEDICAL OFFICER (SELECTION GRADE), CENTRAL FRONTIER HEAD QUARTER ITBP TRILOCHAN NAGAR BHOPAL MP, ITBP, 462039
 512. SHRI NARENDER KUMAR, SECOND IN COMMAND (GD), FIFTEENTH BN ITBP PO GARHI DISTT UDHAMPUR JAMMU AND KASHMIR, ITBP, 182121
 513. SHRI RAJEEV GUPTA, DY COMMANDANT (GD), SS BN ITBP SABOLI CAMP PO NATHUPUR DISTT SONIPAT HARYANA, ITBP, 131029
 514. SHRI VINOD KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT (GD), NW FTR HQ ITBP AIRPORT, CHANDIGARH UT, ITBP, 160003
 515. SHRI BIR SINGH THAKUR, INSPECTOR (GD), SHQ TEZPUR ITBP RANGAMATI SONITPUR TEJPUR ASSAM, ITBP, 784153
 516. SHRI ASRAR KHAN, HEAD CONSTABLE (GD), SHQ(L&C) ITBP CHHAWALA CAMP NAJFGARH NEW DELHI, ITBP, 110071
 517. SHRI VISHWAMITRA ANAND, COMMANDANT (GD), SIXTEENTH BN ITBP C/O 56 APO, ITBP, 110003

518. SHRI AMIT KATIYAR, COMMANDANT (GD), EIGHTEENTH BN ITBP ALLAHABAD UP, ITBP, 211012
519. SHRI GOPAL SINGH, ASSISTANT COMMANDANT (GD), FIRST BN ITBP JOSHIMATH UTTARAKHAND, ITBP, 246443
520. SHRI HANS RAM, INSPECTOR (GD), 13TH BN ITBP LINGDOM SIKKIM, ITBP, 737102
521. SHRI BALWANT SINGH, INSPECTOR (GD), 35TH BN ITBP MAHIDANDA UTTARAKHAND, ITBP, 249195
522. SHRI SURJEET SINGH, SUB INSEPCTOR (GD), 38TH BN ITBP KHARORA RAIPUR CHHATTISGARH, ITBP, 493225
523. SHRI YATINDRA NATH RAI, ADDL JAG, HQ NSG, MEHRAMNAGAR, PALAM, NEW DELHI, NSG, 110037
524. SHRI SUCHIT TYAGI, TEAM COMMANDER (COMMUNICATION), HQ NSG, COMN. MEHAMNAGAR, PALAM, NEW DELHI, NSG, 110037
525. SHRI M RAMAMOORTHY, TEAM COMMANDER (SO), TRG CENTRE, NSG, MANESAR, GURUGRAM (HARYANA), NSG, 122051
526. SHRI AMRENDRA KUMAR, ASSISTANT COMMANDER –II(M), HQ NSG, MEHRAMNAGAR, PALAM, NEW DELHI, NSG, 110037
527. SHRI ANTHONY THANMI, COMMANDANT, 19TH BN SSB THAKURGANJ BIHAR, SSB, 855116
528. SHRI AJAY KUMAR, COMMANDANT, 66TH BN SSB JAMMU JAMMU AND KASHMIR, SSB, 180013
529. SHRI MAHESH KUMAR, COMMANDANT, 8TH BN SSB GAYA BIHAR, SSB, 823004
530. SHRI RAJEEV SHARMA, DEPUTY COMMANDANT, SHQ SSB JAMMU JAMMU AND KASHMIR, SSB, 180015
531. SHRI KULDEEP SINGH MARH, AREA ORGANISER, CTC SSB SAPRI KANGRA HP, SSB, 176031
532. SHRI PURNA CHANDRA CHINHARA, ASSISTANT DIRECTOR, FHQ SSB R K PURAM NEW DELHI, SSB, 110066
533. SHRI PRADEEP DOGRA, INSPECTOR GD, 54TH BN SSB BIJINI ASSAM, SSB, 783390
534. SHRI JANG BAHADUR YADAV, INSPECTOR GD, 59TH BN SSB NANPARA POST NANPARA UP, SSB, 271865
535. SHRI RUMAI SAIKIA, SUB INSPECTOR GD, 37TH BN SSB MANGALDOI DISTT DARRANG ASSAM, SSB, 784125
536. SHRI DEVINDER SINGH, ASI GD, 51ST BN SSB SITAMARHI DISTT SITAMARHI BIHAR, SSB, 843302
537. SHRI RAMESH CHAND, ASI GD, 31ST BN SSB GOSSAIGAON KOKRAJHAR ASSAM, SSB, 783360
538. SHRI SUBODH KUMAR CHANDOLA, DFO MOUNTAINEERING, CI AND JW SCHOOL GWALDAM UTTARAKHAND, SSB, 246441
539. SHRI MAHESH CHAND SHARMA, JOINT DEPUTY DIRECTOR, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
540. SHRI RAJINDER PAL SINGH, JOINT DEPUTY DIRECTOR, SIB CHANDIGARH, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
541. SHRI IQBAL SINGH GILL, JOINT DEPUTY DIRECTOR, SIB AMRITSAR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
542. SHRI DEBJYOTI BISWAS, JOINT DEPUTY DIRECTOR / NP, IB HQR,S NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
543. SHRI SHASHI KARAN, ASSISTANT DIRECTOR, SIB JAMMU, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
544. SHRI NIRANJAN KUMAR SINGH, ASSISTANT DIRECTOR, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
545. SHRI RAMESHWAR YADAV, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

-
546. SHRI SHAJI CHERIAN, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
547. SHRI RAJESH GUPTA, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, SIB IMPHAL, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
548. SHRI RAJESH KUMAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
549. SHRI ILAMUGIL ARUNACHALAM, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, SIB TRIVANDRUM, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
550. SHRI LAKSHMI NARAYANA KONDIPARTHI, SECTION OFFICER, SIB HYDERABAD, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
551. SHRI SANDIPAN TARAFDAR, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, SIB LUCKNOW, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
552. SHRI N JAYADEVAN, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
553. SHRI ASHOK KUMAR SHARMA, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, SIB JAMMU, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
554. SHRI RAMASAMY JAGADEESAN, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, SIB CHENNAI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
555. SHRI GANESH JHA, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, SIB RANCHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
556. SHRI YADURAM SHARMA, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/ EXE, SIB GANGTOK, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
557. SHRI SANKAR SARKAR, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/TECHNICAL, SIB KOLKATA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
558. SHRI DURGESH KUMAR PRABHAKAR, ASSISTANT SECTION OFFICER, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
559. SHRI PRASANNA KUMAR, JUNIOR INTELLIGENCE OFFICER-I/ EXE, SIB PATNA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
560. SHRI RANBIR SINGH RANA, PRIVATE SECRETARY, SIB CHANDIGARH, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
561. SHRI UMED SINGH RAWAT, ASSISTANT DIRECTOR (STAFF OFFICER), IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
562. SHRI RAJKISHORE SHAW, JOINT DEPUTY DIRECTOR /NP, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
563. SHRI SHANKAR PRADHAN, JUNIOR INTELLIGENCE OFFICER- I/ EXE, SIB GUWAHATI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
564. SHRI YENDREMBAM TOMCHA SINGH, JUNIOR INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, SIB IMPHAL, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
565. SHRI JAGROOP SAMARTHLAL GUSINHA, SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI AC-VI/SIT NEW DELHI, CBI, 110003
566. SHRI CHILKURI VENKATA NARENDRA DEVE, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI ACB VIZAG, CBI, 530017
567. SHRI AJAY KRANTI SHARMA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI SU NEW DELHI, CBI, 110003
568. SHRI MAYUKH MAITRA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI SU KOLKATA, CBI, 700020
569. SHRI JITENDRA KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI ACB JODHPUR, CBI, 342304
570. SHRI RAJENDER SINGH, INSPECTOR OF POLICE, CBI BS&FC MUMBAI, CBI, 400098

571. SHRI BODH RAJ, INSPECTOR OF POLICE, CBI EO-I NEW DELHI, CBI, 110003
572. SHRI VIJAY BAHADUR, INSPECTOR OF POLICE, CBI AC-I NEW DELHI, CBI, 110003
573. SHRI Y RAMAKRISHNAN, INSPECTOR OF POLICE, CBI ACB CHENNAI, CBI, 600006
574. SHRI SANJAY KANT JHA, INSPECTOR OF POLICE, CBI HQ NEW DELHI, CBI, 110003
575. SHRI GURMEET SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CBI AC-1, NEW DELHI, CBI, 110003
576. SHRI BALLABH PRASAD, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CBI IPCC NEW DELHI, CBI, 110003
577. SHRI CHAMAN LAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CBI STF NEW DELHI, CBI, 110003
578. SHRI JAGPAL SINGH, HEAD CONSTABLE, CBI ACB NEW DELHI, CBI, 110003
579. SHRI BABU RAM, HEAD CONSTABLE, CBI AC-III, NEW DELHI, CBI, 110003
580. SHRI SUSHIL KUMAR, HEAD CONSTABLE, CBI ACADEMY GHAZIABAD, CBI, 201002
581. SHRI K P SINGH, HEAD CONSTABLE, CBI EO-I, NEW DELHI, CBI, 110003
582. SHRI LAKHAN SINGH, CONSTABLE, CBI EO-IV KOLKATA, CBI, 700064
583. SHRI BHARAT BHUSHAN SHARMA, CONSTABLE, CBI ACB JAMMU, CBI, 180012
584. SMT. K.P. SATHY DEVI, CRIME ASSISTANT, CBI ACB COCHIN, CBI, 682017
585. SHRI RAJEEV KUMAR, PERSONNAL ASSISTANT, CBI POLICY DIVISION NEW DELHI, CBI, 110001
586. SHRI CHANDRA MOHAN SINGH RAWAT, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, NEW DELHI, SPG, 110077
587. SHRI SANJAY CHAUHAN, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, NEW DELHI, SPG, 110077
588. SHRI RAJENDER SINGH, SSA, NEW DELHI, SPG, 110077
589. SHRI PREM PAL, SO-II (WT), NEW DELHI, SPG, 110077
590. SHRI RAMESH KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CHANDIGARH, BPR & D, 160036
591. SHRI ANAND JAIN, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, NIA, HQRS NEW DELHI, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 110003
592. SHRI A.P. SHOUKKATHALI, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, NIA KOCHI, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 682020
593. SHRI BABULAL MUKHERJEE, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, NIA HYDERABAD, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 500016
594. SHRI AMARVIR YADAV, DEPUTY COMMANDANT, SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY HYDERABAD, SVP NPA, 500052
595. SMT. M B S PARIMALA, INSPECTOR, SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY HYDERABAD, SVP NPA, 500052
596. SHRI ROHIT KATIYAR, DEPUTY DIRECTOR, R K PURAM NEW DELHI, NCB, 110066
597. SHRI KESHAV KUMAR, SECOND IN COMMAND, HQ DG NDRF, CGO COMPLEX, NEW DELHI, NDRF, 110003
598. SHRI LOKENDRA SINGH, DEPUTY COMMANDANT, 07 BN NDRF, BATHINDA, PUNJAB, NDRF, 151001
599. SHRI CHITUKANE PRAMOD TULSIRAM, SUB INSPECTOR, 05 BN NDRF, PUNE, MAHARASTRA, NDRF, 412109
600. SHRI RAM NIWAS RAWAT, ASSISTANT SUB INSPECTOR GD, 01 BN NDRF, GUWAHATI, ASSAM, NDRF, 781017
601. SHRI SUMATI SHANDILYA, DIG, NEW DELHI, M/O RAILWAYS, 110001
602. SHRI ALOK BOHRA, DY CHIEF SECURITY COMMISSIONER, MUMBAI, M/O RAILWAYS, 400020
603. SHRI RAKESH KUMAR PANDEY, ASSISTANT SECURITY COMMISSIONER, MUMBAI, M/O RAILWAYS, 400020

604. SHRI K. P. JAMES, ASSISTANT COMMANDANT, 7TH BN RPSF HYDERABAD, M/O RAILWAYS, 500040
605. SHRI SHIRISH SADANAND DHENG, SUB INSPECTOR, MUMBAI, M/O RAILWAYS, 400001
606. SHRI DHANRAJ GOMAJI MESHRAM, HEAD CONSTABLE RPF, NAGPUR, M/O RAILWAYS, 440001
607. SHRI NAND LAL, HEAD CONSTABLE, LOHARU, M/O RAILWAYS, 127001
608. SHRI SADHU RAM SIDAR, HEAD CONSTABLE, BILASPUR, M/O RAILWAYS, 495004
609. SHRI TARUN KUMAR PAN, HEAD CONSTABLE RPF, KOLKATA, M/O RAILWAYS, 700037
610. SHRI SWAPAN NAYAK, HEAD CONSTABLE RPF, KOLKATA, M/O RAILWAYS, 700037
611. SHRI OM PRAKASH RAWAT, INSPECTOR RPF, DELHI, M/O RAILWAYS, 110034
612. SHRI JAICHAND SHARMA, ASI, LUCKNOW, M/O RAILWAYS, 226001
613. SHRI PRADEEP KUMAR GUPTA, DIG TRAINING, LUCKNOW, M/O RAILWAYS, 226011

2. These awards are made under rule 4(ii) of the rule governing the grant of Police Medal for Meritorious Service.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

New Delhi the 4th May, 2018

No. 45-Pres/2018.—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Chhattisgarh Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

- | | | |
|--------|---------------|------------------------------|
| S/Shri | | |
| 01. | Chanakya Nag | (1 st Bar to PMG) |
| | Inspector | |
| 02 | Manoj Singh | (PMG) |
| | Sub Inspector | |

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on specific intelligence about the presence of a large number of naxal cadres in the area of Padera, Munga, Korcholi, Savnar under PS Gangloor, District Bijapur. On 19.01.2015 at 01.045 hrs, a party comprising 123 police personnel under the command of district police force Inspector Chanakya Nag left from Police Station.

The police party was advancing towards target area village at about 10:45 hrs, the CPI (Maoist) cadres opened indiscriminate fire on the party with the intention to kill the police personnel and loot their weapons. Although the naxals mounted a surprise attack on the police party, police party took defensive positions and retaliated in self defence. The naxals were directed to surrender but they continued to fire on the police parties. Inspector Chanakya Nag asked the police personnel to advance and counter attack the naxals after taking proper defensive maneuvers. Inspector Chanakya Nag and Sub Inspector Manoj Singh, other police personnel taking advantage of the thick vegetation, forest cover and hilly features, fired on the naxals and the exchange of fire continued for nearly 30 minutes. Inspector Chanakya Nag fought without caring for his life. The naxals fled away in the jungle by taking advantage of thick forest and undulating ground. After the exchange of fire thorough search of incident site was conducted. During the search dead body of one hardcore colleague alongwith 9 mm Pistol and .303 Rifle with Magazine and other items was recovered.

In this action, Inspector Chanakya Nag provided exemplary leadership to his troops at the hour of crisis. When his party was attacked by naxals he exhibited great presence of mind and superb operational sense. Inspector Chanakya Nag and Sub Inspector Manoj Singh fought without caring for their lives. He motivated his men to defend each other, under his able guidance and leadership, the police personnel kept moving forward to counter the naxal attack, knowing fully well that every step could have been fatal.

In this encounter, S/Shri Chanakya Nag, Inspector and Manoj Singh, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/01/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 46-Pres/2018.—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Chhattisgarh Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Kanyaiya Lal Dhruwa (1st Bar to PMG)

Superintendent of Police

02. Laxman Kewat (2nd Bar to PMG)

Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on specific intelligence about the presence of the large number of naxal cadres alongwith some prominent naxal leader in the area of Kamarguda, Kotamguda, Chote Punnur, Bade Punnur. On 13.02.2015 at 16:10 hrs, a party comprising 98 police personnel under the command of Inspector Laxman Kewat Incharge of PS Awapalli and over all command of Shri K.L. Dhruwa, S.P. Bijapur left from PS Awapalli towards target area.

While the police party was advancing towards villages Kamarguda, Kotamguda, Chote Punnur, about 17:15 hrs in the jungle area of Chote Punnur, 25-30 armed CPI (Maoist) cadres in camouflage uniform and civil dress attacked the police party. The naxalites opened indiscriminate fire on the party with the intention to kill the police personnel and loot their weapons. Although the naxals mounted a surprise attack on the police party but under the direction of Shri K.L. Dhruwa, SP Bijapur police took defensive positions and retaliated in self defence. The naxals were directed to surrender but they continued to fire on the police parties. Shri K.L. Dhruwa, SP Bijapur directed Inspector Laxman Kewat & the police personnel to advance and counter attack the naxals after taking proper defensive maneuvers. Inspector Laxman Kewat and other police personnel taking advantage of the thick vegetation, forest cover and hilly features, fired on the naxals and the exchange of fire continued for nearly 30 minutes. The naxals fled away in the jungle by taking advantage of thick forest and undulating ground. After the exchange of fire, thorough search of incident site was conducted. During the search dead body of one naxal, identified as Michha Dhannu alias Channu and one 12 Bore rifle, 03 nos. live rounds, 01 no. pipe bomb, cordex wire, detonator and wire 20 mtrs. empty cases of SLR- 10. , INSAS empty cases 02, 04 naxalite literature and other daily use items were recovered. Further search of the area also one Bharmar rifle was recovered.

In this action Shri K.L. Dhruwa, SP Bijapur provided exemplary leadership to his troops at the hour of crisis. When his party was attacked by naxals he exhibited great presence of mind and superb operational sense. Shri K.L. Dhruwa, SP Bijapur fought without caring for his life. He motivated his men to defend each other, under his able guidance and leadership the police personnel kept moving forward to counter the naxal attack, knowing fully well that every step could have been fatal. The exemplary courage, lion hearted effort and gallant action without caring for their life, in service of the Nation had brought laurels to the Chhattisgarh Police.

In this encounter, S/Shri Kanyaiya Lal Dhruwa, Superintendent of Police and Laxman Kewat, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/02/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 47-Pres/2018-The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Chhattisgarh Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

01.	Shri Rohit Kumar Sori Head Constable	(Posthumously)
02.	Shri Manoj Kumar Baghel Head Constable	(Posthumously)
03.	Shri Rajman Netam Constable	(Posthumously)
04.	Shri Kiran Kumar Deshmukh Constable	(Posthumously)
05.	Shri Mohan Singh Uike Constable	(Posthumously)
06.	Shri Rajkumar Markam Constable	(Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10th April 2015, Platoon Commander Shri Shankar Rao, temporarily camping at police Station Polampalli, District Sukma got an intelligence input about the presence of 25 armed CPI (Maoist) cadres near village Pidmel. Platoon Commander Rao, immediately briefed his team of 49 personee, took extra ammunition & planned an offensive operation. As per plan, PC Rao left with his team for operation on 11th April 2015 at around 02:00 hours, taking a cross country route to Pidmel.

On conducting search, STF team did not find Maoists presence near village Pidmel. The team, left the village and decided to halt on a small hillock near Pidmel in the morning for a break. Meanwhile, Maoists, who were camping in between Pidmel & Dabbakonta got information of police movement, stealthy followed the police party and on reaching the hillock, started encircling the STF party.

After the search the security personnel halted near RV point. 209. Platoon Commander Rao noticed some suspicious movement and exhibiting exemplary

leadership qualities moved in that direction to ascertain the cause of the sudden movement. But the brave leader was hit on the chest by a bullet from the Maoists who were in the process of encircling the hillock. Platoon Commander Rao even after being mortally wounded alerted the rest of the party. His prompt alertness was able to curtail further casualties that could have happened as the security party was temporarily halting and therefore not in position for quick action. But after Platoon Commander Rao's call, the party immediately took position and retaliated against the indiscriminate fire of the Maoists. Platoon Commander Rao put up a valiant fight but succumbed to his injuries after sometime.

After PC Shankar Rao was martyred on the spot. Head Constable R.K. Atra suo moto took command of the party. HC R.K. Atra showing great presence of mind decided to move ahead by breaking through the Maoist ambush. For this, he himself fired with UBGL and the impact of this area weapon succeeded in scattering the Maoists party. However, moving ahead the party was caught in a second ambush. But HC R.K. Atra and his men valiantly fought the Maoists and come out of the ambush. The intensity of the Maoist attack and the number of Maoists involved in this attack can be understood by the sheer fact that a third ambush was planted ahead. HC R.K. Atra fired the UBGL cell which resulted in the death of three Maoists and the third ambush also failed miserably. All the injured police personnel were brought back by the security party and the arms of the martyred officer/jawans could not be looted.

During this fierce gun battle 07 Jawans, including PC Shankar Rao, got martyred & 10 Jawans sustained bullet injuries. The party reached Kankerlanka camp at about 16:15 hrs. Deployment in the area mainly exists along. Dornapal-Jagargunda (56km) & Sukma-Konta (78km) axis. The area encircled in between Kankerlanka-Chintagufa and Bhejji-Kistaram has gradually converted into Maoists guerilla base area due to complete security vacuum & hilly tough inaccessible terrain abreast with jungles and river/rivulets. Maoist PLGA Bn No. 1 along with military platoon. LOS, LGS and janmilitia etc. is active in the area and has inflicted significant casualties to the SFs in the past. To say few, on 06.04.2010 near

Tadmetla, 76 jawans of CRPF got martyred and in a recent attack on CRPF near Kasalpad on 01.12.2014, 14 CRPF personnel were martyred.

On 16.04.2015, Sodi Rama, Janmilitia Commander of Karrigundam, who was involved in the incident surrendered before police at PS Polampali. He revealed that more than 250 Maoists were involved in Pidmel encounter and that 35 Maoists were killed & 15 got injured in the encounter. He further told that Maoists Bn. No. 1 Dy. commander Situ & Konta Area Committes Secretary/Division Committee Member (DVCM) Madkam Arjun were among the killed Maoists. Dead bodies of all 35 Maoists were taken to the nearby jungle areas of Endapar and pentapad by the Maoists with the help of villagers and cremated.

STF is a force raised specially to combat the challenges posed by Maoism in the state. After its formation, the STF has reaped huge successes. This can be primarily attributed to the fact that this force comprises of men who have voluntarily come to be a part of STF to erase the naxal menace from various units of the police Department. HC Atra has been a part of STF since 02.11.2011. PC Rao has been awarded Out of Turn Promotion twice in his career and therefore, in a very short duration he rose from the rank of constable to Platoon Commander. This indicates his strength of character, extreme dedication to duty and valor in the face of adversity.

Thus, a small contingent of 49 STF personnel under the leadership of PC Shankar Rao exhibited exemplary courage & fought bravely with more than 250 armed Maoists in their base area. STF's movement throughout the operation, was tactical and they made best use of the terrain. They did not allow the Maoists to loot their weapons.

With utter disregard to his personal safety, PC Shankar Rao moved in the direction of fire and tried to engage the Maoists who intended to cause heavy casualties to his men. In a rare display of dauntless courage, he alerted the force to take position to eliminate/neutralize the enemy forces. Thus very rightly PC Shankar Rao displayed dauntless courage and extraordinary valour under heavy fire from close quarters in face of certain death. Platoon Commander Shankar Rao and other Police personal displayed exceptional valour, audacity in face of fire and made the supreme sacrifice beyond the call of duty. They placed themselves in extreme danger for safely of their colleagues in the highest traditions of Indian police.

In this encounter, Late Shri Rohit Kumar Sori , Head Constable, Late Shri Manoj Kumar Baghel , Head Constable, Late Shri Rajman Netam, Constable, Late Shri Kiran Kumar Deshmukh, Constable, Late Shri Mohan Singh Uike, Constable and Late Shri Rajkumar Markam, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/04/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 48-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Delhi Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Attar Singh

Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On basis of receipt of information by Insp. Attar Singh regarding movements of members of Mewati gang, intelligence in this regard was gathered and sharp and discreet surveillance was kept upon gang members by the team deployed in this regard including HC Sanjeev Kumar. Insp. Attar Singh of Special Cell/NR was having information for many months about activities of members of this gang of dacoits, which were reportedly active in many states. This was done despite the fact that members of this gang are very ruthless and desperate and they don't hesitate to fire on slightest provocation or resistance by the victims. They even don't hesitate to open fire on police to escape from the clutches of law. These Mewati dacoits are very notorious in ruthlessness and displaying inhumanity in committing these crimes. In the past they have attacked police parties many times and even damaged police vehicles by pelting stones and indiscriminate firing when ever cornered by police.

Operation

Painstaking efforts of more than 06 months succeeded when a specific information regarding movements of members of this gang in Delhi was received by Insp. Attar Singh. Information was that three members of this gang including kingpin Islamuddin heavily armed was likely to come to Mundka via Rohtak Road to meet one of their associates. A raiding party led by Insp. Attar Singh and consisting of SI Jeetendra Tiwari, HC Dilwar No.606/SB, HC Sanjeev No. 729/SB, HC Harpeet No. 559/SB, Ct. Sumer No. 824/SB, Ct. Vipin No. 642/SB, Ct. Vikas No. 723/SB, Ct. Sanjeev No. 1408/SB was constituted. In view of history of attack upon police by members of this gang and dreadedness and ruthlessness shown by these criminals in commission of heinous offences, members of team were also fully prepared and armed, some wearing bullet proof jackets. Trap was laid near Nangloi Railway Station /Metro Station where three members of this gang in a Fortuner car arrived on 25/07/2016 at about 05:45 PM. The trio came out from their car. When Insp. Attar Singh who was leading the police team tried to surround and overpower them, Islamuddin took out pistol and threatened to fire. Insp. Attar Singh did not lose patience and kept cool headed constantly guiding his colleagues. On seeing the police team undeterred, Islamuddin fired upon Insp. Attar Singh who tried to rush towards Islamuddin to overpower him. The bullet hit on the bullet proof jacket worn by Insp. Attar Singh. Surrender also took out his pistol and tried to fire upon police team. Threat of these dreaded criminals did not deter police team to react. Insp. Attar Singh and HC Sanjeev showed exemplary courage and presence of mind. Even their life was in danger, but both without caring for their lives rushed toward dacoits to overpower them. Even after getting hit by bullet, Insp. Attar Singh did not lose mental balance and courage. He pounced upon dacoits, overpowered Surrender and snatched his loaded pistol from him. HC Sanjeev also showed immense courage and supported Inspector in neutralizing the desperados. He without caring for his life rushed towards Islamuddin and snatched loaded pistol of Islamuddin. Other team members also reacted instantly and help in overpowering the criminals. Total three firearms with live cartridges i.e. one English pistol of 7.65 and 02 country made pistols of .315 bore with 06 live cartridges were recovered from their possession at spot. One robbed Fortuner car was recovered from them at spot. The Fortuner was found robbed from Mahipalpur in Delhi at gunpoint. Besides above 20 mobile handsets and 40 SIM cards used for communication at the time of commission of dacoities were also recovered.

Remaining two associates of this gang namely Mohd. Sabir and Irshad were also - arrested and a robbed Honda City car, nine live cartridges and a Verna car were also recovered from them. During investigation 05 fake driving licenses, 18 fake Aadhaar cards, 05 fake Voter Id cards, 04 fake RC's and fake insurance papers of 06 robbed cars were recovered at instance of arrested persons, later on MP Police succeeded to recover copper wires worth more than Rs. 01 crore from Delhi on the basis of information provided by Special Cell.

Modus – operandi of gang

Five arrested dacoits were thoroughly interrogated. During interrogation, it was revealed that Islamuddin is the head of this gang. He is involved in more than 42 cases of murder, attempt to murder, kidnapping for ransom, extortion, robbery, dacoity, assault, criminal intimidation, gang rape etc. There are more than 15 members of this gang, mostly belonging to Mewat area. It was revealed that modus-operandi of this gang is to rob cars, which were used to chase trucks having copper wires at gunpoint. Members of this gang normally rob trucks having copper wires as it is very costly item and they receive enough money by sale. They used to waylay such trucks loaded with copper wires, bundle the truck drivers, cleaners, helpers etc by kidnapping them. After overpowering the occupants of the truck, they used to remove GPS installed in trucks. All trucks taking costly copper wires are required to install GPS. They used to take these robbed trucks to their godowns in Delhi and Haryana. They used to unload copper wires and leave the truck 100-150 kms away from Delhi. After unloading the truck and leaving it somewhere, they abandoned these truck drivers and cleaners. The gang is headed by Islamuddin and the other members of gang are Harun, Aslam, Salim, Surrender, Sabir, Suraj @ Pandit, Monu, Irfan, Salman, Hanif, Azad, Iqbal, Khalid, Abid, Liyaqat etc who are from Mewat area.

In this operation, Shri Attar Singh, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/07/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 49-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Delhi Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICER**Shri Rajinder Kumar****Sub Inspector****Statement of service for which the decoration has been awarded**

This is a citation for the award of "POLIC MEDAL FOR GALLANTRY" to the Police officers of AATS/East District, Delhi namely SI (now Inspector) Rajinder Kumar, No. D-2207 his exemplary gallant act and extra ordinary good work that led to a successful operation in which the dreaded and rewarded criminal namely Amit Kumar who was carrying a reward of Rs.1 Lac on his head and wanted & involved in several cases of murder, attempt to murder, snatching, auto theft, robbery and Arms Act was apprehended and arrested after a brief encounter and in the exchange of fire in the intervening night of 6/7.8.2016 near underpass (near Mangalam Hospital red light) Mother Dairy, Pandav Nagar, Delhi.

On 06.08.2016, SI (Now Inspector) Rajinder Kumar, received a secret information that dreaded and rewarded criminal namely Amit Kumar, who is one of the gang member of Satyaprakash @ Sattey and is involved in several cases of murder, attempt to murder, snatching, robbery etc., would come near Mother Dairy in Pandav Nagar, Delhi to see some of his friend. On this information, immediately a team of AATS/East District comprising of Inspr. D.P. Singh, SI (Now Inspector) Rajinder Kumar, SI Dheeraj, SI Sanjeev, ASI Rajender, HC Sukhbir Singh, HC Rajiv, Constable Jitender, Constable Raj Kumar and Constable Ram Gopal under the supervision of Sh. Y.K. Tyagi, ACP/Operations was constituted. In the intervening night of 6/7.8.2016, the team of AATS/East Distt. laid a trap near Mother Dairy, Pandav Nagar at 1.30 AM in the morning. After a tip off from the informer, Amit Kumar was spotted and on being pointed out by the informer, he was signaled by the police party to stop near Mother Dairy turn. Accused Amit, who was riding on a Scooty (No. DL-5S-BM-4434), tried to flee but was chased by the police party. Police team chased him and he lost his balance when his Scooty was hit by the Maruti Estilo Car No. DL 2C AG 6573 near underpass (near Malgalam Hospital red light) by ASI Ragender. The criminal took out a fire arm and started indiscriminate firing on the police team. He fired a total of 04 rounds and 01 round hit the bullet proof jacket of SI (Now Inspector) Rejinder Kumar on the chest side as police official was in the direct line of fire. SI (Now Inspector) Rajender Kumar brave police officer also fired in self defence and a total of 02 rounds were fired by him. Criminal Amit was finally overpowered by him and a pistol having 03 live cartridges in its magazine was recovered from his possession. In this regard, a case vide FIR No.439 dated 7.8.2016 u/s 307/186/353/332 IPC and 25/27 Arms Act, PS MadhuVihar, Delhi was registered and accused Amit Kumar was arrested. One sophisticated Pistol with 03 live cartridges of 7.5 bore and Scooty No. DL 5S BM 4434 used in the crime were seized. The Scooty No. DL-5S-BM-4434 was found robbed by the criminal and a case vide FIR No.940/15 u/s 392/397 IPC PS Krishna Nagar was registered in this regard.

SI (Now Inspector) Rajinder Kumar, No. D-2207 risked his life and conspicuously exhibited exemplary courage, bravery and dedication of highest degree in this operation. The unmatched gallant and brave act displayed by each member of police team especially SI (Now Inspector) Rajinder Singh has been applauded by all ranks in Delhi Police and instilled a feeling of security in the minds of general public. Police officers have been granted promotion to the next higher rank on out of turn basis with immediate effect vide PHQ's order No.69396-500/CB-III(Inc.)/PHQ, dated 16.11.2016 for exhibiting outstanding act of gallantry and devotion to duty in the above matter.

In this operation, Shri Rajinder Kumar, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 07/08/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH**Officer on Special Duty**

No. 50-Pres/2018-The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Delhi Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICER**Shri Ravinder Kumar Tyagi****Sub Inspector**

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 13.09.2008, the serial blast incidents were reported at Gaffar Market, Karol Bagh, Central Park, Connaught Place, Barakhamba Road and Greater Kailash, Delhi. Three bombs were diffused, one at Regal Cinema, one at Central Park, Connaught Place and one at Children's Park, India Gate, Delhi. 26 people died and 133 got injured in above blast incidents. The investigation of one of the blast case vide FIR No. 166/08 dated 13.09.08 U/s 302/323/121/34-IPC, 3/4/5-Explosive Substances Act, 10/12/13-Unlawful Activities (P) Act P.S. Karol Bagh Delhi was transferred to Special Cell/NDR.

A special team was constituted in the Special Cell of Delhi Police, which is the counter-terrorism unit of the capital's police force, to investigate the cases and bring the culprits to book. After analysis of data and inputs received from intelligence agency led them to the area of Batla House in Jamia Nagar of Delhi where the suspected module was holed up in one of the flats.

On 19.09.2008, a team headed by Inspector Mohan Chand Sharma, first went to the place to apprehend the accused. A backup team was stationed at ground floor. Inspector Mohan Chand Sharma, who was heading the first team, directed SI Dharmender to go into flat No. 108 in the garb of an executive of one of the mobile service providers with the express purpose of fixing the identity of the user of mobile number 9811004309.

SI Dharmender first went upstairs on the top floor flat No. 108 of L-18, Batla House. He heard couple of voices in the apartment and decided to come back to inform Inspector Mohan Chand Sharma who then decided to go together to check the inmates in the apartment. A seven member team including Inspector Mohan Chand Sharma, SI Rahul Kumar, SI Dharmender Kumar, SI Ravinder Tyagi, HC Balwant, HC Satender and HC Udaibeer went to the top floor of this building, where this flat No. 108 was located.

Inspector Mohan Chand Sharma knocked the front door and asked them to open the door, informing them of their being police personnel. Nobody opened the door. He then tried to push the door but it was found bolted from inside. He then pushed the other door which was not found bolted from inside and the team led by Inspector Mohan Chand Sharma entered the flat through this door. Immediately, a volley of fire came on the police team from the right side of the drawing room as well as the left side room of the apartment. Insp Mohan Chand Sharma, SI Rahul Kumar, SI Ravinder Tyagi, HC Balwant also fired back in self defence and with a view to apprehend the militants as they were trapped between the fires of militants coming from both sides. The militants were firing from sophisticated fire arms. During shootout Insp Mohan Chand Sharma sustained bullet injuries and he fell down, then SI Dharmender shown exemplary courage and picked up the official pistol of injured Insp Mohan Chand Sharma and he along with SI Rahul Kumar and HC Balwant bravely confronted the militants present in the drawing room. While returning fire, they were in the direct firing line of the militants and had no cover for their safety. It was a very close range firing. SI Ravinder Tyagi was in front of the militant who was firing from left side room. SI Ravinder Tyagi bravely confronted that militant in self defence. During shootout one of bullet fired by militants hit HC Balwant in his right hand and his pistol fell down but by collecting all of his strength, he picked up pistol from his left hand in order to avoid it's going in to the hands of militants. During the gunfight with militants, after injury to Insp Mohan Chand Sharma, SI Rahul Kumar led the team right from the front and confronted the hail of fire of the militants. SI Rahul Kumar faced the militants head on and also directed his team members to immediately remove the injured Insp Mohan Chand Sharma and HC Balwant to the hospital.

During shootout one of the militants later identified as Mohd Atif Ameen @ Bashir sustained bullet injuries while two militants later identified as Ariz @ Junaid & Shahbaz @ Pappu managed to escape from the spot while firing at the police party. Inspector Mohan Chand Sharma and HC Balwant Singh were sent to hospitals through SI Dharmender and HC Udaibeer. Some militants were still hiding in the left side room. Their escape was blocked by SI Rahul Kumar, SI Ravinder Tyagi and HC Satender. In the mean time the back-up team, headed by ACP Sanjeev Kumar Yadav including HC Rajbir Singh, equipped with bullet proof-jackets and arms also reached in the flat. SI Rahul who was already present there informed ACP Sanjeev Kumar Yadav about the incident and also told about the other militants, who had fired at police party, are hiding in the left side room. ACP Sh Sanjeev Kumar Yadav asked the militants, hiding in left side room to surrender before police party but they did not respond. Then ACP Sh Sanjeev Kumar Yadav and HC Rajbir Singh bravely tried to enter in that room to apprehend the militants but one of them moved towards the door of the balcony simultaneously firing at the police team. ACP Sh Sanjeev Kumar Yadav was in the direct line of fire of the militant and one of the fired bullets passed close to daredevil ACP. Shri Sanjeev Kumar Yadav immediately retaliated in self defence. The militant continued firing upon police party to escape and causing casualty and two of the fired bullets hit HC Rajbir in the chest but he was saved because of bullet proof jacket being worn by him. HC Rajbir immediately retaliated with his AK 47 assault rifle in self defence. ACP Sh Sanjeev Kumar Yadav with acute presence of mind, sense of valour and firm determination neutralized the dreaded militant.

In the cross fire by the back-up team, militant Mohd Sajid @ Pankaj sustained injuries whereas another militant identified as Mohd Saif @ Rahul Sharma surrendered before the police party. Both the injured militants Mohd Atif Ameen and Mohd Sajid were removed to Hospital and they were declared brought dead at AIIMS Hospital. Inspector Mohan Chand Sharma later succumbed to his injuries at the hospital the same day.

One AK series assault rifle with 2 magazines loaded with 30 rounds each and two pistols of .30 calibre were recovered from the militants. One militant namely Mohd. Saif r/o Azamgarh, UP was also apprehended from flat No. 108, L-18 Batla House, Jamia Nagar, Delhi. During interrogation, Mohd Saif admitted his involvement in serial blasts at Delhi, Ahmedabad, Jaipur and other parts of India. On a cursory search of the flat, 2 laptops, mobile phones, pen drive, internet data card, compact Disks, Digital video cassettes, broken SIMs, SIM card of various companies, cycle ball bearing, incriminating documents related to jihad etc were recovered.

The information about involvements of these outfit members were shared with Central Intelligence Agencies, Rajasthan, Mumbai, Gujarat, Uttar Pradesh and other State police. In the recent serial blasts, five accused persons have been arrested by Delhi Police and twenty accused persons have been arrested by Maharashtra police and one by UP Police. During their interrogation, all of them have corroborated the disclosures of accused persons arrested by Delhi Police. It was due to the grand valour and exemplary courage shown by ACP Sh Sanjeev Kumar Yadav, SI Rahul Kuamr, SI Dharmender, SI Ravinder Tyagi, HC Balwant and HC Rajbir that two militants were neutralised in the shoot out, one was apprehended alive and the entire module of the terrorist out fit Indian Mujahideen was busted. Undeterred and unfazed, ACP Sh Sanjeev Kumar Vadav fired 2 rounds, SI Rahul Kumar fired 5 rounds, SI Ravinder Tyagi fired 4 rounds, HC Balwant fired 2 rounds from their official pistols, SI Dharmender fired 2 rounds from the official pistol of Insp Mohan Chand Sharma and HC Rajbir fired 3 rounds from his official AK-47 and all played a vital role in eliminating the militants. All the above mentioned officials risked their lives and conspicuously exhibited exemplary courage, bravery and motivation in this operation. The brave action of Delhi Police won applause not only from the highest ranks of Police of different states & Media, but also from the Public at large. They have set an example of gallantry & dedication towards their duty.

In this encounter, Shri Ravinder Kumar Tyagi, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/09/2008.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 51-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Sajad Ahmad Sheikh

Dy SP

02. Shri Mohd Ayaz Daing

ASI

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23-11-2015, information regarding presence of militants in the house of Mohd Ishaq Tantray S/o Gh Qadir R/o Tantray Mohalla Siligam was received. Accordingly, operational men which included DySP OPS (PC) Anantnag and ASI Mohd Ayaz Daing rushed to the target area and with the assistance of 3-RR140 Battalion CRPF, under the supervision of SP(OPS) Anantnag and SSP Anantnag cordoned off the entire hamlet. Operational men from Police zeroed the target house while as troops of 3-RR/40 Bn CRPF laid outer cordon.

In the meantime, on noticing the presence of operational men, hidden militants started indiscriminate firing in order to break the cordon, However, Sh. Sajad Ahmad Sheikh (DySP) PC Anantnag and ASI Mohd Ayaz Daing, exhibited extraordinary courage and retaliated in full volume which forced to retreat. The operational party which included recommendees started advancing toward target and it was exceptionally brave effort from them to advance despite bullets which were being showered by militants. The advance team which included recommendees first of all ensured evacuation of trapped civilians. However, militants in utter frustration came out of the house firing indiscriminately on police parties in order to break the cordon and escape, but the brave and gallant action of Sh. Sajad Ahmad Sheikh (DySP) and Sh. Mohd Ayaz Daing (ASI) and their team who without caring for their own lives not only managed the elimination of all three militants but also ensured zero collateral damage and evacuation of civilians from the area. The slain terrorists were later identified as Tanveer Ahmad Bhat @ Abu Bakar S/o Mubarak Ahmad Bhat R/o Baba Mohalla Bijbehara, Adil Ahmad Sheikh @ Lukmaan

Bhai S/o Fayaz Ahmad Sheikh R/o Bijbehara and Sartaj Ahmad Lone @ Waleed Bhai S/o Gull Mohd Lone R/o Wapzon, Bijbehara of HM outfit. A huge cache of arms/ammunition was recovered from encounter site and case FIR No. 92/2015 u/s 307 RPC, 7/27 I.A. Act stands registered in P/S- Aishmuqam in this regard.

It is pertinent to mention here that slain militant, Tanveer Ahmad Bhat @ Abu Bakar was active since 16-02-2015 in Tral area with Burhan Group for a period of one month. In March 2015, he was deputed to Bijbehara/Dachnipora belt of Anantnag where he remained active under the command of Amir Nabi Wagay @ Ibn Qasim. He along with his associates namely Imtayaz Ahmad Dar @ Hafiz and Amir Nabi Wagay @ Ibn Qasim were found involved in the killing of one civilian Javid Ahmad Waza S/o Mohd Ismail R/o New Colony Bijbehara (Case FIR No.58/2015 U/S 302 RPC, 7/25 Arms Act PS Bijbehara) Slain militant Adil Ahmad Sheikh @ Lukmaan Bhai was active since 16-06-2015 and he was hardcore OGW before his activation and was a notorious stone pelter. On 17-06-2015, Adil Sheikh @ Lukmaan Bhai along with his associate namely Adil Reshi R/o Bijbehara (now active HM militant) managed one pistol from Amir Nabi Wagay @ Ibn Qasim (Active Distt Commander of HM). On the same day, subject fired from point blank range on Constable Arif Nazir Khan No.1922/A of Police Station Bijbehara and killed him on the spot. They tried to snatch the weapon of the deceased constable but failed to do so. Case FIR No. 116/15 U/s 302 RPC, 7/27 Arms Act, 19 ULA (P) Act stands registered in Police Station Bijbehara in this regard.

Sartaj Ahmad Lone @ Waleed Bhai was newly recruited and was providing logistic support to the active cadres of HM outfit before his activation.

In this operation, S/Shri Sajad Ahmad Sheikh, Dy. SP and Mohd Ayaz Daing, ASI displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 23/11/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No.52-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Sunny Bhat

SGCT

02. Bilal Ahmad

Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 06/02/2016, at about 1540 hours, SP, Pulwama received information about the presence of a militant in village Gundipora Pulwama who was planning to carry out some terror activity in the area. The information was shared with 55 RR and 182/183 Bns CRPF and operation was meticulously planned by SP Pulwama. Accordingly, a joint cordon all around the village Gundipora was established and search operation started.

In the mean time, hidden militant, on noticing the presence of operational troops, came out all of a sudden and started indiscriminate firing followed by grenade lobbing in order to break the cordon. However, Sgt Sunny, ARP-095510 and Const. Bilal Ahmed, EXK- 126289 came into his way and tactically took positions, retaliated within the close range without caring for their personal lives, which forced the militant to retreat and resulted in a close range fire fight. However, the timely action and effective retaliation by the recommendees with viable coordination of other contingents of operational forces resulted in elimination of one dreaded terrorist later identified as Syed Mufee bashir @ Raqib S/o Bashir Ahmed Shah R/o Zadoora Pulwama of HM outfit. From encounter site (01) 9 mm pistol, (01) pistol magazine (03) 9 mm rounds (01) HE 36 grenade and (01) damaged pouch was recovered and case FIR No. 32/2016 U/S 307 RPC, 7/27 I.A. Act stands registered in Police station Pulwama. It is pertinent to mention here that slain militant was active in Pulwama, Pampore, Budgam, Shopian areas and was most wanted by the Police and SFs, in view of his involvement in contemplating sensational attacks upon SFs. He was also mastermind in motivating the youths for joining the militant ranks and was also main perpetrator in threatening of Panchayat members. Sgt Sunny Bhat, ARP-095510 and Const. Bilal

Ahmed, EXK- 126289 fought bravely during entire operation and took front during close gun battle, thereby did not provide any chance to holed-up militant to cause collateral damages.

In this operation, S/Shri Sunny Bhat, Sgct and Bilal Ahmad, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 06/02/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 53-Pres/2018-The President is pleased to award 1st Bar to Police Medal for Gallantry/2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. **Shahzada Kabir Mattoo (1st Bar to PMG)**
Dy SP
02. **Parvez Ahmad Dar (2nd Bar to PMG)**
Dy SP
03. **Manzoor Ahmad Mir (1st Bar to PMG)**
ASI

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02-03-2016, Police Awantipora received a specific information regarding presence of HM operational commander for South Kashmir, Ashiq Hussain Bhat with his two associates in the house of Gh. Nabi Mir of Dadsara, Tral. Accordingly, operation was planned and cordon was established around the target house with the assistance of 42-RR, 180/110 Battalions CRPF. For result oriented operation, two search parties one headed by Shri Parvez Ahmad, Dy SP and other led by Shri Shahzada Kabir Mattoo, DySP, PC Tral were constituted. In the meantime, owner of the house and his family members were asked to come out but as they were about to left the house, hidden militants started indiscriminate firing upon advance teams from three different directions due to which house owner and his family members got stuck in ground floor of target house. The fire was retaliated and militants through public address system were asked to surrender and allow the trapped family members to come out but they declined the offer. In the meanwhile it was decided to evacuate trapped family members first and for the purpose. Police party headed by Shri Parvez Ahmad, DySP was tasked to advance towards target house. As the party entered the house premises they came under heavy volume of fire from two different directions. However, Police party headed by Shri Shahzada Kabir Mattoo, Dy SP kept the militants engaged and Shri Parvez Ahmad, DYSP along with ASI Manzoor Ahmad EXK972492 & others proceeded meticulously for room intervention. On noticing the movement of advance party, one holed-up militant came out of the house to counter them. However DySP Shahzada Kabir Mattoo alongwith his team confronted the militant and shot him dead after a brief gun fight. The party headed by Shri Parvez Ahmad- DySP including ASI Manzoor Ahmad entered the house cautiously; however, they were challenged by another militant who was hidden in the corridor. The police party took shield behind the staircase and succeeded in eliminating him after a brief firefight. Shri Parvez Ahmad DySP alongwith his team members engaged surviving militant in gun fight till trapped family members got opportunity to run away from the target house. One of the family members was so shocked that he could not stand on his legs. DySP Parvez Ahmad took him on his shoulder and rushed outside the main gate without caring for his own life. After evacuation process, advance party headed by DySP Shahzada Kabir Mattoo, entered in the target house cautiously but holed-up militant fired indiscriminately. However, Police party with high precautionary measures fired in retaliation with great professionalism and in skilled manner which resulted in face to face gun battle and culminated with elimination of third militant. The slain militants were later identified as 1) Ashiq Hussain Bhat S/o Mohd Shaban Bhat R/o Chersoo 2) Mohd Asif Mir S/o Lt. Mohd Yousuf Mir R/o Mir Mohalla Dadsara and 3) Ishaq Ahmad Parray s/o Mohammad Ismail R/o Laribal Tral of HM outfit. A huge cache of arms/ammunition was recovered from the encounter site and case FIR No.21/2016 U/S 307 RPC, 7/27 A.Act stands registered in Police station Awantipora in this regard.

It is worth mentioning that slain militant Ashiq Hussain Bhat was involved in case FIR Nos.08/2015 of NIA , 24/2015 U/S 120 B 121, 121A , 13 ULA of Police Station Awantipora and 16/2014 U/S 302, 120 B RPC 7/27 A.Act of Police station Awantipora. Asif Ahmad Mir was involved in case FIR Nos.119/2014 U/S 307 RPC, 7/27 A. Act of P/S Awantipora ,24/2015 U/S 120 B, 121, 121 A 13 ULA Act P/S Awantipora and 16/2014 U/S 302, 120 B RPC 7/27 A.Act of Police station Awantipora. While as Ishaq Parray was involved in case FIR No.118/2015 U/S 7/27 Arms Act, 120 B RPC of case P/S Tral.

In this operation, S/Shri Shahzada Kabir Mattoo, Dy. SP, Parvez Ahmad Dar, Dy. SP and Manzoor Ahmad Mir, ASI displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 02/03/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 54-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Rajinder Kumar (Posthumously)

SGCT

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11-09-2016 at about 0645 hours, a specific information regarding presence of a group of militants in the house of one Haji Nazir Hussain Mir in Allapir was received by SSP Poonch S. Jatinder Singh Johar. He immediately mobilized all the available resources and rushed to the spot along with his PSOs, SHO PS Poonch Insp. Jatinder Raina, Addl. SP Poonch Sh. Masroor Ahmed Mir and SI Manzoor Hussain of SOG Poonch. The Police party was divided into small groups, each headed by Sh. Masroor Ahmed Mir-Addl. SP Poonch, Insp. Jatinder Raina SHO PS Poonch, SI Manzoor Hussain incharge SOG Poonch and after meticulous planning launched the operation. All the exit routes were got plugged and the house was cordoned. Commander 93 Infantry Brigade was also informed on telephone who immediately despatched his parties to establish the cordon.

Sgct. Rajinder Kumar EXJ-965674 of District Special Branch also immediately moved to the area to keep surveillance and collect further inputs about the reported movement of militants in the area. He sighted some suspicious movement in another under construction complex of Mini Secretariat building, in the nearby area and immediately as he rushed to provide the information, militants hiding in the Mini Secretariat building opened fire as a result of which Sgct. Rajinder Kumar got injured and fell down. Shri J.S. Johar, SSP and his party rushed to the area but militants noticed their movement and they started firing. SSP Poonch took command of the operation and retaliated the fire along with other police members. He commanded SI Manzoor Ahmed to make efforts to retrieve the injured constable while he himself with his other members of the party got the militants engaged in the gun battle. SI Manzoor Ahmed managed to retrieve the injured Sg. Constable to safer place but subsequently he succumbed to his injuries. SI Manzoor also got bullet injury in his right arm while retrieving the injured.

In the meantime, Army and Police reinforcement led by Sh. Masroor Ahmed Mir, ASP, Poonch, Sh. Mohan Lal-DySP (Hqrs) Poonch, Sh. Mohd Saleem-DySP (Ops) Poonch and Sh. Sagar Singh Salathia-DySP Chakan-da-Bagh also arrived and joined the operation. The presence of two groups of militants in two different buildings was discussed by SSP Poonch with the Commander 93 Bde of Army and other police officers. Fresh strategy was drawn to launch the operation after covering the whole area of both the buildings.

As the joint parties of Police and Army (1/1 G.R.) fanned out for cordon, the gun battle ensued from both the buildings viz house of Nazir Hussain Mir and under construction Mini Secretariat building. SSP Poonch along with his team got engaged in evacuating a large number of civilians amid volley of gunfire from within the cordon area.

In the meantime, it was reported, that Haji Nazir Hussain and his wife were also holed up inside the house from where terrorists had taken shelter and were firing indiscriminately. Sh. Jatinder Singh Johar, SSP Poonch, depicting presence of mind, used the services of relatives and domestic help of Haji Nazir Hussain Mir to find out his exact location inside the house so that the safety of the couple is ensured. It was revealed that Haji Nazir is a patient with debilitating diseases and

cannot sustain prolonged siege and as such his evacuation became paramount and a big challenge because of heavy volume of firing going on between the Army / Police and the holed up terrorists.

Sh. Jatinder Singh Johar, SSP Poonch, displaying great leadership, courage and valour, decided to enter the building himself to evacuate the couple and asked other Police / Army parties to give cover firing. He crawled into the building along with his PSOs without caring for his life and safety under the volley of bullets. However, his PSO constable Mohd Shahnaz EXJ108184 got injured but this did not deter him from proceeding ahead and managed to enter the building under the imminent threat of losing his life and evacuate both Nazir and his wife from the building and then shifted them to safer place in his vehicle. Thus saved these two precious lives. In this gun battle one militant was also killed. As soon as the joint parties of Army / Police tried to approach towards the killed militants, there was heavy firing from the other militant. However, the parties managed to retrieve the dead body of the killed militants along with his rifle.

As it was getting dark, it was decided to stop the search operation in order to prevent any loss to own side. The cordon was continued and more troops were pressed into service so as to ensure that the remaining terrorists hiding in the buildings don't escape the cordon. The house / area were illuminated with the help of the Army in order to keep a close watch on the militants trapped in the target area. The parties of Police and Army guarded the whole area throughout the night firmly checking each and every movement of the militants under the close supervision of SSP Poonch and his team and Commander of Army 93 Bde and his team.

Next morning on 12-09-2016, the operation resumed. Police team headed by Inspr. Jatinder Raina, SHO PS Poonch saw some movement in the dining area of the Haji Nazir House. The team of Police led by Inspr. Jatinder Raina, SHO PS Poonch and Army moved in, protected by covering fire, by the cordon parties on the terrorists hiding in the building. The terrorist started indiscriminate firing from the dining area of the Haji Nazir house on the approaching parties which was effectively retaliated by the joint party of police led by Inspr. Jatinder Raina, SHO PS Poonch and Army. After fire fight the terrorist hiding in the building got killed. Whole of the building of the Nazir house was got properly checked by the party and the dead body of the militant who got killed along with arms / ammunition was recovered.

As the siege of the holed up terrorists continued in the Mini Secretariat building it became imperative to plan a building intervention in order to prevent any collateral damage to property and lives. The police parties headed by Sh. Masroor Ahmed Mir, ASP Poonch along with Sh. Mohan Lal Sharma-DySP Hqrs and Sh. Mohd Saleem-DySP (Ops) along with columns of Army and contingent of CRPF engaged the terrorists with commensurate fire. In the exchange of gunfire two Army personnel got injured. The building was huge and had many hiding places. Sh. Jatinder Singh Johar, SSP Poonch discussed the building intervention plan with Commander 93 Inf. Brigade and CO of Army 9 PARAS. The fire between cordon parties of Police and Army and terrorists continued till 13-09-2016 and at 1415 hours two parties comprising both Police / Army led by Sh. Masroor Ahmed Mir, Addl. SP Poonch and Sh. Mohan Lal-DySP Hqrs Poonch under the direct command and supervision of Sh. Jatinder Singh Johar, SSP Poonch and Commanding Officer of Army 9 PARAS started the building intervention of the complex. A team of 9 PARAS along with police component comprising Sgct. Gulsheraz Ahmed EXJ-031345 Sgct. Mohd Qayoom ARP-996328, Sgct. Joginder Singh ARP-955833, Sgct. Rajinder Kumar ARP-931478 led by Sh. Masroor Ahmed Mir-ASP Poonch along with his buddy Sgct. Sandeep Kumar EXJ-976307 started intervention from the eastern end of the building and another party led by Sh. Mohan Lal-DySP and his buddy Ct. Rakesh Kumar EXJ-077817 moved in from the main entrance and as the intervention started, the teams, without caring for their lives and in a surgical manner proceeded amidst volley of fire and succeeded in neutralising the terrorists hiding in the Mini Secretariat building. Support teams headed by Sh. Mohd Saleem Bhat-DySP (Ops) Poonch and Sh. Sagar Singh Slathia, DySP Chakan-da-Bagh, and Inspr. Jatinder Raina SHO PS Poonch and CRPF personnel maintained the immediate inner cordon. During the search the police parties recovered dead bodies of two terrorists along with arms/ammunition.

The Police and Army parties at both the locations faced life threatening situations with courage and resilience and continued to engage the terrorists from close range. All the four unidentified foreign terrorists / fidayees were killed; two in the house of Haji Nazir Hussain Mir and under construction Mini Secretariat building respectively in a surgical manner. During the operation 1) AK series Rifle-04 Nos. 2) AK Magazine-16 Nos. 3) UBGL-01 No. 4) UBGL Grenade-01 No. 5) Live Bullets of AK-47- 195 Nos. 6) GPS (Garmin Digital) -01 No. 7) Mobile Nokia 1280 with SIM -01 No. 8) Poonch Map-01 No. 9) Pak Currency- Rs.1650/- 10) Code Matrix-03 Nos. 11) Pouches-04 Nos. 12) Pakistan make eatables were recovered from slain militants/encounter site.

It was the highest degree of professionalism and courage amid clear and persistent danger that the Police, Army parties assisted by CRPF succeeded in neutralizing all the heavily armed four militants without any collateral damage in a three day long operation. A Case FIR No. 148/2016 U/S 302,307,120-B,121, RPC, 7/27 Arms Act 2/3 E&IMCO stands registered in P/S Poonch in the matter.

The whole operation was conducted without an iota of collateral damage conjugated with the display of the rarest of the rare bravery and extreme devotion to duty as well as exemplary bravery by members of the police teams generally and especially Sh. Masroor Ahmed Mir, KPS045870, Inspr. Jatinder Raina EXJ-006221 and deceased Sgct. Rajinder Kumar EXJ-965674.

In this operation, Late Shri Rajinder Kumar, SGCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/09/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 55-Pres/2018.—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri		
01.	Mohd. Yousif	(1 st Bar to PMG)
	Addl. S.P.	
02.	Mir Murtaza Hussain Sohil	(PMG)
	Dy SP	
03.	Qazi Asif Hussain	(PMG)
	Sub Inspector	
04.	Sajad Ahmed Yatoo	(PMG)
	Constable	

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04.02.2016, Police Bandipora received an information to the effect that three terrorists of suicidal squad are hiding in the house of Ghulam Nabi Bhat @ Naba Bhat S/o Ghulam Mohd Bhat R/o Khosa Mohallah, Hajin and are planning to target nearby SF camp. Accordingly, the operation was meticulously planned by Sh. Garib Dass, IPS DIG NKR with the counterparts of 13 RR/ 45 Bn CRPF and during wee hours of 04.02.2016, a team of Police under the supervision of Sh. Garib Dass, IPS and Mohd Yousif, Addl.SP Bandipora with the assistance of 13 RR laid a cordon of target house. The operational parties used their tactical acumen to reach to the target without getting exposed. Two composite squads of Army/Police were constituted under the command of Sh. Garib Dass, IPS for laying cordon of the suspected house. One operational component under the command of Addl.SP Bandipora were assigned to lay cordon from North to South of target house covering western side while as the second component under command of Mir Murtaza Husaain, DySP (PC) Bandipora were assigned to lay cordon from North to South side of target huse covering the eastern side of suspect's house. During cordon, the composite force component i.e. Police/Army established great coordination through mutual exchangetheir respective communication sets and acted in a synchronized/professional manner. While as the team of 45 Bn CRPF and another Police party were assigned to keep the area sterile from civilians interference during conduct of operation.

In the meantime, hidden militants on noticing the presence of operational men, tired indiscriminately. It was observed that some civilias got trapped in encounter area and for their evacuation, two teams were constituted. One team was under the command of Sh. Garib Dass, IPS and Addl. SP Bandipora and the other team was under the command of DySP (PC) Bandipora assisted by SI Asif Hussain MES015501 who started the process of evacuation of civilians from the area under cordon. When all the civilians were evacuated to the safer places, one elderly woman unable to walk was still trapped inside the target house and it was uphill task to evacuate said hostage woman. The team comprising of Sh. Garib Dass, IPS and Addl. SP along with his buddy Constable Sajad Ahmed planned to approach the ground floor of target house where said women was trapped. The other party led by Mir Murtaza Hussain and SI Asif Hussain also moved to very close proximity to the target house and maintaining great, synchronization. The team first successfully evacuated the entrapped elderly woman with the aid of especially second team, who has engaged the militants. The third and most critical phase was the neutralization of terrorists. The terrorists were asked to surrender but they denied,, instead started indiscriminate firing. An anti suicidal squad was constituted comprising of Sh. Garib Dass, IPS, Addl. SP, Bandipora, his buddy Constable and Army Major Aman Singh with his buddy were in team first and in team second DySP (PC) Bandipora, SI Asif Hussain and Army 13 RR Major Bishal Singh Thapa and his buddy were in team second. Both the above volunteered operational teams stormed the target house without caring for their personal safety and during ensuing close battle, three unidentified terrorist of

Lashker-e-To hiba were eliminated. A huge cache of arms/ammunition was recovered from encounter site and case FIR No. 05/2016 stands registered in this regard.

In this operation, S/Shri Mohd. Yousif, Addl. S.P., Mir Murtaza Hussain Sohail, Dy. SP, Qazi Asif Hussain, Sub Inspector and Sajad Ahmed Yatoo, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/02/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 56-Pres/2018.—The President is pleased to award the 2nd Bar to Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Mohd Shafiq (2nd Bar to PMG)

Dy SP

02. Showkat Sultan Reshi (PMG)

SGCT

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 05-04-2016 at 1400 hours, specific information, regarding presence of HM militant in village Gadoora, who was planning to carry out some terror activity in area were received. Accordingly, operational party from Police Pulwama which included Shri Mohd Shafiq-KPS116207, DYSP OPS Pulwama and Sgt. Showket Sultan No. 3843/S, with the assistance of 55- RR and 182/183 Bns CRPF established joint cordon of the entire hamlet. In the meantime, on noticing the presence of operational men, hidden militant started indiscriminate firing, followed by grenade lobbing, in order to break the cordon and escape from the scene. However, advance party which included Shri Mohd Shafiq, DYSP (Ops) Pulwama and Sgt. Showket Sultan retaliated effectively, which forced militant to retreat and he entered into the house of Zahoor Ahmed Reshi S/O Mohd Sultan Reshi.

The cordon around the house, in which militants took shelter were strengthened, however, it was noticed that a number of civilians got trapped in the target and adjacent houses. Sh. Mohd Shafiq, DYSP (Ops) Pulwama and Sgt. Showket Sultan exhibited extra ordinary courage and succeeded in evacuation of all trapped civilians from adjacent houses with help of other counter parts. However, three civilians were still trapped in the target house. The recommendees once again showed an example of courage and without caring for their personal lives succeeded in evacuation of these three civilians also.

After evacuation process, holed-up militant was asked to surrender, however, he out of frustration came out from the target house and started indiscriminate firing, however, recommendees quickly retaliated which resulted in injuries to the militant and he once again took shelter inside the target house. For final assault, recommendees started to storm the target house and when they opened the door of room in which the militant was hiding, they came under heavy volume of fire. But they remained alert, kept their nerves cool, tackled situation bravely and retaliated the fire effectively. The close gun battle continued for about one hour and culminated with the elimination of holed-up militant, later identified as Bilal Ahmad Bhat S/o Abdul Gani Bhat R/o Karimabad, Pulwama. A huge cache of arms/ammunition were recovered from the site of encounter and case FIR No.118/2016 U/S 307 RPC, 7/27 I.A. Act stands registered in Police Station, Pulwama.

It is worth mentioning here that slain militant was active since long and was most wanted by the Police and SFs, in view of his involvement in provoking youth to join militant ranks. He was involved in number of terror/criminal cases including Case FIR No. 15/2015 U/S 302, 120 B RPC. 7/27 I.A Act of P/S Herpora Shopian. Case FIR No 20/2015 U/S 380,409 RPC ,25 Arms Act of P/S Kothibag, Srinagar. Case FIR No. 188/2015 U/S 302 of P/S Pulwama, Case FIR No. 63/2016 U/S ¾ Explosive Act of P/S Pulwama, Case FIR 73/2016 U/S 307 RPC, Explosive Act of Pulwama Case FIR 76/2016 U/S 307 RPC, 7/27 I.A Act of P/S Pulwama ,Case FIR No. 89/2016 U/S 307 RPC, 7/27 I.A Act of P/S Pulwama and Case FIR No 111/2016 U/S 307, RPC 7/27 I.A Act of P/S Pulwama.

Shri Mohd Shafiq DYSP OPS Pulwama and Sgct. Showket Sultan fought bravely without caring for their personal lives during the entire operation and exhibited their utmost courage and bravery not only in evacuation of civilians but also in elimination of dreaded terrorist.

In this operation, S/Shri Mohd Shafiq, Dy. SP and Showkat Sultan Reshi, SGCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 05/04/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 57-Pres/2018-The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Baljit Singh (1st Bar to PMG)

DySP

02. Parvaiz Ahmad (PMG)

SGCT

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 22.08.2015 on a specific information regarding presence of terrorists at village Krumhoora, a joint operation was planned and executed by Police Handwara, 21 RR, 9Para and 92 Bn. CRPF. The Police party was being supervised by the DIG NKR Baramulla. During the search operation heavy volume of fire opened by the hiding terrorists created a chaos among the resident civilians. However, Shri Baljit Singh, DYSP volunteered to take on the responsibility of evacuating the civil population to safer place. He along with his team reached in close proximity of the terrorists from rear side. Despite the risk involved Shri Baljit Singh, DYSP, Sgct. Parvaiz Ahmad, EXK-097103 and Foll. Subash Chander EXJ-016400 exhibited high degree of bravery without caring for their personal safety, evacuated the civilians amidst volley of fire.

The operation was halted for night to avoid collateral damage. In the early hours of next morning the terrorist tried to break the cordon and opened heavy volume of fire. Unmindful of their personal safety, Shri Baljit Singh, DYSP, Sgct. Parvaiz Ahmad, and Foll. Subash Chander again displayed raw courage, indomitable spirit, closed in and exchanged fire at close range. In the ensuing firefight three dreaded terrorists were neutralized who were later identified as Umar Farooq, Shahbaz and Hanzullah Rs/o PaK of LeT outfit. In the entire operation recommendees displayed matchless courage and selfless devotion to duty of highest order and ensured safe evacuation of the civilians. The exemplary initiatives exhibited by the officials resulted in successful culmination of the operation without any collateral damage.

In this operation, S/Shri Baljit Singh, Dy. SP and Parvaiz Ahmad, SGCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 23/08/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 58-Pres/2018-The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS**S/Shri**

- 01. Ajaz Ahmed
DySP**
- 02. Javaid Iqbal Tabassam
DySP**
- 03. Madasar Naseer
Sub Inspector**

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09.03.2016, specific information was received regarding the presence of militants in plant nursery at Wandakpora Goripora who were planning to carry out a fidayeen attack at some vital installations/ SF establishments in the area. Accordingly, a joint cordon was established by Police Awantipora/Srinagar with assistance of 50-RR and 130th battalion CRPF. For result oriented operation Shri Ajaz Ahmad, Dy. SP Pampore alongwith his Team was deployed from southern side and Shri Javaid Iqbal Tabassam, Dy.SP PC, Srinagar, SI Mudasar Naseer. EXK-109165 and others alongwith troops of 50-RR/130 Battalion CRPF were deployed from northern side of target location.

In the meantime, hidden militants on noticing the presence of operational men started indiscriminate firing to inflict casualties and to escape from the scene. However, Shri Ajaz Ahmed Dy. SP PC Pampore along with his party showing extra ordinary courage, retaliated effectively which forced the militants to retreat and they took positions in the densely planted nursery. The area with dense plantation was providing a favorable position to holed up militants. However, recommendees exhibiting presence of mind remained determinant and zeroed the target without caring for their lives. In the meantime, it was noticed that some civilians who were working in nearby fields have got trapped in encounter site. For their evacuation, Shri Ajaz Ahmad Dy. SP, PC Pampore, Shri Javaid Iqbal, DYSP PC, Srinagar and SI Mudasar Naseer played pivotal role and succeeded in evacuating all trapped civilians.

After evacuation process, militants were asked to surrender, however, they denied instead replied with heavy volume of fire. Holed up militants taking advantage of dense plantation were changing their positions frequently. However, recommendees, exhibited extra ordinary courage, bravery and operational skills, engaged them from all directions. Sensing noose around their neck, militants came out with heavy volume of fire, resulting face to face firefight which lasted for few minutes and culminated with elimination of two dreaded militants of LeT outfit @ Usaid and @ Ukasha both residents of Pak. A huge cache of arms/ ammunition was recovered from the encounter site and case FIR No.28/2016 U/S 307 RPC, 7/27 A.Act stands registered in Police station Awantipora in this regard. It is worth mentioning here that slain were specially trained militants of LeT fidayeens squad and were active since long in Pulwama Srinagar belt. They were most wanted by police/SFs for their provocative role in luring youth in militant ranks. They were also involved in carrying out some sensational attacks on SF/Govt. establishments. Slain militant Ukasha was also involved in Udampur attack and was wanted by NIA also.

In this operation, S/Shri Ajaz Ahmed, DySP, Javaid Iqbal Tabassam, DySP and Madasar Naseer, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/03/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 59-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

**Shri Showakat Ahmad Dar
DySP**

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based upon a specific intelligence input regarding presence of foreign terrorists in general area of Drusoo Rafiabab , Police Sopore in collaboration with 22-RR, contingents of 179, 177 & 92 Bn. CRPF launched a cordon and search operation at Village Drusoo Jageer, Rafiabab on 09-11- 2016 at about 1500 hours. During search operation it was ascertained that terrorists are hiding in shrine of Sakhi Sarwar and are foreign terrorists, fully equipped with sophisticated weapon. As the civilians were busy in their fields adjacent to target area, there were apprehensions of collateral damages/civilian casualties.

Keeping in view circumstantial perspective, a joint team of Police/Army led by Shri Showkat Ahmad—KPS, No. 116067-KPS, Dy.SP(Ops), Sopore including HC Farooq Ahmad No. 24/Spr, PID No. 012574 & Sgct Reyaz_Ahmad, No. 2923/S, PID No. EXK-971469 was constituted and the evacuation process of civilians from the target area was started. The team in few attempts succeeded in complete evacuation of civilians. After evacuation process, target was further zeroed and hidden terrorists were asked to surrender, but they opened indiscriminate firing. However, the advance operational teams, included recommendees retaliated the fire effectively, which triggered a face to face firefight. The joint team of Police/ Army including HC Farooq Ahmad & Sgct Reyaz Ahmad led by Shri Showkat Ahmad—KPS, Dy.SP (Ops) Sopore remained on forefront while fighting with the holed up terrorists. In the meantime, advance team which included recommendees started zeroing the target by advancing from all directions towards the target. Sensing noose around their neck, holed up terrorists came out from the Shrine showering bullets. However, the joint team led by Shri Showkat Ahmad, Dy.SP (Ops) Sopore including HC Farooq Ahmad & Sgct Reyaz Ahmad, exhibiting extra ordinary courage and bravery remained determinant and face to face gun battle culminated with the elimination of holed up terrorists later identified as Mustafa and Ali Rs/o Pak of LeT outfit. A huge cache of arms/ammunition was recovered from the encounter site and case FIR No.115/2016 U/S 7/25 A Act stands registered in PS Dangiwachha in this regard.

It is worth mentioning that the slain terrorists were active in the area since long and were involved in number of terrorist related incidents. They were also involved in luring the youth towards terrorist ranks.

During the entire operation Shri Showkat Ahmad, Dy.SP (Ops) Sopore , HC Farooq Ahmad & Sgct Reyaz Ahmad played a conspicuous role of bravery and ensured the safe evacuation of the innocent civilians. The officer exhibited the highest standards of leadership in a critical time and ensured that no collateral damage takes place. Besides providing operation command, by sheer amount of his professionalism, devotion to duty, leadership qualities showed rare bravery in such volatile situations.

In this operation, Shri Showakat Ahmad Dar, Dy SP displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/11/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 60-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Shabir Ahmed Khan

DySP

02. Hilal Ahmad

Head Constable

03. Farooq Ahmad Mir

Head Constable

04. Bilal Ahmad Shah

Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26/08/2015, based on a specific information about the presence of heavy armed group of terrorists belonging to Pakistani Lashaker-e-Toiba (LeT) terrorist outfit, a joint operation was launched by Police, 32-RR & 9- Para in the Trikhta top Kutar Khote Forest area of Rafiabad, Sopore. The area in general being congested/densely built-up with huge bushes and trees was providing a natural cover to the hidden terrorists. However, Sh. Shabir Ahmad Khan-DySP (Operations), Rafiabad and his team in consultation with officers of 32-RR/9 Para cordoned off the entire forest area and started search operation to pin point the target location. During search, presence of terrorists was established in Cavern and hidden terrorists were asked to surrender, which they declined and resorted to indiscriminate firing in order to break the cordon. However the operation men of advance party, which included Shri Shabir Ahmad Khan, DYSP (Ops) Rafiabad, HC Hilal Ahmad, EXK-977853, HC Farooq Ahmad, EXK-026145 and Const. Bilal Ahmad, EXK-002347, retaliated the fire strappingly which forced the terrorists to retreat.

As it was getting dark, there was every apprehension that holed-up terrorists may take advantage of darkness and may escape from cordoned area. However, after due deliberation on all aspects, operation was suspended till first light next day and, operational teams strengthened the cordon of target location so as to not providing any chance to them to break the unyielding cordon. Next day, on 27-08-2015 in wee hours, it was planned that the advance Police party which included Shri Shabir Ahmad Khan, DYSP (Ops) Rafiabad, HC Hilal Ahmad, HC Farooq Ahmad and Const. Bilal Ahmad with the assistance of troops of 32-RR/9 Para will storm the target location for result oriented culmination of the operation. DIG Police, NKR and Sh. Shabir Ahmad Khan-DySP(Operations) Rafiabad, Sopore themselves occupied the site to track the exact location of the terrorist and they were assisted by above named police personnel and some other participants who were on forefront and engaged terrorists till the exact position of terrorists hidden in cavern was established.

The troops of advance party, engaged the terrorists till DIG (NKR) and Sh. Shabir Ahmad Khan-DySP (Operations), Rafiabad Sopore along with other recommendees reached the target and troops of 32-RR and 9-Para provided cover fire to the joint special component in order to diminish the movement of the terrorists. At this point of time, the terrorists besides indiscriminate firing, hurdled 04 UBGL grenades towards the advance party, however the special component including recommendees kept their nerves and further advanced to zero the target. Since there was natural asylum to the terrorists to target the operational men but the recommendees fought openly with symbol of courage till the three terrorists were eliminated without inflicting any collateral damage. However, one holed-up terrorist was still challenging the troops by hurling UBGL grenades and indiscriminate firing from the cavern and it was perilous for the troops to reach the target. The troops of Army and Police kept their nerves and finally managed to grasp out the terrorist from the cavern tactfully and ultimately overpowered him without providing him chance to inflict collateral damages. The militants eliminated in the operation were later identified as Abu Usman, Abu Qataal and Abu Suhaib (all residents of Pak) and militant arrested during the operation was identified as Sajjad Ahmad @ Abu Obidullah R/o Muzaffargrah, Punjab, Pakistan. Arms and ammunition recovered during the operation includes 4 AK 47 rifles, 15 AK magazines, 330 AK rounds, 2 UBGL, 2 UBGL Grenades, 1 HG and 3 Pouches. Case FIR No. 52/2015 U/S 307 RPC, 7/27 I. A Act stands registered in P/S Dangiwachha in this regard.

The slain terrorists were tasked to re-organize the dispersed/ under pressure cadres of LeT outfit in Sopore area and to carry out terrorist activities in valley. In order to re-Organize/ reenergize the outfit and provide them weapons, money, identifying of targets vis-a-vis security installations, arranging the communication devices and facilitating the OGW's in handling of land mines and throwing of grenades, these terrorists were about to camping in town Sopore and were tasked to regain the roots of the outfit. It also got revealed that they were further tasked to disrupt the law and order situation in Sopore and create fear psychosis among the people. Their elimination in general for the peace & order of Kashmir valley and for town Sopore in particular is believed to a great achievement and may have long term bearing on the overall security scenario of Sopore besides a great set back to the LeT outfit.

In this operation, S/Shri Shabir Ahmed Khan, DySP, Hilal Ahmad , Head Constable, Farooq Ahmad Mir, Head Constable and Bilal Ahmad Shah, Constable displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/08/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 61-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS**S/Shri****01. Shafat Mohammad Najar****DySP****02. Deepak Kumar****Constable****Statement of service for which the decoration has been awarded**

On 16.05.2016, at 2200 hours Police Shopian generated a specific information about presence of terrorist in orchards of village Pehlipora Shopian. Accordingly, Police Shopian with the assistance of 44-RR, cordoned off the target area under proper strategic plan and started searching the hidden terrorist.

As the operation was launched during night hours, it was difficult to pinpoint the exact location of the terrorist. All possible escape routes were plugged off properly to prevent terrorist escape. On noticing the movement of operational forces, terrorist hiding in the orchards started indiscriminate firing. However, operational party headed by SSP Shopian and Shri Shafat Mohammad-KPS-116075, Dy.SP PC Keller including Sgct Ajay Kumar, ARP-095500. & Ct. Deekap Kumar, ARP-097928, exhibited extra ordinary alertness/presence of mind and retaliated the fire effectively with full volume and did not provide any chance to holed-up terrorists to break the cordon and escape from the scene. In the meantime, it was noticed that some civilian were trapped in encounter area. To evacuate them, team headed by SSP Shopian including Shri Shafat Mohammad, Dy.SP PC Keller, Sgct Ajay Kumar, & Ct. Deekap Kumar started evacuation process and in few attempts succeeded in evacuating all the trapped civilians. During this process, the evacuation parties came under heavy fire but they continued the process without caring for their precious lives. After evacuation process recommendees headed by Shri Shafat Mohammad, DYSP, PC ,Keller started advancing towards target during which they came under heavy volume of fire. However, recommendees retaliated effectively which triggered a face to face gun battle and lasted for some time & culminated with elimination of holed-up terrorist later identified as Farooq Ahmad Sheikh @ Ihsaan S/o Gh Qadir Sheikh R/o Nazneenpora, Shopian. A huge cache of arms/ammunition was recovered from the encounter site and in this regard case FIR No.94/2016 U/S 307 RPC , 7/27 A. Act stands registered in Policestation Shopian. It is worth mentioning that slain terrorist was involved in number of terror/criminal cases. His elimination was a major setback to terrorist network in South Kashmir and was a sigh of relief for general public. The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by the recommendees, who fought bravely without caring for their precious lives was remarkable as the endeavor to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant. Although the terrorist tried his best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which all these officers /officials in general and recommendees in particular had a very narrow escape. However, recommendees without losing their concentration and with good application of mind fought bravely and foiled their nefarious design.

In this operation, S/Shri Shafat Mohammad Najar, DySP and Deepak Kumar, Constable displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 16/05/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 62-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICER**Shri Mohammad Ashraf Chatwal****Constable****Statement of service for which the decoration has been awarded**

On 04-07-2016 a specific information was generated by Police Handwara regarding presence of terrorists at Wudder Bala village, a joint operation was planned and executed by Police Handwara with the assistance of 21-RR at village Wader

Bala area of PD Handwara District Kupvvara. The presence of terrorists was established and cordon around the target location was tightened. During the search operation heavy volume of fire opened by the hiding terrorists created a chaos among the resident civilians. Shri Shabir Ahmad Khan, SDPO Handwara assisted by Ct. Mohammad Ashraf No.775/H, EXK-126303 volunteered to take the responsibility of evacuating the civil population to safer place. Despite the risk involved they showed utter disregard to their personal safety, evacuated the civilians amidst volley of fire.

In order to eliminate the dreaded terrorist without any collateral damage, on spot assault teams were constituted headed by Shri Shabir Ahmad Khan-KPS SDPO Handwara. The officer alongwith Ct. Mohammad Ashraf, EXK-126303 volunteered themselves for the task and directed assault teams to march towards holed-up terrorist in various directions thus tightened cordon further and swiftly retaliated the terrorist attack. As the terrorist was heavily armed and highly trained, he started indiscriminate firing on the assault teams and lobbed several grenades thus making the task more difficult for the assault teams to move forward. Shri Shabir Ahmad Khan, DYSP (SDPO Handwara) and Const. Mohammad Ashraf without caring for their own lives, showing nerve of steel marched towards target in a fire retaliatory action and reached in close proximity of the hiding terrorist. The assault teams provided cover fire to them during the final assault upon the hiding terrorist resulting killing of one most wanted foreign terrorist of LeT outfit identified as Abdullah R/o PaK. A huge cache of arms/ammunition was recovered from encounter site. In this regard, Case FIR No.257/2016, U/S 307 RPC, 7/27 A.Act stand registered in Police station Handwara.

During the entire operation Shri Shabir Ahmad Khan, DYSP (SDPO Handwara) and Ct Mohammad Ashraf No.775/H, EXK-126303 displayed matchless courage and selfless devotion to duty of highest order and ensured safe evacuation of the civilians. The exemplary initiatives exhibited by them resulted in successful culmination of the operation without any collateral damage.

In this operation, Shri Mohammad Ashraf Chatwal, Constable displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/07/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 63-Pres/2018.—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Rayees Mohammad Bhat, IPS (1st Bar to PMG)

SP

02. Satish Kumar (PMG)

DySP

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30-06-2016, at about 0945 hours, SP, Pulwama received information about the presence of terrorists in village Malwari Newa who were planning to carry out some terror activity in the area. The information was further specified by Shri Azhar Bashir, ASP Pulwama and it was ascertained that these terrorists are hiding in a house belonging to Gh Rasool Wagay. Accordingly, cordon was established in the entire hamlet with the assistance of 55 RR, and 183 Bn CRPF and target house was zeroed under the supervision of Shri Rayees Mohammad, SP, Pulwama.

In the meantime, hidden terrorists on noticing the movement of operational forces started indiscriminate firing in order to break the cordon and escape from the scene. However, Shri Rayees Mohammad, SP Pulwama, Shri Azhar Bashir, ASP Pulwama, Shri Satish Kumar, DySP, PC Kakapora and Sgt. Tilak Raj, ARP-096430, exhibiting extra ordinary courage and battle skills, retaliated the fire effectively which forced the terrorists to retreat. The holed-up terrorists were asked to surrender, but they refused instead started indiscriminate firing. However, showing exemplary courage & presence of mind recommendees retaliated the fire effectively.

In the meantime, it was noticed that some civilians have got trapped in encounter area and for their evacuation recommendees volunteered themselves. In few attempts all trapped civilians were evacuated. After evacuation process, Shri. Rayees Mohammad, SP Pulwama, Shri Azhar Bashir, ASP Pulwama, Shri Satish Kumar, DySP PC Kakapora and Sgct. Tilak Raj and others started house intervention in order to make final assault. However, holed-up terrorists started indiscriminate firing, but recommendees showed high alertness and did not provide any chance to them to escape from the scene. The face to face firefight lasted for some time and culminated with the elimination of holed-up terrorists later identified as Abu Ayaan R/o Pak and Manzoor Ahmed Dar S/o Abdul Rashid Dar R/o Gundibagh, Kakpora, Pulwama of LeT outfit. A huge cache of arms/ ammunition was recovered from the encounter site and case FIR No.244/2016 U/S 307 RPC, 7/27 A.Act stands registered in Police Station Pulwama in this regard.

In this operation, S/Shri Rayees Mohammad Bhat, IPS, SP and Satish Kumar, Dy.SP displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 30/06/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 64-Pres/2018.—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Parvez Ahmad Dar (1st Bar to PMG)

SDPO

02. Shahzada Kabir Mattoo (PMG)

DySP

03. Tasleem Ahmad Khan (PMG)

Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 08-12-2015, a specific information was received regarding movement of LeT terrorists towards Srinagar in a vehicle for carrying out spectacular attack in Srinagar city. Shri Parvez Ahmad, SDPO Awantipora along with joint components of Police and 110 Battalion CRPF immediately rushed to Pampore and with the assistance of 50-RR, established Naka on NHW near EDI Pampore.

At about 1530 hours, while checking of vehicles, a TATA Mobile vehicle bearing registration No. JK22/5943 was signaled to stop, but all of a sudden, a volley of indiscriminate fire came from instant vehicle which resulted in injuries to one tourist lady Aisha from Bihar. However, operational men quickly positioned themselves in a proper counter attack drill. Under the cover of heavy firing, the driver of the vehicle in which militants were boarded, tried to run away, but operational men targeted tyres of the vehicle due to which the vehicle came to halt at once. Someone from vehicle screamed "don't fire I am the driver and my vehicle is hijacked on gun point". The fire was retaliated professionally and selectively to evade escaping of militants and nearby structure including EDI building was sealed to avoid entry of militants in any of the structure. To avoid civilian casualties, traffic movement on NHW was stopped from both sides. In the meanwhile one of the militant took driver as hostage while as another militant took injured lady as hostage. Since the injured woman was bleeding profusely, it was decided to evacuate her and for the purpose Shri Parvez Ahmad, SDPO Awantipora decided to approach the militant who was hiding behind the vehicle and he along with Shri Tasleem Ahmad, Inspector and few police personnel crawled meticulously without caring for their lives towards the target. They crawled under the vehicle and reached the other side exactly where militant was positioned, and firing indiscriminately towards the police party. One of them abruptly pulled his leg due to which he fell on the ground and before he could point his gun towards them, they instantly shot him dead. Sh. Parvaz Ahmad, SDPO Awantipora immediately rushed inside the vehicle and drove it to a safer place where from the injured woman was shifted to nearby Pampore hospital for treatment. Now the task was to neutralize other militant who was behind the TATA Mobile vehicle having civilian driver in captivity and was shouting for safe passage. One party engaged him in

exchange of fire however for the safety of the driver all precautions were being taken in retaliatory fire. In order to target the militant at close range for the safety of the driver, Sh. Parvaz Ahmad, Sh. Shahzada Kabir Mattoo, Dy SP Ops along with SHO Pampore drove their rakshak towards the Tata Mobile vehicle. When they were very close, all of a sudden the surviving militant came to their side and lobbed a grenade which burst on the vehicle damaging it completely however luckily all personnel in the Rakshak were safe. The militant tried to lob another grenade but instantly the vigilant police personnel gunned him down. It was difficult to ascertain whether the militant died or not, however Sh. Shahzada Kabir Mattoo with some police men volunteered to go ahead to ascertain his death. They moved towards the militant in a skillful manner. The militant who had sustained bullet injuries, was pretending to be dead, abruptly tried to lob grenade towards the approaching officials, however the officials in a fraction of second fired upon the militant and killed him. The killed militants were identified as Junaid R/o Pak and Shakir Ahmad Bhat @ Mawaz S/o Showkat Ahmad R/o Nowpora Kalan Sopore. A huge cache of arms/ammunition was recovered from encounter site and case FIR No.187/2015 U/s 307 RPC, 7/27 A.Act stands registered in Police station Pampore in this regard. It is worth mentioning that slain militant Shakir Showkat Bhat S/o Showkat Ahmad Bhat R/o Nowpora Kalan, Sopore was involved in another case FIR lodged in P/S Dangiwachia Sopore. Junaid R/o Pak was involved in many subversive activities including attacks on security forces and Panchs/Sarpanches.

In this operation, S/Shri Parvez Ahmad Dar, SDPO, Shahzada Kabir Mattoo, Dy.SP and Tasleem Ahmad Khan, Inspector displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/12/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 65-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Baljit Singh

DySP

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09-09-2014 on a specific information regarding presence of terrorist at village Laribal a joint operation was carried out by Police Handwara, 21 RR and 92 Bn. CRPF. The Police party, headed by SSP Maqsood ul Zaman including DY. SP (Ops) Handwara, Shri Baljit Singh, KPS116206 was instrumental party of operational party. The area was cordoned off and search operation started. During this exercise, the search party suddenly came under heavy fire from a house which was under the scanner of cordon and search operation. The priority of the search team was to evacuate the trapped civilians in and around the target house to a safe area. The indiscriminate fire opened by the terrorist was making the task of rescuing the civilians too difficult. During the entire process, dreaded terrorist kept on firing indiscriminately & lobbed Grenades upon the rescue team, headed by DYSP (Ops) Handwara, Shri Baljit Singh, KPS- 116206, however with great caution and skilled battle tactics, all the civilians were successfully evacuated.

To avoid collateral damage and to culminate operation successfully, DYSP (Ops) Handwara, Shri Baljit Singh exhibiting experience and used battle tactics to eliminate the dreaded terrorist. The cordon around the target house was further tightened and the inner cordon party was directed to provide cover fire and DYSP (Ops) Handwara, Shri Baljit Singh himself approached towards the target house in a fire retaliatory action. As the hiding place was quite advantageous for the terrorist to cause damage to the operation party, DYSP (Ops) Handwara, Shri Baljit Singh positioned his men in such a manner to ensure tight cordon around the terrorist and swiftly retaliated the fire. The terrorist lobbed grenades on the cordon party and a fierce gun battle started. While seeing the assault made by the operational head the terrorist came out from the house and fired indiscriminately and tried to break the cordon. On seeing the terrorist action and his planning to flee from the spot, Dy. SP (Ops) Handwara, Shri Baljit Singh without caring for his life approached towards the dreaded terrorist in a fire retaliatory exercise. It was only with great valour and missionary zeal of Shri Baljit Singh, DY. SP (Ops) Handwara that the dreaded terrorist was neutralized. The hardcore terrorist who was later identified as Umar Bhati R/o POK of LeT Outfit "A" Category actively operating in various areas of PD Handwara especially in Zachaldara Handwara. A huge cache of arms/ammunition was recovered from the site of encounter. In this regard case FIR No.254/14 U/S 307 RPC, 7/27 I.A.A stands registered in PS Handwara. In the entire operation Shri Baljit, Singh, DY.SP (Ops) Handwara, KPS-116206,

displayed conspicuous gallantry, unparalleled courage and devotion to duty of highest order and ensured safe evacuation of the civilians. The selfless devotion, to duty and matchless courage exhibited by the officer led to neutralization of a dreaded terrorist and resulted in successful culmination of the operation, without any collateral damage.

In this operation, Shri Baljit Singh, Dy. SP displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/09/2014.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 66-Pres/2018.—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Tejinder Singh, IPS

SP

02. Mohd Shafiq

DySP

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10-08-2015 at 1800 hrs, S.P Pulwama received information that militants were hiding in the paddy fields of village Rakh Ratnipora Pulwama and were planning to carry out some terror activity in view of Independence Day-2015. The operation was launched under the supervision of SP/ASP Pulwama with the assistance of 55RR, 182/183 Battalions CRPF and a joint cordon of the target paddy fields with standing paddy crops was laid in which S.P Pulwama Sh. Tejinder Singh-IPS from the North-western side, DY.SP OPS Pulwama Sh. Mohd Shafiq KPS from North-Eastern side, 55 RR and Addl. SP Pulwama Sh. Javid Iqbal alongwith men from SOG Pulwama from Eastern and western sides and CRPF (182/183BNs) along with men of SOG Pulwama from Southern side of target location were deployed.

On noticing the presence of operational men, militants started indiscriminate firing (towards the side where S.P Pulwama and DY.SP Operations Pulwama were busy in taking front for laying cordon), with the intention to break the cordon in initial stage and escape from the scene. However, due to presence of mind and extra ordinary bravery, exhibited by SP Pulwama Sh. Tejinder Singh -IPS and DYSP (Ops) Pulwama Sh. Mohd Shafiq-KPS assisted by other Police contingents, fire was retaliated effectively, which triggered an encounter and attempt of militants to escape from the cordoned area was foiled. It was a crucial/challenging situation for the Police to cover the whole area and dominate the militants due to the marshy/swampy conditions of paddy crop. The deployment of troops around the target location was made even during such a heavy gun battle. In the mean time, militants stopped firing in order to deceive the forces by diverting their attention that they have managed their escape from the cordon. Accordingly a team headed by S.P Pulwama assisted by DY.SP Operation Pulwama started to advance towards the location where from militants were firing. Holed-up militants came out all of sudden and once again fired indiscriminately within the close range upon the approaching search party. However, showing exemplary courage, presence of mind and mutual understanding Sh. Tejinder Singh SP Pulwama, Sh. Mohd Shafiq-KPS DYSP Ops Pulwama and others immediately took positions and retaliated the fire effectively, which forced militants to turn defensive and to be there. In the meantime, it was observed that a number of civilians are trapped in the adjacent houses of the target location. The recommendees with the help of Police/other forces prioritized the evacuation process and succeeded in evacuation of all trapped civilians. After the evacuation process, holed-up militants were asked to surrender, which they declined and kept continue indiscriminate firing. The operation continued during night hours, and measures were taken for dominating the area by illuminating the target location and laid down the concertina wire, besides, water canal, leading towards the target fields was blocked, hence no opportunity was left for militants to escape from the cordon.

Next morning, Militants were again asked to surrender, which they declined and kept continue indiscriminate firing. Sh. Tejinder Singh-IPS SP Pulwama and Sh. Mohd. Shafiq- KPS DYSP OPS Pulwama without caring for their lives, kept their heads cool and tackled the crucial/ detrimental situation bravely and retaliated the lire with hill volume. The gun battle continued for at least 06 hrs, during which holed-up militants continuously changed their locations taking advantage of paddy

crops. After that, firing from other side stopped, and to ascertain the death of militants, a joint team of Police/other forces was constituted under the command of Sh. Tejinder Singh-1PS SP Pulwama assisted by Sh. Mohd Shafiq- KPS Dy.SP OPS Pulwama. As soon as, the search party came closer to the militants, they fired indiscriminately upon them, however, reeommendee took positions quickly and retaliated without caring for their lives. The gun battle Continued for about 1 1/2 hours approximately in the swampy paddy crops field, resulted in the elimination of two militants later identified as Showkat Ahmad Lone @Ali Bhai S/O Late Ghulam Mohd Lone R/O Ielhar Kakapora Pulwama and Gulzar Ahmad Bhat @Shaheen S/o Abdul Gani Bhat R/O Telangam Pulwama. A huge cache of arms/ammunition including pressure mines were recovered from the encounter site and case FIR No. 241/2015 U/S 307 RPC, 7/27 I.A.Act stands registered in Police Station Pulwama. It is worth mentioning here that slain militants were active since long and were most wanted, as they were instrumental in provoking youths to join militant ranks. They were involved in sensational attacks on security forces and were also involved in almost 12 FIRs of PS Pulwama and one each FIR of Police stations Nowgam Srinagar, Bijbihara and Pampore. The death of slain militants was a huge setback to militant cadres particularly to LeT outfit and was a great relief for security forces/civilians. Besides, the elimination of these two militants was a big relief for peaceful conduct of SANJAY/Independence.Day -2015. Moreover, recovery of pressure mines from their possession strongly suggests that they were planning to execute some sensational attacks/blasts by way of planting these mines.The act displayed by Sh. Tejinder Singh SP Pulwama and Sh. Mohd Shafiq-KPS Dy.SP OPS Pulwama, during the whole operation was remarkable/outstanding who not only took front but also exhibited extra ordinary professionalism while eliminating two dreaded terrorists without any collateral damage.

In this operation, S/Shri Tejinder Singh, IPS, SP and Mohd Shafiq, Dy. SP displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/08/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 67-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of J&K Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

- | | |
|------------|---------------------------|
| 01. | Sridhar Patil, IPS |
| | SP |
| 02. | Masrat Ahmad Mir |
| | Inspector |
| 03. | Fayaz Ahmad Lone |
| | ASI |

Statement of service for which the decoration has been awarded

During intervening night of 01/02-09-2015, Police- Sopore received specific input regarding presence of Lashkar-e-Islam (fringe group of HM, terrorist outfit) terrorist at village Ladoora Rafiabab. Immediately, Police in co-ordination with troops of 32-RR1179 Battalion CRPF cordoned off the entire hamlet. The target area being congested and densely built-up with huge network of narrow lanes, was providing a natural cover to the hidden terrorist. However, Shri Shridhar Patil-IPS, SP South Srinagar, after due deliberation with senior officers, decided to hang-up the search operations till first light next day. Next day in the wee hours, it was planned that after pinpointing the target location, advance Police party and troops of 32-RR will storm the target location and troops of 179 Bn CRPF will provide the concrete cover to check chances of militant escape. In the meantime, operation was resumed and door to door search started. During the door to door search, target house was identified and in first instance hidden militant was asked to surrender which he declined, instead resorted grenade lobbing, however, operation men exhibited forbearance/patience and did not retaliate the fire, owing to the fact that house owner and his family were trapped inside the house. For evacuation of trapped family members, a well planned strategy was chalked out and team headed by Shri Shridhar Patil-IPS, SP City South Srinagar included Inspr Masrat Ahmad ARP- 026108,

ASI Fayaz Ahmad No.1495/PL and some troops of 32-RR was constituted. The team giving covering support to each other, in several attempts succeeded in evacuating the all trapped members. After evacuation process, the team headed by Shri Shridhar Patil-IPS, SP City South Srinagar included recommendees advanced towards target to take the operation to its logical conclusion. However, holed-up terrorist was constantly changing his position in the house and was firing from all corners. Since it was difficult to pinpoint exact location of terrorist, however, advance party which included recommendees, without caring for their lives, approached in close proximity of target house and succeeded in restricting the movement of terrorist at one place in target house. The other members of advance party engaged the terrorist till Inspr Masrat Ahmad and ASI Fayaz Ahmad, succeeded in entering into the compound of target house. On the other hand, men from 32- RR also moved swiftly to take positions at the slab of the bathroom attached with the target house. During these developments holed-up terrorist fired indiscriminately, resulted in on sport death of one of the Army personnel. On noticing instant activity of holed-up terrorist, Shri Shridhar Patil-IPS, SP City South Srinagar exhibited extra ordinary bravery and crawled towards main entry of the target house in order to diminish the movement of the terrorist so as to provide the chance to acting party to enter into the target house. The terrorist observing movement of the officer, hurled two grenades towards him, but Shri Shridhar Patil-IPS, SP City South Srinagar kept his nerves cool and managed to maintain his position and incessantly engaged the terrorist at one place till Inspr Masrat Ahmad and ASI Fayaz Ahmad entered into the target house and did not provide him further chance to fire or lob grenade by eliminating him in close range firefight. The slain militant was later identified as Riyaz Ahmad Mir @ Rizwan S/O Mohammad Ashraf Mir R/O Brath Kalan Sopore of Lashkar-e-Islam. A huge cache of arms/ammunition was recovered from encounter site and case FIR No. 185/2015 U/S 307,302-RPC, 7/25 I.A Act stands registered in Police Station Sopore in this regard.

During whole operation, Shri Shridhar Patil-IPS, SP City South Srinagar, Inspr Masrat Ahmad, ASI Fayaz Ahmad without caring for their lives exhibited extra ordinary courage/bravery and operational skills which led to elimination of a hard core terrorist. The slain terrorist was operating in & around the area of Sopore and was motivating local youth using his influence to work for the newly formed outfit Lashkar-e-Islam. He was involved in number of terror/criminal cases including killing of civilians/ threatening of Cellular franchisees of the area. His elimination in general for peace, law & order of Kashmir valley and for the Sopore in particular is a great achievement and may have long term bearing on the overall security scenario of Sopore besides a great set back to the Lashkar-e-Islam outfit.

In this operation, S/Shri Sridhar Patil, IPS, SP, Masrat Ahmad Mir, Inspector and Fayaz Ahmad Lone, ASI displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 02/09/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 68-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Jharkhand Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Prabhat Kumar, IPS

Senior Superintendent of Police

Statement of service for which the decoration has been awarded

This citation reflects an exceptional small team combat skill & unforgettable supreme sacrifice by Ranchi Police on 18-08-2015, where they have proven their mettle by launching sudden lightening assault on the adversaries in their own stronghold which left them awe-struck and consequently the valiant, determined strike squad comprising of five members, was not only able to neutralize dreaded Naxal commander Kalika Munda @ Chandan but was also able to bring his corpse and AK-47 along with them.

Consequent to the actionable input that Kalika Munda @ Chandan zonal commander of CPI (Maoist) of Kundan Pahan faction will be meeting a local contractor for collecting levy amount near the forest area of vill Ladhup and Dulmi under P.S. Khunti on 18-08-2015, Prabhat Kumar, IPS, SSP Ranchi, considering the compelling circumstances and the time constraint took a bold decision to launch an ops with a small team so as to maintain surprise, swiftness and deception.

To pre-empt their nefarious activities a five member strike squad, spearheaded by Prabhat Kumar, IPS, SSP Ranchi accompanied by Harshpal Singh Addl. S.P. (Ops) Ranchi and three others which included CT Shah Faisal, CT Ramashankar

Ram and Dvr. CT Rumul Sawaiya was formed. To provide assistance to strike squad during contingency a twelve member support team was also formed.

After verifying the authenticity of the input, immaculate planning regarding choice of vehicle, dress code, selection of personnel in strike and support group, communication drills etc., strike squad started for the core area at 1330 hrs. on 18-08-2015 after giving prior intimation to the higher formations. Further during course of movement threat assessment, reconfirmation of input as well as zeroing of point of levy transaction was being continuously done by both Prabhat Kumar, IPS, SSP Ranchi and Harshpal Singh Addl. S.P. (Ops). At about 1500 Hrs this operational input was also shared with S.P. Khunti as the probable area fell under Khunti P.S.

After traversing a distance of 25 km approx. from Khunti town, at around 1615 Hrs., as soon as the strike squad reached the probable spot, near village Ladhup, the vigilant look of Dvr. CT Rumul Sawaiya spotted 7-8 armed Maoists in regular attire and in turn he alerted the strike squad immediately. With almost negligible time to react and there was considerable gap between strike and support group, the commanders Prabhat Kumar, IPS, SSP Ranchi and Harshpal Singh Addl.S.P. (Ops) decided to go for tactical advance.

As per instant strategy, the strike squad vacated the vehicle quickly and started moving towards the target cautiously. The strike squad had hardly traversed 40-50 yards on foot, the Maoists started indiscriminate firing on them. The initial volley of fire by the Maoists proved to be fatal for the valiant Dvr. CT Rumul Sawaiya who was hit on his head.

The valuable loss at a crucial juncture of fire exchange didn't dent the fighting spirit of the undeterred and valiant commanders Prabhat Kumar, IPS, SSP Ranchi and Harshpal Singh Addl. S.P. (Ops) and their gallant men CT Shah Faisal, Ct Ramashankar Ram and they continued retaliating fearlessly in a befitting manner.

The scenario worsened when Prabhat Kumar, IPS, SSP Ranchi was hit by bullet on his chest and Ct Shah Faisal also sustained bullet injury during exchange of fire. Despite being one martyred, it was then with great spirit-de-corps, indomitable courage, utmost devotion to the duty, a great self-confidence in capability and bravery of Prabhat Kumar, IPS, SSP Ranchi, Harshpal Singh Addl.S.P. (Ops), CT Shah Faisal, CT Ramashankar Ram which led to a turn-around in fortunes and the fierce offensive firing of the strike squad completely unnerved the maoists and they started fleeing. Few Maoists were badly hit in this unstoppable onslaught by strike squad and this fact was later corroborated by technical input also.

After 25-30 minutes of intense firing, under the bold and inspirational leadership of Prabhat Kumar, IPS, SSP Ranchi, who was already hit by bullet on his chest, started the commendable rescue part which was amazingly done by him alongwith the remaining two members of strike squad Harshpal Singh Addl.S.P. (Ops) and Ct Ramashankar Ram. The bruised and exhausted trio, Prabhat Kumar, IPS, SSP Ranchi, Harshpal Singh Addl. S.P. (Ops) and CT Ramashankar Ram under life threatening circumstances not only put the injured Ct Shah Faisal, martyred Dvr. CT Rumul Sawaiya into the vehicle but also carried the corpse of killed naxal, his AK-47 along with them. Since Dvr. CT Rumul Sawaiya was martyred, Harshpal Singh Add. S.P (Ops) himself drove the vehicle and gave the intimation to SP Khunti regarding the incident enroute.

Later it was revealed that the killed outlaw was "Kalika Munda @ Chandan", Zonal Commander CPI (Maoist) of Kundan Pahan faction, a prominent face propagating red terror in at least four districts of Jharkhand i.e. Ranchi, Khunti, Saraikela, W. Singhbhum; wanted in scores of cases of serious nature; responsible for killings of security personnel; an expert in IED blasts and fatal ambushes.

In the aforesaid ops, the strike squad members Prabhat Kumar, IPS, SSP Ranchi, Harshpal Singh Addl. S.P. (Ops) Ranchi, CT Shah Faisal, CT Ramashankar Ram and Dvr. CT Rumul Sawaiya, besides being mentally tough, lionhearted and determined, have also exhibited exceptional intelligence work/planning, rational decision-making, incomparable crisis management skills and exemplary military acumen. It is indeed commendable that the gallant action took place against the back drop of an adverse terrain as the maoists were challenged in their den and they had sufficient arms and ammunitions to blow up the small strike party.

In this operation, Shri Prabhat Kumar, IPS, Senior Superintendent of Police displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/08/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 69-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Maharashtra Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

- 01. M. Raj Kumar, IPS**
Addl. SP
- 02. Sandip Punja Mandalik**
Sub Inspector
- 03. Rajesh Dnyanoba Khandave**
Sub Inspector
- 04. Nangasu Panjami Usendi**
Naik
- 05. Nilesh Joga Madavi**
Constable
- 06. Ramesh Naktu Atram**
Constable
- 07. Bablu Dadduram Pungada**
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 03.09.2015 around 1200 hrs, the intelligence cell received an intelligence input from a confidential source that over 80-100 armed cadres of CPI (Maoist) party were seen roaming in the jungles near Chichoda Pahadi area and they were planning to attack the security forces. Based on that an operation was planned in the said area under the leadership of M. Rajkumar, Additional Superintendent of Police (Operations); along with Sandip Mandlik, PSI - intelligence wing; Jaywant Jadav, PSI-C-60 ; Vishal Chavan, PSI-C60 ; Dhere, in charge PSI Along with Yesu tulavi party; Thorat, PSI incharge along with Sanjay Wachami party; and Rajesh Khandve, PSI incharge along with Nangsu Usendi party (who were in AOP Godalwahi). The teams started for operation at around 1330 hours from Gadchiroli. Accordingly, M. Rajkumar, Addl SP(Ops) , PSIs Jaywant jadav, Vishal Chavan, Dhere, Thorat and Sandip Mandlik along with Sanjay Wachami Party and Yesu Tulavi party got dropped near Pathargato jungle area through private vehicles and started antinaxal operations by foot towards the Chichoda pahadi jungle area. Simultaneously, PSI Rajesh Khandve along with Nangasu Usendi party got dropped in markegaon jungle area through private vehicles and started anti-naxal operations by foot towards chichoda pahadi jungal area.

While they were conducting Anti-naxal operations in the said area, at around 1630 hours, in the Chichoda pahadi jungle area CPI9 Maoist, North Gadchiroli Divisional Committee secretary Joganna @ Ghisu @ Chimla Lingaiyya Narsingh; platoon dalam No. 3; Pendri LOS ; Chatgaon LOS and other 50-60 armed naxals suddenly surrounded Nangsu Usendi party and ambushed them with an intention to kill the police personnel and snatch their arms and ammunitions using the illegal fire arms in their possession.

On hearing the noise of indiscriminate firing, the teams lead by Addl SP(Ops) M.Rajkumar comprising Yesu Tulavi Party and Sanjay Wachami Party immediately rushed towards that direction. On nearing the hillock, they could see around 80-100 heavily armed-naxal cadres ambushing PSI Rajesh Khandve and Nangsu Usendi Party, also they were shouting foul languages at the police party and telling amongst each other like: none of these police fellows should be spared, kill all of them, loot their weapons quickly. The naxasls had strategically positioned themselves on the higher areas of the hillock taking proper cover behind the huge rocks and were organized in to various groups, a few of which were not even visible during the initial stages, soon after sensing the movement of rescue teams, they turned their ire towards the rescue parties also and started indiscriminately firing upon them as well. Immediately on seeing them in dark green uniforms and with dangerous fire arms the parties understood that they belonged to the banned terrorist organiation CPI(Maoist).

As an impulse, the men and officers took the possible cover and started controlled fire in their direction in self-defence. Even then, the naxals didn't stop and instead increased their pressure upon the rescue teams and also, PSI Rajesh Khandve along with Nangsu Usendi party who were being ambushed were in a very delicate situation and engaged in defending themselves to the hilt.

At this point of time, Addl SP(Ops) M. Rajkumar took PSI Sandip Mandlik, Vishal Chavan and Dhare along with Yeshu Tulavi party started advancing from the southern side of the hillock; he also ordered Jaywant Jadhav, Thorat along with Sanjay Wachami party to advance from the grounds behind covers of huge rocks, started attacking heavily the rescue team from the southern side of the hillock.

Despite being in a tactically weaker location with a small team of just 7 members and having to face a huge group of heavily armed naxals, Additional SP(Ops) M. Rajkumar led a team of C-60 Commandoes and started aggressively advancing uphill amidst the raining of bullets by the naxals. This risky maneuver by Shri. M. Rajkumar was not expected by the naxals and they had to regroup to stop this police team from advancing. Unperturbed by the intensified attack by the naxals, the team led by M. Rajkumar started attacking the naxals so vigorously that they took a severe blow. This sudden aggression by the small police team climbing uphill facing heavy attack by the naxals dislodged them. While doing so, many members of the team slipped and fell while dodging the naxals' bullets. During this moment, M. Rajkumar moved out of the safety of the cover and exposed himself to a volley of bullets by naxals to attack the naxals and save the lives of his team members. M. Rajkumar's courageous and gallant advancing towards the gruesome naxals while firing at them aggressively with his AK-M rifle gave cover fire for his team members to regain their position and also kept the morale of the force higher. This not only saved the lives of the team members but also helped in approaching the higher reaches of the hillock and intensify the counter ambush to rescue Nangsu Usendi party which was under ambush by the naxals. The valiant leadership provided by M. Rajkumar at the crucial time by leading from the front kept the morale of the forces higher and helped break the preplanned ambush laid by the naxals on Nangsu Usendi party and save the lives of many police personnel.

Alongside M. Rajkumar, PSI Sandip Mandlik led a team of C-60 Commandoes towards the ambush spot. PSI Sandip Mandlik provided a valiant leadership to the team leading from the front and facing the naxal firing bravely. This gave a major setback to the naxals as they faced a three pronged attack from the police teams. Not caring for his own life, PSI Sandip Mandlik courageously advanced amidst the intensified attack by the naxals and tore down their offensive attack by selflessly firing at the naxals putting his own life at risk. This continuous and aggressive attack by PSI Sandip Mandlik helped penetrate and gave an impetus to the counter ambush attack by PSI Rajesh Khandve along with Nangsu Usendi party.

During the initial ambush, the first section of the party came under heavy and indiscriminate firing by the armed naxal cadres, Constables Babloo Pungada and Ramesh Athram fell down and were injured while taking cover. On seeing their team members falling, PSI Rajesh Dnyanoba Khandve, party commander PC/2764 Nangasu Panjami Usendi, and PC/2898 Nilesh Joga Madavi along with their team made a very risky move to aggressively advance towards the naxal cadres who were firing indiscriminately to kill every police man in their sight. While tactically taking cover, this team also retaliated appropriately and this forced the naxals to reduce their pressure on fallen men. The brave move without considering even the safety of their own lives created space for them to rush in and give cover fire to the section under direct fire by the naxals. The trio displayed immense courage and gallantry by selflessly facing the naxal bullets with the sole and selfless intention of saving the lives of their team members. They provided human cover to the team members who were injured and were not in a position to defend themselves, while firing aggressively towards the naxals.

Simultaneously, despite falling down with injury, PC/3024 Ramesh Nakatu Athram and NPC/1592 Babalu Daduram Pungada gallantly moved out of the protective cover and exposed themselves to the fire of the naxals so that they can attack the naxal cadres and help saving the life of their team members. Their unexpected aggression and gallant act of attacking the naxals bravely, stopped the naxals from butchering the rest of the team members and loot their weapons.

On this sudden aggression and tactical maneuver by the police teams from different directions, the armed naxal cadres tried to increase their offensive but the police teams did not yield to the pressure and they maintained their tactical formations and exerted pressure on the said naxals. The valiant leadership provided by Additional SP(Ops) M. Rajkumar and the selfless act of courageously and advancing bravely while firing aggressively at the naxals without caring for his own life dislodged the naxals and also motivated other members to fight to the hilt. At the same time, PSI Sandip Mandlik provided crucial support by leading a small team in a very difficult and risky terrain. Simultaneously PSI Rajesh Khandve, party commander PC/2764 Nangasu Panjami Usendi, PC/2898 Nilesh Joga Madavi, PC/3024 Ramesh Nakatu Athram and NPC/1592 Babalu Daduram Pungada put a tremendous defence along with their team members not caring for their own lives and fought the gruesome naxals so that they can save the lives of their fellow party jawans. This three pronged attack by the police teams with courageous moves and aggressive firing put the naxals on back foot and were dislodged from their dominant positions. After an heavy exchange fire for nearly 70-80 minutes, the ambush was broken and the naxals, on realizing that they cannot pin-down the police teams, started fleeing taking advantage of the thick forests, huge risks of the hill and also the dimming day-light.

Soon after the exchange of fire stopped, the police teams conducted search operations in the area. During which two.303 rifles; one 315 rifle; one 12 bore single barrel rifle; sixteen live rounds and one empty case of. 303 rifle; one 36" HE grenade; one 4 second fuse; eleven detonators; one camera flash (for triggering IEDs) four radio sets; one back-pack; four umbrellas; lots of medical kits; literature of banned CPI (Maoist) party and other material related to the CPI (Maoist) party were recovered. Also, one lady in dark green fatigue uniform with bullet injuries was also found lying in unconscious state.

There were also blood spillages in the surrounding area. She was picked up and Immediately sent to the Government general hospital at Gadchiroli from the nearest possible location. Later during search of the spot another dead body of a male Naxal cadre in dark green uniform along with a walkie talkie set and magazine pouch of .303 rifle with 21 live rounds was also found and recovered from the spot. They were identified as the dreaded naxal commanders viz, Kumme @ Ranju @ Jija Majji, PPCM of Company No-10 of CPI (Maoist) and Pramod Potavi, Deputy Cammander of Platoon No-3 of CPI (Maoist) party.

In this operation, S/Shri M. Raj Kumar, IPS, Addl. SP, Sandip Punja Mandalik, Sub Inspector, Rajesh Dnyanoba Khandave, Sub Inspector, Nangasu Panjami Usendi, Naik, Nilesh Joga Madavi, Constable, Ramesh Naktu Atram, Constable and Bablu Dadduram Pungada, Constable displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 03/09/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 70-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Meghalaya Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

**01. Bitching N. Marak
Inspector**

**02. Kodor Sohtun
Constable**

**03. Kingstar Momin
FM**

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 24th May 2015 morning, an A- Grade intelligence input was received that three dreaded militants belonging to Achik Songna Anchakpagipa Kotok (ASAK) were camping in a house at Bolchugre village near Garobadha and that they were heavily armed.

An Ops team was constituted immediately comprising three parties i.e. Assault Team and 2(two) Cut-Off Teams. The operation was immediately launched. During the operation, when the assault team was moving towards the target house, Inspector Bitching N Marak and his team spotted six militants armed with sophisticated weapons. But as they were approaching the target, they were spotted and heavily and indiscriminately fired upon by the militants. A heavy exchange of fire ensued. The team led by Inspector Bitching N Marak along with BNC/2886 Kodor Sohtun and FM- Kingstar Momin who was in the left flank, moved bravely towards the target. They faced the odds of peril to their own lives in the face of heavy militant firing and advanced towards the target opening fire at the same time. After the exchange of fire had ended, the search of the area led to the recovery of dead bodies of the following two dreaded ASAK militants (L) Joy stone Ch Sangma & (L) Naglang R Marak. Several incriminating materials including SBBL Gun, 7.65 MM pistol, live SBBL ammunition, hand-made bomb, walkie- talkie handset, electric detonators, fuse wire etc. were recovered from the possession of these militants. Inspector Bitching N Marak perfectly executed the operation as the leader of the party. They showed the least concern for their own personal safety during the exchange of fire and gave ample proof of their valorous courage and gallant action.

In this operation, S/Shri Bitching N. Marak, Inspector, Kodor Sohtun, Constable and Kingstar Momin, FM displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/05/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 71-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Odisha Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Ananta Kadraka

Constable

02. Tedyourampa Sabara

Constable

03. Kumar Huika

Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26.02.2016, on getting information regarding camping of a group of 30 armed maoists of Bansadhara-Ghumsar-Nagabali Division, in Dambaharu hill near village Dangamati to undertake violent and disruptive activities, Shri K. Siva Subramani, IPS, SP, Rayagada led a team of DVE comprising of S.I. R.R. Dash, S.I. B.B Jaypuria and 23 DVF commandos for a search operation. Near Dambaharu hill, the team divided into two groups to search two different parts of the forest.

While the team led by Shri K. Siva Subramani, IPS, SP, Rayagada was searching the area near Dangamati village on 27.02.2016 around 5 am they came across a group of armed maoists who opened sudden and indiscriminate fire on them from sophisticated weapons. They also lobbed grenades injuring C/584, Ananta Kadraka C/250, T.Y.Sabara C/594, Kumar Huika. After this the police team retaliated with a risky frontal attack. C/584 Ananta Kadraka C/250 T.Y.Sabara, C/399 Biranchi Narayan Khandapani, C/625 N.Balakrishna, C/389 Manoja Kumar Sabar, Kumar Huika and Shri K. Siva Subramani IPS, SP Rayagada moved ahead braving heavy fire and fought valiantly despite the numerical limitations of the team and severe geographical constraints which forced the maoists to retreat. The firing continued for around one hour and fifteen minutes.

In this operation, a Maoist camp was busted. One militia of maoist namely Manda Kadraka got killed in the Exchange of Fire. Huge maoist articles like One Country made Semi Automatic Pistol 7.65 MM made in China, 2 Country made single shot pistols of 9.2MM caliber, One SBBL Gun, One SBML Gun, 5 nos of 7.62x51MM SLR Magazine loaded with 20 rounds each of ammunition, 32 rounds of 7.62x51MM SLR ammunition, 16 nos of 7.65x17MM ammunition, 21 Nos 12 bore ammunitions, 12 Nos 410 musket ammunitions, 2 Wireless set, 2 Wireless Scanner, 2 empty SLR magazine, 1 HE Grenade, 12 Knives, 3 pistol Pouch, 2 Tiffin Bombs, 3 bundles of electric wire, 3 Mtr Codex wire and other articles were recovered from the maoist camp.

In this operation, S/Shri Ananta Kadraka, Constable, Tedyourampa Sabara, Constable and Kumar Huika, Constable displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/02/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 72-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Telangana Police:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. G. Suresh

JC

02. **M. Murali**

JC

03. **B. Sriramulu**

AAC

Statement of service for which the decoration has been awarded

On credible information that armed outlawed cadres of Khammam, Karimnagar and Warangal Divisional Committee (KKW) of (CPI Maoists) were moving with lethal fire arms to commit unlawful offences in border areas of Telangana and Chattisgarh State. A joint operation was planned on 10.6.2015 with 4-Units of Grey Hounds and Chattisgarh Police. The operational area has remained an impregnable den for Telangana and Chattisgarh Maoist dalams and is safe haven for them due to thick forest area, hillocks and with overwhelming support of many sympathizers and is totally inaccessible to Police parties. On 12.6.2015, while the Police party was moving in NE direction in the outskirts of Lankapally village forest area of Avapally P.S. limits, Bijapur district, Chattisgarh, the armed cadre of CPI Maoists noticed the Police Party and with an intention to kill them began to fire with precision on Police party with automatic weapons and also hurled hand grenades. However,un-deterred by the intense volley of bullets and grenade explosions, Sh. B. Sriramulu, ACC who is the Unit In-charge took control of the situation revealed his identity and warned the Maoists to surrender. The Maoists who were on high ground and advantageous position payed deaf ear and continued to fire indiscriminately and began advancing. Sh. B. Sriramulu followed by Sh. G. Suresh and Sh. M Murali courageously moved forward in risking their lives and in self defense retaliated due to which the Maoists fled away from the area after intense gun battle. The retaliation of these police personnel had saved the lives of other Commandos of the Unit. Later,when the Assault Unit checked the area they found the dead bodies of 3-dreaded Maoists of Telangana State Committee and recovered .303 Riffes-2, 8mm Rifles-2, SBB-01, .303 Magazines-04, .410 Musket rounds-14, etc. from the scene.

In this operation, S/Shri G. Suresh, JC, M. Murali, JC and B. Sriramulu, AAC displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/06/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 73-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Telangana Police :-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. **Ch. Venkata Srinivasa Reddy**

AAC

02. **P. Lakshmanudu**

JC

03. **Ch. Harish**

JC

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 28.2.2016, a joint operation was planned with 6 Greyhounds units on information that members of TSC of CPI (Maoists) led by Haribhushan, Secretary were moving with lethal fire arms to commit offences near Chennapuram, Puttapadu, Peddamidsileru villages in Cherla PS limits of Khammam district (border of Telangana and Chattisgarh states). While combing the area at Peddamidsileru (v) on 1.3.2016, Police party noticed 2 female Maoists in olive green dress carrying weapons coming on the track towards them. The Sh. Venkata Srinivasa Reddy, AAC alerted entire team to lay hasty ambush on the track and warned Maoists to surrender with an intention to catch them alive. But the Maoists opened fire on Police party. Braving heavy -fire, the nominee Sh. Venkata Srinivasa Reddy, P. Lakshmanudu and Sh. Harish retaliated fire

risking life and exhibited extreme courage and neutralized 2 female, Maoists. After fire was ceased, they heard huge blasting sound and heavy fire from the enemy on the right side. Sh. Venkata Srinivasa Reddy, AAC and his party took lying and kneeling position, retaliated and chased a dreaded male Maoist. Afterwards, when the nominees Sh. P Lakshmanudu and Sh. Harish were moving towards SE direction (enemy camp), Maoists blasted a mine. In retaliation, they opened heavy fire on Maoists and neutralized a female Maoist who was fleeing towards SE direction. Further Sh. Venkata Srinivasa Reddy, AAC and his party chased another female Maoist who was fleeing towards SE direction and neutralized them. As instructed by the Unit In-charge, the Police party chased the enemies by covering the core area and advanced through firing. Later, the Assault Unit checked the area and found dead bodies of 5 female and 3 male Maoists and recovered AK-47 Rifle-1, SLR-1, .303 Rifle-1, SLR rounds-45, etc. from the scene.

In this operation, Ch. Venkata Srinivasa Reddy, AAC, P. Lakshmanudu, JC and Ch. Harish, JC displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 01/03/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 74-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Border Security Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Sushil Kumar Pandey

Sub Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23rd April 2014, at about 1500 hrs a reliable source informed that a group of Naxals armed with automatic weapons is present in a Mela being organized every year at a place called "Shaktipeeth, about 04 Kms south of Coy Operated Base (COB), Kaleswar. The location of Mela is at the foothill of Raoghat surrounded by dense forest.

Accordingly, at about 1530 hrs, a raid party under command of Shri Rajeev Kumar, Second-in-Command, 24 Battalion BSF consisting of 3 officers, 19 Subordinate Officers, 72 Other Ranks of BSF and 5 Police personnel of Chhattisgarh Police (Total 100) was tasked to launch a raid operation. The operation party was divided in 3 groups. First party was tasked to lay stops on Raoghat hill to block the escape route from the western side of the target area, second party was tasked to lay stops on the southern side of the target area and third party was tasked to lay cordon along the river bank of river Mendaki East side of target area.

On completion of cordon, at about 1610 hrs, the Ops party clandestinely entered the Mela and started search for the Maoists. While, they were closing in, a few suspected Naxals started fleeing away on observing the party. The raid party challenged them to stop, however one of the suspected Naxal took out his pistol and cocked it to fire on the approaching party. Immediately, Sub Inspector Sushil Kumar Pandey, who was one of the member of ops party, Sprung into action and tried to grab him. Scuffle continued for a few seconds, ultimately, Sub Inspector, Sushil Kumar Pandey over powered the Naxal and succeeded in snatching his loaded pistol.

On scrutiny, the Pistol was found to be of US made 7.65 mm caliber with filled magazine having 08 live rounds. The apprehended Naxal was identified as Sandeep @ Siyaram Salam S/O Dukaru Ram Sakin, R/O Village-Dudmi. PS- Dhondai, Distt- Narayanpur (Chhattisgarh). In the meantime, other members of operation party succeeded in apprehending another suspected Naxal. On searching, 1 Chinese 9 volt battery and insulation tape were recovered from his possession. He was identified as Shanker Kumeti S/O Parsu R/O Village-Kursai, PS- Amabeda, Distt-Kanker (Chhattisgarh).

The extraordinary courage and gallant action shown by Sub Inspector (Now Inspector) Sushil Kumar Pandey not only led to the apprehension of hard core armed Naxal but also saved the precious lives of own troops as well as civilians.

In this operation Shri Sushil Kumar Pandey, Sub Inspector displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 23/04/2014.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 75-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

- 01. Kishore Kumar
Commandant**
- 02. Arun Kumar
Head Constable**
- 03. Pradeep Kumar Singh
Constable**
- 04. Manesh Kumar Yadav
Constable**
- 05. Pathare Swapnil Hemaraj
Constable**

Statement of service for which the decoration has been awarded

In Jammu & Kashmir, Tral town of Awantipora district is eminent for terrorist activities. The militants enjoy good local support in the town and thus there exists a number of shelters for them. Because of the popular support, the information on the presence of the terrorists rarely leak out. But on 02 Mar 2016, an information regarding the presence of terrorists in area of Mir Mohalla, village-Dadsara (PS-Tral, Awantipora) reached to the Security Forces. Based on the input, an operation was planned and on the same day at around 1600 hrs, a joint CASO was launched in the target area by the troops of 180 Bn. CRPF alongwith SOG Tral and 42 RR. While laying the cordon, a fierce gun battle broke into between the troops and the terrorists veiled in a house. Where on one side forces were tangled in retaliation of terrorists firing, simultaneously, on the other side a serious law & order situation developed as villagers started pelting stones at the Security Forces.

The efforts of Security Forces were going into vain as the gun battle stretched into hours and sessions. Terrorists were heavily armed with sophisticated weapons and intensely firing on Security Forces. The gun battle was stretching out of planned timing and there was strong possibility of law & order situation turning uglier the next day, which could have facilitated in the escaping of veiled terrorists. To counter, it was decided to launch a final assault on veiled terrorists by room intervention. Troops present on the scene, were not ready to launch a final assault due to some reservations until morning, on this, worried SSP Awantipora called up IG Kashmir Ops Sector, CRPF, asking whether a CRPF team, ready and motivated to carry out the final assault around midnight, could be provided. The latter, immediately agreed to send one of his finest and brave operational commander Sh. Kishore Kumar, Commandant 110 CRPF along with his team.

The protestors had blocked all the main roads going to Dadsara (target area). Sh Kishore Kumar, Commandant 110 CRPF, displaying his tactical acumen and impiousness cleared all the obstacle in between and reached in the target area around 2300 Hrs. Intermittent firing from both sides were going on at that time. SSP Awantipora briefed Sh. Kishore Kumar, Commandant about the situation and other tactical information/facts and asked for the final assault. Avoiding scuffling for immediate action, Sh. Kishore Kumar followed the tactics and carried out a recce of the proximate area of the target house.

In an implex situation where terrorists had fortified themselves and watching every act of Security Forces approaching towards them, it was the real test of nerves, courage and tactical superiority of the troops. The assault had to be conducted with no error, even a bit of hashing could have been fatal as bullets were flying everywhere in the air. Undaunted to the above facts and risks, Sh. Kishore Kumar dared to take the challenge and prepared his team for the final assault. He divided his party into four teams and tactically positioned them around the target house. Amidst heavy firing by the terrorists, without caring for fatalities, Sh. Kishore Kumar along with HC/GD Arun Kumar and CT/GD Manesh Kumar Yadav advanced towards the target house. The second team, comprising of CT/GD Pradeep Kumar Singh and CT/GD Pathare Swapnil Hemaraj took position on the right side of the target house, whereas the third team viz CT/GD Talimul Islam and CT/Bug

Kartar Singh took position on the left side of the target house. The fourth team was tactically positioned at a distance to support/ provide covering fire.

Using his tactical sagacity, Sh. Kishore Kumar directed CT/GD Pradeep Kumar Singh to fire UBGL rounds on the target house, followed by the firing of small arms from remaining troops. This sudden and heavy fire worked as it suppressed terrorists and their fire. Taking advantage of that Sh. Kishore Kumar along with HC/GD Arun Kumar, CT/GD Manesh Kumar Yadav, CT/GD Pradeep Kumar Singh and CT/GD Pathare Swapnil Hemaraj, showing utter disregard for their lives, ran through an absolute open patch and covered the last few yards to take position on both sides of the main door of the target house. In the spiny circumstances and against the well prepared enemy, troops barged into the first room and showing exemplary courage with sharp reflexes CT/GD Pradeep Kumar Singh and CT/GD Pathare Swapnil Hemraj fired at the terrorist who was about to toss a grenade, killing him on the spot. Thereafter, they stormed into the second room and again CT/GD Pradeep Kumar Singh fired two more rounds of UBGL forcing the two surviving terrorists to jump out of the window, in the backyard, adjoining to a stream and forest. Unrelenting and dauntless for their lives and safety, despite being fired at, Sh. Kishore Kumar, HC/GD Arun Kumar and CT/GD Manesh Kumar Yadav chased the terrorists outside the house and shot them down before they could escape into the forest.

After a long and fierce gun battle, the search yielded in recovery of dead bodies of three hardcore HM terrorists viz Ashiq Hussain Bhat, Category 'A++', r/o Chursoo, Mohd Asif Mir, Category 'A', r/o Mir Mohalla, Dadsara and Ishaq Ahmad Parray, Category 'C', r/o Laribal, Tral, and the following arms/amm (i) AK 47 Rifle-3 (ii) AK 47 Mag — 7 (iii) Grenade-1 (iv) AK Rds-122.

In this operation S/Shri Kishore Kumar, Commandant, Arun Kumar, Head Constable, Pradeep Kumar Singh, Constable, Manesh Kumar Yadav, Constable and Pathare Swapnil Hemaraj, Constable displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 03/03/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 76-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Nand Kishore Prasad
ASI

Statement of service for which the decoration has been awarded

The years 2015 and early 2016 had witnessed several attacks by the terrorists on the Security Force's convoys as well as Road Opening Parties on the National Highway-44 connecting Srinagar and Jammu; particularly the stretch between Bijbehara and Anantnag being vulnerable. Since the Force was securing the stretch between Srinagar and Udhampur, mobile patrols and pickets were being placed at strategic points after due thought and consideration on the National Highway so as to ensure safe passage to personnel and vehicles.

In such atmosphere, on 03 Jun 2016, at about 1615 hrs, one of the up-convoy bus in the BSF convoy (Tata Bus Reg. No.- PBO8CX 4588) carrying unarmed transients came under heavy fire from the terrorists near SDH-Bijbehara, PS-Bijbehara, Distt-Anantnag, J & K, a very crowded area. The terrorists were firing from a narrow lane in order to have an easy escape from the ensuing gun battle. Due to sudden, fierce and indiscriminate firing from terrorist, BSF troops inside the bus could not position themselves and hit back. In the gruesome attack ten personnel suffered bullet injuries in initial fire by the militants and out of them three personnel succumbed to their injuries.

On hearing the gunshots, No 830410161 ASI/GD Nand Kishore Prasad (now retired), of 90 Bn CRPF, who was deployed as part of Road Opening Party (ROP) at picket no 36/37, located about 150 meters from the incident site, immediately swung into the action without a second thought. ASI/GD Nand Kishore Prasad who was in his mid-fifties, consigning age to merely a number, displaying tremendous agility, raw courage, and the presence of mind, rushed towards the incident site. Undeterred to the flying bullets, he kept on moving forward towards the attacked bus. In a moment, he reached the incident spot. While looking for a position to retaliate the militants, he kept on observing for the militant's position from the direction of their fire. Militants were still firing incessantly on the BSF bus. Amid the heavy firing where any move could have been fatal, ASI/GD Nand Kishore reached close to the bus and positioned himself behind it.

He, without losing a moment and displaying unparalleled bravery, ferociously attacked the militants with his precise and effective fire. Due to getting sudden and effective retaliation from ASI/GD Nand Kishore Prasad, militants left astonished and forced to take refuge behind the covers. Using his vast experience and tactical acumen; earned through his long career, ASI/GD Nand Kishore Prasad kept on firing on militants in most professional and controlled manner to avoid civilian casualties. Meanwhile, a BP bunker of 90 Bn CRPF, which was deployed for law and order duties, at Goriwan Chowk, about 200 meters from the site of the incident also reached the spot. Troops inside the bunker joined the ongoing encounter and thus strengthened the SFs. Taken aback by the unexpectedly strong retaliation from the troops, particularly ASI/GD Nand Kishore Prasad, the terrorists fled from the site taking advantage of the narrow bye lanes. The troops displayed remarkable fire control during the encounter preventing any collateral damage to the civilians. Thereafter, the SFs cordoned off the area and launched a search operation, but the terrorists had made good their escape.

What stood out in the whole incident was the extraordinary and decisive response by ASI/GD Nand Kishore Prasad who belied his age and set a sterling example for the younger generations of the Force. As quoted by French philosopher Michel de Montaigne "Valour is stability, not of legs and arms but of courage and the soul". In the need of hour, the eventuality was grabbed by ASI/GD Nand Kishore Prasad with both hands and he made it count. The sheer presence of mind, exemplary bravery, steely resolve, and exceptionally gritty response by ASI/GD Nand Kishore Prasad foiled the evil designs of militants else they would have inflicted many more casualties, as the attacked BSF convoy bus was carrying unarmed transients.

In this operation Shri Nand Kishore Prasad, ASI displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 03/06/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 77-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Koshal Kumar
Head Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

One platoon of 'F' Coy of 40 Battalion, CRPF has been deployed for static guard duties in the office of the Deputy Commissioner, Anantnag in J&K. On 28 Apr 2017, at about 1310 hrs, two unidentified terrorists entered the T.P. branch of J & K Bank located in the premises of Deputy Commissioner's office, with intentions to kill the security forces, snatch their weapons and loot the bank treasury.

After reaching near to the security forces, one of the terrorist namely Raja @ Owaish started a conversation with the SPO belt No 74 namely Fayaz Ahmad Sheikh of Jammu & Kashmir Police, who was also performing duty at the main gate of the bank with the CRPF guard, to divert his attention. The activities were closely watched by No 911124935 Head Constable Koshal Kumar of 40 Bn, CRPF; Guard Commander at the main gate. Meanwhile, the other terrorist namely Muneeb ul Islam took out a pistol; tucked inside the clothes, and tried to fire at Koshal Kumar. Due to the alertness and vigilance, he caught the movement of the terrorist and in a split second, displaying extraordinary courage and sharp reflexes, he leaped at the terrorist and a scuffle ensued. Koshal Kumar, defying his age, was fighting valiantly against the young terrorist and giving him a tough challenge. While engaged in the scuffle, on getting an opportunity, the terrorist fired at Koshal Kumar. The bullet pierced through the right index finger of Koshal Kumar creating a torrent of blood out of his finger. Despite being hit and suffering from an excruciating pain Head Constable Koshal Kumar did not loosen his grip over the terrorist.

Before the terrorist could make another attempt of fire, koshal Kumar successfully disarmed him as the pistol slipped out of his hand and fell on the ground during the scrimmage. Immediately thereafter, the terrorist caught hold of the rifle of Koshal Kumar and attempted to snatch it. Ignoring his acute pain due to continuous discharging of blood, Head Constable Koshal Kumar displaying nerves of steel and remarkable resilience held on to his weapon and did not let it go. Sensing the opportunity, the second terrorist Raja @ Owaish picked up the pistol from the ground and fired at Koshal Kumar. Due to the scrimmage, bullets missed the target and koshal Kumar had a miraculous escape. Finding his attempt wasted, the Raja @ Owaish ran towards the main entry gate and waited for his accomplice to join him with the snatched rifle. However, realising that his colleague was trapped and there were no chances of escape, he fled from the spot taking advantage of the crowd

outside the gate and market area. In the meantime, Koshal Kumar continued to grapple with the other terrorist with all his might and succeeded in pinning him down. Upon hearing the noise and as a result of the alarm sounded by the sentry on duty, No.085341489 Constable Md. Irshad Khan of 40 Bn deployed in Treasury Morcha rushed for the help of Koshal Kumar. On getting support from Constable Md. Irshad Khan, Koshal Kumar completely overpowered the terrorist and apprehended him together. He was further handed over to SHO, PS- Sadar, Dist- Anantnag.

The apprehended terrorist was later identified as Muneeb ul Islam of Hizbul Mujahideen S/o Ghulam Hassan Malla R/o Reshipora, PS 86 Distt Shopian, J&K. The injured Head Constable Koshal Kumar was immediately shifted to District Hospital, Anantnag for medical care.

In this operation Shri Koshal Kumar, Head Constable displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 28/04/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 78-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

- | | |
|------------|---|
| 01. | Ajay Negi
Asstt. Commandant |
| 02. | Santosh Kumar Suman
Asst. Commandant |
| 03. | Mahender Pratap Singh
Constable |
| 04. | Bijender
Constable |

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 8 December 2015, on a specific intelligence about the movement of Lashkar terrorists in a vehicle towards Srinagar to pull off some attack on the National Highway 44, a joint Naka was established by troops of 110 Bn U/c Shri Santosh Kumar Suman, AC, along with troops of SOG(JKP) at NH 44, JKEDI Pampore under PS - Parnpore, Distt. - Pulwama, J & K.

During the Naka, at around 1730 hrs, a Tata Mobile-207 vehicle bearing registration No. JK22-5943, approaching towards Srinagar, was stopped at the Naka by the troops. As the vehicle came to a halt, the terrorists sitting inside the vehicle opened indiscriminate fire, injuring a female tourist, traveling in a taxi passing from nearby. Troops, sensing the threat to the vehicles plying on the highway, immediately swung into action and brought the traffic to a halt and retaliated the fire effectively with due caution, thereby preventing the terrorists from fleeing away.

Meanwhile, on hearing the gunshots Shri Ajay Negi, AC (OC B/110 Bn) who was on ROP duty at the neighbouring Khrew Chowk, rushed to the spot. Exhibiting great tactical acumen and presence of mind, he placed his BP vehicle adjacent to the Tata Mobile 207 and opened targeted fire on the said vehicle, thereby completely pinning the terrorists down. Troops of A/110 Bn, located in the close vicinity of the incident site, also reached the spot in a BP Bunker. Acting promptly, CT/GD Mahender Pratap Singh and CT/GD Bijender of A/110 maneuvered their position and opened fire on the terrorists from atop the bunker. Meanwhile, one section of B/23 Bn under command HC/GD Manjit Singh along with six other personnel, who were on their way back to Srinagar after performing their duty, reached the spot but were caught in the cross-fire. Before the troops in the vehicle could react to the situation, militants opened indiscriminate fire upon them, hitting three personnel inside the vehicle. Despite taking the initial hit, without panicking and understanding the necessity to stay calm and composed,

HC/GD Manjit Singh immediately stopped his vehicle, got down along with his party including the three injured personnel and joined the gunfight without losing time. HC/GD Manjit Singh and CT/GD Sethi Ram positioned themselves strategically keeping the sight of the target vehicle. Both of them opened effective fire on the terrorists despite being heavily fired upon and blocked escape routes from the rear. Amidst the heavy firing, all injured personnel were evacuated to hospital.

Troops, in a coordinated move, blocked all the escape routes and started squeezing towards the militants. Sensing the situation that they are completely trapped and there is no possibility of an escape, in a desperate move, one of the terrorists took the driver of the Tata-Mobile vehicle hostage while other terrorist took the shield of the injured tourist and let loose a fusillade of bullets, firing both terrorists simultaneously from AK rifle and Pistol. Realising that the terrorists would employ every means to dodge the security forces and attempt to escape, Shri Santosh Kumar Suman, AC, in a last ditch attempt, paying no heed to his own safety and security, crawled towards the militant amidst heavy exchange of fire. With the precise and accurate fire, he eliminated one of the militants. Taking advantage of the fast fading light, the second terrorist succeeded in moving to the other side of the Tata Mobile vehicle and lobbed a grenade at the BP bunker. Troops, displaying their quick reflexes saved themselves from the deadly grenade blast. While the militant was attempting to lob another grenade, Shri Ajay Negi, AC, along with CT/GD Mahender Pratap Singh and Ct/GD Bijender, charged forward from all sides with no apparent safety cover. The trio attacked fiercely on the militant with their precise and accurate fire and shot at him. Despite being wounded by bullets, the terrorist made another attempt to remove the grenade's pin and lob at the approaching party but the swiftness and agility of the party foiled his attempt and neutralised him.

The fierce encounter which lasted a couple of hours on the highly crowded National Highway was not merely a test of the skills acquired by a trained soldier but was also a test of his concern and empathy for his fellow countrymen to protect innocent human lives. The absence of civilian casualties bears testimony to the sensitivity and humane side of the troops. In this fierce encounter, two dreaded terrorists of LeT, Junaid, 'A+' category, R/o Pakistan, and Shakir Showkat Bhat, 'A' category, R/o Nowpora Kalan, Sopore, were killed. Troops recovered one AK-47 Rifle, one Pistol, two Hand Grenades and assorted ammunitions from the slain militants.

In this operation S/Shri Ajay Negi, Asstt. Commandant, Santosh Kumar, Suman, Asst. Commandant, Mahender Pratap Singh, Constable and Bijender, Constable displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/12/2015.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 79-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

**01. Subramanya G.
Sub Inspector**

**02. Mohd Ashraf Plote
Constable**

**03. Mandheer Singh
Constable**

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 14 March 2017, on receipt of a reliable intelligence input from SSP Kupwara about the presence of 03-04 foreign terrorists in a house in Chechi Mohalla of village Kunnad, PS & Distt- Kupwara in J & K, an operation was planned by the Commandant 98 Bn CRPF with SOG, Kupwara, (JKP). Troops of 98 Bn and SOG Kupwara were mixed together for better communication and coordination during the operation. The joint troops were divided into two teams, team one under command of Sub Inspector Mohd Iqbal of SOG and team two under command of Sub Inspector Subramanya G. of 98 Bn. To conceal the movement and presence of troops in the target area, team one was dressed into civvies. Accordingly, in a tactical

move, team one; in civvies, left the base camp for target area, village- Kunnad, at about 1800 followed by the team two after an interval of 15 Minutes.

On reaching close to the village Kunnad, both the parties parked their vehicles one kilometer short of the target house and approached the spot on foot to maintain the surprise & secrecy. To avoid the attention of locals, firstly team led by Sub Inspector Mohd Iqbal (in civvies) was inducted in the target area from north and eastern direction to cordon the house. Whereas, subsequently, team two under command of Sub-Inspector Subramanya G. stealthily also moved in the target area and cordoned the house from the south and west direction. At about 2045 hrs, two teams of 41 RR also joined the operation and strengthened the deployment. After the cordon was placed it was decided to wait till the first light. Later, SSP Kupwara, QAT of 98 Bn and D coy of 98 Bn also reached the spot in the early morning i.e. on 15th March.

At about 0600 hrs, in order to get the whereabouts of the terrorists and their activities, torch beams were aimed at the target house by the troops. The first three attempts couldn't yield any response from the target house, however in the fourth attempt the terrorists responded with heavy volume of fire towards the source of light; torch beams. The tactics of SFs worked as the presence of terrorists in the target house was now confirmed. After the initial fire, terrorists went to silence for a long while; probably to analyse the situation, till at about 0830 hrs when one of the terrorists opened heavy fire from the window on the north-eastern side of the house and attempted to flee.

Constable Mohd Ashraf Plote, who was positioned towards that side, sensed the move of terrorist and decided to challenge him. He, grabbing the opportunity, exhibiting quick reflexes and displaying extraordinary presence of mind, immediately changed his position and crawled to place himself at a striking distance from the terrorist. Unmindful of his own safety, Constable Mohd Ashraf Plote jumped into the action, ignoring all the risks and opened effective fire at the terrorist, eliminating him on the spot. With this a fierce encounter ensued between the SFs and the hidden terrorists. The terrorists inside the house had placed themselves at vantage points & as a result the attempts of SFs were going into the vain. The bullets were not proving its worth due to strong built up structure of the house. In such circumstances, at about 1100 hrs., troops of 41 RR fired rockets on the target house to flush out the terrorists which could also not yield the desired result due to the strong structure of the house though it set the house on fire. As the fire spread inside the house, the terrorists have no option left with but to rush outside the house. They rushed out from the house unleashing a volley of bullets on the security forces and took shelter in a nearby dead ground.

The movement and position of terrorists were spotted by Sub Inspector Subramanya. G and Constable Mandheer Singh positioned near to the target house. There was a possibility that terrorists may escape from the site taking advantage of dead ground. However, the above duo was committed to not let them go by any chance whatever the price they had to pay for it. In a daring move, defying all the fatal threats, they moved out from their cover and crawled to reach closer to the terrorists. Amid the heavy firing where bullets were flying in the form of death, the duo reached near to terrorists and challenged them. Upon being challenged, the terrorists showered on the duo with the bullets. The bullets fired by the terrorists missed their target by a whisker but couldn't deter the courage of the brave hearts. Sub Inspector Subramanya. G and Constable Mandheer Singh not only saved themselves from the deadly attack but also prepared themselves for the counter attack ignoring the monumental risks on their lives. Displaying amazing agility and exceptionally strong will to succeed, they threw all cautions to wind and attacked the two terrorists firing Precisely with their weapons and eliminated both of them. The slain terrorists were later identified as Abu Mala, Abu Mansoor and Anas Bhai (all Category-A' terrorists of LeT hailing from Pakistan). During the encounter, one Constable of JKP namely Danish Ahmed Mir sustained a bullet injury. Search of the incident site also resulted in the recovery of three Assault Rifles, 11 magazines, 280 rounds, three pouches, four Chinese grenades, one wireless set, two UBGL Cylinders, one GPS sheet and one matrix sheet.

In this operation S/Shri Subramanya G., Sub Inspector, Mohd Ashraf Plote, Constable and Mandheer Singh, Constable displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 15/03/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 80-Pres/2018.—The President is pleased to award the 2nd Bar to Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS**S/Shri**

01.	Rajesh Kumar	(PMG)
	Commandant	
02.	Sanjay Kumar	(2nd Bar to PMG)
	Deputy Commandant	
03.	Rajendra Nath Mallick	(PMG)
	Assistant Commandant	
04.	Kamal Singh Baghel	(PMG)
	Head Constable	
05.	Manohar Lal Meena	(PMG)
	Constable	
06.	Ranjan Kumar Sah	(PMG)
	Constable	

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the evening of 4 Mar 2017, on receipt of a specific information from SP Awantipora, about the likelihood of two hardcore terrorists in the house of one Mohd Ramjan Ganai in Sheikh Mohalla, Village-Hafu, PS-Tral, PD-Awantipora, Distt-Pulwama, J&K, a joint cordon and search operation was launched by the troops of 180 Battalion CRPF under command of Shri Rajesh Kumar, Comdt. and troops of 42 Rashtriya Rifles and SOG(JKP) Tral. As per the plan, joint troops laid the cordon; outer & inner, around the target house as well as adjacent houses covering all the vantage points to prevent slipping out of terrorists. Meanwhile, senior officials of RR, SP Awantipora, SDPO Awantipora and a team of 130 Bn also reached the operation site.

Once the presence of the terrorists was confirmed in the target house, the cordon was tightened around the house and all the escape routes were plugged tightly. After that, an announcement was made to the terrorists to surrender before the troops. Paying no heed to the announcement, terrorists responded with a volley of fire on the cordon party in turn. With this, a fierce encounter ensued between the SFs and terrorists. Troops were bravely retaliating the fire of terrorists but all were going futile as terrorists were well shielded behind the walls in the target house. Since the firing was not proving its worth, it was decided to blow up the house to avoid loss of lives of civilians and SFs. The task was assigned to 42 RR. While the team of 42 RR was in the process to place an IED in the target house they were noticed by the terrorists, who, in turn, fired upon them injuring the officer of 42 RR. Due to this the demolition of the target house was postponed till first light. Intermittent firing from both sides continued.

The situation was getting worse as the terrorists were fiercely fighting with the SFs and were not ready to give up. The attempt of blowing up the house had also suffered badly. There was every possibility that L & O situation may turn ugly at any point in time. At this juncture, Shri Rajesh Kumar, Comdt 180 Bn displaying extraordinary initiative and confidence in his troops proposed to place the IED in the darkness of the night itself, as there was a possibility that civilians would disrupt the operation the next morning. After mutual consultation, he formed a small team of six brave hearts and took the challenge to lead them from the front. Amongst the team, Shri Sanjay Kumar, Dy Comdt along with his buddy Constable Manohar Lal Meena volunteered to carry and place the IED inside the target house while Shri Rajendra Nath Mallick, Asst Comdt and his buddy Constable Ranjan Kumar Sah volunteered to move ahead of the above duo to provide them cover with weapon and shield. After finalizing the plan, Shri Rajesh Kumar, Comdt along with his buddy Head Constable Kamal Singh Baghel took the first step amidst the flying bullets and moved intrepidly towards the target house to provide covering fire to his team. Displaying raw courage and nerves of steel, the duo moved tactically to the close proximity of the target house to clear the way for the team carrying IED set duly supported by Shri Rajendra Nath Mallick, Asst Comdt and his buddy. Shri Sanjay Kumar; a decorated and seasoned officer, who is expert in planting IEDs, entered the house through a partially damaged window. His buddy Manohar Lal Meena valiantly followed and supported him in placing the IED inside the house in a critically short time period defying all the fatal threats. The IED was successfully placed and triggered by the above troopers bringing down the target house.

After demolishing the house followed by a brief observation period, at about 0330 hrs, a search team of RR and SOG, JKP approached the collapsed structure for search, when one of the terrorists rose from the rubble and opened indiscriminate fire followed by lobbing grenades. This sudden act by the terrorist resulted in the martyrdom of one JKP jawan and bullet

injuries to four others. Shri Rajesh Kumar and his buddy Kamal Singh Baghel who had positioned themselves in the close proximity reacted promptly on the situation. They retaliated with effective fire and evacuated two injured personnel of 42 RR.

As the terrorists were still alive but untraced, the debris was set ablaze in the early morning to get them out from there. Observing no response/reaction from the debris, after around one and a half hours, a joint search team of 42 RR, SOG Tral and 180 Bn was once again sent to carry out the search of demolished house with a JCB machine to clear the debris. At about 1330 hrs while the debris was being cleared with the help of JCB, the search party was again fired upon injuring a Constable of JKP. Once again Head Constable Kamal Singh Baghel evacuated the injured personnel with the support of Sh Rajesh Kumar and Rajendra Nath Mallick, who were tactically positioned on a toilet block and firing with LMG on the terrorist's position. The firing continued unabated from both sides.

After a grueling 24 hours of intermittent firing, realising that no party was effectively able to engage the cleverly positioned terrorists, a joint team of four daring troopers consisting of Sanjay Kumar, Dy Comdt with his buddy Constable Manohar Lal Meena of CRPF and Major Shakti Singh with his buddy of RR was formed for final assault. Sanjay Kumar along with his team, displaying extraordinary valor under the most challenging circumstances inched closer to the terrorist's position taking the help of mounds of debris. The terrorist, realizing that death was lurking close, made one desperate attempt to fire at Sanjay Kumar from a very close range, but, the officer exemplifying as to why he is the man to be relied upon in such nerve-wracking situations foiled his attempt and fired at the terrorist from close quarters eliminating him there & then. The terrorists were later identified as Aquib Ahmad Bhat @ Moulvi of HM, Cat `A++', S/o Abdul Khaliq, R/o Hayna, PS Tral and Abu Hamas @ Saifullah @ Osama of JeM, Cat `A++' a foreign national and a close associate of HM Chief Sayeed Salaudhin. Both of them carried cash rewards of Rs 12,50,000/- each. Two AK 47 Rifles with matching magazines and ammunition were also recovered from the slain terrorists.

In this operation S/Shri Rajesh Kumar, Commandant, Sanjay Kumar, Deputy Commandant, Rajendra Nath Mallick, Assistant Commandant, Kamal Singh Baghel, Head Constable, Manohar Lal Meena, Constable And Ranjan Kumar Sah, Constable displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 05/03/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 81-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Vinay Anand Prakash

Commandant

02. Rajesh Shah

Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30 June 2016, on receipt of information from SP Pulwama, about presence of terrorists in Village-Malwari (Nawa), PS & Distt-Pulwama, Jammu & Kashmir, troops of 183 Bn under command of Shri Vinay Anand Prakash, Comdt, 183 Bn, CRPF, launched a Cordon and Search Operation (CASO) alongwith SOG, JKP and 55 RR. A detailed strategy was chalked out after mutual consultations with the commanders of joint forces and accordingly a tactical cordon was laid around the target house. Troops of 183 Bn CRPF under command of Shri Vinay Anand Prakash, Comdt were assigned the task of laying inner cordon with 55 RR and SOG, JKP. Two bunkers of 183 Bn CRPF were also placed tactically adjacent to the target house.

To save the lives of innocent civilians, it was decided to first evacuate the local residents from the target area. Accordingly, taking due cautions, troops evacuated the civilians from the nearby residential houses to a safe zone. After that, troops occupied the houses nearby the target house. Shri Vinay Anand Prakash, Comdt alongwith Sub Inspector Hari Mohan Singh took position in front of the target house behind the available covers.

While the troops were closing in towards the target area, the terrorists sensed the presence/activities of the troops, and in an attempt to escape, opened indiscriminate fire followed by the grenade lobbing upon the troops. The grenade landed close to the place where Shri Vinay Anand Prakash, Comdt and his team were positioned. Giving a lightening reaction to the situation, in a miraculous escape troops saved themselves from the deadly attack as the bullets and grenade splinters missed their target by a whisker. In the meantime, troops swung into the action and retaliated to the militant's fire. Undeterred to the impending threats, Shri Vinay Anand Prakash, Comdt, SI Hari Mohan Singh and Constable Rajesh Shah fired effectively upon the militants and prevented them from making any more attempts to escape. The counter action was duly augmented by the troops of 55 RR and SOG, JKP. The effective and prompt retaliation from the SFs left the militants astonished as they couldn't respond for a while.

Stricken by the SFs, militants reviewed the situation and after a prolonged lull; ascertaining the position of the troops, they once again resorted to indiscriminate fire upon the troops which was once again thwarted. Finding the bullets are not making its worth against the SFs, militants lobbed another grenade towards Shri Vinay Anand Prakash, Comdt. who have stood rock solid in their way to escape and became a manacle. The agility and reflexes of the troops again dulled the effect of grenade attack. While retaliating against the militants, Shri Vinay Anand Prakash sensed that the terrorists were making desperate attempts to escape from the site and may intensify their attack on the troops. An advance tactical move was the need of hour to eliminate the militants before they could cause any damage to the SFs or make escape from the site. A daring initiative was only option left with. At this moment, Shri Vinay Anand Prakash, Comdt, exhibiting true characters of a commander, decided to shoulder the responsibility. Throwing all cautions into air and displaying exemplary bravery he came out of his cover and attacked ferociously on the militants.

Meanwhile, Sub-Inspector Hari Mohan Singh taking cue from his commander joined the league of bravery and attacked militants with his effective fire. The fearless and audacious action of the duo was augmented by Constable Rajesh Shah. Despite being heavily fired upon by the militants he untied barrage of bullets on the adversaries. The bold and courageous action by the brave hearts broke the resistance of the militants and eliminated them. During post encounter search, dead bodies of two militants were recovered by the troops who were later identified as Abu Ayaan of LeT, Cat-A', R/o Pakistan and Manzoor Ahmad Dar of LeT, Cat-S', S/o Abdul Rashid Dar R/o Kesrigam Gundibagh, Kakapora. One AK rifle, one pistol with Mag. and ammunition were recovered from the slain milita.

In this operation S/Shri Vinay Anand Prakash, Commandant and Rajesh Shah, Constable displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 30/06/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 82-Pres/2018.—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

- | | |
|------------|--|
| 01. | Shankar Lal Jat
Asstt. Commandant |
| 02. | Pankaj Hallu
Asstt. Commandant |
| 03. | Pankaj Kumar
Head Constable |
| 04. | Ram Dulare
Constable |
| 05. | Balram Tudu
Constable |

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 05 June 2017, an insolent attack by terrorists in the pre-dawn rattled the quiet calm of the twin coy location of C and D 45 Bn, CRPF located in Industrial Area (Training Ground), Sumbal under PS- Sumbal, Distt- Bandipora in Kashmir. Located on the roadside and with no proper perimeter fencing, the camp is secured merely by a barbed wire fence, reinforced with a layer of concertina coils.

On the fateful day, at around 0335 hrs, No. 145033655 Constable K. Dinesh Raja of C coy and No. 110049648 Constable Prafulla Kumar of D coy were on sentry duty in Morcha No. 01 and Morcha No. 02 respectively. No. 880901236 Head Constable A.S. Krishna of C coy was on night camp patrol duty. While sentries of Morcha No. 1&2 carefully carrying out their duties, they noticed some suspicious movement in the apple orchards across the road. Before they could ascertain the facts, a heavy volley of fire came towards them. The duo sentries spotted two heavily armed terrorists who were advancing towards the camp firing indiscriminately. The sudden attack confounded the sentries at once and before they could effectively respond to the attack, terrorists quickly crossed the road after emerging out of the orchard and rushed towards the camp fencing. Terrorists were firing indiscriminately upon the sentries followed by the grenade lobbing to seize their retaliation.

It was a dicey situation. Sentries had to retaliate against the terrorists to prevent them entering in the camp failing which it could have been a disaster. Getting out of the initial jolt, CT K. Dinesh Raja and CT Prafulla Kumar held their nerves and rose to the occasion. Amid the raining bullets, they charged upon the terrorists. On hearing the gunfire HC A.S. Krishna rushed towards Morcha No. 1 amid the firing and joined CT K. Dinesh Raja. Meanwhile, sentries set off the alarm installed in the sentry post to alert the entire camp. Terrorists were desperately trying to enter the camp and thus firing heavily upon the sentries. However, the above trios holding their ground, displaying cool and calm exterior, the firm commitment to assigned duties and extraordinary bravery amidst the turbulence, responded to the adversary's fire. The audacious retaliation from the trios incapacitated the two terrorists who had reached close to the concertina coil fencing and were trying to snap the wires with the help of wire cutter.

The alarm, as well as the sound of heavy exchange of fire, alerted Head Constable Pankaj Kumar of D coy (Guard Commander). He immediately rushed out of the guard room and joined the sentries in the Morcha. Constable Balram Tudu and Constable/Bugler Ram Dulare of C coy also got alert and rushed towards the stand-to morchas to augment the assault against the infiltrators. Meanwhile, the Coy Commanders Shri Shankar Lal Jat, Assistant Commandant and Shri Pankaj Hallu, Assistant Commandant of C and D coys respectively also joined the troops amid the bullets whizzing around. Exhibiting sound tactical acumen and extraordinary leadership skills they quickly assessed the situation and took control of the proceedings. Amid the barrage of bullets they kept moving from one location to other guiding and motivating the troops to put effective fire against the terrorists. Their resounding presence and support uplifted the morale of the troops.

The weather condition was bad due to thunderstorm followed by the showers which disrupted the power supply to the camp, adding woes to the situation. This unexpected development facilitated the terrorists to change their positions. In this critical situation, displaying the sharp presence of mind, Sh Pankaj Hallu, AC ordered to fire para illuminating bombs to locate the terrorists. Para illuminating bombs lit up the area and the troops sighted more terrorists running towards the perimeter fencing from across the road to join their colleagues. Under the able guidance of Shankar Lal Jat, AC, HC A.S. Krishna, HC Pankaj Kumar, CT Ram Dulare, CT Balram Tudu, CT K. Dinesh Raja and CT Prafulla Kumar fired at the approaching terrorists. After a while sensing that the firing has stopped, the area was searched thoroughly. During search, troops recovered dead bodies of 04 terrorists along with 04 AK 47 Rifles, 12 AK Mag, 142 Rds 7.62x39 mm ammunition, 06 Israeli No.26 Grenades, 03 Chinese Grenades, 01 UBGL, 07 UBGL Grenades, 04 Pouches, 02 watches, 01 wire cutter and 03 petrol filled 500 ml pet bottles.

The recoveries from the slain terrorists were indicative of their evil designs to cause mass casualty to the SFs. The brave troopers of C, D/45 Bn had foiled a major fidayeen attack by a group of well trained and well equipped foreign terrorists on account of their sheer alertness, the presence of mind and hardihood. Not many times has a fidayeen attack been decimated in a span of 45 minutes, making it one of the most spectacular achievements for the Force. Constables K. Dinesh Raja and Prafulla Kumar performing sentry duties in Morchas 1 and 2 displaying exemplary state of alertness had derailed the meticulously hatched plans of the terrorists right from the word go. Head Constable A S Krishna too lost no time in sizing up the situation. He acted bravely and responded to the situation very effectively.

Shri Shankar Lal Jat, Asst Comdt and Shri Pankaj Hallu, Asst Comdt displaying exceptional leadership qualities and tactical acumen led from the front and guided the troops through the high octane encounter thereby ensuring a highly successful operation without any losses or collateral damages. Head Constable Pankaj Kumar, Constable Balram Tudu and Constable/Bugler Ram Dulare, displayed exemplary initiative in responding to the call of duty. On hearing alarm sound and the gunshots, they swung into the action without losing a fraction of moment. Amidst the raging gun battle, they rushed out of the barracks without caring for their lives and took tactical positions and assisted their colleagues in engaging the terrorists resulting in their quick elimination. Their raw courage and valor made the day for the Unit.

In this operation S/Shri Shankar Lal Jat, Asstt. Commandant, Pankaj Hallu, Asstt. Commandant, Pankaj Kumar, Head Constable, Ram Dulare, Constable and Balram Tudu, Constable displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 05/06/2017.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty

No. 83-Pres/2018.—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force:-

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01.	Dilip Kumar Singh	(1st Bar to PMG)
	Asstt. Commandant	
02.	Govind Singh	(PMG)
	Constable	
03.	Saddam Ansari	(PMG)
	Constable	
04.	Vishwanath Kumar	(PMG)
	Constable	
05.	Arun Kumar	(PMG)
	Constable	
06.	Lal Singh Dawar	(PMG)
	Constable	
07.	Harish Kumar	(PMG)
	Constable	
08.	Ratan Lal Meena	(PMG)
	Constable	

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 17/2/2016, specific intelligence was received that around 40 armed maoist cadres including senior leaders were to enter district Ranchi from Khunti through Saranda forest and would further proceed towards Jhumra & Parasnath Hills. Accordingly, an operation was launched by 133 Bn. CRPF on 17/02/2016 wherein an ambush was laid at Ghagrabera forest i.e. the expected route of movement of maoists during the night but contact with the maoists was not made. On 18/02/2016 at about 1700 Hrs., an information was again received that the maoists may enter the Khunti district during tonight. As the input was significant, Shri Neeraj Kumar Pandey, Commandant-133 Bn immediately planned and launched an operation along with State Police.

To trap the maoists, he ordered Sh Dilip Kumar Singh, Asst. Comdt. to lay an ambush with his small team of 45 men at Ghagrabera forest. State Police component under command Sh. Pawan Kumar, SDPO also joined the main ambush party. Two reinforcement parties one under command Shri Vijay Shankar Singh, Dy. Comdt., 133 Bn along with Shri Harshpal Singh, ASP (Ops) was placed at SSB camp Taimara and another under command Shri Rohit Kumar, Dy. Comdt. along with SHO Taimara was positioned near village Bundu. The teams took their respective positions by 2030 hrs.

Shri Dilip Kumar Singh, Asstt. Comdt, on entering the forest identified a strategic location i.e. a bridge on river Raisa which was a must to use if the maoists had to enter Khunti district. But the place was tactically poor due to full moon night and scanty vegetation. To overcome the disadvantage, Shri Dilip Kumar Singh laid an all sided ambush and fortified the positions of troops. During the ambush, Shri Dilip Kumar Singh, Asstt. Comdt. along with 11 personnel including CT/GD Govind Singh, CT/GD Ratan Lal Meena, CT/GD Arun Kumar, CT/GD Harish Kumar, CT/GD Saddam Ansari, CT/GD Lal

Singh Dawar and CT/GD Pawan Kumar Adiwasi targeted the west direction from where the movement of maoists was expected. Another group of 8 personnel including CT/GD Vishwanath Kumar, CT/GD S.S.Karmakar, CT/GD Vijay Kumar Singh targeted the North West direction. Likewise all the directions were covered after forming small teams. At about 2130 hrs, the action group under command Shri Dilip Kumar Singh noticed linear movement of a group moving towards them from west direction. The teams were immediately alerted and after having been satisfied that the suspects were armed, Shri Dilip Kumar Singh and Shri Pawan Kumar, SDPO challenged them to stop and disclosed their identity. But the maoists without paying heed to the challenge, opened indiscriminate fire towards the action group and simultaneously took positions behind available covers to counter the retaliation of Security Forces. The geographical and topographical scenario along with the strength of maoists and their fire power demanded an immediate and brave response and hence Shri Dilip Kumar Singh, Asstt. Comdt. ordered his troops to retaliate effectively and fiercely. A resultant fierce gun fight at close distance began between Maoists and troops.

Meanwhile, the maoists organized themselves and formed different small groups to launch a multi-directional attack the troops. The first upsurge of fire started from the right of the main action group. To counter the attack, CT/GD Govind Singh on order of Shri Dilip Kumar Singh immediately moved tactically to the right and fired multiple UBGL rounds amidst incessant fire. Meanwhile, a bullet fired from the maoists pierced through the magazine attached to the weapon of Shri Dilip Kumar Singh. But without getting petrified by the event he changed the magazine and resumed fire at the maoists. While he was busy in firing, CT/GD Ratan Lal Meena informed him that CT/GD Govind Singh had sustained some injury. Shri Dilip Kumar Singh, immediately moved close to CT/GD Govind Singh and pulled him to a safer place replacing him with CT/GD Ratan Lal Meena.

In the midst of intense fire, Shri Dilip Kumar Singh noticed a maoist firing from behind a tree. To neutralize the maoist, he ordered CT/GD Ratan Lal Meena and CT/GD Pawan Kumar Adiwasi to give him cover fire while he himself crawled to a vantage point and shot the maoist down with his aimed fire.

Another group of maoists was noticed securely entrenched in a pit and firing incessantly at the troops. As it was not feasible to fire directly at the maoists holed in a pit, successive grenades were lobbed towards the pit by Shri Dilip Kumar Singh, CT/GD Vishwanath Kumar CT/GD Arun Kumar and CT/GD Ratan Lal Meena. The daring act of lobbing of grenades while exposing themselves to the bullets of the maoists paid dividend as some maoists had sustained injuries which was evident from screams heard thereafter.

The injuries sustained by maoists made them more furious and to revenge the loss they intensified the firing at the troops. To counter-attack the maoists, CT/GD Saddam Ansari and CT/GD Harish Kumar moved out of their positions to a position from where they could launch a more precise attack at the maoists. On gaining the desired location, the two rained heavy bullets at the maoists and inflicted injuries on them but during the fierce gunfight CT/GD Saddam Ansari himself sustained a bullet injury. The assault and strategy worked and the battle changed in favour of the troops and the maoists started fleeing under the cover fire. However, intermittent exchange of fire continued till 2330 hrs.

At first light, search operation was initiated and 04 dead bodies of the maoists were recovered along with two SLRs, two 303 Rifles, seven SLR Magazines, two .303 Magazines, one AKM Magazine, 247 live rounds of 7.62 MIVI Rifle, 07 live rounds of .303 Rifle, 111 live rounds of AKM, one live HE Grenade, maoist literature, SIM Cards & other daily use items alongwith cash Rs.6,52,600/-. Later, it was confirmed by an arrested maoist, who was involved in this encounter, that four more maoists had sustained bullet injuries during the encounter.

In the operation, planning, execution, command and the unparalleled bravery displayed by the Commanders and troops was astonishing & praiseworthy. During the operation officers and men took highest degree of risk as without caring of their lives they fought head to head with maoists and eliminated four of them besides inflicting injuries to four others.

In this operation S/Shri Dilip Kumar Singh, Asstt. Commandant, Govind Singh, Constable, Saddam Ansari, Constable, Vishwanath Kumar, Constable, Arun Kumar, Constable, Lal Singh Dawar, Constable, Harish Kumar, Constable and Ratan Lal Meena, Constable displayed conspicuous Gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/02/2016.

P. PRAVEEN SIDDHARTH

Officer on Special Duty